NATIONAL INSTITUTE OF AYURVEDA

(Ministry of AYUSH, Govt. of India)

ANNUAL REPORT
2018-2019
(DRAFT)

Jorawar Singh Gate, Amer Road, Jaipur 302002
Jorawar Singh Gate, Amer Road
JAIPUR 302002

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान

प्रशासनिक-प्रतिवेदन

परिचय

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान आयुर्वेद के संवर्द्धन एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण, प्रशिक्षण तथा रोगी परिचर्या के उच्च मानकों को विकसित करने के लिए एक मॉडल संस्थान के रूप में निम्न लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के साथ आयुर्वेद की चिकित्सा प्रणाली के ज्ञान के वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदान करने का आह्वान करने हेतु आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार के एक शीर्ष संस्थान के रूप में 7 फरवरी, 1976 को स्थापित किया गया है -

1. आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा आदि की अभ्युन्नति एवं विकास को गति देना ।
2. आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की सभी विधाओं में स्नातक, स्नातकोत्तरों और आयुर्वेद विद्या वारिधी के अध्येता तैयार करना ।
3. आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधानात्मक कार्य करना ।
4. पीड़ित मानवता को आयुष चिकित्सा पद्धतियों से स्वास्थ्य संरक्षण प्रदान करना ।
5. आयुष चिकित्सा पद्धतियों में अनुसंधान, मूल्यांकन, प्रशिक्षण, परामर्श एवं मार्गदर्शन के लिये उच्चतम स्तर की सेवायें एवं सुविधायें प्रदान करना तथा उन्हें प्रदान करने में सहायता करना ।
6. आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा की समस्त विधाओं में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या वारिधी शिक्षा में प्रयोग करना तथा शिक्षण-पद्धतियों को विकसित करना ।
7. आयुष शिक्षा, अनुसंधान एवं अन्य तत्सम्बन्धित कार्यो के संवर्द्धन हेतु देश के किसी भी प्रान्त में अन्य समकक्ष संस्थान खोलना एवं संचालित करना ।

1976 में इसकी स्थापना होने के पश्चात, शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध, रोगी परिचर्या आदि के क्षेत्रों में बेहतररूप से प्रगति की है जिसके परिणामस्वरूप इसमें अब, आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं स्नातक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, 14 विषयों में स्नातकोत्तर शिक्षा एवं नियमित फैलोशिप प्रोग्राम (पीएच.डी.) की सुविधा है।

संस्थान ने उत्कृष्ठ शिक्षण, प्रशिक्षण तथा रोगी परिचर्यात्मक गतिविधियों में ख्याति अर्जित की है तथा आयुर्वेद के क्षेत्र में स्नातक, स्नातकोत्तर, पोस्ट डॉक्टरल, डिप्लोमा तथा प्रमाण-पत्र स्तरीय पाठ्यक्रमों में अतुलनीय शैक्षणिक मानक स्थापित किये है ।

संस्थान द्वारा डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने हेतु डी-नोवो वर्ग में आवेदन कर दिया गया है तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस प्रस्ताव पर सक्रियता से विचार किया जा रहा है । एनएएएसी (NAAC) एक्रिडिटेशन हेतु भी संस्थान ने आवेदन किया है । संस्थान का 280 शय्याओंयुक्त मुख्य चिकित्सालय को पहले ही 2016 में एनएबीएच (NABH) एक्रिडिटेशन प्रदान किया जा चुका है ।

संस्थान के मुख्य परिसर में बहुत सी बहुमंजिला इमारतें हैं जिनमें 14 शैक्षिक विभाग, उनसे जुड़ी प्रयोगशालायें, शिक्षकों के कक्ष, सेमिनार, प्रदर्शनालयों हेतु कक्ष, लेक्चर थियेटर्स, आधुनिक शिक्षण सहायक सामग्री युक्त कक्षा कक्ष जिनमें ए.सी., डीएलपी प्रोजेक्टर, दृश्य-श्रव्य यंत्र, पुस्तकालय आदि अवस्थित है तथा चिकित्सालय परिसर है जिसमें 300 शय्याओंयुक्त चिकित्सालय, बहिरंग रोगी विभाग, पंचकर्म इकाई, केन्द्रीय प्रयोगशाला, डीलक्स वार्ड्स कोटेज वार्ड्स, योग इकाई आदि अवस्थित है । यहां छात्र एवं छात्राओं हेतु पृथक से बहुमंजिला 5 छात्रावास है । औषधियों के निर्माण हेतु भारी भट्टियाँ एवं मशीनोंयुक्त रसायनशाला, आवश्यक स्टॉफ हेतु क्वार्टर, अतिथि घर, पानी का टेंक एवं जलाशय आदि अवस्थित है । यहां 500 सीटोंयुक्त अच्छी तरह सुसज्जित ऑडिटोरियम स्थित है ।

शासी निकाय

संस्थान का एक शासी निकाय है जिसकी अध्यक्षता माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार करते हैं तथा जिसमें निम्नलिखित सदस्य है, जो कि संस्थान की गतिविधियों का प्रबन्ध एवं नियंत्रण करता है । वर्तमान शासी-निकाय का गठन निम्न प्रकार से है:-

1.	श्री श्रीपद येसो नाईक माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार	**अध्यक्ष**
2.	श्री रघु शर्मा माननीय चिकित्सा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं आयुर्वेद मंत्री राजस्थान-सरकार	उपाध्यक्ष
3.	वैद्य श्री राजेश कोटेचा सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार	सदस्य
4.	डॉ. धर्मेन्द्र सिंह गंगवार अतिरिक्त सचिव व वित्तीय सलाहकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत-सरकार	सदस्य
5.	श्री प्रमोद कुमार पाठक संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार	सदस्य
6.	डॉ. मनोज नेसरी सलाहकार(आयुर्वेद), आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार	सदस्य
7.	डॉ. गायत्री ए. राठौड़ सचिव(आयुर्वेद), राजस्थान-सरकार	सदस्य
8.	प्रो. अभिमन्यु कुमार कुलपति	सदस्य

डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

9. प्रो. के. उन्नीकृष्णन पिल्लई, प्रोफेसर, अमृता स्कूल ऑफ आयुर्वेद — सदस्य
वेल्लीकवी, कोलाम जिला, केरल 690546 (भारत-सरकार द्वारा नामांकित)

10. प्रो. मंजरी द्विवेदी, विभागाध्यक्ष, प्रसूति तंत्र विभाग, आयुवेद संकाय, आईएमएस — सदस्य
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-5 (भारत-सरकार द्वारा नामांकित)

11. प्रो. बनवारीलाल गौड़, पूर्व कुलपति, राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय — सदस्य
प्लॉट नं. 80, प्रेम नगर, सेनापति हाऊस के पीछे, झोटवाड़ा, जयपुर
(राजस्थान-सरकार द्वारा नामांकित)

12. डॉ. उमेश वसन्त तगड़े, अतिरिक्त निदेशक(तकनीकी) — सदस्य
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली
महाराष्ट्र सरकार, (भारत-सरकार द्वारा नामांकित)

13. श्री केदार शर्मा, से.नि. जिला आयुर्वेद अधिकारी, आयुर्वेद विभाग — सदस्य
प्लॉट नं. 13, पुरोहित पाड़ा, ब्रह्मपुरी, जयपुर (राजस्थान-सरकार द्वारा नामांकित)

14. श्री कैलाश शर्मा, से.नि. उप-निदेशक, आयुर्वेद विभाग — सदस्य
प्लॉट नं. 43, विकास नगर, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर
(राजस्थान-सरकार द्वारा नामांकित)

15. प्रो. संजीव शर्मा, निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान — सदस्य-सचिव

स्थायी वित्त समिति

संस्थान के विभिन्न वित्तीय प्रस्तावों एवं विकासात्मक गतिविधियों आदि पर विचार एवं संस्तुति करने हेतु संस्थान की एक स्थायी वित्त समिति है जिसके अध्यक्ष अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार हैं तथा सदस्योंयुक्त है -

1. श्री प्रमोद कुमार पाठक — अध्यक्ष
अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार

2. डॉ. धर्मेन्द्र सिंह गंगवार — सदस्य
अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

3. डॉ. गायत्री ए. राठौड़ — सदस्य
सचिव(आयुर्वेद), राजस्थान-सरकार

4. श्रीमती विजयलक्ष्मी भारद्वाज — सदस्य
उप-सचिव
आयुष मंत्रालय

5. प्रो. के. उन्नीकृष्ण पिल्लई — सदस्य

प्रोफेसर, अमृता स्कूल ऑफ आयुर्वेद
वेल्लीकवी, कोलाम, केरल 690546
(शासी निकाय के सदस्य)

6. डॉ. उमेश वसन्त तगड़े, अतिरिक्त निदेशक(तकनीकी) सदस्य
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली
महाराष्ट्र सरकार (शासी निकाय के सदस्य)

7. प्रो. संजीव शर्मा सदस्य-सचिव
निदेशक
राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर

संस्थानिक नीतिशास्त्र समिति

संस्थान में विभिन्न शोध प्रस्तावों के नियमन, विनियमन एवं समीक्षा करने हेतु एक इथिकल कमेटी है। इसका गठन भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा बायोमेडिकल रिसर्च ऑन ह्युमन सब्जेकट्स के लिए नीतिपरक मार्गदर्शनों के आधार पर किया गया है। आलोच्य वर्ष के दौरान समिति का गठन निम्न प्रकार से रहा है:-

1.	प्रो. बनवारी लाल गौड़ पूर्व कुलपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर	शिक्षक	अध्यक्ष
2.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा विभागाध्यक्ष, स्वस्थवृत्त विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल सांइटिस्ट	सदस्य
3.	प्रो. रामकिशोर जोशी प्राफेसर, कायचिकित्सा विभाग एवं उपाधीक्षक राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल सांइटिस्ट	सदस्य
4.	प्रो. (श्रीमती) सुशीला शर्मा प्रसूति तंत्र विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल सांइटिस्ट	सदस्य
5.	प्रो. पवन कुमार गोदतवार विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल सांइटिस्ट	सदस्य
7.	प्रो. अरुण चौगले विभागाध्यक्ष, रेडियो निदान विभाग एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय जयपुर	बेसिक मेडिकल सांइटिस्ट	सदस्य

8.	प्रो. श्रीमती मोनिका जैन विभागध्यक्ष, औषध विज्ञान विभाग एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय जयपुर	बेसिक मेडिकल सांइटिस्ट	सदस्य
9.	डॉ. कमल कान्त दाधीच प्रोफेसर, संस्कृत विभाग कॉलेज शिक्षा, राजस्थान सरकार जयपुर	कॉमन-मैन रिप्रजेन्टेटिव	सदस्य
10.	श्री अनिल शुक्ला संगठन मंत्री सेवा भारती, जयपुर	नॉन-गवर्नमेन्टल वॉल्युन्टरी एजेन्सी रिप्रजेन्टेटिव	सदस्य
11.	श्री ओम प्रकाश रंगजीका अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय	लीगल प्रोफेशन	सदस्य
12.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल सांइटिस्ट	सदस्य-सचिव

वैज्ञानिक सलाहकार समिति -

संस्थान में विभिन्न शोध परियोजनाओं के नियमन, नियंत्रण एवं समीक्षा हेतु एक वैज्ञानिक सलाहकार समिति है । समिति की संस्थान को अनुसंधान गतिविधियों का वैज्ञानिक ढंग से मूल्यांकन, मार्गदर्शन एवं सलाह प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका है । समिति का गठन निम्न प्रकार से किया गया है -

1.	प्रो. एम. एस. बघेल आईपीजीटीआरए के पूर्व निदेशक जामनगर		अध्यक्ष
2.	प्रो. भूषण पटवर्धन उपाध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	फार्मेकोलोजिस्ट	अध्यक्ष
3.	प्रो. महेन्द्र चन्द्र शर्मा पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर	आयुर्वेद विशेषज्ञ	अध्यक्ष
4.	प्रो. राम मनोहर निदेशक(अनुसंधान) अमृता स्कूल ऑफ आयुर्वेद, कोल्लाम	आयुर्वेद विशेषज्ञ	सदस्य

5.	प्रो. बी. रवि शंकर एसडीएम सेन्टर फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड अलाईड साइन्सेज, उडूपी (कर्नाटक)	फार्मेकोलोजिस्ट	सदस्य
6.	डॉ. डी. आर. नाग विद्वान एवं वरिष्ठ वनस्पतिशास्त्री बैजनाथ, हिमाचल प्रदेश	बोटनिस्ट	सदस्य
7.	डॉ. राजेश शर्मा चिकित्सक एवं योग अध्यापक रतलाम (म.प्र.)	मॉडर्न क्लिनीशियन	सदस्य
8.	डॉ. उमा शंकर अग्रवाल प्रोफेसर एवं पूर्व प्राचार्य राजकीय स.मा.सि. चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल जयपुर ।	मॉडर्न क्लिनीशियन	सदस्य
9.	प्रो. आर. एम. पाण्डेय विभागाध्यक्ष, बायो-स्टेटिस्टेटिक्स अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली	बायोस्टेटिस्टिशियन	सदस्य
10.	डॉ. कमलेश कुमार अग्रवाल 122/226, श्री आयुर्वेद भवन मानसरोवर, जयपुर	आयुर्वेद विशेषज्ञ	सदस्य
11.	प्रो. संजीव शर्मा निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान		सदस्य-सचिव

वित्तीय स्थिति

आयुष मंत्रालय द्वारा संस्थान को व्यय हेतु सभी आवश्यक अनुदान उपलब्ध करवाया जा रहा है । संस्थान को वर्ष 2018-2019 हेतु निम्नानुसार बजट प्रावधान उपलब्ध कराये गये है -

(रू. लाखों में)

मद	बजट अनुमान 2018-19	संशोधित अनुमान 2018-19	वास्तविक प्राप्त अनुदान 2018-19	वास्तविक व्यय 31-3-2019 तक
अनुदान सहायता-वेतन	रू. 5000.00	रू. 4800.00	रू. 5000.00	रू. 5000.00
अनुदान सहायता-जनरल	रू. 1895.00	रू. 2095.00	रू. 2095.00	रू. *1995.00
अनुदान सहायता-एससीपी	रू. 0100.00	रू. 0100.00	रू. 0100.00	रू. 0100.00
अनुदान सहायता-पूंजीगत सम्पत्तियों का सृजन	रू. 2000.00	रू. 2000.00	रू. 2000.00	रू. 2000.00
स्वच्छता एक्शन प्लान	-	-	-	-
योग :	रू. 8995.00	रू. 8995.00	रू. 9195.00	रू. 10,392.00

*अनुदान सहायत-वेतन मद में वास्तविक खर्च रू. 3292 लाख है । अनुदान सहायता-जनरल मद में स्वीकृत बजट के अतिरिक्त खर्च रू. 400 लाख अनुदान सहायता-वेतन मद से, रू. 456 लाख अनुदान सहायता-पूंजीगत मद से तथा रू. 441 लाख संस्थान के राजस्व से किया गया है ।

सम्बद्धता

संस्थान शैक्षणिक एवं परीक्षाओं से सम्बन्धित उद्देश्यों के लिए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर से सम्बद्ध है तथा भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं दिशा-निर्देश जो कि विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकार किये गये हैं का अनुसरण करता है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

बीएएमएस (आयुर्वेदाचार्य) का स्नातक पाठ्यक्रम - 125 स्थान

बीएएमएस का स्नातक पाठ्यक्रम 5½ वर्ष मय 1 वर्ष की इन्टर्नशिप की अवधि का है । बीएएमएस उत्तीर्ण करने के पश्चात्, छात्रों को विभिन्न विषयों में 1 वर्ष के लिए सीसीआईएम द्वारा निर्धारित रोटेटिंग इन्टर्नशिप पर रखा जाता है ।

सीटों का आरक्षण - प्रत्येक वर्ष हेतु अब 125 सीटें उपलब्ध है । 2 सीटें भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् द्वारा प्रायोजित विदेशी नागरिकों के नामांकन हेतु, 10 सीटें दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के नागरिकों हेतु आरक्षित है तथा अजा/अजजा/अपिव/दिव्यंगों हेतु भारत-सरकार के दिशा-निर्देशानुसार सीटे उपलब्ध है ।

प्रवेश की प्रक्रिया - बीएएमएस पाठ्यक्रम में प्रवेश विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा की वरीयता के आधार पर किये गये ।

प्रवेश - वर्ष 2018-2019 के दौरान बीएएमएस पाठ्यक्रम में 97 छात्रों को प्रवेश दिया गया । दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के अभ्यर्थी की अनुपलब्धता के कारण 3 स्थान रिक्त रहे । नेपाल के 3 छात्र, श्रीलंका के 2 छात्र, ईरान के 1 छात्र एवं सूरीनाम के 1 को प्रवेश दिया गया ।

सामान्य		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		आयुष मंत्रालय के माध्यम से दक्षिणी-पूर्वी देशों के छात्र		आईसीसीआर के माध्यम से विदेशी राष्ट्रो के छात्र		कुल प्रवेश	
छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं
23	15	8	3	4	2	16	5	3	1	2	1	-	1	56	28

उत्तीर्ण छात्र – आलोच्य वर्ष के दौरान परीक्षाओं में उपस्थिति तथा उत्तीर्ण हुये छात्रों की कक्षावार स्थिति निम्न प्रकार से है –

कक्षा	प्रविष्ट	उत्तीर्ण	प्रतिशत
आयुर्वेदाचार्य-अंतिम बैच 2013, 2012 एवं 2011	55	51	92.72

शुल्क – बीएएमएस पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में शुल्क रूपये 42,025/–, द्वितीय वर्ष के लिए रूपये 28,650/–, तृतीय वर्ष के लिए रूपये 27,650/– तथा अन्तिम वर्ष के लिए शुल्क रूपये 38,500/– है । छात्रावास मद में स्थान उपलब्ध होने की स्थिति में प्रतिवर्ष रूपये 7,500 की राशि तीन वर्ष के लिए अतिरिक्त रूप से तथा अन्तिम वर्ष में रूपये 11,250/– लिये जाते हैं ।

स्टाईपेंड – एक वर्ष की इन्टर्नशिप के दौरान छात्रों को रूपये 12,684 प्रतिमाह निर्वाह भत्ता का भुगतान किया जाता है।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम – आयुर्वेद वाचस्पति(एम.डी.(आयु.)/आयुर्वेद धन्वन्तरि(एम.एस.(आयु.)–104 स्थान

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम 3 वर्ष की अवधि का है। संस्थान में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए निम्नलिखित सभी 14 विषय उपलब्ध है –

1. अगद तंत्र
2. द्रव्यगुण
3. कौमारभृत्य
4. कायचिकित्सा
5. मौलिक सिद्धान्त
6. पंचकर्म
7. प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग
8. रोग एवं विकृति विज्ञान
9. रस शास्त्र
10. शरीर रचना
11. शरीर क्रिया
12. शल्य तंत्र
13. शालाक्य तंत्र
14. स्वस्थवृत्त

प्रवेश की प्रक्रिया – अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा की वरियता के आधार पर किये जाते है । आलोच्य वर्ष के दौरान, 104 प्रवेश किये गये ।

सीटों का आरक्षण – प्रत्येक विषय में 1 सीट आयुष मंत्रालय के माध्यम से विभिन्न राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित केन्द्र सरकार नामांकित व्यक्तियों के लिए उपलब्ध है । आईसीसीआर द्वारा प्रायोजित बिम्सटेक (BIMSTEC) देशों यथा बांग्लादेश, भूटान, म्यंमार, नेपाल, श्रीलंका एवं थाईलैण्ड हेतु 3 सीटें, आयुष मंत्रालय के माध्यम से दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों हेतु 3 सीटें, मलेशिया हेतु 1 सीट तथा अजा/अजजा/अपिव/दिव्यंगों हेतु भारत-सरकार के दिशा-निर्देशानुसार सीटे उपलब्ध है ।

प्रवेश – आलोच्य वर्ष के दौरान, 104 सीटों पर प्रवेश किया गया । वर्ग-वार प्रवेशित अध्येता निम्न प्रकार से है:-

सामान्य		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		आईसीसीआर द्वारा बिम्सटेक		आयुष मंत्रालय के माध्यम से दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश		सेवारत		आयुष मंत्रालय के माध्यम से विभिन्न राज्यों एवं प्राईवेट केन्द्रीय सरकार नामिति		कुल प्रवेश	
छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं
11	22	01	08	-	05	03	14	03	-	02	01	01	02	13	04	06	08	40	64

वर्ष 2018-19 के दौरान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 312 अध्येता अध्ययनरत रहे । आलोच्य वर्ष के दौरान, एमडी/एमएस के 105 अध्येताओं ने अपने शोध महानिबंध प्रस्तुत किये ।

उत्तीर्ण – आलोच्य वर्ष के दौरान परीक्षाओं में उपस्थिति तथा उतीर्ण हुये अध्येताओं की कक्षावार स्थिति निम्न प्रकार से है –

कक्षा	प्रविष्ट	उत्तीर्ण	प्रतिशत
एम.डी.(आयुर्वेद) भाग-II बैच 2015-16	80	80	100%

शुल्क – स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में शुल्क प्रथम वर्ष के लिए रूपये 81,750/-, द्वितीय वर्ष के लिए रूपये 54,500/- तथा तृतीय वर्ष के लिए रूपये 54,500/- है। रूपये 22,500 की राशि अतिरिक्त रूप से प्रति वर्ष छात्रावास मद में स्थान उपलब्ध होने की स्थिति में लिये जाते हैं ।

स्टाईपेंड – एमडी/एमएस अध्येताओं को प्रथम वर्ष में रू. 42,560, द्वितीय वर्ष में रू. 45,600 एवं अन्तिम वर्ष में रू. 48,640 मासिक निवार्ह भत्ता (स्टाईपेंड) उपलब्ध कराया जाता है । स्टाईपेंड के साथ मंहगाई भत्ता केन्द्र-सरकार की दरों पर देय है ।

फैलोशिप प्रोग्राम (पीएच.डी., आयुर्वेद) – आयुर्वेद विद्यावारिधी – 28 स्थान

सभी स्नातकोत्तर 14 विषयों में नियमित फैलोशिप प्रोग्राम उपलब्ध है । फैलोशिप 2 वर्ष के लिए प्रदान की जाती है जिसमें एक वर्ष के लिए अभिवृद्धि की जा सकती है जो कि शोध में आवश्यक प्रगति के अध्यधीन होती है । फैलोशिप प्रोग्राम के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी.(आयुर्वेद) की उपाधि प्रदान करता है ।

प्रवेश की प्रक्रिया – प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित कर साक्षात्कार कर दिये जाते हैं ।

सीटों का आरक्षण – 1 स्थान BIMSTEC (बांग्लादेश, भूटान, म्यंमार, नेपाल, श्रीलंका एवं थाईलैण्ड देशों के अभ्यर्थियों हेतु) हेतु उपलब्ध है इस पर प्रवेश भारतीय सांस्कृतिक संबन्ध परिषद् द्वारा प्रायोजित किये जाते हैं। 1 स्थान दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के अभ्यर्थियों हेतु उपलब्ध है इस पर प्रवेश आयुष मंत्रालय के माध्यम से दिये जाते हैं । भारतीय नागरिकों हेतु भारत-सरकार के आदेशानुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांग वर्ग हेतु आरक्षण उपलब्ध है।

प्रवेश – आलोच्य वर्ष के दौरान, विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश नहीं दिये गये हैं । 8 अध्येताओं ने अपना शोधमहानिबन्ध परीक्षा प्रस्तुत किये एवं इनकी मौखिक परीक्षा (Viva-voce) आयोजित की गई ।

शुल्क – फैलोशिप हेतु प्रथम वर्ष में रू. 1,00,750 तथा द्वितीय वर्ष में रू. 62,500 शुल्क निर्धारित है। रूपये 27,500 की राशि अतिरिक्त रूप से प्रति वर्ष छात्रावास मद में स्थान उपलब्ध होने की स्थिति में लिये जाते हैं ।

स्टाईपेंड – फैलोशिप प्रोग्राम के दौरान प्रथम वर्ष में रू. 50,315 एवं द्वितीय वर्ष में रू. 51,990 मासिक निर्वाह भत्ता देय है । निर्वाह भत्ता के साथ मंहगाई भत्ता केन्द्र सरकार की दरों पर देय है ।

आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम – 30 स्थान

प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित किये जाते है । प्रवेश 12वीं कक्षा के प्राप्तांकों की वरीयता के आधार पर किये जाते हैं । आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की अवधि मय 6 माह के इंटर्नशिप के 3 वर्ष की है।

प्रवेश – आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 30 प्रवेश किये गये । वर्ग-वार प्रवेश निम्न प्रकार से है-

सामान्य/ओपन		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		कुल प्रवेश	
छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं
08	08	02	02	-	02	07	01	-	-	17	13

आलोच्य वर्ष के दौरान, डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 79 छात्र अध्ययनरत रहे । 20 छात्रों द्वारा सफलतापूर्वक विशिखानु प्रशिक्षण प्राप्त किया गया ।

उत्तीर्ण-आलोच्य वर्ष के दौरान परीक्षाओं में उपस्थित तथा उत्तीर्ण हुये अध्येताओं की कक्षावार स्थिति निम्न प्रकार है –

कक्षा	प्रविष्ठ	उत्तीर्ण
आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा द्वितीय वर्ष मुख्य (2015)	26	20

शुल्क – डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु प्रथम वर्ष में रू. 21,400 तथा द्वितीय वर्ष में रू. 19,400 शुल्क निर्धारित है। रूपये 4,500 की राशि प्रथम वर्ष हेतु एवं रूपये 6,750 की राशि अन्तिम वर्ष हेतु अतिरिक्त रूप से प्रति वर्ष छात्रावास मद में स्थान उपलब्ध होने की स्थिति में लिये जाते है।

स्टाईपेंड – छात्रों को इंटर्नशिप के दौरान रू. 1,500 प्रति माह निर्वाह भत्ता देय है ।

लघु-अवधि पाठ्यक्रम

संस्थान द्वारा 1 माह से 2 माह की अवधि के निम्नलिखित लघु अवधि पाठ्यक्र चलाये जाते है –

- 1 वर्षीय पंचकर्म तकनीशियन पाठ्यक्रम ।
- स्त्रीरोग स्थानिक चिकित्सा में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम ।
- क्षार सूत्र में प्रशिक्षण हेतु प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम ।
- आयुर्वेद के माध्यम से सौंदर्य की देखभाल के लिए प्रशिक्षण विषयक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम ।
- आयुर्वेद के माध्यम से सौंदर्य की देखभाल के लिए उन्नत प्रशिक्षण विषयक पाठ्यक्रम ।
- आयुर्वेदिक औषध पादप सामग्री के मानकीकरण विषयक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम ।
- रसोई मसालों और स्थानीय औषध पादपों के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभल पर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम ।
- पाक कला के आयुर्वेदिक पद्धतियों के लिए प्रशिक्षण विषयक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम ।
- आयुर्वेद में पोषण एवं खान-पान के लिए प्रशिक्षण विषयक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम ।

क्रीड़ा एवं खेल

संस्थान द्वारा क्रीड़ा एवं खेल को बढ़ावा देने हेतु एवं छात्रों एवं अध्येताओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के रखरखाव हेतु 21-1-2019 से 31-1-2019 तक वार्षिक क्रीड़ा एवं खेल गतिविधियाँ 'तरंग-2019' संस्थान द्वारा आयोजित की गई । विभिन्न खेलकूल गतिविधियाँ यथा – क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम आदि तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें छात्रों एवं अध्यापकों द्वारा भाग लिया गया । छात्रों, अध्यापकों तथा संस्थान के स्टॉफ ने खेलकूद एवं सांस्कृतिक आयोजनों का आनंद लिया । विजेता दलों एवं व्यक्तियों को पुरूस्कार वितरित किये गये ।

रोगी परिचर्या गतिविधियाँ

कैम्पस होस्पिटल

280 शय्याओं युक्त मुख्य चिकित्सालय एनएनबीएच एक्रिडिटेड चिकित्सालय है । संस्थान के 4 चिकित्सालय है यथा – 280 शय्याओं युक्त एनआईए कैम्पस हॉस्पिटल तथा 20 शय्याओं युक्त एनआईए सिटी हॉस्पिटल जो कि मुख्य प्रांगण से 4 किलोमीटर दूर शहर की हृदय स्थली में स्थित है, एक सेटेलाईट क्लिनिक जवाहर नगर में है जो कि जयपुर शहर का विख्यात रिहायशी एवं वाणिज्यिक क्षेत्र है तथाएक चिकित्सालय, जमवारामगढ़, जयपुर जिला में स्थित है जो कि बहिरंग रोगी विभाग की सेवाऐं प्रदान कर रहा है।

चिकित्सालय रोगी परिचर्या गतिविधियों के क्षेत्र में बहिरंग रोगी विभाग, अन्तरंग रोगी विभाग, पंचकर्म प्रक्रियाओं, प्राथमिक आत्ययिक चिकित्सा इकाई, केन्द्रीय प्रयोगशाला, अनेकों विशिष्ट चिकित्सा इकाईयों तथा सेवाओं यथा पैथोलॉजिकल टेस्ट, बॉयो-केमिकल टेस्ट, एक्स-रे, ई.सी.जी., सी.टी.एम.टी., अल्ट्रॉसाउण्ड, स्पॉयरोमीटरी, डेन्टल, ऑडियोमीटर, जरावस्था इकाई, आहार इकाई, हड्डी रोग इकाई, बाल मानसिक स्वास्थ्य इकाई, शिशु रोग एवं त्वक रोग इकाई, गुदरोग चिकित्सा, जलौकावचरण, अग्निकर्म, गर्भ जांच, टीकाकरण इकाई आदि के माध्यम से संस्थान विशिष्ट गतिविधियाँ सम्पन्न करा रहे है । नेत्र सम्बन्धित विभिन्न रोगों एवं विकृतियों तथा कान, नाक व गला सम्बन्धित रोगों के लिए विशेष चिकित्सा सेवायें उपलब्ध है । किसी

भी आत्ययिक स्थिति में रोगियों को संभालने हेतु एक एम्बुलेन्स है । संस्थान की प्रयोगशाला पब्लिक-प्राईवेट साझेदारी के आधार पर रोगियों को विभिन्न नैदानिक परीक्षण उपलब्ध करा रही है ।

चिकित्सालयों के लिए अधिकांश औषधियाँ संस्थान की रसायनशाला में निर्मित कर पूर्ति की जाती है तथा रोगियों को नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती है । रोगी राजस्थान से ही नहीं वरन आस-पास के राज्यों से भी विभिन्न रोगों की विशिष्ट चिकित्सा हेतु आते हैं । चिकित्सालयों में वरिष्ठ नागरिकों, स्वतंत्रता सेनानियों, बीपीएल कार्ड होल्डर्स, स्टॉफ एवं छात्रों हेतु नि:शुल्क रजिस्ट्रेशन किया जाता है । कम्प्यूटर पर ओपीडी रेकॉर्ड आदि का प्रलेखीकरण कम्प्यूटरीकृत किया जाता है ।

अन्तरंग रोगी विभाग में पंजीयन शुल्क 30/- रूपये है । आलोच्य वर्ष के दौरान, संस्थान को आईपीडी रजिस्ट्रेशन से रू. 1,19,340 तथा कोटेज, क्यूबिकल तथा डिलक्स वार्ड सुविधाओं से रू. 16,70,090/- प्राप्त हुये । ओपीडी रजिस्ट्रेशन शुल्क रू. 10/- है । आलोच्य वर्ष के दौरान, संस्थान को ओपीडी रजिस्ट्रेशन से रू. 12,12,600/- की राशि एवं रू. 18,47,778/- की राशि यूज़र चार्जेज यथा पंचकर्म प्रक्रियाऐं, क्रिया कल्प, प्रयोगशाला जांच आदि से प्राप्त हुई ।

बहिरंग रोगी विभाग (ओपीडी) -

चिकित्सालयों में बहिरंग विभाग है जिसमें 14 विभाग मय विभिन्न इकाईयों एवं विशिष्ट क्लिनिक्स अपनी सेवायें देते हैं । वर्ष के दौरान, बहिरंग विभाग में नवीन एवं पुरातन कुल 2,94,453 रोगी थे जिनमें से 1,94,458 नवीन पंजीकृत किये गये । बहिरंग विभाग में चिकित्सा प्राप्त करने वाले रोगी विभागानुसार निम्न प्रकार से है -

क्र. सं.	विभाग	नवीन				पुरातन				महायोग
		पुरुष	महिला	बालक	योग	पुरुष	महिला	बालक	योग	
1.	काय चिकित्सा	21367	13322	543	35232	8375	6694	197	15266	50498
2.	पंचकर्म	11389	10593	395	22377	8627	9200	279	18106	40483
3.	शल्य तंत्र	14296	7605	385	22286	9429	4098	171	13698	35984
4.	शालाक्य तंत्र	8740	8507	1846	19093	3769	3535	715	8019	27112
5.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	347	10715	218	11280	238	8495	92	8825	20105
6.	बाल रोग	615	428	6939	7982	159	92	3779	4030	12012
7.	स्वस्थवृत्त	3999	3203	199	7401	5424	6158	182	11764	19165
8.	मौलिक सिद्धान्त	3586	2474	107	6167	2021	1242	38	3301	9468
9.	शरीर क्रिया	4694	2974	142	7810	1629	1326	32	2987	10797
10.	शरीर रचना	1705	990	48	2743	914	587	19	1520	4263
11.	रोग एवं विकृति विज्ञान	9118	6355	762	16235	4528	3224	292	8044	24279
12.	रसशास्त्र	740	418	15	1173	484	400	5	889	2062
13.	द्रव्यगुण	1208	1015	71	2294	672	536	35	1243	3537
14.	अगद तंत्र	1001	713	28	1742	493	532	8	1033	2775
15.	प्राथमिक आत्ययिक चिकित्सा इकाई	623	331	9	963	0	0	0	0	963
16.	प्रतीक्षारत	12991	12125	2622	227738	0	0	0	0	27738
17.	होम्योपैथी	866	845	231	1942	526	608	136	1370	3212
	योग	**97285**	**82613**	**14560**	**194458**	**47288**	**46727**	**5980**	**99995**	**294453**

अन्तरंग रोगी विभाग (आईपीडी)

शय्याओं की कुल संख्या 300 रही है जिनमें से 280 शय्यायें एनआईए कैम्पस हॉस्पीटल के अन्तरंग विभाग में है तथा 20 शय्यायें एनआईए सिटी हॉस्पिटल में अवस्थित है । शय्याओं का आवंटन सभी विभागें में निम्न प्रकार किया गया है :-

क्र. सं.	विभाग	शय्याओं का आवंटन			
		पुरुष	महिला	बलक	योग
1.	कायचिकित्सा	36	20	0	56
2.	पंचकर्म	38	10	0	48
3.	शल्य	38	10	0	48
4.	शालाक्य	26	8	0	34
5.	प्रसूति	0	48	0	48
6.	बालरोग	0	0	38	38
7.	स्वस्थवृत्त	2	1	0	3
8.	मौलिक सिद्धान्त	6	1	0	7
9.	रसशास्त्र	1	1	0	2
10.	द्रव्यगुण	1	1	0	2
11.	रोग विज्ञान	3	1	0	4
12.	अगद तंत्र	1	1	0	2
13.	शरीर रचना	2	1	0	3
14.	शरीर क्रिया	4	1	0	5
	योग	**158**	**104**	**38**	**300**

आलोच्य वर्ष के दौरान, अन्तरंग रोगी विभाग में 69,782 रोगियों की चिकित्सा की गई जिनमें से 4,912 रोगी नवीन थे । अन्तरंग रोगी विभाग के स्तर पर चिकित्सा किये गये रोगियों की स्थिति निम्न प्रकार है:-

क्र. सं.	विभाग	नवीन				पुरातन				महायोग
		पुरुष	महिला	बालक	योग	पुरुष	महिला	बालक	योग	
1.	कायचिकित्सा	326	229	2	557	8295	4310	26	12631	13188
2.	पंचकर्म	916	662	16	1594	17894	13106	480	31480	33074
3.	शल्य	935	222	20	1177	7673	1695	85	9453	10630
4.	शालाक्य	46	28	4	78	768	201	41	1010	1088
5.	प्रसूति	0	893	2	895	0	2322	0	2322	3217
6.	बालरोग	2	1	303	306	47	2	3010	3059	3365
7.	स्वस्थवृत्त	0	2	0	2	10	21	0	31	33
8.	मौलिक सिद्धान्त	69	43	4	116	1498	1008	43	2549	2665
9.	रसशास्त्र	9	6	0	15	117	77	0	194	209
10.	द्रव्यगुण	1	1	0	2	7	17	0	24	26
11.	रोग विज्ञान	36	13	0	49	365	124	0	489	538
12.	अगद तंत्र	63	9	0	72	622	93	0	715	787
13.	शरीर रचना	19	24	0	43	282	496	0	778	821

14.	शरीर क्रिया	5	1	0	6	122	13	0	135	141
	योग	2427	2134	351	4912	37700	23485	3685	64870	**69782**

कॉटेज, क्युबिकल तथा डीलक्स वार्ड्स

चिकित्सालय में 2 वातानुकूलित डीलक्स वार्ड, 4 वातानुकूलित क्युबिकल वार्ड तथा 5 कॉटेज वार्ड रू. 800/-, रू. 550/- तथा रू. 300/- के दैनिक प्रभार पर क्रमशः उपलब्ध है । हर समय यहाँ इन वार्ड्स की अच्छी मांग बनी रहती है ।

लेबर रूम एवं गायनेकोलोजिकल ऑपरेशन थियेटर

संस्थान चिकित्सालय में स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र प्रक्रियाओं हेतु ऑपरेशन थियेटर एवं लेबर रूम स्थित है । इस ऑपरेशन थियेटर में लघु एवं वृहत शल्यकर्मो हेतु नवीनतम विभिन्न यत्रों एवं उपकरण उपलब्ध है । । आलोच्य वर्ष के दौरान, 9,168 आयुर्वेदिक प्रक्रियाऐं यथा पिचु, पोटली, उत्तरबस्ति, मर्म बस्ति आदि सम्पन्न की गई तथा ऑपरेशन थियेटर में सम्पन्न की गई शल्य प्रक्रियाओं की संख्या निम्न प्रकार से है :-

क्रम संख्या	प्रक्रियाऐं	संख्या
1.	सामान्य प्रसव	88
2.	एलएससीएस	41
3.	हिस्ट्रेकटॉमी	36
4.	कॉपर-टी इनसर्शन/रिमूवल	9
5.	अन्य	39

शल्य ऑपरेशन थियेटर

रोगियों के विभिन्न शल्यकर्म करने हेतु नवीनतम विभिन्न यत्रों एवं उपकरण से सुसज्जित पृथक से शल्यकर्मागार है । आलोच्य वर्ष के दौरान, शल्यकर्मागार में सम्पन्न किये गये शल्यकर्मो की संख्या निम्न प्रकार से है :-

क्रम संख्या	ऑपरेटिव प्रोसिजर्स	संख्या
1.	Choleycystectomy	11
2.	Inguinal Hernioplasty	49
3.	Paraumblical Hernioplasty	4
4.	Scrotoplasty	0
5.	Appendectomy	2
6.	Hydrocele (Eversion of Sac)	12
7.	Haemorrhoidectomy	51
8.	Plication of Internal Haemorrhoids	30
9.	Infra Red Coagulation of Internal Haemorrhoids	0
10.	Sclerotherapy of Internal Haemorrhoids	1
11.	Kshara Karma	33
12.	Anal Fistula (Kshara Sutra Therapy)	411
13.	Fissure in ano (Sphincterotomy - Agnikarma)	102
14.	Excision of Pilonidal Sinus	26
15.	Rectal Polypectomy	8
16.	Incision & Drainage of Perianal Abscess	68

17.	Incision & Drainage of Breast Abscess	0
18.	Breast Fibroadenoma (Lumpectomy)	6
19.	Circumcision	6
20.	Excision of Cyst	49
21.	Excision of Warts	16
22.	Excision of Lipoma	10
23.	Nail Bed Excision	0
24.	Colle's Fracture (Reduction)	13
25.	Labuloplasty	13
	योग	**921**

क्रम संख्या	पैरा-सर्जिकल प्रोसिजर्स	संख्या
1.	क्षारकर्म	33
2.	क्षारसूत्र	411
3.	अग्निकर्म	75
4.	जलौकावचरण	86
5.	बंधनकर्म - ड्रेसिंग	235
	योग	**840**

रोगियों को आहार (पथ्य)

चिकित्सकों के परामर्शानुसार रोगियों को पौष्टिक आहार, फल, दुग्ध आदि नि:शुल्क प्रदान किये गये । आहार का विवरण निम्न प्रकार से है -

पथ्य क्रमांक	पथ्य का विवरण	दुग्ध	फल
नं. 1	रोटी, दाल (मूंग) सब्जियाँ	250 मि.ली.	200 ग्राम
नं. 2	दलिया, दाल(मूंग)	500 मि.ली. (दो बार)	200 ग्राम
नं. 3	चावल-खिचड़ी, दाल(मूंग)	500 मि.ली. (दो बार)	200 ग्राम
नं. 4	दलिया, चपाती	250 मि.ली.	200 ग्राम
नं. 5	पर्पटी कल्प	1-10 लीटर चिकित्सक के निर्देशानुसार	-
नं. 6	दूग्ध एवं फल	500 मि.ली. (दो बार)	500 ग्राम
नं. 7	-	चिकित्सक के निर्देशानुसार	-
नं. 8	-	500 मि.ली. (दो बार)	-
नं. 9	दलिया, दाल(मूंग)	500 मि.ली. (दो बार)	200 ग्राम
नं. 10	चपाती, दाल(मूंग), सब्जियाँ	500 मि.ली.	200 ग्राम

सिटी होस्पिटल

20 शय्याओं युक्त यह चिकित्सालय मुख्य परिसर से 4 कि.मी. दूर शहर की हृदय स्थली में स्थित है । चिकित्सालय में पृथक् से बहिरंग विभाग अवस्थित है जहां विभिन्न विभाग - कायचिकित्सा, पंचकर्म, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, रोग एवं विकृति विज्ञान, शरीर रचना, शरीर क्रिया, रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना, मौलिक सिद्धान्त, द्रव्य गुण, स्वस्थ वृत्त, स्त्री एवं प्रसूति रोग तथा बालरोग विभाग - रोगियों को अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। रोगियों को चिकित्सा सुविधायें तथा औषधियाँ तथा स्वास्थ्यवर्धक पथ्य जहाँ तक संभव हो नि:शुल्क उपलब्ध है। इस चिकित्सालय में सेन्ट्रल लैबोरेटरी के विस्तार केन्द्र के रूप में एक पैथालोजिकल लैबोरेटरी-कम-सैम्पल कलेक्शन सेन्टर जिसमें रोगियों के पैथालोजिकल टेस्ट (एक्स-रे, रक्त जाँच, मूत्र जाँच आदि) किये जाने की सुविधा उपलब्ध है । अधिक जाँचों हेतु रोगियों को सैन्ट्रल लैबोरेटरी में रेफर किया जाता है । वर्ष के दौरान, बहिरंग विभाग में नवीन एवं पुरातन कुल 23,420 रोगी थे जिनमें से 18,530 नवीन पंजीकृत किये गये तथा अन्तरंग विभाग में कुल रोगी 1,471 भर्ती किये गये जिनमें से 26 नवीन रोगी पंजीकृत किये गये ।

सेटेलाईट चिकित्सालय

संस्थान का सेटेलाइट चिकित्सालय, जयपुर के महत्त्वपूर्ण व्यावसायिक एवं आवासीय क्षेत्र जवाहर नगर में स्थित है जो कि रोगी परिचर्यात्मक गतिविधियाँ प्रदान कर रहा है । सेटेलाइट चिकित्सालय में नि:शुल्क परामर्श एवं औषधियाँ प्रदान की जाती है । चिकित्सालय का प्रबन्ध विभिन्न विभागों द्वारा किया जाता है । वर्ष के दौरान, बहिरंग विभाग में नवीन एवं पुरातन कुल 9,040 रोगी थे जिनमें से 4,514 नवीन पंजीकृत किये गये ।

एसी-एसएसपी योजनान्तर्गत चिकित्सालय

संस्थान द्वारा जयपुर जिला में स्थित ग्राम जमवारामगढ़ में बहिरंग रोगी सुविधाओं युक्त एक चिकित्सालय प्रारंम्भ किया गया है । आलोच्य वर्ष के दौरान, पूर्व में प्रारंम्भ किये गये ट्राईबल चिकित्सालय के बहिरंग विभाग में नवीन एवं पुरातन कुल 8,150 रोगी थे जिनमें से 5,522 नवीन पंजीकृत किये गये ।

प्राथमिक आत्ययिक चिकित्सा इकाई

चिकित्सालय में आन्तरिक आत्ययिक चिकित्सा आवश्यकता की पूर्ति हेतु 24 घण्टे एक आत्ययिक चिकित्सा इकाई चलाई जा रही है । आलोच्य वर्ष के दौरान, 993 रोगियों की चिकित्सा की गई । इस इकाई में जीवन-रक्षक औषधियों के साथ आयुर्वेदिक औषधियाँ तथा ऑक्सीजन तथा अन्य उपकरण चालू हालत में रखे जाते हैं । इसका 24 घण्टे प्रबन्ध विभिन्न विभागों के अध्यापकों द्वारा किया जाता है जिसमें स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा सहायता की जाती है । आलोच्य वर्ष के दौरान, COAD (क्रोनिक ऑब्सट्रेक्टिव एयरवे डिज़िज), मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गैस्ट्रो एन्टेराइटिस, अतिसार, निर्जलीकरण, हेमोरिह्जे, ट्रॉमा, रिटेंशन यूरिन आदि से पीड़ित रोगियों के रोगों का प्रबन्ध एवं चिकित्सा की गई ।

ई-होस्पिटल सेवाऐं

संस्थान द्वारा ई-होस्पिटल सेवाऐं प्रारम्भ की गई । जन सामान्य को चिकित्सालय सेवाओं के जरिये परामर्श से लाभान्वित करने के लिए संस्थान ई-होस्पिटल सेवाओं के तहत पंजिकृत हो गया है । ओपीडी सुविधाऐं पहले से ही कमप्युटराइज्ड हो चुकी हैं तथा इन्हें आईपीडी स्तर पर विस्तारित किया जायेगा ।

विशिष्ठ नैदानिक सेवायें

पंचकर्म इकाई –

संस्थान परिसर में विभिन्न पंचकर्म प्रक्रियाओं यथा – स्नेहन स्वेदन, वमन, विरेचन, अनुवासन, बस्ति यंत्रों युक्त एक पृथक से स्टेट–ऑफ–आर्ट पंचकर्म इकाई है । गणमान्य व्यक्तियों एवं अतिविशिष्ट व्यक्तियों को पंचकर्म उपचार प्रदान करने हेतु पृथक से सुन्दर कक्ष एवं चैम्बर्स है ।

नशा प्रतिषेद इकाई

संस्थान में नशामुक्त समाज के उद्देश्य से नशा प्रतिषेद इकाई का प्रारंभ किया गया । नशीली दवाओं पर निर्भर रोगियों को उचित परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया । तम्बाकू, धूम्रपान, शराब पीने के आदि लोगों को पूर्ण चिकित्सा प्रदान की गई । इनमें से अधिकांशत लोगों ने इकाई द्वारा प्रदान की गई चिकित्सा के प्रति संतोष व्यक्त किया ।

पैरा–सर्जिकल प्रोसिजर्स

व्याधियों की चिकित्सा हेतु पैरा–सर्जिकल प्रक्रियाओं की विशिष्ठ तकनीकें यथा – क्षारकर्म, क्षारसूत्र, अग्निकर्म, रक्तमोक्षण, जलौकावचरण, सिरावेधन आदि अपनायी जा रही है । ये तकनीकें अर्श एवं भगन्दर की चिकित्सा में अधिक लोकप्रिय है ।

अनुर्जता इकाई

चिकित्सालय में अनुर्जता इकाई अवस्थित है जिसमें विभिन्न प्रकार की अनुर्जता से पीड़ित रोगियों की चिकित्सा की जाती है । संस्थान की रसायन शाला में निर्मित पुष्करमूलादियोग सहित औषधियाँ रोगियों को ओपीडी के माध्यम से नि:शुल्क वितरित की जा रही है ।

बाल मानसिक स्वास्थ्य इकाई

बालकों में विभिन्न मानसिक विकृतियों यथा – अटेंशन डेफिसीट, हाइपरएक्टिव डिसॉर्डर्स (एडी/एचटी), मेन्टल रिटॉर्डेशन, शैक्षणिक तनाव/स्मृति सम्बन्धित विकृतियाँ आदि हेतु विशिष्ट चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध है। देश के विभिन्न स्थानों से इस इकाई में रोगी आते हैं ।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा इकाई

संस्थान के स्वस्थवृत्त विभाग में पृथक से एक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा इकाई है जहाँ रोजाना जनसामान्य एवं रोगियों के स्वास्थ्य संवर्द्धन हेतु योग एवं प्राणायाम कराये जाते हैं । विबन्ध, उदररोग, शि:शूल, कटिशूल, रक्तविकार, अंगमर्द, स्तब्धता, शोथ, नेत्र प्रदाहशूल, अनिद्रा, प्रमेह आदि के रोगियों को विशेष मिट्टी चिकित्सा एवं जल चिकित्सा उपलब्ध कराई जा रही है । रोगियों के लाभार्थ विभिन्न आसन, प्राणायाम, कुञ्जल, सूत्र नेति, वस्त्र धौति, कटि स्नान आदि नियमित रूप से कराये जाते है ।

दन्त इकाई

इस इकाई द्वारा दंत रोगों यथा – डेन्टल केरिज, पायरिया, जींजीविटिज़ आदि की जांच एवं चिकित्सा की जाती है । खराब हुये दांतों को निकालने, दांतों का शल्कन एवं साफ–सफाई आदि कर्म नियमित किये जाते हैं ।

रिहेबिलीटेशन एवं फिजियोथेरेपी इकाई

संस्थान से चिकित्सा प्राप्त कर रहे नाड़ीतंत्र सम्बन्धित विकृतियों से पीड़ित रोगियों के प्रबन्ध के लिए यहां एक रिहेबिलीटेशन तथा फिजियोथेरेपी इकाई है । रोगियों के लाभार्थ यह इकाई आवश्यक मशीनों तथा यंत्रों यथा कॉमर्शियल ट्रेड मील, क्रॉस ट्रेनर (साइकिलिंग), बॉड़ी सॉलिड़, टेन स्टेशन मल्टी जिम, पॉवर प्लेट (बॉडी मसाज, वेट रिड्यूसर) आदि से युक्त है ।

हीमेटोलॉजी बायोकेमेस्ट्री इकाई

5 पोर्ट हीमेटोलॉजी अनालाइजर तथा पूरी तरह से स्वचालित जैव रसायन विश्लेषक जैसे उपकरणों से सुसज्जित इकाई केन्द्रीय प्रयोगशाला में है । इसका प्रयोगशाला में 200 से अधिक नैदानिक जाँचों के शुद्धता आधारित सरल एवं त्वरित परिणाम प्राप्त करने में लाभ प्राप्त हो रहा है।

विशिष्ट इकाई : पूर्व-मधुमेह, मधुमेह एवं चयापचय सिंड्रोम

मधुमेह के प्रबन्धन, निवारण एवं संवर्द्धन पहलुओं पर परामर्श एवं रोगियों के उपचार हेतु पूर्व-मधुमेह, मधुमेह एवं चयापचय सिंड्रोम हेतु विशिष्ट चिकित्सा इकाई है । विशेषरूप से विभिन्न चरणों में मधुमेह के लिए तैयार औषधियाँ भी तैयार कर वितरित की जा रही है ।

यूरोफ्लोमीटरी प्रयोगशाला

संस्थान द्वारा समय के साथ मूत्र के प्रवाह की दर की गणना करने के लिए तथा कम मूत्र मार्ग की स्थिति के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी देने हेतु संस्थान में यूरोफ्लोमीटरी प्रयोगशाला है । यह प्रयोगशाला ऑब्सट्रक्टिव यूरोपैथी विकारों एवं पौरुष ग्रन्थि की वृद्धि का पता लगाने में भी उपयोगी है ।

केन्द्रीय प्रयोगशाला

संस्थान के चिकित्सालय में बहिरंग, अन्तरंग व शोध के अन्तर्गत लिये गये विभिन्न नैदानिक परीक्षण की पूर्ति हेतु पब्लिक-प्राईवेट पार्टनरशिप आधार पर चलाई जा रही एक केन्द्रीय प्रयोगशाला है । हीमेटोलॉजिकल टेस्ट, मूत्र जाँच, बायोकेमीकल टेस्ट, सीरोलॉजिकल टेस्ट्स, सोनोग्राफी, एक्स-रे, ईसीजी, टीएमटी आदि नैदानिक परीक्षण की सुविधायें रोगियों को उपलब्ध करायी जाती है । प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के परिष्कृत यन्त्र एवं उपकरण उपलब्ध है । छात्र एवं अध्येताओं द्वारा भी उनके प्रशिक्षण के क्रम में उपरोक्त नैदानिक परीक्षण किये जाते है ।

एससी-एसपी स्कीम - अनुसूचित जाति क्षेत्रों में चिकित्सा सहायता

संस्थान एससी-एसपीयोजनायें लागू कर रहा है जिसके लिए हर वर्ष पृथक से बजट प्रावधान किया जाता है। संस्थान राजस्थान के अनुसूचित जाति बहुल दर्जनभर जिलों के दूरदराज गांवों/पंचायत समितियों आदि में चल-चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर नि:शुल्क परामर्श, स्वास्थ्य परीक्षण, औषधियों का वितरण, आदि कर रहा है । आलोच्य वर्ष के दौरान योजना मद में रू. 100 लाख उपलब्ध कराये गये ।

योजनान्तर्गत, संस्थान 1 दिवस से 7 दिवस की अवधि के चिकित्सा शिविर, चल-चिकित्सा इकाई के माध्यम से राजस्थान के विभिन्न जिलों यथा - उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, सिरोही, जालौर, बाड़मेर, जैसलमेर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ तथा जयपुर के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर लगाकर चिकित्सा लाभ पहुँचा रहा है । इस इकाई के प्रभारी एक एसोसियेट प्रोफेसर है। वर्ष के दौरान, उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, सिरोही, जैसलमेर, अजमेर, सीकर, जालौर, चूरु, टोंक, अलवर एवं जयपुर जिलों के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य वाले गांवों व कस्बों में 79 शिविरों (41 एक दिवसीय, 4 दो दिवसीय, 2 तीन दिवसीय, 1 चार दिवसीय, 4 पांच दिवसीय एवं 27 छ: दिवसीय) का आयोजन किया गया। रोगियों को रू. 1,05,16,270/- की नि:शुल्क औषधियाँ वितरित की गई । 42,194 रोगी लाभान्वित हुये । उपरोक्त के अतिरिक्त रू. 1,07,792 की औषधियाँ शिविर आयोजित करने वाले विभागों तथा रू. 3,98,030/- की औषधियाँ संस्थान द्वारा उदयपुर जिला में स्थित गोगुन्दा ग्राम में चलाये जा रहे ट्राईबल चिकित्सालय को जारी की गई । इन शिविरों में संस्थान के विभिन्न विभागों के संकाय-सदस्यों, पैरा-मेडिकल स्टॉफ तथा स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा भाग लिया गया ।

रसायनशाला

संस्थान की रसायनशाला जीएमपी सर्टिफाइड है जिसमें चिकित्सालय व शोध कार्यो की आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार की औषधियों के निर्माण का कार्य किया जाता है । औषध निर्माण के लिए अपनाई जाने वाली आदर्श प्रक्रियाओं का पूर्णरूप से पालन किया जाता है । औषधियों में गुणवत्ता मानक बनाये रखने हेतु औषध-निर्माण के सभी चरणों में गुणवत्ता नियंत्रण पद्धतियाँ अपनायी जाती है । औषध उत्पादों के निर्माण के दौरान मानक स्वस्थकर वातावरण एवं सुधारात्मक गुणवत्ता बनाये रखी जाती है। रसायनशाला रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग से सम्बद्ध है । विभाग के एक एसोसियेट प्रोफेसर द्वारा रसायनशाला में प्रबन्धन एवं निर्देशन किया जाता है तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों को आयुर्वेदीय पद्धति से औषध निर्माण का प्रायोगिक अध्ययन-अध्यापन कराया जाता है । विभिन्न योगों में प्रयुक्त किये जाने वाले घटकों की गुणवत्ता बनाये रखने पर विशेष ध्यान दिया जाता है । इस प्रकार रसायनशाला में औषध निर्माण पूर्णतया शुद्ध आयुर्वेदीय शास्त्र प्रक्रियानुसार किया जाता है । विशेषत: भैषज्य रत्नावली, रसयोग सागर, सिद्ध योग संग्रह, सिद्ध भैषज मणिमाला, योग रत्नाकर, भाव प्रकाश, शांर्ङ्गधर संहिता इत्यादि ग्रन्थों के अनुसार औषध निर्माण किया जाता है । इसके अतिरिक्त कुछ अनुभूत योग आयुर्वेदीय पारम्परिक विधि से बनाये जाते हैं ।

रसायनशाला आधुनिक उपकरणों एवं मशीनों से युक्त है यथा - माइक्रो पल्वराइज़र, डिसइन्टीग्रेटर, शिफ्टर, मिक्सर, मिनी पल्वराइज़र, पाउचिंग मशीन, कटिंग चौपिंग मशीन, ड्रॉयर, ड्रानुलेटर, टेबलेट, मैकिंग मशीन, स्ट्रीप पैकिंग मशीन, इलैक्ट्रिक फरनान्स, जूसर, बोटल वॉशिंग मशीन, मास मिक्सर, वेट ग्राइण्डर, डीहूमिडिफायर, स्क्रबर, ड्रॉयर, वैक्यूम क्लीनर आदि । कार्य में प्रयुक्त किये जाने वाले पारम्परिक यंत्र भी उपलब्ध है एवं निर्माण विधि में जहाँ कहीं भी इसके अतिरिक्त बनाई जा रही औषधियाँ, सामान्य चिकित्सा में प्रयोग में ली जाती है । पीएच.डी. एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं के शोध के दृष्टिगत मांग पर विशिष्ट औषधियों का रसायनशाला में निर्माण किया जाता है । ये औषधियाँ सम्बन्धित शोध अध्येता की उपस्थिति

में, औषध घटकों, विधि निर्माण प्रक्रिया में पूर्ण सावधानी रखते हुये, बनायी जाती है । आलोच्य वर्ष के दौरान रसायनशाला में रू. 2,50,21,958/- की लागत से 328 प्रकार की विभिन्न औषधियों (55,813 कि.ग्रा.) का निर्माण किया गया जो कि पिछले वर्ष के उत्पादन से 7,386 कि.ग्रा. अधिक है ।

पुस्तकालय

पुस्तकालय में पुस्तकों के भण्ड़ारण, जर्नल्स, शोध-महानिबन्धों, अध्ययन कक्षों, संदर्भ कक्षों आदि हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध है । पुस्तकालय के सभी कक्ष वातानुकूलित है तथा सीसीटीवी कैमरा एवं वाई-फाई इन्टरनेट कनेक्शन युक्त है । पुस्तकालय परिसंचरण, संदर्भो की छायाप्रतियां एवं अखबारों की कतरनों, समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं की सेवायें प्रदान करता है ।

पुस्तकालय में आयुर्वेद, प्राकृतिक, आधुनिक चिकित्सा, दर्शनशास्त्र, संस्कृत, विज्ञान आदि विषयों से सम्बन्धित नवीनतम प्रकाशन विद्यमान है । अध्ययन कक्ष की अलग से व्यवस्था है जहाँ नवीनतम जर्नल्स, पत्रिकाऐं, बुलेटिन्स राष्ट्रीय एवं स्थानीय दैनिक उपलब्ध रहते हैं। पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या, संदर्भ एवं शोध प्रकाशनों सहित, अब लगभग 28,174 तक बढ़ गई है । 98 जर्नल एवं पत्र-पत्रिकायें वाचनालय कक्ष के लिये उपलब्ध है तथा पत्रिकाओं के 2,616 वार्षिक अंक सन्दर्भ के लिये उपलब्ध है । अध्यापकों एवं अध्ययनार्थियों के तत्काल सन्दर्भ हेतु समस्त विभागों में विभागीय पुस्तकालय स्थापित किये गये है। बुक-बैंक में 7,531 पुस्तकें उपलब्ध है जो कि प्रतिवर्ष छात्रों को उनकी योग्यता एवं आवश्यकता के अनुसार वितरित की जाती है । शिक्षकों, स्टॉफ, अध्येताओं एवं छात्रों द्वारा 35,595 से अधिक बार पाठक कक्ष का उपयोग किया गया । केटेलॉग कोड में पुस्तकों को वर्गीकृत किया गया है तथा ओपन एसेस पद्धति अपनाई गई है। प्रत्येक अध्येता को पुस्तकालय के रीडर टिकिट्स अपने निवास पर अध्ययन करने हेतु पुस्तके प्राप्त करने हेतु दिये जाते हैं। सभी कार्य दिवसों को पुस्तकालय 12 घण्टों के लिए खुला रहता है । यह रविवार एवं अवकाशों में भी 6 घण्टे के लिए खुला रहता हैं। अनुसंधान एवं संदर्भ शाखा में दुर्लभ एवं संदर्भ पुस्तकों को पृथक् से रखा गया है। अध्यापकों एवं अध्येताओं हेतु तत्काल संदर्भ के लिए सभी विभागों में 14 विभागीय पुस्तकालय है। इन पुस्तकालयों में प्रत्येक वर्ष नये संस्करणों की वृद्धि होती रहती है । पुस्तकालय में स्नातकोत्तर एवं आयुर्वेद विद्या वारिधि के अध्येताओं द्वारा प्रस्तुत शोध महानिबन्धों का संकलन उपलब्ध है । स्वचालन प्रक्रिया प्रगति पर है तथा आगामी समय में यह डिजिटलाइज्ड हो जायेगी ।

अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ

निदेशक एवं संकाय-सदस्यों द्वारा विदेश यात्राऐं

डॉ. काशीनाथ एस., असिस्टेन्ट प्रोफेसर को आयुष मंत्रालय द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्विटजरलैण्ड स्थित जिनेवा में 20-25 मई 2018 को आयोजित 71वें विश्व स्वास्थ्य सम्मेलन में योग विशेषज्ञ के रूप में भाग लेने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया ।

डॉ. काशीनाथ एस., असिस्टेन्ट प्रोफेसर को आयुष मंत्रालय द्वारा योग विशेषज्ञ एवं दल-समन्वयक के रूप में चीन में बिजिंग स्थित भारतीय दूतावास में 15-18 जून 2018 तक चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लेने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया ।

डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर को आयुष मंत्रालय द्वारा आबूधाबी, यूएई में 24-25 अक्टुबर 2018 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आयुष संगोष्ठी एवं उपवेशन में भाग लेने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया । अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में इनके द्वारा 'रिलेवेन्स एण्ड पोटेंशियल ऑफ आयुष' विषयक पत्र उपवेशन में प्रस्तुत किया गया । आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में इनके द्वारा दूबई, यूएई के केबिनेट एफेयर्स के मंत्रालय एवं फ्यूचर प्राईम मिनिस्टर कार्यालय में आयोजित एक उपवेशन में भी भाग लिया गया।

प्रो. मीता कोटेचा, प्रोफेसर(एसएजी) एवं द्रव्यगुण की विभागाध्यक्षा द्वारा इंडोनेशिया के बाली में नवम्बर 2018 में आयोजित आयुर्वेद विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर पत्र प्रस्तुत किया गया ।

डॉ. काशीनाथ एस., असिस्टेन्ट प्रोफेसर को आयुष मंत्रालय द्वारा योग विशेषज्ञ एवं दल-समन्वयक के रूप में चीन में शंघाई के कुंमिंग में 1 दिसम्बर 2018 को शंघाई को-ऑपरेशन आर्गेनाईजेशन द्वारा आयोजित कुंमिंग मेराथन-2018 में भाग लेने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया ।

संस्थान के निदेशक एवं अध्यापकों द्वारा 14-17 दिसम्बर 2018 को अहमदाबाद, गुजरात में आयोजित 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं आरोग्य एक्सपों में सक्रियता से भाग लिया गया ।

सामान्य गतिविधियाँ

डब्ल्यूएचओ कार्यकारी समूह की बैठकें

संस्थान द्वारा 17-18 सितम्बर 2018 को जयपुर में WHO Working Group Meetings for Reviewing WHO Documents Benchmark for Practice in Ayurveda, Panchkarma and Unani System के आयोजन का दायित्व निर्वाह किया गया । यह 3 दिवसीय कार्यक्रम जिसमें प्रत्येक दिवस चार सत्र आयोजित किये गये थे मंत्रालय द्वारा आयोजित एवं संस्थान द्वारा समन्वित कार्यक्रम था । इन बैठकों में 18 देशों का प्रतिनिधित्व कर रहे डब्ल्यूएचओ के अधिकारी एवं विशेषज्ञ तथा 39 आयुर्वेद एवं यूनानी विशेषज्ञों द्वारा भाग लिया गया।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के विस्तार केन्द्र के रूप में हरियाणा में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकुला की स्थापना -

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के विस्तार केन्द्र के रूप में हरियाणा स्थित पंचकुला में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना करने को अनुमोदन किया गया । इस हेतु परियोजना प्रबन्धन परामर्शक नियुक्त कर दिया गया है । माननीय प्रधानमंत्री ने इसकी आधारशिला 12-2-2019 को रख दी है। रक्षा मंत्रालय के अनुमोदन की प्राप्ति पर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जायेगा ।

तृतीय आयुर्वेद दिवस

संस्थान द्वारा जम्मू एवं कश्मीर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब एवं उत्तराखण्ड् राज्यों में आयुर्वेद दिवस मनाने हेतु समन्वयक का दायित्व निर्वाह किया गया । 5-11-2018 मनाये गये आयुर्वेद दिवस के 100 दिन पूर्व संस्थान द्वारा विभिन्न उत्सव एवं गतिविधियाँ आयोजित की गई । कुछेक उत्सर्व एवं गतिविधियाँ निम्नलिखित है -

1. ''लोक स्वास्थ्य हेतु संगीतोपचार विषयक कार्यशाला'' । विख्यात संगीतज्ञ पं. सुरेश वाडकर एवं उनके दल द्वारा 3000 श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुति दी गई जिसमें संस्थान के अध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र इत्यादि सम्मिलित थे । इसका आयोजन बिड़ला सभागार में किया गया ।
2. संगीत एवं खेलकूद के माध्यम से स्वास्थ्य । इसका आयोजन विख्यात संगीतकारों एवं खिलाड़ियों के सहयोग से किया गया ।
3. आम लोगों, संस्थान के अध्यापकों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं इत्यादि के भागीदार से ''आयुर्वेद के लिए दौड़'' का आयोजन किया गया । इसको रेसलर एवं ओलम्पिक मेडल विजेता श्रीमती साक्षी मलिक एवं विश्व तीरंदाजी प्रतियोगिता के मेडल विजेता श्री रजत चौहान द्वारा झण्डी दिखा कर रवाना किया गया ।
4. 'यूनिक एस्पेक्ट्स ऑफ आयुर्वेदिक डायग्नोस्टिक - नाड़ी, सन्धि एवं अग्नि असेस्मेन्ट विषयक 3 दिवसीय कार्यशाला का आयाुजन किया गया ।
5. महिला आयुर्वेद चिकित्सकों हेतु आयोजित लोक स्वास्थ्य (आयुर्वेद कौशलम) विषयक 1-दिवसीय कार्यशाला ।
6. 2-दिवसीय आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन ।
7. संस्थानिक श्रोताओं हेतु आयुर्वेद के माध्यम से लोक स्वास्थ्य विषयक 5 व्याख्यानों का आयोजन किया गया ।
8. आयुर्वेद से जनस्वास्थ्य विषयक विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 5 नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया ।
9. निदेशक द्वारा ऑल इंडिया रेडियो पर 1 घण्टे की आयुर्वेद विषयक वार्ता प्रसारित की गई एवं श्रोताओं से वार्ता की गई ।
10. स्थानीय दैनिक राजस्थान पत्रिका से आयुर्वेद विषयक 30 मिनट की वार्ता की गई ।
11. एक वरिष्ठ प्राफेसर द्वारा जयपुर दूरदर्शन पर मौसमी बीमारियों का आयुर्वेदिक प्रबन्धन विषयक वार्ता प्रसारित की गई ।
12. 4 नि:शुल्क बीएमडी विश्लेषण शिविर ।
13. पंचकर्म के माध्यम से सकारात्मक स्वास्थ्य ।
14. रक्तदान शिविर ।
15. आयुर्वेदिक आहार एवं जीवनशैली से श्रेष्ठ स्वास्थ्य विषयक लोक जागरण कार्यक्रम ।
16. 500 बच्चों में पोषक लड्डूओं का वितरण ।
17. कैंसर दूर करने हेतु स्तन परीक्षण हेतु जागरुकता रैली एवं शिविरों का आयोजन ।
18. आयुर्वेद के माध्यम से आंखों की देखभाल एवं नेत्रदान हेतु जागरूकता कार्यक्रम ।
19. बस्ति, विरेचन एवं रक्तमोक्षण हेतु पंचकर्म चिकित्सा शिविर ।
20. आयुर्वेद के विषय में जागरुकता एवं संस्थान द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों के प्रचार-प्रसार हेतु जयपुर के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में चिकित्सा शिविरों का आयोजन ।
21. संस्थान के प्रमुख स्थलों पर संस्थान द्वारा चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं एवं आयुर्वेद के माध्यम से विभिन्न स्वास्थ्य लाभों की जानकारियों एवं सूचनाओं को प्रदर्शित करने हेतु स्लाईड बॉक्सेज एवं एलईडी डिसप्ले स्क्रीन्स लगाये गये हैं ।
22. संस्थान द्वारा जम्मू एवं कश्मीर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब एवं उत्तराखण्ड़ राज्यों में आयुर्वेद दिवस मनाने हेतु समन्वयक का दायित्व निर्वाह किया गया । इसके अन्तर्गत संस्थान द्वारा इन राज्यों में विभिन्न कार्यक्रम यथा आयुर्वेद के लिए दौड़, आयुर्वेद आधारित प्रतियोगिताऐं, आयुर्वेद के प्रचार प्रसार हेतु अतिथि व्याख्यान, लोक स्वास्थ्य विषयक कार्यशालाओं/संगोष्ठियों का आयोजन, स्वास्थ्य शिविर, औषद पादपों की पहचान, पौधारोपण, औषध पादपों का वितरण, रक्तदान शिविर इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किये गये ।

चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

संस्थान द्वारा 21-6-2018 को चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें अध्येतओं, अध्यापकों एवं कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक सक्रियता से भाग लिया गया । इस अवसर योग जागरुकता एवं इसके स्वास्थ्य लाभ तथा योगाभ्यास सत्रों का आयोजन कर कार्यक्रम आयोजित किये गये । योगाभ्यास सत्र का प्रारम्भ प्रात: 6 बजे से 9 बजे तक आयोजित किया गया जिसमें 1427 योग साधकों द्वारा भाग लिया गया । आम जनता एवं संस्थान के सभी सदस्यों हेतु योग आसनों का प्रदर्शन किया गया । इस अवसर पर डॉ. काशीनाथ एस., असिस्टेन्ट प्रोफेसर को आयुष मंत्रालय द्वारा योग विशेषज्ञ एवं दल-समन्वयक के रूप में चीन में बिजिंग स्थित भारतीय दूतावास में चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह 2018 में भाग लेने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया ।

शासी निकाय एवं स्थायी वित्त समिति की बैठकें

संस्थान के शासी निकाय का 21वाँ उपवेशन माननीय केन्द्रीय राज्य आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें शासी निकाय द्वारा संस्थान को मानद विश्वविद्यालय घोषित करने हेतु संस्तुति की गई ।

संस्थान की स्थायी वित्त समिति के 54वें एवं 55वें उपवेशन क्रमश: दिनांक 23-5-2018 एवं 6-3-2019 आयोजित किये गये । उपवेशनों में विभिन्न निर्णय/संस्तुतियाँ की गई ।

पदोन्नति एवं सीधी भर्तीयाँ

आलोच्य वर्ष के दौरान, 1 पद प्रोफेसर का, 11 पद एसोसिएट प्रोफेसर, 1 पद फार्मासिस्ट, 7 पद स्टॉफ नर्स, 5 पद कनिष्ट लिपिकों एवं 35 पद एमटीएस सीधी भर्ती हेतु विज्ञाप्ति किये गये । लेक्चरार के 4 पद, पंचकर्म वैद्य का 1 पद, पॅथोलोजिस्ट का 1 पद तथा मेडिकल लैब. टेक्नोलोजिस्ट का 1 पद सीधी भर्ती से भरे गये । एसोसिएट प्रोफेसर के 4 पद तथा कनिष्ट लिपिकों के 5 पद पदोन्नति से भरे गये । डीएसीपी योजनान्तर्गत 1 एसोसिएट प्रोफेसर को प्राफेसर पद पर तथा 5 असिस्टेन्ट प्रोफेसर्स को एसोसिएट प्रोफेसर पदों पर पदोन्नति एवं उन्नयन प्रदान किये गये ।

जर्नल ऑफ आयुर्वेद

यह श्रेष्ठजनों द्वारा समीक्षित जर्नल (Peer Reviewed Journal) अन्तर्राष्ट्रीय मानकों तथा वैज्ञानिक युग में आज की आवश्यकताओं के अनुकूल है । इसमें प्रकाशन के लिए विभिन्न आयुर्वेदिक महाविद्यालयों, संस्थाओं तथा संगठनों आदि से प्राप्त लेखों एवं शोध-पत्रों को सम्बन्धित विशेषज्ञों के सम्मुख समीक्षा तथा अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाता है । जर्नल व्यापक रूप से पाठकों में वितरित किया जाता है।

एनआईए न्युजलेटर

संस्थान की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देने हेतु संस्थान से द्विमासिक समाचार-पत्र (Newsletter) प्रकाशित किया जाता है । इसमें संस्थान की महत्त्वपूर्ण गतिविधियों के अतिरिक्त, समाचार-पत्र में प्राचीन आयुर्वेद संहिताओं से लिये गये स्वास्थ्य उद्धरण समाहित होते हैं। समाचार-पत्र का अनुसंधान परिषदों, संस्थानों, आयुर्वेदिक महाविद्यालयों, संगठनों, पुस्तकालयों में नि:शुल्क वितरण हेतु प्रेषित किया जाता है ।

विवरणिकायें, पत्रक, आईईसी मेटेरियल्स आदि

विभिन्न अवसरों यथा आरोग्य मेलों, कार्यशालाओं, चिकित्सा शिविरों आदि में नियमित वितरण हेतु संस्थान द्वारा विवरणिकाओं एवं पत्रकों का प्रकाशन कराया जाता है । संस्थान द्वारा चिकित्सालय में दी जा रही विभिन्न सेवाओं, शैक्षणिक पाठ्यक्रमों तथा विभिन्न पंचकर्म प्रक्रियाओं, व्याधियों, स्वास्थ्य संवर्द्धन एवं रोग निवारक पहलुओं, स्वस्थ मानसिकता एवं स्वस्थ जीवन बनाये रखने हेतु करने एवं न करने योग्य पहलुओं आदि की जानकारी इन विवरणिकाओं एवं पत्रकों में दी जाती है। पत्रक व्यापक रूप से आमजन के लिए वितरित किये जा रहे हैं ।

स्थापना दिवस

संस्थान द्वारा 7-2-2019 को स्थापना दिवस मनाया गया । इस अवसर पर धन्वन्तरि पूजा आयोजित की गयी तथा संस्थान के 2 कर्मचारियों श्री अरविन्द झा, कनिष्ट लिपिक एवं श्री बुद्धाराम मीना, एमटीएस को उनके द्वारा संस्थान में किये गये विशिष्ट कार्यो हेतु सम्मानित किया गया। उन्हें निदेशक द्वारा एक प्रशंसा-पत्र, श्रीफल तथा शॉल अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्येताओं एवं छात्रों की उपस्थिति में प्रदान किया गया ।

आतंकवाद विरोधी दिवस

21-5-2018 को आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर निदेशक द्वारा अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्येताओं तथा छात्रों को शपथ दिलायी गई, कार्यक्रम में अच्छी संख्या में भागीदारी हुयी ।

सद्भावना दिवस

संस्थान द्वारा 20-8-2018 को सद्भावना दिवस मनाया किया गया । 20-8-2018 को सद्भावना दिवस के अवसर पर निदेशक द्वारा अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्येताओं तथा छात्रों को शपथ दिलायी गई । कार्यक्रम का उद्देश्य जाति, रंग या नस्ल की भावना से परे लोगों के बीच सांप्रदायिक सद्भावना, राष्ट्रीय अखंडता, शांति और स्नेह को बढ़ावा देना था ।

स्वच्छ भारत अभियान

संस्थान में स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान जारी रखा गया है । अभियान के तहत सभी विभाग, चिकित्सालय, प्रयोशालाओं, रसायनशाला, कार्यालयों, छात्रावास तथा सम्पूर्ण परिसर को स्वच्छ किया गया है एवं समय-समय पर समुचित स्वच्छता सुनिश्चित की गई है । परिसर को सदैव साफ एवं स्वच्छ बनाऐं रखने हेतु स्वच्छता अभियान जारी रखा गया है ।

राष्ट्रीय एकता दिवस

भारत-सरकार के निर्देशानुसार संस्थान द्वारा सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती पर 31-10-2018 को संस्थान में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया । इस अवसर पर निदेशक द्वारा अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्येताओं तथा छात्रों को देश में एकता एवं अखण्ड़ता की शपथ दिलायी गई ।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशानुसार 29-10-2018 से 3-11-2018 तक संस्थान में सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया गया । इस अवसर पर निदेशक द्वारा अध्यापकों, अधिकारियों, स्टॉफ, अध्येताओं तथा छात्रों को देश की एकता एवं अखण्ड़ता हेतु शपथ दिलायी गई जिसमें ये काफी अच्छी संख्या में एकत्रित हुये ।

राजभाषा समिति

संस्थान में प्रो. संजीव शर्मा, निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का पुनर्गठन किया गया है । यह समिति संस्थान में वर्ष में समय-समय पर उपवेशन आयोजित कर राजभाषा के उपयोग का संवर्द्धन करती है तथा हिन्दी दिवस (14-9-2018), हिन्दी पखवाड़ा(1-9-2018 से 15-9-2018 तक) आदि कार्यक्रमों का आयोजन करती है तथा राजभाषा के उपयोग हेतु माहौल को बढ़ावा देने हेतु उपवेशन आयोजित किये गये । राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा 26-6-2018, 26-9-2018, 21-12-2018 तथा 27-2-2018 को त्रैमासिक उपवेशनों का आयोजन किया गया एवं विभिन्न संस्तुतियाँ एवं निर्णय लिये गये । राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उपवेशनों में लिये गये निर्णयों को लागू करने हेतु समुचित कदम उठाये गये । कार्यालय में हिन्दी के अधिक उपयोग, पुस्तकालय हेतु हिन्दी पुस्तकों की खरीद, हिन्दी एवं अंग्रेजी के सूचना पट्ट लगाने आदि सम्बन्धित निर्देश जारी किये गये । संस्थान द्वारा 5-3-2019 को टिप्पणी लेखन विषयक एक दिवसीय हिन्दी विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कर्मचारियों ने सक्रियता से भाग लिया।

हिन्दी कार्यशाला - टिप्पणी लेखन

आलोच्य वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा 5-3-2019 को टिप्पणी लेखन विषयक एक दिवसीय हिन्दी विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया । इसका उद्घाटन श्री राजेश मीना, हिन्दी अधिकारी, महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर द्वारा किया गया । श्री राजेश मीना ने अपने भाषण में हमारे लिए हिन्दी टिप्पणी के प्रभाव एवं इसकी महत्वता के विषय मं बताया गया । समस्त अध्यापक, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने इस कार्यशाला में सक्रियता से भाग लिया ।

लोक-परिवेदना निवारण इकाई

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुष विभाग से अग्रेषित की गई 6 शिकायतें प्राप्त हुई उन्हें तत्परता से सुनकर शीघ्रता से उनका निवारण किया गया तथ तद्नुसार शिकायतकर्ताओं को सूचित किया गया । इनके आंकड़े भी आयुष विभाग को प्रस्तुत किये गये ।

सूचना का अधिकार इकाई

वर्ष के दौरान, 100 प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुये तथा इन सभी को उत्तर/सूचनायें उपलब्ध करायी गई। संस्थान द्वारा आंकड़े नियमित रूप से केन्द्रीय सूचना आयोग के पोर्टल पर अपलोड़ किये जाते हैं।

अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति इकाई

अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति इकाई के देखरेख अधिकारी एवं प्रभारी-अधिकारी द्वारा रोस्टर बिन्दु आदि को जांचने एवं स्वीकृति देने के उपरान्त ही सीधी-भर्त्ती एवं पदोन्नति हेतु विभिन्न पदों की रिक्तियों का निर्धारण किया जाता है ।

सभागार

संस्थान में 500 सीटोंयुक्त एक वातानुकूलित सभागार है । यह सभागार में आधुनिक एवं नवीनतम ध्वनि और प्रकाश योजनाओं की सुविधाओं से युक्त है । परकोटा क्षैत्र में अच्छी सुविधाओं युक्त यह अपनी तरह का एक मात्र सभागार है इसमें दिव्यजनों हेतु सुविधाओं का प्रावधान है तथा पृथक से जनरेटर सेट उपलब्ध है। सभागार में प्रक्षेपण के लिए बड़ी स्क्रीन है । स्टेज पर अग्निरोधी पर्देयुक्त है तथा रंग रोगशनी मोटर संचालित है । इसमें पर्याप्त अग्निरोधक यंत्र स्थापित है । इसका उपयोग विभागों द्वारा साप्ताहिक संगोष्ठियों, छात्रों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों तथा संस्थान के कर्मचारियों हेतु आयोजित कार्यक्रमों में किया जाता है । संस्थान के स्वयं के उपयोग के अतिरिक्त, सभागार को शैक्षणिक संस्थानों तथा संगठनों को संगोष्ठियों, उपवेशनों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु किराये पर दिया जाता है ।

छात्रावास

स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं को छात्रावास सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु संस्थान के निम्नलिखित छात्रावास उपलब्ध है:-

स्नातक छात्र छात्रावास	2	117 सीटें
स्नातकोत्तर छात्र छात्रावास	1	134 सीटें
स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रा-छात्रावास	2	169 सीटें
पीएच.डी./पीजी छात्रावास (फ्लेटों में)		20 सीटें

सैनिकों को श्रद्धांजलि एवं वित्तीय सहायता

संस्थान के सम्पूर्ण परिवार ने 1500 से अधिक संख्या में, जिसमें शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी अध्येता छात्र-छात्राऐं एवं रोगी सम्मलित थे ने पुलवामा हमले में जान गवानें वाले हमारे प्यारे बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई । संस्थान के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्वानों और छात्रों से एकत्र किये गये रू. 5 लाख इनकी स्मृति में संस्थान में मनाये गये एक समारोह में सीआरपीएफ, जयपुर डिवीजन के कमांडर को सौंपे गये ।

****

अगद तंत्र विभाग

परिचयः अगद तंत्र आयुर्वेद की एक महत्त्वपूर्ण शाखा है जिसमें विष, इनके कार्य, इनकी तीव्रता और संचयी विषाक्तता का निदान तथा चिकित्सा से सम्बन्धित अध्ययन किया जाता है । अगदतंत्र में विषैले पदार्थो तथा जीवित प्राणियों द्वारा उत्पन्न विष जो कि मनुष्य के लिए हानिकारक होते हैं जैसे जहरीले पौधें, भारी धातु, तथा इसके यौगिक, सांप, बिच्छू, मकड़ी, मधुमक्खी आदि, बैक्टीरियल ओर गैर-बैक्टीरियल विषाक्त भोजन, कृत्रिम विष यथा कीटनाशक, शाक तथा रोडेन्टनाशी आदि, इनकी विषाक्तता एवं नैदानिक प्रबन्ध, इसमें विभिन्न दवाओं के आदी से उत्पन्न तीव्र, जीर्ण विषाक्ता की निकासी एवं इसका प्रबन्ध आदि सम्मिलित है । इस विषयान्तर्गत विष तथा विषैले पादप, जीवाणुओं तथा कुकुरमुत्तों से उत्पन्न विष की पहचान, लक्षण व चिकित्सा सम्मिलित है । विभागान्तर्गत आयुर्वेदिक पद्धति से विशिष्ट विष द्रव्यों का विस्तृत विवेचन, वर्गीकरण, परीक्षण तथा इनके प्रयोग से उत्पन्न विकारों की चिकित्सा तथा प्रतिषेधात्मक उपाय तथा व्यवहारायुर्वेद विषयान्तर्गत विधि व्यवहार तथा मृत्यु के कारणों की जाँच, फोरेंसिक औषधियाँ आदि का अध्ययन-अध्यापन स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कराया जाता है।

विभाग द्वारा चिकित्सालय में नशीले पदार्थो (शराब, तंबाकू, भांग, अफीम) के रोगियो के प्रबंधन हेतु एक नशामुक्ति इकाई चलाई जा रही है । विभाग द्वारा एलर्जी, त्वचा विकार एवं बालों से सम्बन्धित विकार वाले रोगियों की चिकित्सा की जाती है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 1 प्रोफेसर, 1 असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं 1 लेक्चरर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहे ।

ध्येय एवं उद्देश्य -

1. स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं को अगदतंत्र विषय की शिक्षा प्रदान करना ।
2. स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं को फोरेंसिक विज्ञान विषय की शिक्षा प्रदान करना ।
3. आयुर्वेद अनुसंधान के क्षेत्र में गुणवत्तावाले शोधार्थी एवं अध्यापकों का निर्माण करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक -

अ) स्नातक - वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को अगद तंत्र, व्यवहार आयुर्वेद एवं विधि वैद्यक विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर - वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को अगद तंत्र, व्यवहार आयुर्वेद एवं विधि वैद्यक विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य सम्पन्न किये गये।

स) पीएच.डी. - वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं को अगद तंत्र, व्यवहार आयुर्वेद एवं विधि वैद्यक विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य सम्पन्न किये गये।

द) छात्र-छात्राओं को मृत-शरीर के पोस्टमार्टम परीक्षण करने की प्रक्रिया का व्यवहारिक ज्ञान कराने हेतु महात्मा गाँधी मेडीकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में प्रशिक्षण हेतु भेजा गया । यह प्रशिक्षण छात्र-छात्राओं के बैच बनाकर निरन्तर प्रदान किया जा रहा है ।

शोध -

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. संचित जैन	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन इफेक्ट ऑफ कूटनातादि तैलम एण्ड गुञ्जा ऑन खालित्य ।
2.	डॉ. सपना खत्री	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑन पलाशबिजादि योग एण्ड कम्पिल्लकादि लैप ऑन मण्डल कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू दुषी विष ।
3.	डॉ. मनप्रीत कौर	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ ब्रह्म रस एण्ड छाटूसम लैप इन दुषीविषजन्य त्वक विकार ।
4.	डॉ. मीना कुमारी	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ विषमुष्ठ्यादि वटी इन टोबेको एडिक्शन – ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रायल ।
5.	डॉ. संदीप चरक	डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ नारायण चूर्ण इन एल्कोहोल एडिक्शन : सिंगल ब्लाइण्ड रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण नीचे दिया जा रहा है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. शीतल यादव	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	रोल ऑफ अर्क तैल एण्ड बाकुची चूर्ण ऑन विचर्चिका : ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रॉयल ।
2.	डॉ. पियुष गुप्ता	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ ब्रह्मी वटी ऑफ इन्सोमनिया विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मादत्या : ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रॉयल ।
3.	डॉ. शीतल मीना	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ सप्तासमा योग, मनशिलादि लेप एण सोराई ऑयल इन मण्डल कुष्ठ ।
4.	डॉ. मन्जू कुमार	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन इफेक्ट ऑफ जात्यादि तैल एण्ड बाकुचिकादयम गुञ्जादि लेप ऑन खालित्य ।
5.	डॉ. दिव्या तिवारी	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ लाक्षादि लेप पंचनिम्ब घन वटी इन मुखदुषिका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्केन वल्गासिस : ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रायल ।
6.	डॉ. प्रवीण कुमार	डॉ. शरद पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार	कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन एफिकेसी ऑफ विषतिनदुकादि वटी एण्ड समीरगज केसरी रस इन ओपिअम एडिक्शन ।

7.	डॉ. हेमलता दीक्षित	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. अमोल कडू लेक्चरर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ लाक्षादि लेप ऑन दद्रु कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू दुषिविष : ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ।
8.	डॉ. वन्दना चंदेल	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. अमोल कडू लेक्चरर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ द्राक्षादि चूर्ण इन मादत्या विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एकोहोल एडिक्शन : ऐ रेण्डोमाईज्ड क्लिनीकल ट्रॉयल।
9.	डॉ. उपासना मिश्रा	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. अमोल कडू लेक्चरर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ सहकर गुटिका एण्ड कुष्ठयादि गुटिका इन टोबेको च्युइंग एडिक्शन : ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रॉयल ।
10.	डॉ. अनिन्दयालोक बन्दोपाध्याय	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ रोहित्याक्यादि चूर्ण घनवटी विथ वर्धमान पिप्पली रसायन इन अल्कोहोलिक लीवर डिजिज ।
11.	डॉ. सोनम दोन्देन	डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन्टी कैंसर एक्टिविटी एण्ड साइटोक्सिटी ऑफ मोरिंगा आलिफेरा एण्ड कालोट्रोपिस प्रोसेरा : एन इनवाइट्रो स्ट्डी ।
12.	डॉ. सीमा यादव	डॉ. अमोल कडू लेक्चरर	ए कम्पहैन्सिव रिव्यू ऑफ ड्रग्स हैविंग विषघ्न कर्म मेंशन्ड इन भावप्रकाश निघण्टु ।
13.	डॉ. पूजा गोरा	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. अमोल कडू लेक्चरर	रोल ऑफ विषघ्न महाकषाय एण्ड पटोलकटुरोहिण्यादि कषाय इन विचर्चिका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू जिनोबायोटिक्स : ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव स्ट्डी ।
14.	डॉ. पूनम शर्मा	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. अमोल कडू लेक्चरर	कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ तिल तैल शिरोधारा एण्ड क्षीर शिरोधारा इन मदात्यजन्य अनिद्रा विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अल्कोहल विथड्रावल सिंड्रोम ।
15.	डॉ. रेनू शर्मा	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. अमोल कडू लेक्चरर	रोल ऑफ धतुरादि तैल एण्ड कुत्तानातादि तैल विथ यष्टिमधु चूर्ण इन खालित्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू जिनोबायोटिक्स : ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव ट्रायल ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. शरद पोरटे	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	आयुर्वेदिक एस्पेक्टस ऑफ कैंसर : एन ऑब्जरवेशनल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी ।
2.	डॉ. अमोल कडू	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	क्रोस सैक्शनल सर्वे बेस्ड स्ट्डी ऑफ मदात्य (एल्कोहाल यूज डिस्आर्डरस) एण्ड रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल ट्रॉयल ऑफ संस्कृत द्राक्षासव ।
3.	डॉ. राजवीर सासन	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन इफेक्ट ऑफ हरिद्रादी लेप एण्ड श्रृंगातादि तेल इन केशषटन (हैयल फाल) ड्यू टू हैयर कॉस्मेटिक्स।
4.	डॉ. मोनिका शर्मा	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन इफेक्ट ऑफ श्वेत चन्दनादि लेप एण्ड किनसुकादि तेल

			इन त्वक प्रत्यूर्जता विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू कोस्मेटिक इंड्यूस्ड स्किन एलर्जी ।

चिकित्सकीय कार्य –विभाग द्वारा चिकित्सालय के बहिरंग विभाग एवं अन्तरंग विभाग के रोगियों को चिकित्सकीय सेवाऐं प्रदान की गई । चिकित्सालय के अन्तरंग विभाग के रोगियों के साथ-साथ बहिरंग विभाग के रोगियों को विभाग के अध्यापकों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा निदान एवं चिकित्सा सुविधाऐं प्रदान की गई । विशेषरूप से दूषी विषजन्य त्वचा रोग एवं नशीली दवाओं के सेवन के आदी के रोगियों की चिकित्सा की गई । विभाग के अध्यापकों ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वाले क्षेत्रों में आयोजित चल-चिकित्सा शिविरों में भाग लेकर चिकित्सा सेवाऐं दी गई ।

प्रकाशन –

(ए) प्रकाशित पुस्तकें –

प्रो. अनिता शर्मा, प्रोफेसर द्वारा अगद तंत्र विषयक विष तंत्र दर्शन शिर्षकयुक्त एक पुस्तक फरवरी 2019 में प्रकाशित की गई है।

प्रकाशन –

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	**लेखक का नाम**	**शीर्षक**	**प्रकाशन विवरण**
1.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	एन एन्टीटोक्सिक स्ट्डी ऑफ सिद्धार्थकादि अगद इन दुषिविषजन्य विकार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलर्जिक इरप्टिव डिसार्डर्स ऑफ द् स्किन ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 11, नं. 4 अप्रैल, 2018
2.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव एन्टीपायरेटिक एफिकेसी ऑफ एक्वाइस एक्सट्रेक्ट एण्ड एल्कोहालिक एक्सट्रेक्ट्स ऑफ संजीवनी वटि इन ऐक्सटूल डोज विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ज्वर ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जुलाई 2018
3.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए रिव्यू ऑन विचर्चिका ।	आईजेपीएस अप्रैल-जून 2018
4.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	थैरेप्युटिक इफेक्ट ऑफ विष-उपविष एण्ड इट्स फार्मूलेशन्स टू क्योर द् खालित्य ।	आईजेएपीसी वॉल. 9, इश्यू 1 जुलाई 2018
5.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	रोल ऑफ दुषिविष अज ईटिऑलॉजि फेक्टर ऑफ मण्डल कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सौराइसिस ।	आईजेएपीसी वॉल. 9, इश्यू 2 सितम्बर 2018
6.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	द् विषघ्न प्रोपर्टीज ऑफ मंजिष्ठा इन आयुर्वेदिक एण्ड कन्टमपोरेरी साइन्स : एन ट्रायल ।	जर्नल ऑफ ड्रग डिलीवरी एण्ड थैरेप्युटिक्स वॉल. 8, नं. 5 अक्टुबर 2018
7.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ विषमुष्ठयादि वटि इन टोबेक्को एडिक्शन – ए रेण्डोमाइज्ड	आईजेएपीसी वॉल. 9, इश्यू 3 नवम्बर 2018

		कन्ट्रोल ट्रॉयल ।	
8.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मॅथड ऑफ डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ क्रोनिक लेड टोक्सिसिटी ।	आईजेएपीसी वॉल. 9, इश्यू 3 नवम्बर 2018
9.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	विषघ्न द्रव्य ऑफ भावप्रकाश निघण्टु ।	आईजेएपीसी वॉल. 9, इश्यू 3 नवम्बर 2018
10.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	द् इफेक्ट ऑफ शुण्ठयादि क्वाथ इन मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात - ए क्लिनीकल स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 12, फरवरी 2019
11.	डॉ. शरद पोरटे	आयुर्वेदिक मॅथड ऑफ डायग्नोसिस, प्रीवेंशन एण्ड क्योर ऑफ हैयर फाल (एलोपेसिया) ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वॉल. 7, इश्यू 3, 2018
12.	डॉ. शरद पोरटे	आयुर्वेदिक मॅथड ऑफ डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ क्रोनिक लेड टोक्सिसिटी ।	आईजेएपीसी वॉल. 9, इश्यू 3 नवम्बर 2018
13.	डॉ. शरद पोरटे	प्रीवेंशन एण्ड क्योर ऑफ कीमो-रेडियोथैरेपी इंड्यूस्ड टोक्सिसिटी थ्रू आयुर्वेद ।	आईजेएपीसी वॉल. 9, इश्यू 1 नवम्बर 2018

(सी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता -

क्र.सं.	**कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई कार्यक्रम का विवरण**	**प्रस्तुत किये गये पत्र**
प्रो. अनिमा शर्मा, प्रोफेसर -		
1.	संस्थान द्वारा 3 मई 2018 को आयोजित महिलाओं हेतु योग विषयक कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	सहभागी ।
2.	संस्थान द्वारा 22 जून 2018 को आयोजित कोलोनोस्कोपी विषयक कार्यशाला ।	सहभागी ।
3.	संस्थान द्वारा 6-8 अगस्त 2018 को आयोजित टीचिंग मॅथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	सहभागी ।
4.	संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइनल डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	सहभागी ।
5.	संस्थान द्वारा 24-25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	सहभागी ।
6.	संस्थान के द्रव्यगुण विभाग द्वारा 8 सितम्बर 2018 को आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	आयुर्वेदिक मॅथड्स ऑफ प्योरिफिकेशन ऑफ ड्रग्स एण्ड स्ट्डी ऑफ चैन्जेज एण्ड दैयर असेस्मेन्ट । टोक्सिसिटी स्टडीज एण्ड दैयर स्टेण्डर्डाइजेशन, थैरेप्युटिक केटेगरी एण्ड सेफ्टी एस्पेक्ट ।
7.	संस्थान द्वारा 23 अक्टुबर 2018 को महिला आयुर्वेद चिकित्सकों (आयुर्वेद कौशलम - 2018) हेतु आयोजित कार्यशाला ।	नशामुक्ति इकाई ।
8.	संस्थान द्वारा 6-7 फरवरी 2019 को नाड़ी परीक्षा विषयक	प्रतिभागी ।

	आयोजित कार्यशाला ।	
9.	संस्थान के अगद तंत्र विभाग द्वारा 11-16 फरवरी 2019 को आयुष अध्यापकों हेतु आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	इंग्रीडेन्ट्स, मॅथड ऑफ प्रीपरेशन एण्ड मेकेनीजम ऑफ एक्शन ऑफ दूषी विषारी अगदम ।
10.	संस्थान के अगद तंत्र विभाग द्वारा 14 फरवरी 2019 को आयुष अध्यापकों हेतु आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	अध्यक्ष के रूप में प्रतिभागी ।
11.	वर्ल्ड पाईल्स डे के अवसर पर मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक कार्यक्रम ।	प्रतिभागी ।
12.	फिजियोलॉजिकल डिस्आर्डर्स एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट ।	प्रतिभागी ।
13.	संस्थान द्वारा आयोजित फार्मेकोविजिलेन्स विषयक कार्यक्रम ।	प्रतिभागी ।
डॉ. शरद पोरटे, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
1.	एमवीआर कैंसर सेन्टर एण्ड रिसर्च इन्सट्टीयूट, कोजीकोड़ (केरल) द्वारा 28-30 सितम्बर 2018 को आयोजित एमवीआर केनकोन-2019 विषयक संगोष्ठी ।	क्वालिटी ऑफ लाईफ इन कैंसर पेशेन्ट्स थ्रू आयुर्वेद : ए पाईलेट स्ट्डी ।
2.	संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइनल डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	सहभागी ।
3.	संस्थान द्वारा 6-8 अगस्त 2018 को आयोजित टीचिंग मॅथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	सहभागी ।
4.	डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा 8 अगस्त 2018 को आयोजित कर्कता-अर्बुद (कैंसर) परिचर्या विषयक संगोष्ठी ।	सहभागी ।
5.	संस्थान द्वारा 24-25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	सहभागी ।
6.	टाटा कैंसर रिसर्च सेन्टर द्वारा 8-10 अक्टुबर 2018 को आयोजित एडवान्स टेक्नीक्स इन एन्टी-कैंसर ड्रग्स एवेल्यूएशन विषयक कार्यशाला।	सहभागी ।
7.	संस्थान द्वारा 4-6 अक्टुबर 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	सहभागी ।
8.	संस्थान द्वारा 18 जनवरी 2019 को संकाय हेतु आयोजित रिसर्च मॅथोडोलोजी विषयक कार्यशाला ।	सहभागी ।
9.	संस्थान के अगद तंत्र विभाग द्वारा 14 फरवरी 2019 को आयुष अध्यापकों हेतु आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	उपाध्यक्ष के रूप में भाग लिया ।
डॉ. अमोल कडू, लेक्चरार		
1.	आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित पब्लिक हैल्थ इनीशिएटिव ऑफ मैनेजमेन्ट ऑफ प्री-डायबेटिक एण्ड डायबेटिक थ्रू आयुर्वेद एण्ड योग इन चाकसू ब्लाक विषयक अनुसंधान परियोजना ।	सह-अन्वेषक
2.	सी-डेक, पूणे के सहयोग से आयुष मंत्रालय द्वारा आयुष प्रोफेशनल्स हेतु 30 जुलाई से 30 अक्टुबर 2018 तक आयोजित सूचना तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	प्रतिभागी ।

3.	अहमदाबाद, गुजरात में 14-17 दिसम्बर 2018 को आयोजित 8वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस ।	वैज्ञानिक सत्र के सह-अध्यक्षत के रूप में भाग लिया ।
4.	अहमदाबाद, गुजरात में 14-17 दिसम्बर 2018 को आयोजित 8वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस ।	पत्र प्रस्तुत किया गया ।
5.	संस्थान के 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर 6-7 फरवरी 2018 को आयोजित संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित प्रथम मिलन कार्यक्रम एवं नाड़ी परीक्षा विषयक कार्यशाला ।	प्रतिभागी ।
6.	संस्थान के अगद तंत्र विभाग द्वारा 11-16 फरवरी 2019 को आयुष अध्यापकों हेतु आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	आयोजन सचिव के रूप में भाग लिया ।

डी) अध्येताओं द्वारा संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सीएमई कार्यक्रमांक आदि में सहभागिता -

विभाग के स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित निम्नलिखित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/अधिवेशनों/कार्यशालाओं में सक्रियता से भाग लिया गया :-

क्र.सं.	कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई कार्यक्रम	तिथि
1.	गैर-संचारी रोगों के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण ।	--
	मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह (डी.एम.) थ्रू डाईट एवं लाईफ स्टाईल - ए रिव्यू विषयक पत्र । प्रस्तुतकर्ता डॉ. शीतल यादव, पीजी अध्येता ।	
2.	मेरठ में आयोजित मनोदैहिक विकारों के प्रबन्धन में एकीकृत दृष्टिकोण विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	7 अप्रैल 2018
	• डॉ. पीयूष गुप्ता, पीजी अध्येता द्वारा प्रस्तुत आयुर्वेदिक रेफरेन्सेज ऑफ साइकोसोमैटिक डिजिज ड्यू टू मध्य कंडीशन ड्यू टू एल्कोहाल, ओपीयम एण्ड ड्रग एडिक्शन विषयक पत्र । • डॉ. वन्दना चंदेल, पीजी अध्येत्री द्वारा प्रस्तुत मैनेजमेन्ट ऑफ साइकोसोमैटिक डिस्आर्डर्स थ्रू मेध्य रसायन विषयक पत्र । • डॉ. हेमलता दीक्षित, पीजी अध्येत्री द्वारा प्रस्तुत आयुर्वेदिक मॅथड्स फॉर मैनेजमेन्ट ऑफ साइकोसोमैटि डिस्आर्डर्स विषयक पत्र । • डॉ. उपासना मिश्रा, पीजी अध्येत्री द्वारा प्रस्तुत इफेक्ट ऑफ गुडूचीस्वरस इन मैनेजमेन्ट ऑफ साइकोसोमैटिक डिस्आर्डर्स विषयक पत्र । • डॉ. अनिन्दयालोक बन्दोपाध्याय, पीजी अध्येता द्वारा प्रस्तुत शिरोधारा कर्म इन मैनेजमेन्ट ऑफ साइकोसोमैटिक डिस्आर्डर्स विषयक पत्र ।	
3.	अहमदाबाद, गुजरात में आयोजित 8वाँ वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस ।	15-17दिस.2018
	डॉ. पियुष गुप्ता, पीजी अध्येता द्वारा पोस्टर प्रस्तुत किया गया ।	
4.	राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, वाराणसी द्वारा आयोजित एप्लीकेशन ऑफ आयुर्वेदिक फण्डामेन्टल्स इन प्रजेन्ट सेनेरियो विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।	9-10मार्च2019
	डॉ. पियुष गुप्ता, पीजी अध्येता द्वारा प्रस्तुत केस स्ट्डी ऑन द् अनिद्रा ड्यू टू मादात्य विषयक पत्र ।	
5.	आईएमएस, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ आयुर्वेद ।	14-16 मार्च 19
	• डॉ. हेमलता सक्सैना, पीजी अध्येता द्वारा प्रस्तुत इफेक्ट ऑफ महानारायण तेल इन पेन मैनेजमेन्ट विषयक पत्र ।	

	• डॉ. उपासना मिश्रा, पीजी अध्येता द्वारा प्रस्तुत इफेक्ट ऑफ कंचनार गुग्गुलू इन मैनेजमेन्ट ऑफ हाईपोथाइरोडिज्म विषयक पत्र ।	

- नशा मुक्त समाज निर्माण के उद्देश्य से विभाग द्वारा चिकित्सालय में एक नशामुक्ति केन्द्र चलाया जा रहा है। मादक दवाओं पर निर्भर रोगियों को उचित परामर्श और उपचार प्रदान किया गया । शराब, अफीम, तंबाकू और औषधीय दवाओं के आदि रहने वाले लागों को उपचार का पूर्ण कोर्स प्रदान किया जाता है।

- 2 विस्तार व्याख्यान आयोजित किये गये –
    - 30-12-2018 को एक विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया । इस अवसर डॉ. ज्योति कोड द्वारा कैंसर एण्ड आयुर्वेदिक रिसर्च विषयक एक अति-महत्त्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित किया गया ।
    - वर्ल्ड कैंसर दिवस के अवसर पर 4-2-2019 को डायग्नोसिस कैंसर एण्ड आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट विषयक एक विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया ।
- विभाग द्वारा 11-16 फरवरी 2019 के दौरान 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

पुरस्कार –

- प्रो. अनिता शर्मा, प्रोफेसर को आयुर्वेद में विशेष योगदान हेतु आस्था सांस्कृतिक संस्थान, जयपुर द्वारा 14 अगस्त 2018 को पं. गंगासहाय जोशी स्मृति अवार्ड प्रदान किया गया । ।
- प्रो. अनिता शर्मा, प्रोफेसर को सृष्टी इन्टरनेशनल स्कूल, जयपुर द्वारा 15 दिसम्बर 2018 को एक कार्यूम में अतिथि गौरव के रूप में आमंत्रित किया गया ।
- प्रो. अनिता शर्मा, प्रोफेसर को आयुर्वेद क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु श्री कन्हैयालाल मिश्रा स्मृति आयुर्वेदिक संस्थान एवं जनहित मंच, जयपुर द्वारा 31 मार्च 2019 को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।

विविध गतिविधियाँ : विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ सम्पन्न कराई गयी-

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एवं फार्मा रिसर्च के सम्पादक मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया । इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एण्ड योग के सम्पादक मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया । जर्नल ऑफ आयुर्वेद के सम्पादक मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया ।
2.	डॉ. शरद पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी के सम्पादक मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया । इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एण्ड योग के सम्पादक मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया । जर्नल ऑफ आयुर्वेद के सम्पादक मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया ।

****

द्रव्य गुण विभाग

परिचयः द्रव्य गुण विभाग एक स्नातकोत्तर विभाग है इसमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों स्तरों के छात्रों को शिक्षण, प्रशिक्षण तथा पीएच.डी. अध्येताओं को नियमित निर्देशन दिया जाता है । विभाग में वानस्पतिक, खनिज एवं प्राणिज द्रव्यों के द्रव्य गुणात्मक अध्ययन पर विशेष ध्यान दिया जाता है । विविध वानस्पतिक द्रव्यों में व्याप्त अशुद्धियों तथा अमिश्रणों के संदर्भ में विभिन्न औषधियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन छात्रों को एवं अध्येताओं को कराया गया । समस्त प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त औषधियों की कार्मुकता का वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने पर विशेष महत्व दिया जाता है । आयुर्वेद जैसे सदियों पुराने शास्त्रों में वर्णित चिकित्साओं को ग्रहण करने से पहले, जब समकालीन वैज्ञानिक समाज आकड़ों पर आधारित प्रामाणिकता की अपेक्षा रखता है, द्रव्यगुण विभाग इस वास्तविकता के प्रति जागृत है एवं इस दिशा में कार्यरत है । द्रव्यगुण विभाग प्राकृतिक औषधियों का शोध एवं संयाजनशील उपाय में, उभय आधुनिक एवं शास्त्रीय आधार पर सम्पन्न करवाकर विश्वस्तर पर ग्रहणयोग्य तथ्य उत्पन्न करता है ।

विभाग में अत्याधुनिक उपकरण जैसे एचपीएलसी, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर आदि उपलब्ध है जिनके द्वारा औषध विश्लेषण एवं परीक्षण किये जाते हैं । वनस्पतियों के विभिन्न प्रकार से परीक्षण करके उनके गुण-कर्मो का निश्चितीकरण किया जाता है ।

द्रव्यगुण विभागान्तर्गत संस्थान प्रांगण में एक औषधीय उद्यान है तथा प्रांगण से दूर स्थित 20 एकड़ भूमि पर अध्येताओं के अध्ययन एवं अनुसंधान हेतु एक उपवन विकसित किया जा रहा है । विभाग में नेशनल रिपोजिटरी ऑफ जिन्युआईन ड्रग्स एवं शुष्क औषधियों के नमूनों का एक संग्रहालय स्थापित है।

आलोच्य वर्ष के दौरान, 3 प्रोफेसर, 2 असिस्टेन्ट प्रोफेसर्स, 1 लेक्चरर, 1 फार्माकोलोजिस्ट अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहे ।

लक्ष्य एवं उद्देश्य

1. पदार्थो के बारे में मौलिक एवं व्यवहारिक स्तर पर स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. छात्रों को शिक्षा प्रदान करना ।
2. प्राकृतिक पदार्थो के साथ तर्कसंगत चिकित्सकीय साक्ष्य सृजित करना ।
3. प्राकृतिक चिकित्सकीय पदार्थो की गुणवत्ता नियंत्रण के मानकों को स्थापित करना ।
4. अनुसंधान इस प्रकार करना की जिससे आयर्वेद के सार को वैश्विक स्वीकृति इसकी मौलिकता बनाये रखते हुये प्राप्त हो सके ।
5. आयुर्वेद औषध अनुसंधान के क्षेत्र में गुणवत्तायुक्त शोधकर्ता और शिक्षक तैयार करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को द्रव्यगुण विज्ञान विषय का ज्ञान सीसीआईएम निर्धारित एवं राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन प्राकृतिक औषध अनुसंधान के क्षेत्र में हाल ही के उन्नत परिणामों को समाहित करते हुये व्यापकरूप किन्तु सहज ढंग से उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को द्रव्यगुण विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । मौलिक सिद्धान्तों को नैदानिकरूप में व्यवहार में लेना इसके साथ ही आयुर्वेद में शोध-पद्धति, उसकी व्यवहारिक-उपयोगिता के विभिन्न तरीकों को अपनाने पर अधिक ध्यान दिया गया । दूसरी ओर, विभिन्न विभागों के स्नातकोत्तर अध्येताओं को उचित शिक्षा, उच्चारण, अनुवाद, व्याख्या एवं मूल ग्रंन्थों के साथ ही उनकी विभिन्न टीकाओं के उच्चारण का ज्ञान कराया गया । विभाग की साप्ताहिक संगोठीयों में विभाग के अध्येताओं द्वारा सक्रियता से भाग लेकर शोध कार्यो का प्रस्तुतिकरण किया गया । इन संगोठीयों में प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा भी विशिष्ट व्याख्यान दिये गये । आलोच्य वर्ष के दौरान छात्रों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोठीयों में भाग लिया गया।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

शोध –

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. मंजूला	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ बल्य एण्ड बृहंण इफेक्ट ऑफ कन्सन्ट्रेटेड ज्यूस ऑफ मधुक पुष्प (फ्लॉवर ऑफ मधुक इण्डिका जे.एफ. जीमेल) ।
2.	डॉ. रोहित आर. पोरवाल	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल एण्ड क्रिटिकल स्ट्डी ऑफ अनुपान अकोर्डिंग टू क्लॉसिक विथ डिटरमिनेशन ऑफ अनुपान ऑफ मध्यम खण्ड ऑफ शार्ङ्गधर संहिता ।
3.	डॉ. संतोष कुमार ठाकुर	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	हेपेटोप्रोटेक्टिव एक्टिविटी ऑफ रह्ओडोडेन्ड्रोन ऐरबोरेअम एसएम. (पुल्लास) एण्ड टेकोमेला अंडुलाटा एसएम (रोहितक) – ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी।
4.	डॉ. पंकज शर्मा	डॉ.एम.एल. जायसवाल प्रोफेसर	कम्परेरिज़न ऑफ वृष्य कर्म ऑफ प्रियाल बिज (बुचानिया ल्यूसेन) एण्ड खालिदा बीज (साइट्रस वल्गरिज़) – एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी ।
5.	डॉ. प्रमोद देव बर्मा	डॉ.एम.एल. जायसवाल प्रोफेसर	एन्टी-माइक्रोबियल एक्टिविटी ऑफ हरिद्रा (कर्कुमा लोंग लीन) एण्ड वन्य हरिद्रा (कर्कुमा एरोमेटिक सलीस्ब) – ए कम्परेटिव स्ट्डी ।
6.	डॉ. पारुला आनन्द	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रायल टू ऐवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ नस्य एण्ड शिरो-अभ्यंग ऑफ यष्टीमधुकादि तैलम विथ ऑरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ यष्टीमधु – आमलकी चूर्ण इन खालित्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हैयरफॉल ।
7.	डॉ. अनन्त कुमार गंगावत	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एक्यूट टॉक्सिसिटी स्ट्डी एण्ड फार्माकोलोजिकल एवेल्युएशन ऑफ पौरुष ग्रन्थिहर वटी – एक अनुभूत योग ।
8.	डॉ. मुकेश कुमार भामू	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फार्मालोजिकल एवेल्युएशन ऑफ ऑफ लोनेया विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स यूज़ इन रक्तार्श

			।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं के शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नेहा प्रजापति	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एक्सपीरिमेन्टल एवेल्यूएशन ऑफ इफेक्ट ऑफ वेदिक चेंटिंग इन वेट एण्ड ड्राय स्पेसिमेन ऑफ गूडूची विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स एन्टीपायरेटिक एक्टिविटी ।
2.	डॉ. सुखराम	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल फॉर द् एवेल्यूएशन ऑफ बलाहरिद्रादि लेप इन व्यंग ।
3.	डॉ. अमित कुमार	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए क्रिटिकल लिटरेरी स्ट्डी ऑफ भैषज्य-काल विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अष्टांग हृदय चिकित्सा स्थान ।
4.	डॉ. पूजा डोगरा	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	An Analytical Study to Evaluate the Anti-mycotic Activity of Amrabeejaadi Lepa and Kantkari Taila against Dandruff Causing Pathogens (Malassezia Globosa, Malassezia Restricta).
5.	डॉ. अनू	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	A Comparative Evaluation of Gomutraharitaki Prepared with Gomutra Sourced from Indian Cow and Jersy Cow in Sthoulya (obesity).
6.	डॉ. रजनी सिंह	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. असित पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	A Critical Analysis of Ekala Dravya Chikitsa in Brihattrayee.
7.	डॉ. ऋतु शर्मा	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर श्री गौरव बिवाल फार्माकोलोजिस्ट	An Analytical Study to Evaluate the Antifungal Activity of Khaakhas-beeja Lepa and Gunjaadi Taila Against Dandruff Causing Pathogens (Malassezia globosa, Malassezia restricta).
8.	डॉ. ऋतु यादव	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर श्री गौरव बिवाल फार्माकोलोजिस्ट	Development and Screening of a Novel Ayurvedic Sugar Supplement in Diabetes Mellitus
9.	डॉ. रवी प्रकाश	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर डॉ. बी. स्वप्ना डॉ. एस.पी. मेहरवाल	A Randomized Controlled Trial to Evaluate the Litholytic Property of Japa Pushpa Churna in Ashmari w.s.r.to cholelithiasis.
10.	डॉ. मिनाक्षी	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	A Clinical Study of Bhallataka-Narikela Taila Shiroabhyanga on Hair Fall w.s.r.to KeshyaKarma.
11.	डॉ. के.एन.ए.	डॉ. ए. आर. मूर्ति	An Experimental Study on Ergogenic Effect of the Modified Formulation of Shramahara

	धर्मसेना	प्रोफेसर डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	Kashaya in Healthy Albino Rats.
12.	डॉ. रश्मि शर्मा	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	In-vivo Wound Healing Activity of an Ayurvedic Formulation in Excision Wound Model.
13.	डॉ. अनामिका	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर श्री गौरव बिवाल फार्माकोलोजिस्ट	Comparative Study of Medhya Rasayana Action of Different Kalpanas (Dosage Form) of Tinospora Cordifolia (Wild) Miers. onAlbinoWistar Rats.
14.	डॉ. पी.सी. प्रचिषा	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Study to Access the Safety and Efficacy of Nisha Amalaki Yoga with and without Honey in Patients of Prameha w.s.r to pre-diabetes.

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. विनय कुमार वर्मा	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रायल ऑफ वृद्धदारुक मूल विथ डिफरेन्ट अनुपान इन संधिगतवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू आर्थ्रेराइटिस ।
2.	डॉ. अनुभा चौधरी	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू ऑफ आयुर्वेद-महोदधि इंकोरपोरेटिंग डिफरेन्स एवेलेबल मैन्युस्क्रिप्ट्स ।
3.	डॉ. रिचा खण्डेलवाल	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर	ए क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ पथ्य आहार द्रव्य मेंशन्ड इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्थौल्य इन आयुर्वेद ।
4.	डॉ. दीप्ती कुशवाह	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल एनालेसिस ऑफ क्लिनीकल एप्लीकेशन ऑफ घनसूत्र (क्लास ऑफ मेडिसिनल सब्सटेन्सेस) ऑफ सुश्रुत एण्ड वाग्भट ।

डॉ. सुमित नाथानी, प्राध्यापक 'आहारद्रव्यानाम मधुमेहचिकित्सायाम प्रयोग: समालोचनात्मक अध्ययन' विषयक पीएच.डी. शोध कार्य कर रहे हैं ।

लघु अवधि पाठ्यक्रम –आलोच्य अवधि के दौरान, विभाग द्वारा 3 दिन से 1 माह तक के निम्नलिखित लघु-अवधि पाठ्यक्रम संचालित किये गये हैं । इन लघु अवधि पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत पंजीकृत अभ्यर्थियों को विभाग द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया । कुल 114 अभ्यर्थियों को लघु अवधि पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

क्र. सं.	लघु अवधि पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	बैचों की संख्या	प्रशिक्षण प्राप्त कियेग गये अभ्यर्थियों की संख्या
1.	Certificate Course on Training for Beauty Care in Ayurveda.	6 सप्ताह	5	40
2.	Certificate Course on Primary Health Care through Kitchen Spices and Local Plants.	5 दिवस	1	04
3.	Certificate Course on Nutrition and Dietics in Ayurveda.	5 दिवस	2	59
4.	Certificate Course for Training on	3 दिवस	1	09

	Ayurvedic Method of Cooking.			
5.	Certificate Course on Standardize of Ayurvedic Medicinal Plant Material.	1 माह	1	02

चिकित्सकीय कार्य –विभाग के अध्यापकों द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में अपने सेवायें दी गयी ।

प्रकाशन

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	कन्सेप्ट ऑफ व्याधिक्षमत्व इन आयुर्वेद – ए क्रिटिकल रिव्यू ।	यूरोपीयन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च 2018,5(2)
2.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ओजस – ए कन्सेप्ट यूनिक टू आयुर्वेद ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च 2018 7(11)
3.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	कलेक्शन ऑफ रा ड्रग्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रसपंचक ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद, फार्मेसी एण्ड केमिस्ट्री 2018, Vol. 8 (3)
4.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	हिस्ट्री ऑफ यवक फ्राम एथनो-फार्माकोलोजिकल परस्पेक्टिव ।	इंडियन जर्नल ऑफ हिस्ट्री ऑफ साइन्स वॉल. 53(2), जून-2018
5.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	फार्माकोग्नोस्टिकल स्टेण्डर्डाईजेशन ऑफ स्अीम बार्क ऑफ Rhododendron ArboreumSm.(Pullas).	जर्नल ऑफ एडवान्सेज इन मेडिसिन एण्ड मेडिकल रिसर्च 25(8):1-11;2018
6.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	फार्मास्युटिकल स्ट्डी ऑफ किगेलिया पिन्नता (बालम खीरा) एण्ड इट्स इफेक्ट ऑन फेसिअल ब्लिमिशस।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल.XII-3, जुलाई-सित.2018
7.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एवेल्यूएशन ऑु एन हर्बल एन्ओसेप्टिक ड्रग डिलीवरी सिस्टम ।	इंडियन रिसर्च जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड साइन्स 5(1), मार्च, 2018 ISSN : 2349- 5332
8.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	फार्माकोग्नोस्टिकल एवेल्यूएशन ऑफ रिह्जोम ऑफ झिंग्बिर आफिसिनेल रोस्क ।	यूरोपीयन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च ISSN 2394-3211, 4(8)
9.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	द् कन्सेप्ट ऑफ लेक्टोस इनटोलरेन्स इन आयुर्वेद ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन ISSN : 2249-5746, 7(4)

10.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	सिनोनीमस आर ए टूल ऑफ क्वालिटी कन्ट्रोल – ए प्रॅक्टिकल एप्रोच ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च ISSN 2455-3301, 3(8)
11.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	कन्ट्रीब्यूशन्स ऑफ शार्गधर इन द् फिल्ड ऑफ द्रव्यगुण विज्ञान ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन ISSN : 2249-5746, 7(6)
12.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	हरिद्रा – ए क्लासिकल रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन ISSN : 2249-5746, 7(6)
13.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	फार्मेकोग्नोस्टिकल एण्ड फायटोकेमिकल प्रोफाईल ऑफ विडंग सीड्स – ए रिव्यू ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज ISSN-2278-4357, 7(6)
14.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	फार्मेकोग्नोस्टिकल एण्ड फायटोकेमिकल एनॉलेसिस ऑफ हरिद्रा रिह्जोम ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज ISSN-2278-4357, 7(7)
15.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	फार्मेकोग्नोस्टिकल एण्ड फायटोकेमिकल एनॉलेसिस ऑफ वन्य हरिद्रा रिह्जोम ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन ISSN : 2249-5746, 8(3)
16.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	एप्लीकेशन ऑफ आयुर्वेद हर्ब्स इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ इरिटेबल बाउल सिंड्रोम ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेद पब्लिकेशन (AYURPUB.COM), 2(2)
17.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	एन्ओ–डायबेटिक पोटेंशियल ऑफ सम सलेक्टेड ट्रेडिशनल यूज्ड मेडिसिनल प्लाण्ट्स इन वेस्टर्ड घाट्स ऑफ इंडिया विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रमेह ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन ISSN : 2249-5746, 7(4)
18.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	कृषकर लता – ए स्नेकवूड प्लाण्ट ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्स रिसर्च ISSN- 2320-5407, 5(8)
19.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	लिटरेरी रिव्यू ऑफ वचा ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसेन्ट साइन्टिफिक रिसर्च (ISSN- 0976-3031), 8(9)
20.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	महौषध ऑफ बृहत्रयी – ए रिव्यू ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल ISSN: 2320 5091, 5(4)
21.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	क्वालिटी असेस्मेन्ट ऑफ यष्ठीमधुकादि तेल – एन आयुर्वेदिक रेमेडी फॉर खालित्य ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ ग्रीन फार्मेसी जुलाई–सितम्बर 2018 ISSN 09738258 EISSN – 19984103
22.	प्रो. ए. रामा मूर्ति	त्रिफला – ए वण्डर आयुर्वेदिक फार्मूलेशन ।	इन्टरनेशनल रिसर्च जर्नल

	प्रोफेसर		ऑफ आयुर्वेद एण्ड योग वाल. 1, इश्यू 1 नवम्बर–दिसम्बर 2018
23.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	रिलेवेन्स ऑफ श्रमहर महाकषाय ।	जर्नल ऑफ साइन्टिफिक एण्ड इनोवेटिव रिसर्च 2018, 7(1)
24.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जमामांसी – ए कम्प्रेहैन्सिव रिव्यू ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च 2018, वाल. 7. इश्यू 7; ISSN 2277 – 7105, SJIF
25.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	द् रियल कन्सेप्ट ऑफ सब्सटिट्यूशन इन आयुर्वेद लिटरेचर एण्ड एडल्टरेशन द् मिसलिडिंग कन्सेप्ट ऑफ मॉडर्न ऐरा ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड इन्टिग्रेटेड मेडिकल साइन्सेज ISSN 2456-3110, 3(3)
26.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Antimicrobial Evaluation of Different Extracts of Nirgundi Leaf against Pseudomonas Aeruginosa, Staphylococcus Aureus, Escherichia Coli and Klebsiella Aerogenes.	वर्ल्ड जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी 9 (4), 2018; ISSN 2277-4343,
27.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्यूएशन ऑफ पिप्पली एण्ड लौह भस्म ऑन ब्लड हेमोग्लोबिन लेवल ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल. XII - 2, अप्रैल–जून 2018; ISSN 2321-0435
28.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	बल्य कर्म मेंशन्ड इन आयुर्वेद – ए क्रिटिकल रिव्यू ।	इन्टरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ फार्मेसी 2018, 9(10), ISSN 2230-8407
29.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फार्मेकोग्नोस्टिकल एवेल्यूएशन ऑफ चतुर्थमल्लका रसायन ' एन आयुर्वेद कम्पाउण्ड।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल, वाल. 7, इश्यू 3, मार्च 2019, ISSN 2320 5091
30.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फार्मेकोग्नोस्टिकल स्ट्डी ऑफ किगेलिया पिन्नता एण्ड इट्स इफेक्ट ऑन फेसिअल ब्लिमिशस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. XII -3, जुलाई–सित. 2018, ISSN 2321-0435
31.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इन विट्रो एवेल्यूएशन ऑफ एन्ओमाईक्रोबियल इफेक्ट ऑफ हर्बल फार्मूलेशन ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. XII-4, अक्टू.–दिस. 2018; ISSN 2321-0435
32.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	एवेल्यूएशन ऑफ वेरियस टेक्नीक्स टू डिटरमाईन इन एनालजेसिक एक्टिविटी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफफार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 8, इश्यू 3 ISSN 2277– 7105
33.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	मेडिसिनल प्लाण्ट्स हेविंग एनालजेसिक एक्टिविटी – ए डिटेल रिव्यू ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफफार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 7, इश्यू 12 ISSN 2277– 7105

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में सहभागिता एवं शोध–पत्र प्रस्तुतिकरण

क्र.सं.	संकाय सदस्य एवं अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रस्तुत किये गये शोध पत्र का शीर्षक
1.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	आईपीजीटीएण्डआरए, जामनगर द्वारा आयाजित रिसर्च मेथडोलोजी एण्ड साइन्टिफिक राईटिंग विषयक कार्यशाला ।	इनोवेशन एप्रोच इन द्रव्यगुण रिसर्च ।
2.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	इंडोनेशिया के देपनसर(बाली) में हिन्दू यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित आयुर्वेद एण्ड ट्रेडिशनल हैल्थकेयर इन साऊथ एशिया विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	एरोमा थैरेपी एण्ड द्रव्य गुण।
3.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 25-26 फरवरी 2019 को आयोजित डवलपमेन्ट ऑफ स्टेण्डर्ड प्रोटोकॉल फॉर क्वालिटी असेस्मेन्ट ऑफ रा मेटेरियल ऑफ मेडिसिनल प्लाण्ट ऑन द् बेसिस ऑफ रस विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।	डवलपमेन्ट ऑफ स्टेण्डर्ड प्रोटोकॉल फॉर असेस्मेन्ट ऑफ गुण ।
4.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	गुजरात के अहमादाबाद में 16-12-2018 को आयोजित 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस के अन्तर्गत आयोजित मेडिसिनल प्लाण्ट्स विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	अनुक्त द्रव्य एण्ड पेनल डिस्कशनल ऑन फ्यूचर कोर्स ।
5.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	भुवनेश्वर में 21-22 जनवरी 2019 को आयोजित हैल्थमेडिकोन - 2019 ।	आयुर्वेदिक प्रिन्सिपल्स एण्ड मोडर्न थ्योरिज, कंवर्जेन्स एण्ड डाइवर्जेन्स ।
6.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 25-26 फरवरी 2019 को आयोजित डवलपमेन्ट ऑफ स्टेण्डर्ड प्रोटोकॉल फॉर क्वालिटी असेस्मेन्ट ऑफ रा मेटेरियल ऑफ मेडिसिनल प्लाण्ट ऑन द् बेसिस ऑफ रस विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।	डवलपमेन्ट ऑफ स्टेण्डर्ड प्रोटोकॉल फॉर असेस्मेन्ट ऑफ वीर्य ।
7.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	गुजरात के अहमादाबाद में दिसम्बर 2018 में आयोजित 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस ।	इफेक्ट ऑफ मधु इन एलोक्सन इन्ड्यूस्ड डायबेटिक रेट्स - एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी ।
8.	डॉकृतिका जोशी लेक्चरार	गुजरात के अहमादाबाद में दिसम्बर 2018 में आयोजित 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस ।	पिप्पलीमूल - ए बेटर सेडैटिव ड्रग इन कम्पेयर टू जटामांसी - ए रेण्डोमाइज्ड पेरेल्ल ग्रुप क्लिनीकल स्ट्डी ।

अतिथि व्याख्यान : विभाग के अध्यापकों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर अतिथि व्याख्यान दिये गये -

क्र.सं.	अध्यापका का नाम	संगोष्ठी/कार्यशाला	तिथि

1.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	Symposium on Multidisciplinary Approaches in the Management of Amavata - Rheumatoid Arthritis Organized by Government of Nepal, Ministry of Health and PopulationNational Ayurveda Research and Training Center.	15 जून 2018
2.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	"Public Outreach" 8th World Ayurveda Congress at Ahmedabad,Gujarat organized byWorld Ayurveda Foundation.	14-17 दिस. 2018
3.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	Workshop on Diet and Nutrition Workshop at WAC, Ahmedabad	14-17 नव. 2018
4.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	Innovative Approach in Dravyaguna Research. National Workshop on Research Methadology and Scientific Writing.Organized by IPGT&RA,Jamnagar.	20-21 जुलाई 2018
5.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	National Workshop on Development of Standard Protocol for Quality Assessment of Raw Medicinal plants Material on the Basis of Rasa & An Exhibition on Medicinal Plants research. Organized by :All India Institute of Ayurveda,New Delhi & National Medicinal Plant Board.	25-26 फर. 2019
6.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	International Conference on Ayurveda and Traditional Healthcare in Southeast Asia. Organized by: Universitas Hindu Indonesia. Denpasar-Bali	-
7.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	National Conference Dravyaguna Prabodhini-2019Organized by :P.G. Department of Dravyaguna, Government Ayurveda Medical College, Bengaluru	7-8 फर. 2019
8.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	1st National Conference on "Trichology" (Ayurveda & Modern Perspective.Organized by VHCA,Delhi.	13 फर.2019
9.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	Raising Towards Excellence A National Conference of Heads of National Institutes. Orgenized by AllA, New Delhi.	17-18 फर. 2018
10.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	One Day Workshop on "Framework of Multiple Choice Questions(MCQs)"at All India Institute Of Ayurveda,Delhi.	2 फर. 2018
11.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	One Day Workshop and Training Program on Yoga for Women in +40 Age Group.Swasthavrit Department of National Institute Of Ayurveda,Jaipur.	3 फर. 2018
12.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	Skill Development Workshop in Teaching Methodology Organized by NIA,Jaipur.	6-7 फर. 2018
13.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	Skill Development Workshop on Diognosis and Management of Spine Disorders.Organized by NIA,Jaipur.	23 अगस्त 2018
14.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	Workshop on Recitations and Understanding Of Charaka. Organized by NIA,Jaipur.	24-25 अगस्त 2018
15.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	Two Days Training Programme Entitled "Rising Stars" by IIM, Kozhikode Organized by AIIA,New Delhi	30-31 अक्टू. 2018
16.	प्रो.एम.एल.जायसवाल प्रोफेसर	Jyoti Vidyapeeth Women University, Jaipur on classification of medicinal and dietary substances in Vedic Literature.	25 मई 2018
17.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	National Workshop on Development of Standard Protocol for Quality Assessment of Raw Medicinal Plant Material on the Basis of Rasa andan Exhibition on Medicinal Plant Research organized by AIIA New Delhi.	25-26 फर. 2019
18.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	"Aamod" 1st Alumini Meet-cum-Workshop on Naadi Pariksha on the occation of 44thFoundation Day of NIA Jaipur.	6-7 फर. 2019

19.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	National Workshop on Research Methodology andScientific Writing organized by IPGTR, Gujarat Ayurved Unviersity, Jamnagar.	20-21 जुलाई 2018
20.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	Workshop on Recitation and Understanding of Charaka Samhita.	24-25 अगस्त 2018
21.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	Skill Development Workshop on Diagnosis&Management of Spine Disorders.	23 अगस्त 2018
22.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	Skill Development Workshop on Sandhi Pariksha, Agni Pareeksha and Naadi Pareeksha.	4-6 दिस. 2018
23.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	CME for Dravyaguna Teachers, NIA, Jaipur.	4-9 सित. 2018
24.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	CME for Agadtantra Teachers NIA, Jaipur.	15-16 फर. 2019
25.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	2nd Workshop at AIIA, New Delhi	-
26.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	"Short Term Course for Beauty Care" organized by Dept. of Dravyaguna,	14 जून 2018.
27.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Herbs in Primary Health Care. - Induction Training Programme of AYUSH Medical Officers held at RICEM, Jaipur.	12-13 सित. 2018.
28.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	"Food and Nutrition" an associated event of 8th World Ayurveda Congress at Ahmedabad, Gujarat, Organized by: World Ayurveda Foundation.	15 दिस.2018.
29.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	International Seminar on Medicinal Plants, an associated event of 8th World Ayurveda Congress at Ahmedabad, Gujarat, Organized by: NMPB, New Delhi	16 दिस. 2018
30.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Training Programme for Farmers organized by State Medicinal Plants Board, Rajasthan at Jaipur.	5 फर. 2019
31.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Regional Seminar on use of e–Charak and Voluntary Certification Scheme' organized by NMPB held at Jaipur	26 सित. 2018
32.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Workshop for "Skill Development Workshop in Teaching Methodology", organized by NIA, Jaipur	6-7 अगस्त 2018
33.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Workshop for Skill Development Workshop on Diognosis and Management of Spine Disorders, organized by NIA,Jaipur	6-7 अगस्त 2018
34.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Workshop on Recitations and Understanding Of Charak"organized by NIA, Jaipur.	24-25 अगस्त 2018
35.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Workshop on Diet and Nutrition Workshop at 8th World Ayurveda Congress at Ahmedabad, Gujarat.	16 Dec. 2018
36.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Public Outreach Program at WAC, Ahmedabad	15 दिस. 2018
37.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Program organised by Department of Dravyaguna, IPGTRA, Jamnagar	12 मार्च 2019
38.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Program organised by Mahaveer Ayurvedic College,Meeruth.	07 अप्रैल 18
39.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Skill development workshop on teaching methodologies, NIA, Jaipur	6-8 अगस्त 2018

40.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	CME Dravyaguna , NIA, Jaipur	04 सित. 2018
41.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	work shop on Naadi Pareeksha	6-7 सित. 2019
42.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	CME on Wound Healing.	25 अक्टूबर 2018
43.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	National workshop on "development of standard protocol for QA of Raw medicinal plant materials on the basis of Rasa"AIIA, New Delhi	25-26 फर. 2019
44.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Tour for Medicinal Plant identification for UG scholars, Uttrakanda.	2-7 अक्टूबर 2018
45.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	CME on Chronic Kidney Disease and its Ayurvedic Management.	27 अप्रैल 2019
46.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	Vishwa Ayurved Parishad Lecture series. Jaipur.	06 जुलाई, 2018
47.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	Ayurveda Kaushalam Topic: Beauty care through Ayurveda.	23 अक्टूबर 2018
48.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	Vishwa Ayurved Parishad Lecture seriesJaipur.	22/02/2019
49.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	Skill development workshop on teaching methodology	6-8 अगस्त 2018
50.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	Skill development workshops on diagnosis and management of Spine disorders	23 अगस्त 2018
51.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	Workshop on recitation and understanding of Charaka Samhita.	24-25 अगस्त 2018
52.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	Skill development workshops on Sandhi pariksha, Agni Pariksha and Nadi Pariksha.	4-6 अक्टूबर 2018
53.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	Ayurved Swadhyay Shibir, Aryagram.	9-11 नवम्बर 2018
54.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	.Workshop on research methodology for faculty	19 जन. 2019
55.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	Public Outrich Programme, 8th World Ayurveda Congress, Ahmedabad.	14-17 दिस. 2018
56.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	Ayurvedic Beauty Course -2018 -19	फरत्र–जून 2018
57.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	Tour for Medicinal Plant identification for UG scholars, Uttrakanda	2-7 अक्टूबर 2018
58.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	CME – 6 day CME programme for Dravyaguna Teachers	4 सितम्बर 2018
59.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरार	CME on Pharmacovigilance	15-16 फरवरी 2019
60.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	CME for AYUSH Dravyaguna Teachers	4-9 सितम्बर 2018
61.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	Regional Training Programme for Nominees of CPCSEA	13-14 दिस. 2018

विस्तार व्याख्यान – 'केशआयुर्वेद' तथा 'डायग्नोस्टिक एण्ड ट्रीटमेन्ट वेल्यू एडिशन वाया टेक्नोजॉजी इन एनशियएन्ट साइन्स आयुर्वेद' विषयक विस्तार व्याख्यान विभाग द्वारा 2-3-2019 को आयोजित किये गये । इस अवसर पर वैद्य हरिश पाटंकर को रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया था ।

विभागीय संगोष्ठीयाँ –

आलोच्य अवधि के दौरान, शोधार्थियों के लाभार्थ विभिन्न विषयों पर निम्नलिखित विभागीय संगोष्ठीयाँ आयोजित की गई जिनमें सभी विभागों के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येआओं ने सक्रियता से भाग लिया :-

क्र.सं.	विषय	दिनांक
1.	डिज़िज रिव्यू – स्थौल्य	13-3-2018
2.	शोथहरण द्रव्य – गंभीर, पटोला	24-3-2018
3.	अग्निमांद्य – डिज़िज रिव्यू ।	7-4-2018
4.	महानिबन्ध प्रस्तुतिकरण – कम्परेटिव फायटो-फार्माकोलोजिकल स्ट्डी ऑफ शुंठी केसर अकोर्डिंग टू क्षीर संग्रहण कला ।	19-4-2018
5.	चन्द्रकला रस ।	21-4-2018
6.	डिज़िज रिव्यू ऑफ डेण्ड्रफ ।	28-4-2018
7.	द्रव्य संग्रहण एवं इसकी विधि ।	12-5-2018
8.	द्रव्य रिव्यू – मधु ।	19-5-2018
9.	तालीसादी चूर्ण ।	26-5-2018
10.	डिज़िज रिव्यू ऑन 'बल्य' ।	2-6-2018
11.	एन एक्सपीरिमेन्टल एवेल्यूएशन ऑफ एन्टि-फेट्गू एक्टिविटी ऑफ श्रमहर महाकषाय एण्ड इट्स एप्लीकेबिलिटी इन स्पोर्ट्स मेडिसिन ।	21-6-2018
12.	रिव्यू ऑफ रसायन ।	30-6-2018
13.	ए क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ पथ्य आहार द्रव्य मेंशन्ड इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्थौलय इन आयुर्वेद ।	14-7-2018
14.	A Comparative Clinical Trial of *Vruddhadaru Mula* & Roots of *Argereia Nervosa* (Burm.f.) Bojara with Different *Anupana* in *Sandhigata Vata* w.s.r. to Osteoartheritis.	14-7-2018
15.	ए क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफक्लिनीकल एप्लीकेशन ऑफ गुण सूत्र ऑफ सुश्रुत एण्ड वाग्भट्ट ।	14-7-2018
16.	ए क्रिटिकल रिव्यू ऑफ आयुर्वेद – महोषधी इन कोओपरेटिंग द् डिफरेन्स एवेलेबल मैन्युस्क्रिप्ट्स ।	14-7-2018
17.	डिज़िज रिव्यू – व्रण ।	14-7-2018
18.	अविपत्तिकर चूर्ण विवेचन ।	14-7-2018
19.	डिज़िज रिव्यू – हाईपरटेंशन ।	18-8-2018
20.	A Study to Evaluate the Effect of *Chaturthamalaka Rasayana* on Leucocytes & Immunoglobulin w.s.r.to Immunomodulatory Activity in Albino Wistar Rat.	28-8-2018
21.	पुष्यांग चूर्ण विवेचन ।	18-9-2018
22.	फोक मेडिसिन प्रॅक्टिस बाई आदि ट्राईब्स ऑफ अरूणाचल प्रदेश ।	25-9-2018
23.	निघण्टु ।	9-10-2018
24.	रिव्यू ऑफ भैषज्य काल ।	9-10-2018
25.	एथनोबोटेनिकल सर्वे ऑफ स्वेर्टिया इन नेपाल ।	11-2-2018
26.	ड्रग रिव्यू – गुडूची ।	18-12-2018

27.	द्रव्य विवेचन ।	1-1-2019

सीएमई कार्यक्रम –

विभाग द्वारा द्रव्यगुण विभाग के अध्यापकों हेतु 4–9 सितम्बर 2018 को 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में 12 सत्रों में 24 महत्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित किये गये । कार्यक्रम में विभिन्न आयुर्वेदिक महाविद्यालयों से 32 अध्यापकों ने प्रतिभाग लिया गया ।

विभाग द्वारा 12–16 फरवरी 2019 को फार्मेकोविजिलेंस विषयक 2 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में 2 सत्रों में 8 महत्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित किये गये । कार्यक्रम में विभिन्न आयुर्वेदिक महाविद्यालयों से 30 अध्यापकों ने प्रतिभाग लिया गया ।

छात्रों की शैक्षणिक यात्रा – द्रव्यगुण पाठ्यक्रम के क्रम में आयुर्वेदाचार्य के द्वितीय वर्ष के छात्रों को सितम्बर 2018 में पादपों की पहचान के ज्ञानार्जन हेतु 6 दिवसीय शैक्षणिक यात्रा पर ले जाया गया । इस शैक्षणिक यात्रा में 3 विषय विशेषज्ञों के नेतृत्व में 40 छात्रों द्वारा भाग लिया गया । यात्रा का मार्ग इस प्रकार से रहा – हरिद्वार – देहरादून – मंसूरी इसमें पतंजली आयुर्वेद होस्पीटल एवं फार्मेसी सम्मेलित थे । छात्रों द्वारा जंगल में प्राकृतिक वातावरण में विभिन्न पादपों की जानकारी ली गई । यात्रा के दौरान विशेषज्ञों द्वारा छात्रों को पादपों की पहचान करने का ज्ञान एवं इनका संग्रहण करने की पद्धति की जानकारी प्रदान की गई ।

विभाग में संचालित अन्य इकाईयाँ

इकाईयाँ –

नेशनल रिपोजिटरी एण्ड हर्बेरियम फॉर ऑथेन्टिक आयुर्वेदिक क्रूड ड्रग्स – संस्थान में एक उत्कृष्ट 'नेशनल रिपोजिटरी एण्ड हर्बेरियम फॉर ऑथेन्टिक आयुर्वेदिक क्रूड ड्रग्स' है । इस रिपोजिटरी की संस्थापना एवं इसका रख-रखाव संस्थान के द्रव्यगुण विभाग द्वारा किया जा रहा है । इस रिपोजिटरी में आयुर्वेदिक प्रमाणित कच्ची ओषधियों के नमूने एवं उनके संभावित अपमिश्रित, जो कि प्रमाणिक उत्पाद के स्थान पर प्रयुक्त किये जाते हैं, प्रदर्शित किये गये हैं। इसमें रखे नमूनों की गुणवत्ता को बनाये रखने हेतु एक निश्चित समय में बदला जायेगा जिससे औषधियों का प्रमाणीकरण उचित प्रकार से हो सके। रिपोजिटरी में अभी 275 से अधिक नमूने रखे हैं। इस रिपोजिटरी की स्थापना से शोधकर्ताओं, अध्येताओं तथा आयुर्वेदिक चिकित्सकों में मौलिक एवं प्रामाणिक औषधीय नमूनों सम्बन्धी ज्ञान की अभिवृद्धि होगी । सामान्य लोगों को भी अपमिश्रित मिश्रित औषधियों से प्रामाणिक औषधियों को मान्यता देने में मद्द होगी ।

द्रव्यगुण प्रयोगशाला – इस वर्ष विभाग की प्रयोगशाला का नवीनीकरण किया गया है । प्रयोगशाला परिष्कृत उपकरणों यथा – स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, डीजिटल बेलेन्स आदि से सुसज्जित है । इस वर्ष और उपकरण यथा वेक्युम पम्प, मैग्नेटिक स्टाईरर, होट प्लेट्स आदि क्रय किये गये हैं । विभागीय तथा अन्य विभागों के अध्येताओं द्वारा किये जा रहे शोधार्थ फार्माकोग्नोस्टिकल तथा फायटोकेमीकल नैदानिक परीक्षण किये गये ।

एचपीएलसी प्रयोगशाला – वर्ष के दौरान विभाग के एचपीएलसी यन्त्र का आधुनिकतम सॉफ्टवेयर इंस्टाल कर उन्नयन किया गया है जिस पर अब सभी शाधार्थियों द्वारा नियमितरूप से औषध योगों का परीक्षण एवं प्रयोग किये जा रहे है ।

इंटरमीडिएरी फार्माकोविजिलेंस सेंटर– विभाग में आयुष फार्माकोविजिलेंस स्कीम के तहत इंटरमीडिएरी फार्माकोविजिलें सेंटर है । यह केन्द्र आई.पीवी.सी. से सम्बन्धित है । यह केन्द्र प्रतिकूल औषध प्रतिक्रियाओं तथा भ्रामक विज्ञापन से सम्बन्धित है ।

परिसर में स्थित औषध-उपवन – संस्थान परिसर में एक औषधीय उपवन है जिसमें नवीन औषधीय पादप रोपे गये हैं।

परिसर में स्थित डेमो हर्बल गार्डन – औषधीय पादपों को गमलों में नियंत्रित वातावरण में रखने के लिए परिसर में एक डेमो हर्बल गार्डन विकसित किया जा रहा है । वर्तमान में लगभग 200 प्रजातियों के 330 औषधीय पादप प्रदर्शन हेतु उपलब्ध है । सभी प्रजातियाँ एवं औषधीय पादप नामपट्टिकाओंयुक्त है ।

****

कौमार भृत्य (बाल रोग) विभाग

परिचय : कौमार भृत्य आयुर्वेद की एक अति-महत्वपूर्ण शाखा है । विभाग द्वारा स्नातक, स्नातकोत्तर स्तर एवं पीएच.डी. के अध्येताओं को अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कार्य कराये जाते है। नवजात की देखभाल, दैनिक एवं ऋतु अनुसार खान-पान, बालकों को होने वाली व्याधियों, बाल रोग, टीकाकरण इत्यादि कार्य इस विभाग द्वारा सम्पन्न किये जाते हैं ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 3 असिस्टेन्ट प्रोफेसर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहे । विभागाध्यक्ष, कौमारभृत्य विभाग का प्रभार निदेशक के पास अतिरिक्त रूप से रहा है ।

अ) उद्देश्य –

- स्नातक छात्र-छात्राओं को बालकों की चिकित्सा में प्रवीणता प्रदान करना।
- स्नातकोत्तर अध्येताओं को आयुर्वेद पद्धति से बालकों की चिकित्सा करने में दक्षता प्रदान करना तथा जिसकी चिकित्सा के सभी स्तरों पर समाज में आवश्यकता है, अनुसंधान प्रणाली के सिद्धान्तों एवं अध्यापन प्रणाली का ज्ञान प्रदान कर इसमें प्रवीण करना ।
- पीएच.डी. अध्येताओं में आयुर्वेदिक पीडियाट्रिक्स क्षेत्र में अनुसंधान प्रणाली की प्रोन्नत अवधारणा का विकास करना एवं चिकित्सा, अनुसंधान एवं अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में उन्हें रचनात्मक चिकित्सक समूह-सदस्य के रूप में विकसित करना ।

ब) कार्यपद्धति -

- शैक्षणिक स्टॉफ, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं की समान भागीदार के साथ सामुहिक रूप से कार्यक्षमता के माध्यम से विभागीय गतिविधियाँ संचालित करना ।
- बहिरंग रोगी विभाग, बाल चिकित्सा वार्ड, केस प्रस्तुतिकरण तथा नैदानिक चर्चाओं के माध्यम से नैदानिक प्रशिक्षण प्रदान करना ।
- नियमित रूप से संगठित गतिविधियाँ – विभागीय संगोष्ठीयां, कार्यशालाएं, जर्नल क्लब मीटिग्स और प्रस्तुतियां, नवीन विचारों पर समूह चर्चाएं, विस्तार व्याख्यान आदि विभाग की कुछ सामान्य एवं नियमित गतिविधियाँ संचालित करना।

Achievements

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के द्वितीय एव तृतीय वर्ष के छात्रों को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार बाल रोग विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। उनके विचारों को अधिक स्पष्ट करने हेतु समूह चर्चाऐं एवं प्रजेन्टेशन दिये गये। प्रायोगिक प्रशिक्षण भी आयोजित किये गये।

ब) नर्स/कम्पाउंडर का डिप्लोमा पाठयक्रम – विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार नर्स/कम्पाउंडर डिप्लोमा पाठयक्रम के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है ।

स) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर (एम.डी. आयुर्वेद) अध्येताओं को विशिष्ट व्याधियों के संदर्भ में उनके शोध विषयक सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार उपलब्ध कराया गया । अध्येताओं को रोगी परिचर्या केन्द्रित प्रशिक्षण प्रदान

किया गया तथा विषय का उन्नत ज्ञान प्रदान करने हेतु संकाय-सदस्यों द्वारा सैद्धान्तिक कक्षाओं का आयोजन किया गया । स्नातकोत्तर अध्येताओं को प्रशिक्षित करने हेतु विभाग द्वारा नवीन तकनीकों को अपनाया जाता है।

द) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार उपलब्ध कराया गया । इस उद्देश्य हेतु अनुसंधान परियोजनाओं को प्रारम्भ किया गया । बालकों की चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान की प्रोन्नत प्रणाली में आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों को समाविष्ट करने में अध्येताओं को दक्ष करने की दिशा में प्रत्येक प्रयास किया जाता है।

शोध –आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये:-

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. अनुकृति गौड़	प्रो. रामकिशोर जोशी प्रोफेसर डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ प्रविलेंस ऑफ आयरन डेफीसियेन्स एनीमिया इन चिल्ड्रन एंड एफीकेसी ऑफ वातादि लेह इन इट्स मैनेजमेन्ट ।
2.	डॉ. नीतू सिन्हा	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ पॅटर्न ऑफ मोरबिडिटी इन चिल्ड्रन अण्डर 5 ईयर्स एण्ड इफेक्ट ऑफ स्वर्ण प्राशन ऑन मोरबिडिटी स्टेट्स।
3.	डॉ. कृष्ण बहादुर सिंह	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ मोरबिडिटी स्टेट्स ऑफ चिल्ड्रन एण्ड इफेक्ट ऑफ अभ्याघृत ऑन लॉवरिंग डाउन द् मोरबिडिटी रेट ।
4.	डॉ. ओम प्रकाश बैरवा	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सर्वे एण्ड इन्टरवेंशन स्ट्डी टू इवेल्युएट द् एफीकेसी ऑफ आयुर्वेदिक फार्मूलेशन एण्ड शिरोधारा इन अटेंशन डेफिसिट हाइपरटेंशन डिस्आर्डर ।
5.	डॉ. मनोज किरार	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सर्वे एण्ड इन्टरवेंशन स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफीकेसी ऑफ प्रियालादि मोदक वर्सेज विदारिगंधादि चूर्ण इन प्रोटीन एनर्जी मालन्यूट्रीशन।
6.	डॉ. पूजा अरोड़ा	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ वचा चूर्ण एंड सत्वावजय चिकित्सा इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्टटट्रिंग ।
7.	डॉ. कैलाश चन्द कटारिया	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ पूतीकादि लेप एण्ड विरेचन इन मैनेजमेन्ट ऑफ श्वित्र इन चिल्ड्रन ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे –

Sl.No.	Scholar	Supervisor/ Co-Supervisor	Topic
1.	डॉ. अजय कुशवाह	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् इम्यूनाईजेशन इफेक्ट ऑफ आमलाक्यादि रसायन इन चिल्ड्रन ।
2.	डॉ. प्रियंका कुमारी	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ गुड़ादि मण्डूर इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पाण्डू(एनेमिया) इन एडोलेसेन्ट गर्ल्स ।
3.	Dr. Lokesh Kumar Sharma	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Clinical Study to Evaluate the Efficacy of Vidangadi Churna in Sthaulya w.s.r. to

			Overweight in Children.
4.	डॉ. लोकेश कुमार शर्मा	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ विड़ंगादि चूर्ण इन स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओवरवेट इन चिल्ड्रन ।
5.	डॉ. गौरव कुमार राठौड़	डॉ. श्री निधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ पिप्पलादि चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अपर रेस्पाइरेटरी ट्रेक इन्फेक्शन्स ऑफ चाइल्डहुड विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अबेरेशन्स ऑफ ओजस इन चिल्ड्रन।
6.	डॉ. मेघा शिल्पी	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	टू स्ट्डी द् रोल ऑफ दुर्वादि तैल एज़ टोपिकल एप्लीकेशन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पामा कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्सटू चाइल्डहुड स्केबीज ।
7.	डॉ. विनय शर्मा	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ मोर्बिडिटी पेटर्न ऑफ अण्डर फाईव ईयर्स चिल्ड्रन इन जयपुर ।
8.	डॉ. अंकिता मिश्रा	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ प्रीविलेन्स एन कोरिलेट्स ऑफ फिजियोलोजिकल डिस्ट्रेस इन एडोलसेन्ट गर्ल्स एण्ड इफेक्ट ऑफ मुधयष्ठी चूर्ण इन इट्स मैनेजमेन्ट ।
9.	डॉ. वेदप्रकाश मीना	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्युनिटी बेस्ड स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ चतुरजटादि संभ्रक ऑन द् न्युट्रिशनल स्टेट्स ऑफ चिल्ड्रन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रोटीन एनर्जी मालन्युट्रिशन ।
10.	डॉ. अमनदीप	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् इम्युनोमॉड्यूलेटरी इफेक्ट ऑफ निदिग्धिकादि लेप ऑन प्राणवह स्रोतोदुष्टि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अपर रेस्पाइरेटरी इन्फेक्शन इन चिल्ड्रन ।
11.	डॉ. नेहा मोसलपुरी	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी ऑन प्रीवेलेन्स ऑफ एकेडमिक स्ट्रेस इन स्कुल चिल्ड्रन एण्ड कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रॉयल टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ ब्रह्मी एण्ड तुलसी ऑन एकेडमिक स्ट्रेस ।
12.	डॉ. रेखा करीर	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Role of the Khadirsar as Kavala in the Management of Childhood Chronic Tonsilitis With Special Reference to Tundikeri.
13.	डॉ. पार्वती रावत	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ एन आयुर्वेदिक न्युट्रिशनल कम्पाउण्ड इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ बालशोष विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रोटीन एनर्जी मालन्युट्रिशन ।
14.	डॉ. देवेन्द्र कुमार	प्रो. संजीव शर्मा निदेशक डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिव्यू एण्ड क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ डिफरेन्ट क्लासिकल आयुर्वेदिक फार्मूलेशन्स (योग) टू बी यूज्ड इन थेरेप्युटिक्स ऑफ कौमारभृत्य ।
15.	डॉ. लवेश गुप्ता	प्रो. संजीव शर्मा निदेशक डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिव्यू एण्ड क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ लक्षणाध्याय एण्ड वेदनाध्याय ऑफ कश्यप संहिता विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पीडियाट्रिक्स क्लिनीकल मेथोडोलोजी ।
16.	डॉ. रश्मि पारीक	प्रो. संजीव शर्मा	स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् इम्यूनोमॉड्यूलेटरी इफेक्ट

		निदेशक डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ऑफ स्वर्ण-वचा योग एण्ड इट्स रोल इन प्राणवह स्रोतोदुष्टि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रिकरन्ट रेस्पाईरेटरी इन्फेक्शन इन चिल्ड्रन ।

चिकित्सकीय सेवायें/उपलब्धियाँ –

यह विभाग सुसंस्थापित है तथा निम्नलिखित इकाइयों/क्लीनिकों के माध्यम से बाल चिकित्सा विकारों की एक श्रृंखला के लिए आयुर्वेदि उपचार एवं चिकित्सीय सेवाऐं प्रदान करता है :-

बाल चिकित्सा बहिरंग विभाग – विभाग के अध्यापक प्रत्येक दिन अपनी चिकित्सकीय सेवायें उपलब्ध कराते हैं । वर्ष के दौरान, बहिरंग विभाग के रोगियों की कुल संख्या 11,761 थी जिनमें से 7,766 नवीन रोगी पंजीकृत किये गये थे तथा अन्तरंग विभाग के स्तर पर रोगियों की कुल संख्या 4,159 थी जिनमें से 366 रोगी नवीन पंजिकृत किये गये थे ।

बालको हेतु पंचकर्म इकाई – न्युरो-मस्कुलर डिसऑर्डर्स तथा अन्य विकृतियाँ यथा – सेरेब्रल पॉल्सी, मस्कुलर डिस्ट्रोफी, पेरालाईसिस आदि से ग्रस्त बालकों की पंचकर्म द्वारा विशिष्ट चिकित्सा की जाती है। आलौच्य वर्ष के दौरान 2,102 रोगियों की चिकित्सा की गई ।

टीकाकरण इकाई – राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत 2,102 बालकों में टीकाकरण हेतु सुविधायें उपलब्ध करायी गई ।

स्वर्ण प्राशन इकाई –विभाग में स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम चलाया जाता है । स्वर्ण प्राशन 5 वर्ष तक के बालकों को पुष्य नक्षत्र की तिथियों को कराया जाता है ।

विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला –विभाग द्वारा 17-28 जनवरी 2019 को स्टेण्डर्ड ट्रीटमेन्ट प्रोटोकॉल गाइडलाईन फॉर मैनेजमेन्ट ऑफ सेरेब्रल पाल्सी विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला में देशभर से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था । कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान के निदेशक एवं कार्यशाला के अध्यक्ष प्रो. संजीव शर्मा द्वारा किया गया । इस अवसर पर प्रो. अभिमन्यु कुमार, कुलपति, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून अतिथि गौरव के रूप में उपस्थित थे। प्रतिभागियों द्वारा कार्यशाला के 4 वैज्ञानिक सत्रों में 16 पत्र प्रस्तुत किये गये । विभिन्न आयुर्वेदिक महाविद्यालयों के 38 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया । आयुर्वेदिक बालरोग के क्षेत्र में यह कार्यशाला बहुत ही महत्त्वपूर्ण रही ।

प्रकाशन –

(ए) पुस्तक प्रकाशन

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	चाईल्ड मेन्टल हैल्थ : एविडेन्स बेस्ड आयुर्वेदिक एप्रोच ।	चौखम्भा आरिएन्टालिया वाराणसी ISBN 97893-84541-87-7

(बी) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

Sl.No.	Author's Name	Title	Publication Details
1.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Ayurvedic Management of Spastic Cerebral Palsy: A Case Report	आईजेआरएपीआर वॉल.-9, इश्यू 4, 2018
2.	डॉ. निशा ओझा	Vedanadhyaya: A Clinical Approach to Pediatric Examination in Kashyapa	आईजेआरएपीआर

	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Samhita	वॉल.-6, इश्यू 7, 2018
3.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Study of Prevalence of Iron Deficiency Anemia in A dolescent Girls in Jaipur District, India	आईजेआरएपीआर 9 (3), 2018
4.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Effect of Maternal Diet and Lifestyle on Fetal Outcome: Evidences from Ayurveda: A Review	आईजेआरएपीआर वॉल.-9, इश्यू 4, 2018
5.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Use of Gold in Human and Disease-Research Updates	जेएएचएम वॉल.-6, इश्यू 3, मई–जून 2018
6.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Utility of Lehana in Child Healthcare: Evidences from Ayurveda	आईजेएएआर वॉल.-3, इश्यू 9, जुलाई–अगस्त 2018
7.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Study to Evaluate the Efficacy of Drakshadi Yoga in the Management of Respiratory Allergic Disorders of Children	आईजेएसएआर 5 (7), 2018; 06-14
8.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Clinical Study on the Efficacy of n Ayurvedic Compound and Panchkarma Procedure in the Management of Spasticity Among Children Suffering from Spastic Cerebral Palsy	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अप्रैल–जून 2018
9.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Critical Analysis of Charakokta Mahakashaya in the Management of Respiratory Allergic Disorders (RAD)	जेबीपीआर ISSN 2279-0594 वाल.-7, मार्च–अप्रैल, 2018
10.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Role of Dietary and Lifestyle Modification in Sthaulya W.S.R. to Childhood Obesity	आईएएमजे ISSN 2320-5091 संस्करण-4: अप्रैल, 2018
11.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Clinical Utility of Katu Taila and its Preparation in Pediatric Spleenic Disorders- A Review Article	आईएएमजे ISSN 2320-5091 वॉल.2, अप्रैल–मई, 2018
12.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Lashuna (Garlic): AWonder Drug in Childhood Disorders- A Review	आईएएमजे ISSN 2320-5091 वाल.-2, अप्रैल–मई, 2018
13.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Ayurvedic Management of Bullous Impetigo: A Case Study	आईजेएपीसी ISSN 2350-0204 वाल.9, संस्करण-2: 2018
14.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Ayurvedic Concepts of Resuscitation in an Asphyxiated Newborn- A Critical Analysis	आईजेएपीसी ISSN 2350-0204 वाल.9, संस्करण-2: 2018
15.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Clinical Understanding for Effectiveness of Various Panchakarma Procedures in Children with Cerebral Palsy- Review Study	आईजेपीआरएमएस ISSN 2454-9134 वाल.4, संस्करण-2: 2018
16.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Role of Panchakarma in Duchenne Muscular Dystrophy	आईजेआरएआर वाल.-5, इश्यू- 4, 2018. E-ISSN 2348-1269
17.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Clinical Evaluation of Ankoladi Taila in the Management of Seborrheic Dermatitis	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अप्रैल–जून 2018
18.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Efficacy of Herbal Medicines in Childhood Tamaka Shvasa (Bronchial Asthma)- An Evidence Based Review	आईजेएपीसी ISSN 2350-0204

			वॉल.-10, संस्करण 1: 2019
19.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Role of Caloric Food Intake and Indigenous Ayurvedic Compound in the Management of Childhood Obesity	आईजेएपीसी ISSN 2350-0204 वॉल.-10, संस्करण 1: 2019
20.	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सहलिखित)	Role of Ayurveda Therapy in Attention Deficit Hyperactivity Disorder in Children	जेईटीआईआर वॉल.6, इश्यू-2 ISSN No. 2349-5162 वर्ष - 2019
21.	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सहलिखित)	Social and Medical Ethics of Kashyapa Samhita	आईजेआरएआर सेक्शन 5, इश्यू 4 ISSN 2348-1269
22.	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सहलिखित)	Clinical Evaluation of Efficacy of "Pippalyadi Yoga" in the Management of Pandu Roga w.s.r. to Iron Deficiency Anemia in Children	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जुलाई-सितम्बर 2018 ISSN No. 2321-0435
23.	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सहलिखित)	Clinical Study on the Efficacy of "Shri Siddha Modak" in the Management of Balshosh w.s.r. to Protien Energy Malnutrition in Children	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जनवरी-मार्च 2018 XII-3, ISSN No. 2321-0435

कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में संकाय सदस्यों द्वारा सहभागिता –

क्र.सं.	संकाय सदस्य एवं अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
1.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5 मार्च 2019 को आयोजित आर्ट ऑफ फ्रेमिंग मल्टीपल च्वाइस क्युशन्स विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
2.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेद दिवस 2018 आयुर्वेद की महिला चिकित्सकों हेतु 23 अक्टूबर 2018 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला ।
3.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कौमारकोन-2019 में अतिथि व्याख्यान । राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 1-3 फरवरी 2019 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
4.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वर्धा, महाराष्ट्र में 3-4 जनवरी 2019 को आयोजित वात्सल्यम-2019 में भाग लेकर स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ क्लासिकल आयुर्वेद ड्रग्स इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कामला विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू नियोनेटल ज्योंडिस विषयक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया ।
5.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	महात्मा गांधी आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एण्ड रिसर्च सेन्टर, सालोद, वर्धा, महाराष्ट्र में 3-4 जनवरी 2019 को आयोजित मेटरनल एण्ड चाइल्ड हैल्थ केयर थ्रू आयुर्वेद - वात्सल्यम-2019 - विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में सह-अध्यक्ष के रूप में भाग लिया गया ।
6.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित स्टेण्डर्ड ट्रीटमेन्ट प्रोटोकोल गाइडलाइन्स फॉर द् मैनेजमेन्ट ऑफ सेरेब्रल पाल्सी विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया गया ।
7.	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित स्टेण्डर्ड ट्रीटमेन्ट प्रोटोकोल गाइडलाइन्स फॉर द् मैनेजमेन्ट ऑफ सेरेब्रल पाल्सी विषयक

		2 दिवसीय कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया गया ।

आलोच्य वर्ष के दौरान विभाग के अन्तर्गत चलने वाली विभिन्न इकाईयों, योजनाओं और परियोजनाओं का परिचय एवं उद्देश्य एवं किये गये कार्य –

1. **स्वर्णप्राशन** – विभाग द्वारा 1 सितम्बर 2018 से स्वर्णप्राशन कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है । इसके अन्तर्गत प्रत्येक पुष्य नक्षत्र के दिन विभाग द्वारा विभिन्न स्कुलों, ग्रामों, बहिरंग विभाग एवं सेटेलाईट चिकित्सालय में बच्चों को नि:शुल्क स्वर्णप्राशन कराते हैं ।

2. **बाल समुदाय स्वास्थ्य एवं विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम** –विभाग द्वारा सामुदायिक बाल स्वास्थ्य परियोजनाऐं चलाई जाती है जिन्ते अन्तर्गत स्कुल, ग्रामों एवं संस्थान के समीपस्थ स्थानों पर नियमित रूप से चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर बालकों को चिकित्सा सेवायें उपलब्ध कराई जाती है । विभाग ने दो ग्राम यथा सायपुरा एवं जमवारामगढ़ गोद लिये हैं यहां प्रत्येक माह नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, स्वर्णप्राशन और चिकित्सा शिविर नियमित रूप से आयोजित किये जाते हैं ।
3. बाल क्षेत्र में किये गए अनुसंधान कार्य का और विस्तार – विभाग सार्वजनिक स्वास्थ्य डोमेन के साथ-साथ अनुसंधान क्षेत्रों में बाल स्वास्थ्य देखभाल से सम्बन्धित सबसे प्रचलित क्षेत्रों को कवर करने का प्रयास करता है । विभाग उन समस्याओं को चुनने पर ध्यान केन्द्रित करता है जिनमें आयुर्वेद के सिद्धान्तों को लागू किया जा सके । आयुर्वेद में बाल स्वास्थ्य देखभाल से सम्बन्धित विभिन्न क्षेत्र है –

    - आयुर्वेद दवाओं (रसायन) के निवारक पिडियाट्रिक्स/इम्यून बढ़ाने वाले प्रभाव ।
    - विकास एवं पोषण सम्बन्धी विकार ।
    - एलर्जी, श्वसन/जठरांत्र ।
    - बाल मानसिक स्वास्थ्य – एडीएचडी, एलडी, ऑटिज्म, डिप्रेशन, अनेक्सिटी आदि ।
    - बचपन की शारीरिक विकलांगता – सेरेब्रल पाल्सी, डीएमडी आदि ।

    सभी अनुसंधान परियोनाऐं एवं एम.डी. एवं पीएच.डी. अनुसंधान इन क्षेत्रों को कवर करने नियोजित कये जाते हैं।

4. विभाग द्वारा अनुसंधान के क्षेत्र में बाल स्वास्थ्य देखभाल से सम्बन्धित अधिकांश महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में अनुसंधान करने पर ध्यान केन्द्रित करता है वे है –
    - निवारक बाल चिकित्सा ।
    - पोषण सम्बन्धित विकार (कुपोषण, मोटापा)
    - एलर्जी विकार (त्वचा, श्वसन, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एलर्जी स्थितियाँ)
    - मानसिक विकार – एडीएचडी, ऑटिज्म, लर्निंग डिसएबिलिटीज, टेम्पर टेंट्रम ।
    - बचपन की शारीरिक अक्षमताऐं ।

5. प्रशिक्षण/पुर्नप्रशिक्षण/कार्यशाला – विभाग द्वारा नियमित रूप से पीजी एवं पीएच.डी. अध्येताओं के ज्ञान और कौशल के उन्नयन हेतु बाल रोग से सम्बन्धित विषयों पर जागरूकता व्याख्यान एवं नवजात पुनर्जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एनआरपी) एवं टीकाकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सहयोग से आयोजित करता है ।

विविध –

1. विभाग द्वारा पोषण माह (सितम्बर 2018) के दौरान प्रत्येक दिन पोषण जागरूकता व्याख्यानों का आयोजन किया गया एवं बहिरंग विभाग एवं निकट क्षेत्रों में पोषक लड्डू एवं च्यवनप्राश का नि:शुल्क वितरण किया गया ।

2. विभाग द्वारा 8 मार्च 2019 से 22 मार्च 2019 तक बहिरंग रोगी विभाग एवं दो आंगनबाड़ी केन्द्रों पर ''पोषण पखवाड़ा'' आयोजित किया गया । नि:शुल्क पोषक लड्डू एवं च्यवनप्राश वितरित किया गये तथा इससे 500 बालक लाभान्वित हुये ।

3. विभाग द्वारा "स्तनपान जागरुकता सप्ताह" मनाया गया । इस अवसर पर स्तनपान कराने वाली माताओं और गर्भवती महिलाओं हेतु स्तनपान के महत्व और तकनीक के बारे में 6 अगस्त 2019 को व्याख्यान आयोजित किया गया ।

.....

कायचिकित्सा विभाग

परिचयः

आयुर्वेद की काय चिकित्सा एक अति-महत्त्वपूर्ण शाखा है । यह विभाग शारीरिक एवं मानसिक व्याधियों जैसे ज्वर, रक्त-पित्त, शोथ, प्रमेह आदि की चिकित्सा से सम्बन्धित है । यह विभाग भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् द्वारा निर्धारित तथा राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत किये गये पाठ्यक्रमानुसार स्नातक तथा स्नातकोत्तर सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अध्ययन-अध्यापन एवं प्रशिक्षण प्रदान करता है तथा इसके अन्तर्गत विभिन्न रोगों पर आयुर्वेद के सिद्धान्तों के अनुसार की जाने वाली चिकित्सा रसायन, वाजीकरण आदि के अध्यापन, प्रशिक्षण, उपचार तथा अनुसंधान किया जाता है । यह विषय मुख्यतः व्याधियों के चिकित्सा सिद्धान्तों तथा विधियों से सम्बन्धित है।विभाग द्वारा नियमितरूप से पीएच.डी.भी कराई जाती है।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर, 2 एसोसियेट प्रोफेसर, 2 असिस्टेन्ट प्रोफेसर, 3 लेक्चरर तथा 1 क्लिनीकल रजिस्ट्रार अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें ।

उद्देश्य –

1. अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं रोगी परिचर्या का उन्नयन करना ।
2. शोध-कार्य का उन्नयन करना ।
3. बहिरंग एवं अन्तरंग विभाग में रोगियों की संख्या में वृद्धि एवं त्वचा विकारों के लिए विशेष क्लीनिक के साथ मांस-अस्थि रोग, मधुमेह, हृदय रोगों हेतु विशेष इकाई का विकास करना ।
4. प्रबंधन के आयुर्वेदिक सिद्धान्तों पर आधारित विभिन्न विकारों के शोध एवं प्रबंधन के प्रोटोकॉल विकसित करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक :

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को काय चिकित्सा विषय में आत्यायिक चिकित्सा, रसायन, वाजीकरण, मानसरोग तथा पंचकर्म का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। छात्रों को बेड् साईड क्लिनिक तथा प्रदर्शन विधियों से अध्यापन करवाया गया जो कि छात्रों की रोग अथवा विकृति विशेष से सम्बन्धित समस्याओं के अध्ययन में सहायता करता है ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा विशिष्ट व्याधियों के संदर्भ में शोध कार्य हेतु मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । सेमीनार, जर्नल क्लब, एवं थीसिस विषयों पर चर्चायें आदि विभिन्न साप्ताहिक गतिविधियाँ नियमित रूप से विभाग द्वारा आयोजित करायी गई ।

स) पीएच.डी. –पीएच.डी. अध्येताओं को समय-समय पर उनके शोध विषयक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । सेमीनार, जर्नल क्लब, एवं थिसिस विषयों पर चर्चायें आदि विभिन्न साप्ताहिक गतिविधियाँ नियमित रूप से विभाग द्वारा आयोजित करायी गई ।

द) विभाग द्वारा जैरियाट्रिक एवं रसायन व वाजीकरण इकाई सुचारु रूप से चलाई जा रही है जिसमें जरा रोग सम्बन्धित रोगियों एवं अन्य रोगियों को श्रेष्ठ सुविधाऐं प्रदान की जाती है ।

य) विभाग द्वारा मौलिक सिद्धान्त विभाग से आपसी सहयोग कर मधुमेह चिकित्सा इकाई सुचारु रूप से चलाई जा रही है ।

शोध-

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. रमाकान्त मीना	प्रो.आर.के.जोशी, प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ गौमूत्र हरितकी एण्ड नवका गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मेदोदुष्टी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपिडेमिया।
2.	डॉ. शालिनी	डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ एक्वाअस एक्सट्रेक्ट ऑफ शालपर्णी एण्ड एक्सलीप्टा एल्बा (भृंगराज) इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एसेंशियल हाइपरटेंशन ।
3.	डॉ.करतार सिंह बंसल	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ रास्नादि गुग्गुलू, रास्नादशमूलादि क्वाथ एण्ड ग्रीवा वस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ग्रीवा संधिगत वात (सर्वाइकल स्पोण्डेलोसिस) ।
4.	डॉ. हेमलता सौनी	डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ फला फलात्रिकादि घनवटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेहजन्य मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबेटीक डिस्लीपिडेमिया ।
5.	डॉ. विवेक कुमार द्विवेदी	प्रो.आर.के. जोशी, प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ वृषमिया एण्ड लेखन बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओबेसिटी ।
6.	डॉ. अमित जोशी	डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ धान्यादि योग एण्ड जटामांसी अर्क इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातिक ग्रहणी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इरिटेबल बावल सिंड्रोम ।
7.	डॉ. शगुफ्ता मल्होत्रा	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ शुंण्ठ्यादि चूर्ण एण्ड प्राणस पंचक क्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ब्रोंकियल अस्थमा ।
8.	डॉ. निहारिका शाक्य	डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ हरिद्रादि अवलेह एण्ड विरेचन कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ब्रोंकियल अस्थमा ।
9.	डॉ. ओमप्रकाश	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ नवकार गुग्गुलू, पंचमूल क्वाथ एण्ड कटि वस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गृध्रसी रोग (साइटिका)
10.	डॉ. सृष्टी श्रेष्ठ	प्रो.आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ त्रिकटु गुटिका एण्ड मधुमेहारी चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टाईप-2 डॉयबिटीज मिलीट्स।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित एम.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं के शोध कार्य प्रगति पर रहे है -

Sl.No.	Scholar	Supervisor/ Co-Supervisor	Topic
1.	डॉ. बिजय श्रेष्ठ	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ आदित्यपाक गुग्गुलू विथ जानू बस्ति एण्ड सन्धिवत्री गुटिका विथ जानु

		डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ जानुसंधिगत वात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओस्टेआर्थ्रेराइटिस ऑफ नी ज्वाईंट ।
2.	डॉ. कुमारी पिंकी	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ शूलहरण योग, रास्नापंचक क्वॉथ एण्ड ग्रीवा बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ग्रीवासंधि वात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सर्वाइकल स्पोण्डेलोसिस ।
3.	डॉ. आशिष कुमार वर्मा	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ पंचतिक्तगुग्गुलू घृत एण्ड अपामार्ग क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ लाईकेन प्लानस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू कुष्ठ ।
4.	डॉ. गोविन्द कुमार वर्मा	डॉ. सी. बी. शर्मा प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ द् एफिकेसी ऑफ अमृत गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात (रुमेटोइड आर्थ्रेराइटिस) ।
5.	डॉ. सृष्टि अग्रवाल	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ ब्रह्मी एण्ड शंखपुष्पी पंक इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ चित्तोवेग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू जनरलाईज एन्जाईटी डिस्आर्डर।
6.	डॉ. दीपक सुमन	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट एफिकेसी ऑफ कटांकतेर्यादि क्वॉथ एण्ड इन्द्र वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टाईप-ाा डॉयबिटीज मिलीट्स ।
7.	डॉ. रमा कासवान	डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	प्री-क्लिनीकल एण्ड क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ गौमूत्रादि क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिसलिपिडेमिया ।
8.	डॉ. रत्न परास्ते	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ नवाकर गुग्गुलू एण्ड त्रिफला क्वॉथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओबेसिटी ।
9.	डॉ. मिनाक्षी गौत्तम	डॉ. ए. के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव एवेल्युएशन ऑफ पुनर्नवा मण्डूर एण्ड कांचनार-शुण्ठी क्वॉथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ धात्वाग्निमंद्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हाईपोथाइरोडिज्म ।
10.	डॉ. बबीता मीना	डॉ. ए. के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. रश्मि मुथा लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रायल टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ कुल्थ गुदा विथ एण्ड विथआऊट विरेचन कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास (ब्रोंकियल अस्थमा) ।
11.	डॉ. किरन कृष्णय	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. बी. के. सी. पढ़ार लेक्चरर	डबल ब्लाइंड प्लेसबो कन्ट्रोल्ड रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ त्रिकटु चूर्ण एण्ड लाईफस्टाईल मॉडिफिकेशन इन मैनेजमेन्ट ऑफ स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओबेसिटी ।
12.	डॉ. विद्या भारती शर्मा	डॉ. एच.एम.एल. मीना एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. के. सी. पढ़ार लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ त्र्यूषधि गुग्गुलू एण्ड शड्षन चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ धात्वाग्निमांद्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू

			हाइपोथायरोडिज्म ।
13.	डॉ. विरेन्द्र हाडा	प्रो. सी. बी. शर्मा प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ पथ्यादि गुग्गुलू, रास्नादि क्वाथ एण्ड जानू बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ जानु संधिगतवात (ओस्टेआर्थेराइटिस ऑफ नी ज्वाइंट) ।
14.	डॉ. राधिका एस. पुकाले	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. अभिषेक उपाध्याय लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ एडगजादि योग एण्ड घनपाषाणी लेपी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ सिद्ध मुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पायथेराइसिस वर्सिकलर ।
15.	डॉ. ललिता वर्मा	प्रो. सी. बी. शर्मा प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ आदित्यपाक गुग्गुलू, शुंठ्यादि क्वाथ एण्ड कटि बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कटिगतवात रोग (लम्बर स्पोंडिलोसिस)
16.	डॉ. दिप्ती शर्मा	डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अभिषेक उपाध्याय लेक्चरर	ए प्रीक्लिनकल स्ट्डी ऑन हृद्य (कार्डियोप्रोटेक्टिव) इफेक्ट ऑफ नागार्जुनाभ्र रस इन आईसोप्रोटेरेनोल इंड्यूज्ड मायोकार्डिअल इन्फार्क्शन इन रेट्स ।
17.	डॉ. हरि खानल	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. अभिषेक उपाध्याय लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ मुस्तादि क्वाथ एण्ड वंगेश्वर रस इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टाईप-2 डायबिटिज मिलीट्स ।
18.	डॉ. आशिष दास	डॉ. एच.एम.एल. मीना एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रश्मि मुथा लेक्चरर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ बाकुची कम्पाउण्ड एण्ड खदिरा क्वाथ विथ एण्ड विथआऊट विरेचन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ श्वित्र विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू विटिलीगो ।
19.	डॉ. गुरमीत रानी	डॉ. ए. के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. रश्मि मुथा लेक्चरर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ व्रण क्वाथ एण्ड कञ्चनार त्रिफला क्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ धात्वाग्निमंध्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हाइपोथायरोडिज्म ।
20.	डॉ. हर्षिता के.एस.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. ए. के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	A Clinical Evaluation of the efficacy Of 'Ajamodadya Vataka', and 'Rasnadashmooladi Kwatha' in the Management of 'Amavata' w.s.r. Rheumatoid Arthritis."
21.	डॉ. भारती पांचाल	डॉ. एच.एम.एल. मीना एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रश्मि मुथा लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ पंचतिक्तघृत गुग्गुलू, गुडूच्यादि क्वाथ एण्ड मंजिष्ठादि तेल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एक्जिमा ।
22.	डॉ. कुसुम वर्मा	डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ एन आयुर्वेदिक फार्मूलेशन विथ एण्ड विथआऊट निदानपरिवर्जन

		डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ व्यानबला वैष्मय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्राईमरी हाईपरटेंशन ।
23.	डॉ. शंकर	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. अभिषेक उपाध्याय लेक्चरर	रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ वेदविद्या वटी विथ एण्ड विथआऊट द्रव्यादि क्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टाईप-2 डायबेटिक मेलीट्स ।
24.	डॉ. बुद्धाराम ग्वाला	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. बी. के. सी. पढ़ार लेक्चरर	क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ लघुमंजिष्ठादि क्वाथ एण्ड सोमराजी तेल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ दद्रु कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फँगल डर्माटोफायटोसिस : ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रॉयल ।
25.	डॉ. अशोक कुमार	डॉ. एच.एम.एल. मीना एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. के. सी. पढ़ार लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ त्र्योदशांग गुग्गुलू एण्ड सहचरादि क्वाथ विथ एण्ड विथआऊट ग्रीवा बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ग्रीवासंधिगत वात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सर्वाइकल स्पोडिलोसिस ।
26.	डॉ. सांत्वना शर्मा	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल कम्परेटिव स्ट्डी ऑन विरेचन कर्म एण्ड बस्ति कर्म फोलोव्ड बाई विडंगादि चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लिपीडेमिया ।
27.	डॉ. विकास कुमार विक्रान्त	डॉ. अभिषेक उपाध्याय लेक्चरर डॉ. रश्मि मुथा लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ षट्यादि चूर्ण एण्ड वासादि कषाय विथ एण्ड विथआऊट नित्य विरेचन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक ओब्सट्रक्टिव पूल्मनरी डिज़िज़ ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित पीएच. डी. अध्येता का शोध कार्य पूर्ण हो गया -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नूर मोहम्मद इकबाल चौधरी	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	प्री-क्लिनीकल एण्ड क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ मुस्तादी घनवटी एण्ड चिरविल्व (होलोप्टेलेया इन्टरिफोलिया) डिकोक्शन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मेदो रोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपिडेमिया ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित पीएच. डी. अध्येताओं के शोध कार्य प्रगति पर रहे है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. प्रियंका सिंह	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ इन्द्रवटी एण्ड

			मधुमेह दमन चूर्ण इन मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डॉयबिटीज मिलीट्स ।
2.	डॉ. रश्मि मुथा	डॉ. अजय कुमार साहु असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ दशमूल क्वाथ एण्ड चौसठ प्रहरी पिप्पली रसायन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ धात्वाग्निमंद्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हायपोथेरोडिज्म ।
3.	डॉ. चन्द्र प्रकाश	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ चव्यादि चूर्ण एण्ड बिल्वादि क्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपीडेमिया ।
4.	डॉ. देवेश जैमन	डॉ. एच.एम.एल. मीना एसोसिएट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ अपात्यकर घृत एण्ड वृष्य शतावरी घृत फोलोव्ड बाई कोष्ठ शुद्धि विथ हरीतक्यादि चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ क्षीण शुक्र विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओलीगोजूस्पर्मिया ।
5.	डॉ. दीपिका गुप्ता	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	प्रीक्लिनीकल एण्ड क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ प्रमेहकुलान्तक रस इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबेटिक मेलीट्स टाईप-2 ।
6.	डॉ. बिनोद कुमार सिंह	डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	प्रीक्लिनीकल एण्ड क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ त्रिकान्तकादि चूर्ण एण्ड वंग भस्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ क्लैब्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इरेक्टाईल डिफ्यूजन ।

प्रकाशन

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर (सह-लेखक)	आयुर्वेदिक एप्रोच इन प्राईमरी बिलीअरी कोलेंगिटाईस (पीबीसी) : ए केस स्ट्डी ।	जर्नल ड्रग डिलेवरी एझ थैरेप्युटिक्स 2019, 9(2)
2.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर (सह-लेखक)	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ आईडिओपेथिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक पर्पूरा : ए केस स्ट्डी ।	जर्नल ड्रग डिलेवरी एझ थैरेप्युटिक्स 2019, Vol. 9(2)
3.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर (सह-लेखक)	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ आईडिओपेथिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक पर्पूरा : ए केस स्ट्डी ।	जर्नल ड्रग डिलेवरी एझ थैरेप्युटिक्स Vol. 9(2-S), 2019
4.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर (सह-लेखक)	ब्रीफ रिव्यू ऑफ कॉमनली यूज्ड हर्बल ड्रग्स इन आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ क्रोनिक किडनी डिज़िज ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ ग्रीन फार्मेसी वॉल. 11, इश्यू 2018.

5.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर (सह-लेखक)	आयुर्वेद मैनेजमेन्ट ऑफ एसक्लेरोडर्मा थ्रू संशमन एण्ड शोधन थेरेपी - ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड योग वाल्यूम 2, इश्यू 2, मार्च-अप्रैल 2019
6.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर (सह-लेखक)	एन आयुर्वेद कन्सेप्चुअल रिव्यू ऑफ मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लिपीडेमिया ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड योग, वॉल. 2, इश्यू 2 मार्च-अप्रैल 2019
7.	डॉ. उदयराज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ 'अजमोदादि वातक' एण्ड 'एरण्डी क्वाथ' इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रुमाटोइड आर्थराइटिस ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुष 2018:7(2)
8.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर(सह-लेखक)	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ आईडिओपेथिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक पर्पूरा : ए केस स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ ड्रग डिलेवरी एण्ड थैरेप्युटिक्स
9.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन इफेक्ट्स ऑफ अमृता गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात ।	इन्टरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड योग
10.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	आयुर्वेदिक एप्रोच इन जलोदर - ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ फार्मेसी
11.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ धान्यादि योग एण्ड जटामांसी अर्क इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातिक ग्रहणी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इरिटेबल बावल सिंड्रोम ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
12.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ एक्वस एक्सट्रक्ट ऑफ शालपर्णी एण्ड भृंगराज इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एसेन्शियल हाइपरटेंशन ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
13.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ नवाका गुग्गुलू, पंचमूलादि क्वाथ एण्ड कटि बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ग्रघ्रसी रोग (साइटिका) ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
14.	डॉ. अजय कुमार साहु असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	रोल ऑफ शोधन कर्म इन मण्डल कुष्ठ (सोसाइसिस) - ए केस स्ट्डी ।	डब्ल्यूपीपीएस वॉल. 7, इश्यू 6 ISSN 2278-4357
15.	डॉ. अजय कुमार साहु असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	द् हैल्थ ।	राजस्थान पत्रिका समाचार पत्र
16.	डॉ. अजय कुमार साहु असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	द् हैल्थ ।	दैनिक भास्कर समाचार पत्र

17.	डॉ. बी. के. सी. पढ़ार लेक्चरर (सह-लेखक)	आयुर्वेदिक एप्रोच इन प्राईमरी बिलीअरी कोलेंगिटाईस (पीबीसी) ।	जर्नल ऑफ ड्रग डिलेवरी एण्ड थैरेप्युटिक्स
18.	डॉ. प्रियंका सिंह क्लिनीकल रजिस्ट्रार	ए रिव्यू ऑन कन्सेप्ट ऑफ ग्रीवासंधिगतवात एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सर्वाइकल स्पोण्डेलोसिस ।	जर्नल ऑफ ड्रग डिलेवरी एण्ड थैरेप्युटिक्स 9(3-S); जून 2019

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता एवं शोध पत्र प्रस्तुतिकरण –

क्र.सं.	कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई का विवरण	तिथि
प्रो. आर. के. जोशी, प्रोफेसर		
1.	गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में आयोजित 8वाँ वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो ।	14-17 दिस. 2018
2.	विभाग द्वारा आयोजित मधुमेह रोग विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	12 नव. 2018
3.	संस्थान द्वारा आयोजित संधि, नाड़ी परीक्षा एवं अग्नि कर्म विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	10 अक्टू., 2018
4.	संस्थान द्वारा विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों हेतु आयोजित पुर्नप्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया गया ।	30/8 से 1/9 2018
5.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	24-25 अग. 2018
6.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एवं मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23 अगस्त 2018
7.	संस्थान द्वारा आयोजित एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	15-19 मई 2018
डॉ. एच.एम.एल. मीना, एसोसिएट प्रोफेसर		
1.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7 फरवरी, 2019
2.	गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में आयोजित 8वाँ वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो में आयोजित टीचिंग मेथोडोलॉजी विषयक कार्यशाला।	15-16 दिस. 2018
3.	डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित सिकल सेल एनेमिया एण्ड इट्स आयुर्वेद मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक कार्यशाला ।	5 जनवरी 2019
4.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एवं मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23 अगस्त 2018
5.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	24-25 अग. 2018
डॉ. उदयराज सरोज, एसोसिएट प्रोफेसर		
1.	कायचिकित्सा विभाग, आयुर्वेद संकाय, आईएमएस, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित इन्टीग्रेटेड एप्रोच टू मैनेजमेन्ट ऑफ लाईफस्टाईल डिस्आर्डर्स विषयक	27-28 अक्टू. 2018

	प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर रोल ऑफ आयुर्वेद इन लाईफस्टाईल डिस्आर्डर्स विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।	
2.	विभाग द्वारा कायचिकित्सा के अध्यापकों हेतु आयोजित 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम ।	27 अग. से 1 सित. 2018.
3.	आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं संस्थान के इन्टरमीडिएटरी फार्मेकोविजिलेंस सेन्टर द्वारा आयोजित फार्मेकोविजिलेन्स विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	15-16 फर. 2019
4.	काय चिकित्सा एवं मौलिक सिद्धान्त विभाग द्वारा आयोजित मधुमेह विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	12 नवम्बर 2018
5.	सोल्मिक्स फार्मास्युटिकल्स द्वारा प्रायोजित एवं संस्थान द्वारा आयोजित अर्श एवं इट्स मैनेजमेन्ट विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	20 नवम्बर 2018
6.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7 फरवरी, 2019
7.	गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में आयोजित 8वाँ वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो में भाग लेकर निम्नलिखित पत्र प्रस्तुत किये गये– (i) कंचनार गुग्गुलू एण्ड पिप्पली रसायन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ हायपोथेरोडिज्म । (ii) ए रिव्यू ऑन द् रोल ऑफ गौमूत्रादि क्षार इन मेदोरोग (डिस्लीपिडेमिया) तथा (iii) ए क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ द् रोल ऑफ पुष्करादि गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कोरोनरी आर्टरी डिज़िज (हृदय रोग) ।	14-17 दिस.2018
डॉ. अजय साहु, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
1.	काय चिकित्सा एवं मौलिक सिद्धान्त विभाग द्वारा आयोजित मधुमेह विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लेकर रोल ऑफ आयुर्वेद इन मधुमेह विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।	12 नवम्बर 2018
2.	कायचिकित्सा के अध्यापकों हेतु विभाग द्वारा आयोजित 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम ।	27 अगस्त to 1 सितम्बर 2018.
3.	सोल्मिक्स फार्मास्युटिकल्स द्वारा प्रायोजित एवं संस्थान द्वारा आयोजित अर्श एवं इट्स मैनेजमेन्ट विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	20 नवम्बर, 2018
4.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7 फरवरी, 2019
5.	गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में आयोजित 8वाँ वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो में भाग लेकर निम्नलिखित पत्र प्रस्तुत किये गये– (i) एक्सटेण्डेड क्लिनीकल ट्रायल्स ऑन द् एवेल्यूएशन ऑफ द् रोल ऑफ कंचनार गुग्गुलू एण्ड पिप्पली वर्धमान रसायन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ हायपोथेरोडिज्म, (ii) ए रिव्यू ऑन द् रोल ऑफ गौमूत्र क्षार इन मेदोरोग (डिस्लीपिडेमिया) ।	14-17 Dec. 2018
6.	आईएमएस, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस (WCABHU-2019) में भाग लेकर निम्न पत्र प्रस्तुत किये गयें – 1. पंचगव्य चिकित्सा इन आयुर्वेद । 2. क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ द् एफिकेसी ऑफ कटि बस्ति एण्ड रास्नादि गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कटि शूल (लम्बगो), 3. ए क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ स्वयंभूव गुग्गुलू एण्ड आराग्वध लेप इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका (एग्जिमा) ।	14-16 मार्च 19
डॉ. हरीश भाकुनी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		

1.	कायचिकित्सा के अध्यापकों हेतु विभाग द्वारा आयोजित 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम ।	27 अगस्त to 1 सितम्बर 2018.
2.	Advances in Osteoarthritis Management and Role of Doxycycline in the Management of Tropical Fever and CAP organised at Kuala Lupur, Malaysia.	23 नवम्बर 2018
3.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7 फरवरी, 2019
4.	आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं संस्थान के इन्टरमीडिएटरी फार्मेकोविजिलेंस सेन्टर द्वारा आयोजित फार्मेकोविजिलेन्स विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	15-16 फर. 2019
5.	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित मल्टीडिसेप्लनरी एप्रोच टू नॉन-कम्यूनीकेबल डिज़िज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर निम्नलिखित पत्र प्रस्तुत किये गये – (i) रोल ऑफ एक्वस एक्सट्रेक्ट ऑफ एलिप्टा एल्बा इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एसेशिंअल हाईपरटेंशन तथा (ii) क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ वचादि कम्पाउण्ट इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ रक्तगत वात ।	6-7 अप्रैल 2018
6.	बरेली में आयोजित इमरजेंसी ट्रेंड्स इन आयुर्वेद विषयक कार्यक्रम ।	10 मई 2018
7.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एवं मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23 अगस्त 2018
8.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	24–25 अग. 2018
9.	गाजियाबाद में आयोजित आरोग्य गोष्ठी में भाग लिया गया । ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ विरेचन कर्म विथस्पेशियल रेफरेन्स टू इलेक्ट्रोलयट एनॉलेसिस विषयक सहलिखित पत्र प्रस्तुत किया गया ।	5 मई 2018
10.	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित पंचगव्य चिकित्सा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर इफेक्ट ऑफ शिरोधारा विथ क्षीर ऑन अनिद्रा विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।	22-23 सित.2018
11.	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित वर्ल्ड कॉंग्रेस ऑफ आयुर्वेद में भाग लेकर निम्न पत्र प्रस्तुत किये गये – (i) रोल ऑफ आयुर्वेद इन कैंसर ट्रीटमेन्ट; (ii) ए केस स्ट्डी ऑन आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ एक्रोमेग्ली इंड्यूस्ड अर्थ्रोपेथी तथा (iii) क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् सेफ्टि एण्ड एफिकेसी ऑफ त्र्यूषणादि गुग्गुलू इन मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपिडेमिया ।	14-16 मार्च 2019.
डॉ. रश्मि मूथा, लेक्चरार		
1.	डॉ. एस. गोपाकुमारन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सायट्रिक, न्युरोलोजिकल एण्ड ऑटोइम्यून डिस्आर्डर्स विषयक राष्ट्रीय आयुर्वेद संगोष्ठी ।	14 अप्रैल 2019
2.	रिसेन्ट एडवान्सेज इन रूमाटोलोजी एण्ड क्लिनीकल इम्यूनोलोजी विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	19 फर. 2019
3.	आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं संस्थान के इन्टरमीडिएटरी फार्मेकोविजिलेंस सेन्टर द्वारा आयोजित फार्मेकोविजिलेन्स विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	15-16 फर. 2019
4.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7 फरवरी, 2019
5.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित आयुर्वेद कौशलम विषयक	23 अक्टू., 2018

	कार्यशाला ।	
6.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	24–25 अग. 2018
7.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एवं मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23 अगस्त 2018
8.	संस्थान द्वारा आयोजित टीचिंग मेथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला।	6-8 अगस्त 2018
डॉ. अभिषेक उपाध्याय, लेक्चरार		
1.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसेन्ट एडवान्सेज इन रीनल डिज़िज एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	अप्रैल, 2018
2.	संस्थान द्वारा आयोजित टीचिंग मेथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला।	6-8 अगस्त 2018
3.	आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं संस्थान के इन्टरमीडिएटरी फार्मेकोविजिलेंस सेन्टर द्वारा आयोजित फार्मेकोविजिलेन्स विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	15-16 फर. 2019
4.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एवं मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23 अगस्त 2018
डॉ. भरत कुमार सी. पढ़ार, लेक्चरार		
1.	गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में आयोजित 8वाँ वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो में भाग लेकर निम्नलिखित पत्र प्रस्तुत किया गया– डबल प्लेसबो कन्ट्रोल्ड रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ आरोग्यवर्धनी कम्पाउण्ड एण्ड लाईफ मॉडिफिकेशन इन मैनेजमेन्ट ऑफ मेटाबोलिक सिंड्रोम ।	14-17 दिस.2018
डॉ. प्रियंका सिंह, क्लिनीकल रजिस्ट्रार		
1.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7 फरवरी, 2019
2.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एवं मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23 अगस्त 2018
3.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	24–25 अग. 2018
4.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित आयुर्वेद कौशलम विषयक कार्यशाला ।	23 अक्टू., 2018

अतिथि व्याख्यान –

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	अतिथि व्याख्यान का शीर्षक	स्थान
1.	डॉ. एच.एम.एल. मीना एसोसिएट प्रोफेसर	वूण्ड हिलींग	संस्थान द्वारा 25 अक्टूबर 2018 को आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।
2.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मधुमेह	संस्थान द्वारा 12 नवम्बर 2018 को आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।
3.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एडवान्स इन ओस्टेआर्थेराइटिस मैनंजमेन्ट ।	कुआलालम्पूर, मलेशिया में 12 नवम्बर 2018 को आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।
4.	डॉ. रश्मि मूथा	मधुमेह	संस्थान द्वारा 12 नवम्बर 2018 को

	लेक्चरर		आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।
5.	डॉ. अभिषेक उपाध्याय लेक्चरार	आयुर्वेद	विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा सितम्बर 2018 में जयपुर में आयोजित कार्यक्रम।
6.	डॉ. अभिषेक उपाध्याय लेक्चरार	लाईफस्टाईल थ्रू आयुर्वेद ।	विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा सितम्बर 2018 में जयपुर में आयोजित कार्यक्रम।
7.	डॉ. बी. के. सी. पढ़ार लेक्चरार	आयुर्वेद एण्ड इट्स फ्यूचर प्रोस्पेक्ट इन अरुणाचल प्रदेश।	ROTP organised by Arunachal Pradesh Indian Medicine Council on 25-26 March 2019 at Naharlaguna.

विस्तार व्याख्यान –

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	अतिथि व्याख्यान का शीर्षक	तिथि
1.	डॉ. योगेश गुप्ता असिस्टेन्ट प्रोफेसर एसएमएस चिकित्सालय जयपुर ।	सीबीसी इन्टरप्रीटेशन ऑफ हिस्टोग्राम्स एण्ड स्केटर-ग्राम ऑफ सिस्मेक्स ।	19-1-2019
2.	प्रो. अजय कुमार शर्मा संस्थान के पूर्व निदेशक	जरा – जरियाट्रिक – रसायन	29-3-2019
3.	प्रो. अजय कुमार शर्मा संस्थान के पूर्व निदेशक	सीएडी हार्ट अटेक	29-3-2019

उपरोक्त विस्तार व्याख्यानों के अतिरिक्त, अध्येताओं के लाभार्थ आत्ययिक प्रबन्धन के आधारभूत सिद्धान्तों पर 2 व्याख्यान आयोजित किये गये ।

विभाग के अध्यापकों द्वारा किये गये अनुसंधान –

क्र.सं.	प्रमुख अनुसंधानकर्ता	सह-अनुसंधानकर्ता	अनुसंधान का विषय Topic of research	स्थिति
1.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्यूएशन ऑफ एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ टेंटेक्स फोर्ट केप्सूल इन लो लीबिडो : डबल ब्लाइन्डेड प्लेसबो कन्ट्रोल्ड फेज – 2 क्लिनीकल स्ट्डी ।	परीक्षण पूर्ण तथा सांख्यिकी विश्लेषण के लिए प्रस्तुत किया गया ।
2.	-	डॉ. अभिषेक उपाध्याय लेक्चरार डॉ. भरत कुमार सी. पढ़ार लेक्चरार	राजस्थान के चाकसू ब्लॉक में पूर्व मधुमेह और मधुमेह के आयुर्वेदिक प्रबंधन पर आयुष मंत्रालय की सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल परियोजना ।	--

संस्थान द्वारा राजस्थान के विभिन्न जिलों के एससी/एसटी बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित किये गए चल-चिकित्सा शिविरों में भी विभाग के अध्यापकों द्वारा भाग लिया गया जिसका विवरण निम्न प्रकार से है:-

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	शिविर का स्थान	दिनांक
1.	डॉ. उदयराज सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	ग्राम कोलयाणा, जयपुर में आयोजित 1 दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	9-4-2018
2.	डॉ. बी. के. सी. पढ़ार लेक्चरर	ग्राम जयसिंहपुरा खोर, जयपुर में आयोजित 1 दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	14-11-2018
3.	डॉ. बी. के. सी. पढ़ार लेक्चरर	ग्राम जमुवारामगढ़, जयपुर में आयोजित 1 दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	7-5-2018

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में पी.जी. एवं पीएच.डी. अध्येताओं की सहभागिता –

विभाग के पी.जी. एवं पीएच.डी. अध्येताओं ने देश में विभिन्न स्थानों पर आयोजित राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सक्रियता से भाग लिया गया तथा विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किये गये ।

विभाग के अध्येताओं द्वारा विभिन्न विषयों पर आयोजित विभागीय संगोष्ठियों में सक्रियता से भाग लेकर कर्मचारियों एवं छात्रों के समक्ष अपने शोध कार्य प्रस्तुत किये । इन संगोष्ठियों में महत्त्वपूर्ण व्याख्यानों का भी आयोजन किया गया । जर्नल क्लब की बैठकें आयोजित की गई ।

विविध गतिविधियाँ – विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई ।

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	गतिविधियाँ
1.	प्रो. रामकिशोर जोशी प्रोफेसर	1. स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षायें सम्पन्न कराई गयी । 2. उपाधीक्षक चिकित्सालय के रूप में कार्य किया गया । 3. स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत संस्थान में समन्वयक का कार्य किया गया । 4. आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालयों हेतु सीसीआईएम के निरीक्षक । 5. तीव्र पेट दर्द विषयक पत्रिका टीवी पर दूरदर्शन वार्ता प्रसारित की गई। 6. तीव्र पेट दर्द विषयक पत्रिका टीवी पर दूरदर्शन वार्ता प्रसारित की गई। 6. गर्मियों के मौसम में ज्यूस की महत्वत्ता एवं मासिक धर्म में देखभाल एवं रोकथाम पर रेडियो वार्ता दी गई । 7. चल चिकित्सा शिविरों हेतु औषध क्रय हेतु प्रभारी के रूप में कार्य किया गया । 8. स्वच्छ भारत अभियान के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया। 9. विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं चयन समितियों में बाह्य परीक्षक एवं विशेषज्ञ नियुक्त किये गये ।
2.	डॉ. एच. एम. एल. मीना एसोसिएट प्रोफेसर	1. सीएमई कार्यक्रम, आयुर्वेद दिवस समारोह, स्वास्थ्य देखरेख गतिविधियों, अतिथि व्याख्यानमाला के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया । 2. डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आयोजित काउन्सलिंग के सदस्य । 3. विभागीय अनुसंधान समिति के सदस्य । 4. संस्थान द्वारा चलाये जा रहे नर्सिंग एवं प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों के अधिष्ठाता के रूप में कार्य किया गया ।

		5. अध्यक्ष, क्रय समिति, भौतिक सत्यापन समिति ।
3.	डॉ. उदयराज सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	1. संस्थान के सिटी चिकित्सालय में आवासीय चिकित्साधिकारी के रूप में कार्य किया गया। 2. बीएएएमएस पाठ्यक्रम के विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों हेतु आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में व्याख्यान दिया गया । 3. पत्रिका टीवी पर 2 स्वास्थ्य वार्ताएँ प्रसारित की गई । 4. डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षायें सम्पन्न कराई गयी । 5. विभाग की विभागीय अनुसंधान समिति के विषय विशेषज्ञ । 6. निम्नलिखित समितियों के सदस्य के रूप में कार्य किया गया:- संस्थान की जैव चिकित्सा अवशिष्ट प्रबन्ध समिति, संस्थान के मेडिकल बोर्ड एवं चिकित्सा बिल संविक्षा समिति, अन्तर्राष्ट्रीय आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल का संपादकीय मण्ड़ल, आयुर्वेद संकाय हेतु परीक्षा पैनल, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी।
4.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. संस्थान के सिटी चिकित्सालय में आवासीय चिकित्साधिकारी(प्रभारी) के रूप में कार्य किया गया। 2. ग्राम कोलायना, जयपुर में 23-4-2018 को आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर के प्रीाारी के रूप में कार्य किया । 3. विभाग की विभागीय अनुसंधान समिति के सदस्य । 4. सदस्य, संस्थान का मेडिकल बोर्ड़ । 5. सदस्य, चिकित्सा बिल संविक्षा समिति ।. 5. प्रभारी, मधुमेह चिकित्सा इकाई ।
5.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षायें सम्पन्न कराई गयी । 2. सदस्य, इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिसिनल जर्नल का सम्पादक मण्डल, एनआईए न्युजलेटर के सम्पादक । 3. राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, पपरोला (हिमाचल प्रदेश) द्वारा आवंटित एम.डी.(आयुर्वेद) के महानिबन्ध का मूल्यांकन कार्य । 4. निम्नलिखित समितियों के सदस्य के रूप में कार्य किया गया :- 1. इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल के सम्पादक मण्ड़ल के सदस्य । 2. एनआईए न्यूज़लेटर के सम्पादक । 3. खेलकूद समिति एवं खेलकूद सामग्री क्रय समिति । 4. संस्थान के चिकित्सालय के सहायक आवासीय चिकित्सा अधिकारी। 5. आयुर्वेद संकाय हेतु परीक्षा पैनल, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, संत रविदास आयुर्वेद विश्वविद्यालय (पंजाब), उत्तराखण्ड़ आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून एवं दिल्ली विश्वविद्यालय ।
6.	डॉ. रश्मि मूथा लेक्चरर	1. सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति । 2. सदस्य, आयुर्वेद दिवस समारोह समिति । 3. सदस्य, लिंग समानता समिति । 4. विभाग द्वारा आयोजित सीएमएस कार्यक्रमों के समन्वयक ।
7.	डॉ. अभिषेक उपाध्याय लेक्चरर	1. सदस्य, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर की आरोग्य मेला इकाई। 2. समीक्षक, जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइन्सेज (जेआरएएस) - सीसीआरएएस का जर्नल ।

		3. पुस्तकालय स्वचालन समिति के सदस्य । 4. सदस्य, केन्द्रीय पुस्तकालय स्टॉक हेतु भौतिक सत्यापन समिति । 5. डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा बीएएमएस हेतु आयोजित काउंसलिंग में संस्थान के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया गया । 7. राजस्थान पत्रिका न्यूज चैनल में दो दूरदर्शन स्वास्थ्य वार्ताऐं प्रसारित की गई । 8. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में आयोजित वार्षिक खेलकूद एवं सांस्कृतिक स्पर्धा में क्विज प्रतियोगिता के समन्वयक। 9. सदस्य, संस्थान में एनएचपी के पाइन्ट्स के क्रियान्वयन हेतु समिति । 10. समन्वयक, सीएमई कार्यक्रम एवं NAAC, 11. सदस्य सचिव, NAAC Criteria 5. 12. सदस्य सचिव, सीपीआर हेतु समिति । 13. एनपीईईएल के माध्यम से एनआईई एवं आईआईटी द्वारा आयोजित स्वास्थ्य अनुसंधान के आधारभूत विषयक ऑनलाईन सर्टिफिकेट कोर्स पूर्ण किया ।
8.	डॉ. बी. के. सी. पढ़ार लेक्चरर	1. समन्वयक के रूप में किये गये कार्य – सीएमई कार्यक्रम, स्वास्थ्य सम्बन्धि दिवस समारोह, अतिथि व्याख्यानमाला, वार्षिक खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम – तरंग 2019 । 2. सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति । 3. सदस्य, A-HIMS and AYUSH GRID Cell. 4. अध्यक्ष, आधार बेस्ड बीपीएस एनेबल्ड बायोमेट्रिक अटेण्डेन्स सिस्टम । 5. सदस्य, एंटी-रेगिगं समिति । 6. डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर की विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षाओं में वीक्षक के रूप में ड्यूटी दी गई । 7. पत्रिका टीवी चैनल, जयपुर पर 'आयुर्वेद केयर इन मेनन्जाइटिस' विषयक वार्ता प्रस्तारित की गई । 8. आयुष मंत्रालय द्वारा 3 माह के 30 जुलाई से 31 सितम्बर 2018 तक आयोजित आईटी ट्रेनिंग कार्यक्रम में भाग लिया गया।
9.	डॉ. प्रियंका सिंह क्लिनीकल रजिस्ट्रार	1. सदस्य, स्वास्थ्य सम्बन्धि दिवस समारोह हेतु समिति । 2. सदस्य, एफएमएस समिति (NABH).

.....

मौलिक सिद्धान्त विभाग

परिचयः यह विभाग एक स्नातकोत्तर विभागों में से एक है और इस विभागान्तर्गत आयुर्वेद सिद्धान्त, संहिता, आयुर्वेद इतिहास, दर्शन एवं संस्कृत का स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों को अध्ययन कराया जाता है। विभाग द्वारा आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों का वैज्ञानिक तरीके से चिकित्सकीय एवं शैक्षिक अध्यापन एवं अनुसंधान हेतु सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान भी कराया जाता है । स्नातकोत्तर स्तरीय अध्ययन अत्यधिक उन्नत है तथा अनुसंधान प्रक्रिया के माध्यम से गहन अध्ययन कराया जाता है जो कि आगे किये जाने वाले अनुसंधानकर्त्ताओं को एक आधार प्रदान करती है । विभाग द्वारा पीएच.डी. अध्येताओं हेतु नियमित रूप से शोध कार्य के निर्देशन की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

आलोच्य वर्ष के दौरान 3 प्रोफेसर, 2 एसोसियेट प्रोफेसर तथा 1 असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहे । संस्कृत विषय का 1 लेक्चरर संविदा आधार पर कार्यरत रहे।

लक्ष्य एवं उद्देश्य

1. स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के छात्रों हेतु मौलिक शिक्षा प्रदान करना ।
2. वैज्ञानिक मापदंडों पर विषय एवं ज्ञान का अद्यतन उन्नत एवं रोचक माध्यम से अध्यापन कराना ।
3. मौलिक सिद्धान्तों के क्षेत्र में श्रेष्ठ शिक्षकों का निर्माण करना जिससे आयुर्वेद को राष्ट्रव्यापी एवं विश्वभर में प्रचारित किया जा सके ।
4. केवल साहित्यिक ही नहीं, बल्कि मौलिक सिद्धान्तों पर आधारित नैदानिक शिक्षण प्रदान करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार मौलिक सिद्धान्त विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । छात्रों के रुचिपूर्वक अध्ययन हेतु समय-समय पर कक्षा-परख भी आयोजित किये गये।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये । चिकित्सा तथा अनुसंधान प्रक्रियाओं में आयुर्वेद की उपयोगिता में आधारभूत सिद्धान्तों के प्रयोग पर विशिष्ट ध्यान दिया गया । दूसरी ओर, दूसरे विभागों के स्नातकोत्तर अध्येताओं को सुचारु शिक्षण, उच्चारण, रुपान्तरण, स्पष्टीकरण तथा टीकाओं में वर्णित मूल विषयों/शब्दों की व्याख्या करना सिखाया गया । विभाग के अध्येताओं ने साप्ताहिक संगोष्ठियों में सक्रियता से भाग लेकर अपने शोध कार्यों को प्रदर्शित किया । इन संगोष्ठियों में विद्वज्जनों द्वारा अति-महत्वपूर्ण व्याख्यान दिये गये । शोध कार्य सम्पन्न किये गये। आलोच्य वर्ष के दौरान छात्रों को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में सक्रियता से भाग लेने हेतु भेजा गया ।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

शोध–

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद–वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह–निर्देशक	विषय
1.	डॉ. कुणाल ओझा	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल एण्ड कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ मधुमेहारी चूर्ण एण्ड कारादि क्वाथ इन मधुमेह टू प्रूव द् प्रिन्सीपल सर्वस्य बद्धमूत्राण्यमेदस्कराणि।
2.	डॉ. रेखा मीना	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल, क्लिनीकल एण्ड कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ अलम्बूशादि चूर्ण एण्ड रास्नाद्वाशका क्वाथ इन आमवात इन परव्यु ऑफ लंघनं स्वेदनं तिक्तं दीपनानि कटूनि च (चक्रदत्त 25/1) ।
3.	डॉ. राजेश गुप्ता	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ यवनादि प्य एण्ड कंटकारी अवलेह इन वातिक कास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सिन्गधाम्ल लवणां पेयामनिलजे पिबेत् ।
4.	डॉ. विकास कुमार	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ विषघ्न महाकषाय एण्ड एदागजादि लेप इन अनुर्जताजन्य विचर्चिका इन द् परव्यु ऑफ चिकित्सा विषघ्नयैव स शमं लभते नरः । (च. चि. 3/118)
5.	डॉ. प्रशान्त राठी	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ रसायन इफेक्ट ऑफ मधुयष्टी चूर्ण इन अप्पेरेन्टली हैल्दी इण्डिविजूअल्स।
6.	डॉ. किरन	डॉ. असित पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	उक्तं संतर्पणोत्थानामतर्पणमोषधम (च.सू. 23/26)। सिद्धान्त पुष्ट्यतर्थ संतर्पणोत्थ कोठ व किटिभ (कुष्ट) में मुस्तादि क्वाथ का सैद्धान्ति एवं चिकित्सात्मक अध्ययन ।
7.	डॉ. सुचेता वर्मा	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी ऑफ डायबिटीज पेशेन्ट्स (टाईप–1 एण्ड 2) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिफरेन्ट टाईप्स ऑफ प्रमेह ।
8.	डॉ. सतवीर सिकन्दर	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ प्रमेह इन द् परव्यु ऑफ मूत्रवहानां च स्त्रोतसां वंक्षण बस्तिप्रभवानां मेद:क्लेदोपहितानि गुरूणि मुखान्यासाध प्रतिरूध्यते (च.नि. 8/4) ।

During the year under Report, the following research works of MD(Ayurveda) Scholars were in progress and continued:

Sl.No.	Scholar	Supervisor/ Co-Supervisor	Topic
1.	डॉ. अभिषेक ताम्रकर	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	ए कम्प्रहैन्सिव रिव्यू ऑन द् रोल ऑफ वेगधारणा ऑन प्राणवहस्रोतगत व्याधि एण्ड दैयर चिकित्सा सिद्धान्त ।
2.	डॉ. प्रीति शर्मा	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	आब्जर्वेशनल एण्ड एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ डेंगू एण्ड चिकुनगुनिया इन परव्यू ऑफ आयुर्वेद ।
3.	डॉ. मुक्ति मानकी मीता सिंह	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ रसायन इफेक्ट ऑफ गुडूची स्वरस इन अपेरेन्टली हैल्दी इण्डिविजूअल्स ।

4.	डॉ. स्थिताप्रंजा बिस्वाल	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एण्ड कम्पेरेटिव स्ट् ऑफ मधु पिप्पल्यादि योग एण्ड गुड़ायो मोदक ऑन अम्लपित्त।
5.	डॉ. बबिता कुमारी	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एण्ड कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ 'मधुमंजिष्ठा लेप' एण्ड 'व्रण्य महाकषाय' इन व्यांग।
6.	डॉ. सोनम	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एण्ड कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ गुडूच्यादि योग एण्ड मधुमेहारी चूर्ण ऑन प्रमेह ।
7.	डॉ. रामेश्वर लाल	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एण्ड कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ 'अर्क तैल' एण्ड 'मानशिलादि लैप' इन विचर्चिका ।
8.	डॉ. अश्वनी ए.	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर डॉ. शिशिर कुमार मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे बेस्ड कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन प्राग्नोसिस ऑफ कुष्ठ रोग इन द प्रव्यू ऑफ विकार विघाट भव एण्ड अभाव ।
9.	डॉ. नन्दिश	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	ए कम्प्रेहेन्सिव रिव्यू ऑफ दोष गति एण्ड इट्स इम्पलीमेन्टेशन इन वात रक्त एण्ड कुष्ठ ।
10.	डॉ. मौसमी शर्मा	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	प्रीवेलेन्स ऑफ विरुद्धाहार इन द् पापूलेशन ऑफ डूढांढ़ एरिया : ए सर्वे स्ट्डी ।
11.	डॉ. मोनिका	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	आयुर्वेदीय मौलिक सिद्धान्त के क्षेत्र में डल्हण का योगदान सुश्रुत सूत्र स्थान के संदर्भ में ।
12.	डॉ. महेन्द्र कासवान	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एण्ड कम्परेरेटिव स्ट्डी ऑफ पीप्लादि घृत एण्ड पित्तान्तक योग ऑन अम्लपित्त।
13.	डॉ. ज्योति	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर	प्रीवेलेन्स ऑफ टेण्डेन्सी ऑफ सप्रेशन ऑफ अधारिणीय वेग इन जनरल पापूलेशन एण्ड इट्स इम्पेक्ट ऑन हैल्थ ।
14.	डॉ. रीना शर्मा	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन मानसिक भाव इन रजोनिवृत्ति अवस्था विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पीएमएस ।
15.	डॉ. जयकृष्ण मीना	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	चरक संहिता के आरग्वधादि अध्याय में वर्णित लेतों का विभिन्न रोगावस्थाओं में प्रयोगों का विवेचनात्मक अध्ययन ।
16.	डॉ. प्रदीप सरोज	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल एण्ड कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ मधुमेहारी घृत इन मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह ।
17.	डॉ. उषा सिंह	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया ऑफ जठराग्नि ।
18.	डॉ. अनिल कुमार	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ कल्पित अग्निमंद्यादि कषाय एण्ड इट्स कम्परेटिव स्ट्डी विथ वरुनादि कषाय एण्ड नवाका गुग्गूलू इन स्थौल्य इन द् परव्यू ऑफ "Santarpanothanamapatarpanamaushadham".

19.	डॉ. स्वेता चौपड़ा	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी ऑन रोल ऑफ डाइट एण्ड लाइफस्टाईल इन असृग्दर ।
20.	डॉ. अखिलेश	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर	Multiple Sclerosis: A crippling curse of Immunity, A critical Review wsr to OJOVYAPAT
21.	डॉ. सुगन्धा	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर	असेस्मेन्ट ऑफ प्रकृति इन द् पेशेन्ट्स ऑफ अनुर्जता – ए सर्वे स्ट्डी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू वातलाद्याःसदातुराः ।
22.	डॉ. धवल गोविन्द भाई	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	योगिन्द्र नाथ सेन द्वारा रचित चरकोपास्कर एवं चरकविवृति टीकाओं का तुलनात्मक अध्ययन ।
23.	डॉ. मोनू	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	चरक संहिता के अपामार्ग तण्डुलीय अध्याय में वर्णित यवागुओं का विभिन्न रोगावस्थाओं में प्रयोगों का विवेचनात्मक अध्ययन ।
24.	डॉ. कल्पना जांगिड	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	बृहत्त्रयी में वर्णित स्त्री, स्त्री रोग एवं प्रसूति सम्बन्धित विषयों का मौलिक सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में तुनात्मक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन ।
25.	डॉ. सुमन मेघवाल	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए फण्डामेन्टल स्टडी ऑन सामान्य विशेष प्रिन्सिपल एण्ड दैयर प्रॅक्टिकल एप्लीकेबिलिटी ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित पीएच.डी. अध्येताओं के शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. प्रवीन के.बी.	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	ए क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ व्याधि अवस्था एण्ड इट्स इम्पोर्टेन्स इन डिसाइडिंग क्रियाकर्म एण्ड औषध योग ।
2.	डॉ. निधी शर्मा	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	A Critical Review Of "Bheshajchatushka of charak samhita in the purview of all available commentaries.
3.	डॉ. सुनिल कुमार शर्मा	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	सुरपाल विरचित वृक्षायुर्वेद के नैदनिक, चिकित्सकीय, पोषणात्मक एवं संवर्धनात्मक संदर्भो का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विश्लेषणात्मक अध्ययन ।
4.	डॉ. मिथिलेश कुमार साह	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	A Conceptual Study of Bheshaja-Abheshaja with refrence to Natiupayunjeeta and Experimental Study for its Toxicity.

चिकित्सकीय कार्य –विभाग के द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई। विभाग के अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित/अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित किये गये चल चिकित्सा शिविरों में अपनी सेवायें दी गई ।

अनुर्जता इकाई –विभाग द्वारा एक अनुर्जता इकाई संचालित की जाती है जिसमें अनुर्जता आदि से पीड़ित रोगियों की चिकित्सा की जाती है । संस्थान की रसायन शाला में निर्मित पुष्करमूलादियोग सहित औषधियाँ रोगियों को ओपीडी के माध्यम से नि:शुल्क वितरित की जा रही है ।

मधुमेह इकाई –विभाग द्वारा एक मधुमेह इकाई संचालित की जाती है जिसमें विभिन्न प्रकार के मधुमेह आदि से पीड़ित रोगियों को नि:शुल्क परामर्श सहित औषधियाँ जिसमें संस्थान की रसायन शाला में निर्मित मधुमेहारी चूर्ण सम्मलित है रोगियों को ओपीडी के माध्यम से नि:शुल्क वितरित की जा रही है ।

प्रकाशन –

(ए) पुस्तकें –

क्र.सं.	लेखक का नाम	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर	अण्डरस्टेडिंग अनुर्जता (एलर्जी) इन आयुर्वेद : ए क्लिनीकल मोनोग्राम ।	प्रकाशनाधिन
2.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	मुष्टीयोग चिकित्सा – बंगाल में पांरम्परिक आयुर्वेद चिकित्सा – द्वितीय संस्करण ।	ISBN 978-81-931471-5-3 मार्च 2019
3.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	चरक संहिता विथ चरकविवर्ति कमेन्ट्री ऑफ आचार्य योगिन्द्रनाथ सेन ।	ISBN-978-81-931471-2-2 दिसम्बर 2018

(बी) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

Sl.No.	Author's Name	Title	Publication Details
1.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	दिशा एवं काल का महत्त्व – एक व्याख्यान।	विश्व आयुर्वेद परिषद, राजस्थान, वॉल.6, इश्यू 1
2.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल रिव्यू ऑफ कल्पना इन आयुर्वेद।	डब्ल्यूजेपीआर वॉल.8, मार्च 2018
3.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	कच्चे दूध के घी से बढ़ता है कॉलेस्ट्रॉल ।	दैनिक भास्कर 14 जुलाई 2018
4.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	गोखरु पूर्ण को शहद के साथ मिलाकर खाने से दूर होगा स्टोन ।	दैनिक भास्कर 19 अगस्त 2018
5.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	पेट पर जमा हुआ फैट कम करनने के लिए त्रिफला चूर्ण की मालिश करें ।	दैनिक भास्कर 9 सितम्बर 2018
6.	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर	क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ चरकोक्त स्वशार एण्ड विषघ्न महाकषाय इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अनुर्जताजन्य अस्थमा ।	डब्लूपीएलएस 2019, वॉल. 5, इश्यू 1
7.	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर	स्टेण्डर्डाजेशन इन अनुर्जता इन आयुर्वेद ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN 2321045 (प्रकाशनाधिन)
8.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	बंगाल ट्रेडिशनल प्रॅक्टिस ऑन कार्डियोवास्कूलर डिस्आर्डर्स ।	आयुर्वेद सूत्र वाल. 4, इश्यू 6, 2017
9.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	आयुर्वेद – द् हीलिंग साइन्स ऑफ इंडिया।	New York Kali Mandir Inc 2018
10.	डॉ. असित कुमार पांजा	A Clicical study on the efficacy of Triphaladi Kwatha as Apatarpana measure on	जर्नल ऑफ आयुर्वेद

	एसोसिएट प्रोफेसर	Sthaulya and Dadru i.e. Santarpanotharoga	सितम्बर 2018 ISSN 2321-0435
11.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ ओब्सट्रक्टिव यूरोपैथी विथ वेसिको-यूरेट्रल रिफलक्स : ए केस स्टडी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अक्टूबर-दिसम्बर 2018 ISSN 2321-0435
12.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	फालक्लोर रेमेडीज इन जीर्ण ज्वर (क्रोनिक फीवर) ऑफ बंगाल मुष्ठीयोग ट्रेडीशन ।	आयुर्वेद सूत्र 2019, वॉल. 8, जून6 ISSN : 2347-1794
13.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	बटरमिल्क सावा विथ मूंग ट्वीस्ट - ए टेस्टिफाइड आयुर्वेद रेसेपी ऑफ ऑबेसिटी ।	आयुर्वेद सूत्र 2019, वॉल. 6, जून4 ISSN : 2347-1794
14.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	अण्डरस्टेडिंग ऑफ तंत्रयुक्ति, द् क्लासिकल 'टूल ऑफ डेस्क्रिपशन' ऑफ कम्पेडियम - ए रिव्यू फ्राम बिसाइड ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जनवरी-मार्च 2019 ISSN : 2321-0435
15.	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ चरक दर्शन इन करण्ट परस्पेक्टिव ।	आईजेएपीसी वॉल. 10, इश्यू 4 मई 2019 e-ISSN-2350-0204
16.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्कोप ऑफ आयुर्वेद इन लाईफस्टाईल डिस्आर्डर्स ।	ईजेपीएमआर, 2019,6(3), ISSN- 2394-3211
17.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्ट एण्ड सिग्निफिकेन्स ऑफ पारादिगुण इन आयुर्वेद ।	आईजेएपीसी वॉल. 10, इश्यू 2 2019, ISSN 2350-0204 (UGC No. 43112)
18.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ रसायन इफेक्ट ऑफ मधुयाष्ठीचूर्ण इन अपेरेन्टली हैल्दी इण्डीविजूअल्स ।	डब्ल्यूजेपीआर, 2019,2(8), ISSN 2277-7105
19.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी ऑफ डायटरी फेक्टर्स मेंशन्ड इन आयुर्वेद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायग्नोस्ड डायबिटिज मिलीटस (टाईप-2) पेशेन्ट्स ।	डब्ल्यूजेपीआर, 2018 वॉल. 7, इश्यू 16 ISSN 2277- 7105
20.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑफ अस्थिशारीर इन कोन्टेक्सट ऑफ वेरियस टाईप ऑफ अस्थि डेस्क्राइब इन आयुर्वेदिक संहिता ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 12-4, अक्टू.-दिस. 2018, ISSN No.2321-0435
21.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	बटरमिल्क सावा विथ मूंग ट्वीस्ट - ए टेस्टिफाइड आयुर्वेद रेसेपी ऑफ ऑबेसिटी ।	आयुर्वेद सूत्र 2019, वॉल. 6, जून4 ISSN : 2347-1794
22.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अण्डरस्टेडिंग ऑफ तंत्रयुक्ति, द् क्लासिकल 'टूल ऑफ डेस्क्रिपशन' ऑफ कम्पेडियम - ए रिव्यू फ्राम बिसाइड ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जनवरी-मार्च 2019 ISSN : 2321-0435

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता एवं पत्र प्रस्तुतिकरण -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठि का विवरण प्रकाशन विवरण

1..	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 22 जनवरी 2019 को आयोजित एडवान्सेस इन न्युरोलॉजी विषयक सीएमई कार्यक्रम ।
2.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित नाड़ी परीक्षा विषयक कार्यशाला एवं एलुमनाई मीट में भाग लिया गया ।
3.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 4-6 अक्टूबर 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।
4.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला।
5.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 24-25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।
6.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23 अक्टूबर 2018 को आयोजित अयुर्वेद कौशलम विषयक कार्यशाला ।
7.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	संस्थान द्वारा विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर 12 नवम्बर 2018 को आयोजित मधुमेह रोग विषयक सीएमई कार्यक्रम ।
8.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 15-16 फरवरी 2019 को आयोजित फार्मेकोविज़िलेंस विषयक सीएमई कार्यक्रम ।
9.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	द् साइंटिफिक अण्डरस्टेडिंग ऑफ वसन्त ऋतु एण्ड द् कर्म परफार्मिंग ड्यूरिंग दिस पीरियड विषयक सह-लिखित शोध पत्र बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में 14-15 मार्च 2019 को आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुत किया गया ।
10.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	शोध पत्र सह लिखित - गर्भिणी परिचर्या एज ए प्रीवेंटिव मैशर फॉर मेटरनल हैल्थ केयर (14-16 मार्च 2019 को आयोजित WCACON-2019 में प्रस्तुत किया गया ।)
11.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	आयुर्वेदिक एप्रोच इन मैनेजमेन्ट ऑफ एपीलेप्सी : ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी विषयक सहलिखित पत्र 14 दिसम्बर 2018 को अहमदाबाद में आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस में प्रस्तुत किया गया ।
12.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	आयुर्वेदिक फार्मूलेशन फॉर द् मैनेजमेन्ट ऑफ एपीलेप्टिक डिस्आर्डर्स विषयक सहलिखित पत्र बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा 14-16 मार्च 2019 आयोजित WCABHU-2019 में प्रस्तुत किया गया ।
13.	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑन जरियाट्रिक केयर इन इंडियन रूरल वूमन प्रीसिडिंग टूवर्डस मैनोपाज विषयक सहलिखित पत्र गोवा में 29-30 अगस्त 2018 को आयोजित 'जरा' में प्रस्तुत किया गया ।
14.	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर	Autoimmune curse of immunity system "An analytical review of multiple sclerosis W.S.R. to Ojovyapad विषयक सहलिखित शोध पत्र बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा 14-16 मार्च 2019 आयोजित WCABHU-2019 में प्रस्तुत किया गया ।
15.	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर	ए रिव्यू ऑन जरियाट्रिक केयर इन आयुर्वेद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू जरा विषयक सहलिखित पत्र गोवा में 29-30 अगस्त 2018 को आयोजित 'जरा' में प्रस्तुत किया गया ।
16.	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर	इफेक्ट आफ रसायन ऑन स्वभाविक व्याधि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिजनरेटिव चेन्जेज - ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी विषयक शोध पत्र अहमदाबार में 14 दिसम्बर 2018 को आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस में प्रस्तुत किया गया ।
17.	डॉ. निशा गुप्ता प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ हाइजीन थ्रू योग विषयक शोध पत्र बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा 14-16 मार्च 2019 आयोजित WCABHU-2019 में

		प्रस्तुत किया गया ।
18.	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 4-6 अगस्त 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।
19.	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला।
20.	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 24-25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।
21.	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23 अक्टूबर 2018 को आयोजित अयुर्वेद कौशलम विषयक कार्यशाला ।
22.	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर 12 नवम्बर 2018 को आयोजित मधुमेह रोग विषयक सीएमई कार्यक्रम ।
23.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सह-लिखित शोध पत्र -(i) Role of Sangit in the Management of Certain Psychosomatic Disorders and (ii) Role of Mukta in Psychosomatic Disorders with reference to its Spiritual Aspects presented in National Seminar on Integrated Approaches in Management of Psychosomatic Disorders organised by MahavirAyurvedic Medical College and Hospital, Meerut on 7April,2018.
24.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 4-6 अगस्त 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।
25.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला।
26.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 24-25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।
27.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23 अक्टूबर 2018 को आयोजित अयुर्वेद कौशलम विषयक कार्यशाला ।
28.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 4-6 अक्टूबर 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।
29.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर 12 नवम्बर 2018 को आयोजित मधुमेह रोग विषयक सीएमई कार्यक्रम ।
30.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित नाड़ी परीक्षा विषयक कार्यशाला एवं एलुमनाई मीट में भाग लिया गया ।
31.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मानसिकाभव अज ए कोज ऑफ प्रीमेच्योर एजिंग विषयक सहलिखित पत्र गवर्नमेंट पीजी आयुर्वेद कॉलेज एण्ड होस्पीटल, वाराणसी द्वारा 9-10 मार्च 2019 को आयोजित एप्लीकेशन ऑफ आयुर्वेदिक फण्डामेन्टल्स इन प्रजेन्ट सिनेरियो विषयक अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया ।
32.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एसेंशियल फेक्टर्स इन कन्सेप्शन अज पर आयुर्वेद क्लासिकल विषयक सहलिखित पत्र बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा 14-16 मार्च 2019 आयोजित WCABHU-2019 में प्रस्तुत किया गया ।

अतिथि व्याख्यान – विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा छात्रों एवं अध्येताओं के लाभार्थ विभिन्न कार्यशालाओं तथा कार्यक्रमों में निम्नलिखित अतिथि व्याख्यान दिये गये :-

क्र.सं.	संकाय सदस्य एवं अध्येता का नाम	अतिथि व्याख्यान का शीर्षक	तिथि/माह	कार्यक्रम
1.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	त्रिपुरा में आयुष का प्रचार–प्रसार ।	18-19 मई 2018	सीसीआरएएस एवं त्रिपुरा सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम ।
2.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल एस्पेक्ट्स ऑफ नाड़ी परीक्षा ।	18-19 मई 2018	सीसीआरएएस एवं त्रिपुरा सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम ।
3.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	फेक्ट्स ऑफ मिथ्स ऑफ आयुर्वेद फूड ।	जून 2018	संस्थान के द्रव्यगुण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम ।
4.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	कॉम्पलीकेशन ऑफ प्रमेह एण्ड ट्रीटमेन्ट ।	जून 2018	संस्थान के पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम ।
5.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	फेक्ट्स ऑफ मिथ्स ऑफ कॉमन फूड ।	27-7-18	संस्थान के द्रव्यगुण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम ।
6.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	अपथ्य टू रोग एण्ड पथ्य टू आरोग्य ।	25-08-18	सीसीआरएएस एवं नस्य द्वारा कलकत्ता में आयोजित कार्यक्रम।
7.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	रिसर्च मॅथोडोलोजी इन प्रसूति ।	जूलाई 2018	संस्थान के प्रसूति तंत्र विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम ।
8.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ स्टेण्डर्ड पॅरामीटर्स ऑफ औजस ।	5-6 सितम्बर 2018	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यक्रम ।
9.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	फास्ट फूड एण्ड जंक फूड ।	सितम्बर 2018	संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम।
10.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	सांइटिफिक एवेल्यूएशन ऑफ स्ट्डी ऑफ आयुर्वेद इतिहास ।	20-10-18	गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय (आयुष गुरु, आयुष परियोजना)
11.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल पार्लेन्स ऑफ चरक निदान (4th Chapter)	28-10-18	आयुर्वेद विद्या परिषद द्वारा कोयम्बतूर में आयोजित तत्वप्रकाशनी कार्यक्रम
12.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल एस्पेक्ट्स ऑफ कला शारीर ।	18.1.19	दत्ता मेघे आयुर्वेद महाविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम ।
13.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	विष के 24 उपक्रम एवं व्यवहारिक प्रयोग ।	13.2.19	संस्थान के अगद तंत्र विभाग द्वारा आयोजित सीएमई कार्यक्रम।
14.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	आयुर्वेद के मधुमेह प्रबन्धन, भाग–1	05.04.19	राजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।
15.	डॉ. असित कुमार पांजा	आयुर्वेद के मधुमेह	10.04.19	ाजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा

	एसोसिएट प्रोफेसर	प्रबन्धन, भाग–1		आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।
16.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	आयुर्वेद के मधुमेह प्रबन्धन, भाग–2	12.04.19	ाजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।
17.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	आयुर्वेद के मधुमेह प्रबन्धन, भाग–2	19.4.19	ाजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।
18.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	मिथ्स एण्ड फेक्ट्स ऑफ फूड्स – आयुर्वेद व्यू ।	24.05.19	संस्थान के द्रव्यगुण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम ।
19.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	आयुर्वेद एप्रोच ऑफ मैनेजमेन्ट ऑफ किडनी डिज़िज ।	03.06.19	संस्थान में आडिशा के राजकीय अध्यापकों हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम ।

परियोजनाऐं : विभाग के अध्यापकों द्वारा निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाऐं चलाई गयी जिनका विवरण निम्न प्रकार से है:–

- Digitization and Deciphering of Ayurveda Manuscripts (Govt of India)- डॉ. असित कुमार पांजा, एसोसिएट प्रोफेसर ।
- आयुर्वेद के अध्यापकों एवं छात्रों हेतु श्रव्य–दृश्य रिपोजिटरी/संग्राहालय– डॉ. असित कुमार पांजा, एसोसिएट प्रोफेसर ।

विविध गतिविधियाँ– विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई –

क्र.सं.	अध्यापकों का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	डॉ. केदारलाल मीणा प्रोफेसर	1. डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के आयुर्वेद संकाय के सदस्य के रूप में कार्य किया । 2. डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के अध्ययन मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया । 3. अनुसूचितजाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के देखरेख अधिकारी। 4. आरओटीपी एवं सीएमई कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया।
2.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	1. अहमदाबाद में नवम्बर 2018 में आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस में आयोजक के रूप में कार्य किया गया । 2. एनएएसी की अनुसंधान समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया गया । 3. एनआईए की ई–चिकित्सालय प्रबन्धन समिति के सदस्य सचिव के रूप में कार्य किया गया । 4. एनआईए की ई–पुस्तकालय समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया गया। 5. एनआईए की आई–टी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया । 6. एनआईए की एनएबीएच हेतु सुविधा प्रबन्धन एवं सुरक्षा समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया । 7. संस्थान के जर्नल ऑफ आयुर्वेद के सम्पादक के रूप में कार्य किया।

		8. आईपीजीटीआरए, जामनगर द्वारा प्रकाशित आयु के सह-सम्पादक । 9. वैद्य परम्परा में प्रमुख सम्पादक । 10. आयुर्वेद लाईन, बैंगलौर के सम्पादकीय परामर्शक । 11. आरओटीपी एवं सीएमई कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया।
3.	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	1. एनआईए की ई-चिकित्सालय प्रबन्धन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया गया । 2. आयु जर्नल के रिव्यूवर के रूप में कार्य किया गया । 3. हास्टल वार्डल के रूप में कार्य किया गया । 4. संस्थान द्वारा राजस्थान राज्य के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल क्षेत्रों वाले जिलों में आयोजित चिकित्सा शिविरों में सेवाऐं दी गई ।

****

पंचकर्म विभाग

परिचय – यह विभाग स्नातकोत्तर विभाग है । आयुर्वेद में मुख्यत: रोगी की या तो संशोधन अथवा संशमन चिकित्सा विधि द्वारा चिकित्सा की जाती है। पंचकर्म चिकित्सा में शोधन की पांच विधाओं जैसे वमन, विरेचन, बस्ति, नस्य तथा रक्तमोक्षण को समाहित किया गया है । इसके अतिरिक्त, दूसरी विभिन्न अन्तरंग एवं बाह्य विभिन्न रोगों मुख्यत: मस्कुलो-स्केलेटल, नाड़ीतंत्र, त्वक, उर्जातंत्र, जीवन-शैली, अनुर्जता, श्वसन तंत्र आदि सम्बन्धित रोगों की पंचकर्म द्वारा प्रभावी चिकित्सा की गई। विभाग लगभग सभी प्रकार के रोगियों को चिकित्सा कर समाज को अपनी सेंवाये प्रदान कर रहा है । यह रोगप्रतिरोधक एवं स्वास्थ्य संवर्धन औषधि के रूप में भी सेवायें दे रहा है। यह रोगियों की पंचकर्म के माध्यम से चिकित्सा प्रदान कर अन्य विभागों को सहायता प्रदान करता है ।

विभागान्तर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर अध्येताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है तथा इसमें नियमित पीएच. डी. पाठ्यक्रम चलाया जाता है । विभागान्तर्गत 4 माह का पंचकर्म अटेण्डेन्ट कोर्स चलाया जा रहा है । इनमें स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. स्तर पर शोध कार्य कराये जाते हैं जिनमें मुख्यत: विभिन्न रोगों का प्रबन्ध यथा रुमेटोइड आर्थाराइटिस (गठिया), कटिस्नायुशूल, पक्षाघात, मधुमेह, सोरायसिस, उच्च रक्तचाप, स्थूलता, यौन रोग, डिसलिपिडेमिया आदि रोग है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर, 2 असिस्टेन्ट प्रोफेसर, 1 लेक्चरार एवं 2 पंचकर्म वैद्य अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

क) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को पंचकर्म विषय में आत्ययिक चिकित्सा, रसायन, वाजीकरण, मानसरोग तथा पंचकर्म का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । दैनिक अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन के अतिरिक्त छात्रों को पंचकर्म में बेड-साईड क्लिनीक में व्यस्त रखा गया।

ख) स्नातकोत्तर – स्नातकोत्तर अध्येताओं को विशिष्ट व्याधियों के संदर्भ में उनके शोध विषयक सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ग) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को समय-समय पर उनके शोध विषयक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

घ) प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम –वर्ष के दौरान, अभ्यर्थियों को विभिन्न पंचकर्म प्रक्रियाओं को रोगियों पर अपनाने हेतु प्रशिक्षण, तकनीक एवं मार्गदर्शन तथा पंत्रकर्म सिद्धान्तों का गहन ज्ञान प्रदान किया गया । इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण कर अभ्यर्थी पंचकर्म केन्द्रों, पुनर्वास केन्द्रों आदि में रोजगार प्राप्त कर सकते है ।

शोध –आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण हुये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. अचला राम कुमावत	डॉ. गोपेश मंगल एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् थैरेप्युटिक एफिकेसी ऑफ उत्तर बस्ति, चातुप्रास्तिक बस्ति एण्ड शतावर्यादि चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कृष्ण शुक्र विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओलिगोस्पर्मिया।
2.	डॉ. अशोक कुमार	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. क्षिप्रा राजोरिया	एन ओपन लेबल रेण्डोमाईज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ मात्र बस्ति विथ प्रसारीणी तैल ऑफ जानू बस्ति-संधिघतवात विथ

		लेक्चरार डॉ. वैभव बापट पंचकर्म वैद्य	स्पेशियल रेफरेन्स टू ओस्टियोआर्थराइटिस ऑफ नी ज्वाइंट ।
3.	डॉ. अवधेश कुमार	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरार	टू एवेल्यूएट द् कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ नस्य बाई वृहतजीवाकाद्या तैल प्रीपेयर्ड फ्राम मृदु स्नेहपाक एण्ड मध्यम स्नेहपाक इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अर्द्धभेदक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू माईग्रेन ।
4.	डॉ. जितेन्द्र वर्मा	डॉ. गोपेश मंगल एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दीपक जैन न्युरोलोजी विभाग एसएमएस होस्पीटल	एन ओपन क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ शिरोबस्ति एण्ड नस्य विथ एण्ड विथआऊट लेबोडोपा इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कम्पवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पार्किसन्स डिज़िज (पीडी) ।
5.	डॉ. निधी गुप्ता	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन ओपन रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् टाईप्स ऑफ मृद्धा तैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ निद्रानाश ।
6.	डॉ. प्रवेश श्रीवास्तव	डॉ. गोपेश मंगल एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	एन ओपन रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ वमनोत्रा जलौकावचरण एण्ड जलौकावचरण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मण्डल कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सोराइसिस ।
7.	डॉ. सरोज कुमारी	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरार	एन ओपन रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ नस्य एण्ड मात्र बस्ति विथ प्रसारिणी तैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ग्रीवास्तम्भ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सरवाइकल स्पोण्डीलोसिस ।
8.	डॉ. अविनीश	डॉ. गोपेश मंगल एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अभिषेक उपाध्याय	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ वृष्यमूलादि तेल एण्ड शतावरी तेल मात्रा बस्ति फोलोव्ड बाई व्योषादि गुटिका गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अस्थि मज्जा कषाय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लो बोन मिनरल डेंसिटी ।
9.	डॉ. अशोक कुमार रेगर	डॉ. गोपेश मंगल एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरर डॉ. विपीन कुमार चिकित्साधिकारी	कम्परेटिव एफिकेसी स्ट्डी ऑफ शोधन एण्ड शोधनोत्तर खदिर यवगुप्ना एण्ड परीषेक इन मण्डकुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक प्लाकू सोराईसिस ।
10.	डॉ. दिनेश शर्मा	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. भरत पढ़ार लेक्चरार	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ नस्यकर्म विथ महामाष तेल एण्ड ग्रीवा परीषेक विथ दशमूल क्वाथ फोलोव्ड बाई त्र्योदशांग गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मन्यस्थम्भ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सरवाईकल स्पोण्डायलोसिस ।
11.	डॉ. मीनू यादव	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन ओपन रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ व्रण कर्म एण्ड मधुतेलिका बस्ति फोलोव्ड बाई विडंगादि अवलेह इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ धात्वाग्निमंद्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हाईपोथाइरोडिज्म ।
12.	डॉ. राजकुमार	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह	कम्परेटिव एफिकेसी स्ट्डी ऑफ नस्य एण्ड शिरोबस्ति

	जांगिड	असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरार	विथ प्रसारणीय तेल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ग्रीवास्थम्भ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सर्वाइकल स्पोण्डीलोसिस ।
13.	डॉ. सचिन शर्मा	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरार	कम्परेटिव एफिकेसी स्ट्डी ऑफ बलादियास्पना बस्ति एण्ड बला तेल मात्रा बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कटिग्रह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लम्बर स्पोन्डीलोसिस।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

क्र.सं.	**अध्येता**	**निर्देशक**	**शोध विषय**
1.	डॉ. अमित कुमार	डॉ. गोपेश मंगल एसोसिएट प्रोफेसर	टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ नस्य एण्ड जम्बिरा पिण्ड स्वेद इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अवबाहुक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फ्रोजन शोल्डर - एन ओपन लेबल रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ।
2.	डॉ. कृष्ण सिंह	डॉ. गोपेश मंगल एसोसिएट प्रोफेसर	एन ओपन लेबल रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूट द् एफिकेसी ऑफ पत्रपिण्डस्वेदन एण्ड एरण्डमूलादि बस्ति फोलोव्ड बाई शमन विथ एण्ड विथआऊट विचरेचन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कटि-पृष्ठ-तिरक-गृह विथ स्पेशियल रेफरेन्ट टू एंक्यलोसिंग स्पोन्डीलोसिस ।
3.	डॉ. क्षितिज चौधरी	डॉ. गोपेश मंगल एसोसिएट प्रोफेसर	एन ओपन लेबल रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ विरेचन एण्ड नस्य फोलोव्ड बाई धनंञ्जय वटि इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ धात्वाग्निमंध्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हाईपोथाइरोडिज्म ।
4.	डॉ. सुरेन्द्र कुमार	डॉ. गोपेश मंगल एसोसिएट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ तित्त क्षीर बस्ति विथ एण्ड विथआऊट विरेचन फोलोव्ड बाई शमन वटि इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ धात्वाग्निमंध्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हाईपोथाइरोडिज्म ।

शोध परियोजनाऐं - विभाग के अध्यापकों द्वारा निम्नलिखित शोध परियोजनाऐं चलाई जा रही है -

क्र. सं.	**शोध का विषय**	**सहयोगी संगठन**	**अध्यापक**
1.	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् इफेक्ट ऑफ वमनकर्म एण्ड विरेचनकर्म ऑन स्परम एलेक्ट्रोलेयट लेवल ।	विभागीय शोध परियोजना ।	**प्रमुख-शोधार्थी** - डॉ. गोपेश मंगल एसोसिएट प्रोफेसर
2.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एसेस द् इफेक्ट ऑफ संशोधनकर्म - वमन एण्ड विचरेन ऑन लिपीड प्रोफाईल ।	विभागीय शोध परियोजना ।	**प्रमुख-शोधार्थी** - डॉ. गोपेश मंगल एसोसिएट प्रोफेसर
3.	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड सिंगल ब्लाइंड क्लिनीकल	विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, भारत-सरकार । राष्ट्रीय नवप्रर्वतन	**प्रमुख-शोधार्थी** - डॉ. सर्वेश कुमार सिंह

	ट्रायल फॉर सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ ग्रासरुट लेड्स इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ओस्टेआर्थेराइटिस ऑफ नी ज्वाइंट ।	प्रतिष्ठान द्वारा वित्त पोषित ।	असिस्टेन्ट प्रोफेसर
4.	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड सिंगल ब्लाइंड क्लिनीकल ट्रायल फॉर सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ ग्रासरुट लेड्स इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ओस्टेओपेनीया/ ओस्टेओपोरोसिस अमंग पोस्ट-मेनोपाज़ल वूमन ।	विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, भारत-सरकार । राष्ट्रीय नवप्रर्वतन प्रतिष्ठान द्वारा वित्त पोषित ।	**प्रमुख-शोधार्थी** - डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर
5.	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड सिंगल ब्लाइंड क्लिनीकल ट्रायल फॉर सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ ग्रासरुट लेड्स इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ओस्टेआर्थेराइटिस ऑफ नी ज्वाइंट ।	विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, भारत-सरकार । राष्ट्रीय नवप्रर्वतन प्रतिष्ठान द्वारा वित्त पोषित ।	**सह-प्रमुख-शोधार्थी** - डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरार

चिकित्सकीय कार्य :-

इस विभाग द्वारा अन्तरंग एवं बहिरंग चिकित्सालयों में पंचकर्म चिकित्सा द्वारा बालपक्षाघात, पक्षाघात, आमवात, सन्धिवात, कटिशूल, हृदयशूल, शिर:शूल एवं त्वचा के रोगियों को उपलब्ध कराई गई ।

पंचकर्म की विभिन्न विधाओं से चिकित्सा करने हेतु पुरुष तथा महिलाओं के लिए पृथक्-पृथक् व्यवस्थायें है। आलोच्य वर्ष के दौरान पंचकर्म की विभिन्न विधाओं तथा पद्धतियों जैसे अभ्यंग (स्नेहन), नस्य, शिरोधारा, अनुवासन बस्ति, कटि बस्ति, नाड़ी स्वेदन, शिरो अभ्यंग, शिरो बस्ति, वमन, विरेचन, सर्वांग स्वेदन, निरूह बस्ति, षष्ठीशालीपिण्डस्वेद, पत्र पिण्ड् स्वेद आदि द्वारा चिकित्सा की गई । सभी पंचकर्म उपचार विशेषज्ञों के पर्यवेक्षण में रोगियों को दिये गये ।

आलोच्य वर्ष के दौरान निम्नलिखित 1,07,377 विभन्न कर्म किये गये जिनमें स्नेहन, अभ्यंग, नाड़ी स्वेदन, सर्वांग स्वेदन, पत्र पिण्ड स्वेदन, शाष्ठिकशाली पिण्ड स्वेद, शिरो धारा, शिरो बस्ति, कटि बस्ति, वमन कर्म, विरेचन कर्म, निरुह बस्ति, अनुवासन बस्ति, नस्य कर्म, व्यायाम, उदावर्तन, जलौका, पिच्छिल, रक्तमोक्षण, यूएस, ट्रक्शन आदि सम्मिलित हैं । आलोच्य वर्ष के दौरान, पंचकर्म के द्वारा शोधन के निमित्त जो औषधियाँ दी गई उनका शरीर शुद्धि के साथ शरीर पर रसायन और वाजीकरण के उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हुये ।

साप्ताहिक संगोष्ठियाँ -

जर्नल, शोध-महानिबन्ध तथा नैदानिक मामलों के प्रस्तुतिकरण से सम्बन्धित विषयों पर विभागीय तथा अन्तर-विभागीय स्तर पर साप्ताहिक संगोष्ठियाँ नियमितरूप से आयोजित की गई । साप्ताहिक संगोष्ठियों में विभाग के अध्येताओं ने सक्रियता से भाग ले कर अध्यापकों एवं छात्रों के समक्ष अपने शोध-कार्य का प्रस्तुतिकरण किया । विभागीय अध्यापकों द्वारा इन संगोष्ठियों में विशिष्ट व्याख्यान भी दिये गये ।

प्रकाशन –

(ए) जर्नल्स/पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

लेखक : डॉ. गोपेश मंगल, एसोसिएट प्रोफेसर		
क्र.सं.	**शीर्षक**	**प्रकाशन विवरण**
1.	ए सक्सेस स्टोरी ऑफ मैनेजमेन्ट ऑफ हाईपोथाइरोडिज्म विथ वमन कर्म – ए केस स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड इन्टीग्रेटिव मेडिसिन, अप्रैल–2018, इश्यू–2
2.	इफेक्ट ऑफ पंचतिक्त क्षीर बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एवास्कूलर नेक्रोसिस ऑफ हैड ऑफ फमेमर (केस स्टडी)।	रिसर्च एण्ड रिव्यू – ए जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक साइन्स, योग एण्ड नेचुरोपेथी 2018, वाल्यूम 5, अंक–1, ISSN: 2395-6682
3.	मैनेजमेन्ट ऑफ सोराइसिस (किटिभ–कुष्ठ) थ्रू क्लासिकल व्रणकर्म फोलोव्ड बाई इन्टरनल मेडिसिन : ए केस सीरिज ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन, मई 2018, वॉल–8, इश्यू–3, ISSN : 2454-5023
4.	इफेक्ट ऑफ पंचकर्म थैरेपी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कम्पवाल विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पार्किसन्स डिज़िज – ए केस स्ट्डी ।	सितम्बर, 2018, वाल्यूम–6, अंक–9 IJAS, ISSN NO- 2320-5407
5.	इम्पोंटेन्स ऑफ संसर्जन कर्म आफ्टर संशोधन कर्म – ए रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन, अक्टूबर 2018, वॉल–8, इश्यू–5, ISSN : 2454-5023
6.	मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात विथ बालूका स्वेद एण्ड वैतारण बस्ति : ए केस रिपोर्ट ।	जर्नल ऑफ फार्माकोग्नोसि एण्ड फाइटोकेमेस्ट्रि नवम्बर 2018, वॉल. 4, अंक 10
7.	मैनेजमेन्ट ऑफ कम्पवात थ्रू पंचकर्म – ए केस रिपोर्ट ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज, दिस. 2018, वॉल. 4, अंक 10 ISSN 2454 – 2229,
8.	इफेक्ट ऑफ शोधन थैरेपी इन मण्डकुष्ठ (सोराईसिस) – ए केस स्ट्डी ।	रिसर्च एण्ड रिव्यू – ए जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक साइन्स, योग एण्ड नेचुरोपेथी 2018, वाल्यूम 5, अंक–3, ISSN: 2395-6682
9.	हैल्थ प्रोमोटिंग एस्पेक्ट ऑफ पंचकर्म फॉर जरा ।	डब्ल्यूजेपीएलएस दिस. 2018, वॉल. 4, इश्यू–11 ISSN 2454-2229.
10.	इन्टरवेंशन ऑफ आमवाल थ्रू मल्टीमोडल आयुर्वेद एप्रोच – ए केस स्ट्डी ।	आईजेएचएसआर दिस. 2018, वॉल. 8, अंक 12
11.	एवेल्यूएशन ऑफ कम्बाइंड एफिकेसी ऑफ निर्गुण्डी पत्र पिण्डस्वेद, ग्रीवाबस्ति एण्ड मात्रा बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ सर्वाइकल स्पोण्डीलोसिस – ए केस रिपोर्ट ।	डब्ल्यूजेपीआर जन. 2019, वाल्यूम 8, इश्यू 2 ISSN 2277–7105
12.	रिव्यू ऑन द् प्रोसिजरल एफिकेसी ऑफ जानूबस्ति – आइल पूलींग पंचकर्म प्रोसिजर ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल रिसर्च जनवरी 2019, वाल्यूम 7, इश्यू 4 ISSN 2277–7105
13.	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ अभिघातज पक्षावाद्य विथ स्पेशियल मैनेजमेन्ट टू सर्वाइकल स्पाइनल इंजूरी पेरालासिस – ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मास्यूटिकल केमेस्ट्री, 2019, वॉल. 2, इश्यू 2, ISSN No 2350-0204

14.	इफेक्ट ऑफ बस्ति कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एवास्कूलर नेक्रोसिस ऑफ फेमोरल हैड – ए केस स्ट्डी ।	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मास्यूटिकल्स केमेस्ट्री, 2019, वॉल. 3, अंक–2 ।
15.	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ सर्वाइकल स्पोण्डीलोसिस – ए केस स्ट्डी ।	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद फार्मा 2019, वॉल. 10, अंक 1, ISSN : 2229-3566
लेखक : डॉ. गोपेश मंगल, एसोसिएट प्रोफेसर		
1.	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ क्रोनिक कोन्सटीपेशन इन हार्चस्प्रंग डिजिज – ए केस स्टड्ी ।	JAIM, 2018
2.	मेडिकल लीच थैरेपी इन आयुर्वेद एण्ड बायोमेडिसिन – ए रिव्यू ।	जेएआईएम 2018 DOI: org./10.1016/j.jaim.20182018.09.003
3.	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ सर्वाइकल स्पोण्डीलोसिस रेडिकलोपैथी ।	आईजेएचएएस, 2018 वाल्यूम : 7, अंक 2
4.	क्लासिकल ड्रग रिव्यू ऑफ कन्टेन्ट्स ऑफ लेखन बस्ति ।	डब्ल्यूजेपीआर 2018:7
लेखक : डॉ. सर्वेश कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
1.	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ क्रोनिक कोन्सटीपेशन इन हार्चस्प्रंग डिजिज – ए केस स्टड्ी ।	JAIM, 2018
2.	मेडिकल लीच थैरेपी इन आयुर्वेद एण्ड बायोमेडिसिन – ए रिव्यू ।	जेएआईएम 2018 DOI: org./10.1016/j.jaim.20182018.09.003
3.	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ सर्वाइकल स्पोण्डीलोसिस रेडिकलोपैथी ।	आईजेएचएएस, 2018 वाल्यूम : 7, अंक 2
4.	क्लासिकल ड्रग रिव्यू ऑफ कन्टेन्ट्स ऑफ लेखन बस्ति ।	डब्ल्यूजेपीआर 2018:7
लेखक : डॉ. क्षिप्रा राजोरिया, लेक्चरार		
1.	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ क्रोनिक कोन्सटीपेशन इन हार्चस्प्रंग डिजिज – ए केस स्टड्ी ।	JAIM, 2018
2.	मेडिकल लीच थैरेपी इन आयुर्वेद एण्ड बायोमेडिसिन – ए रिव्यू ।	जेएआईएम 2018 DOI: org./10.1016/j.jaim.20182018.09.003
3.	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ सर्वाइकल स्पोण्डीलोसिस रेडिकलोपैथी ।	आईजेएचएएस, 2018 वाल्यूम : 7, अंक 2

बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में संकाय सदस्यों द्वारा सहभागिता एवं शोध पत्र प्रस्तुतिकरण –

क्र.सं.	कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई कार्यक्रम का विवरण	दिनांक
डॉ. गोपेश मंगल, एसोसिएट प्रोफेसर		
1.	संस्थान द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित योग कार्यक्रम ।	21 जून, 2018
2.	विभाग द्वारा आयोजित पंचकम में आत्ययिक चिकित्सा प्रबन्धन विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	4 जुलाई 2018
3.	विभाग द्वारा आयोजित अनेक्सिटी, डिप्रेशन एण्ड स्ट्रेस असेस्मेन्ट एण्ड मैनेजमेन्ट प्रोजेक्ट ।	4 जुलाई, 2018

4.	संस्थान द्वारा आयोजित अग्निक्षमन यंत्र – उपयोग एवं रखरखाव विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	23 जुलाई 2018
5.	संस्थान द्वारा आयोजित खानपान एवं आयुर्वेद विषयक कार्यशाला ।	28 जुलाई 2018
6.	संस्थान के द्रव्यगुण विभाग द्वारा आयोजित भोजन विषयक संगोष्ठी ।	25 जुलाई 2018
7.	संस्थान द्वारा आयोजित टीचिंग मेथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला।	6-8अगस्त 2018
8.	संस्थान में आयोजित रिसर्च मेथोडोलोजी के इन्टरएक्टिव सत्र में भाग लिया गया ।	10अगस्त 2018
9.	विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा आयोजित व्याख्यान माला ।	10अगस्त 2018
10.	प्रो. अनिल गुप्ता द्वारा शोध नीति एवं संस्थान विषयक दिया गया व्याख्यान ।	13 अगस्त 2018
11.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एवं मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23अगस्त 2018
12.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	24–25 अग. 18
13.	संस्थान द्वारा आयोजित एनएबीएच जागरुकता कार्यक्रम ।	29 अगस्त 2018
14.	संस्थान द्वारा आयोजित विशिखानु छात्रों हेतु आयोजित पुन:प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	31 अगस्त 2018
15.	संस्थान द्वारा आयोजित जीवन के मूल आधार विषयक व्याख्यान ।	11सित., 2018
16.	संस्थान द्वारा आयोजित एंटी रैगिंग सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम विषयक व्याख्यान ।	15सित., 2018
17.	संस्थान द्वारा आयोजित एच.आई.सी. कार्यशाला ।	7सित., 2018
18.	पंचकर्म में अभ्यास हेतु आंकलन के लिए केन्द्रिय बिन्दु विषयक डब्ल्यूएचओ–कार्य समूह की बैठक में तकनीकी सहायक ।	17-19 सित.,18
19.	संस्थान द्वारा आयोजित संधि, नाड़ी परीक्षा एवं अग्नि कर्म विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	10अक्टू., 2018
20.	संस्थान द्वारा आयोजित आयुर्वेद के द्वारा नेत्र देखभाल एवं नेत्रदान विषयक व्याख्यान ।	11 अक्टू., 2018
21.	संस्थान के 44वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित 2 दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर ।	29अक्टू., 2018
22.	संस्थान द्वारा आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष में आयोजित रन फोर आयुर्वेद विषयक मैराथन ।	31 अक्टू., 2018
23.	संस्थान द्वारा बिड़ला सभागार, जयपुर में आयोजित संगीत संध्या विषयक कार्यशाला ।	30 अक्टू., 2018
24.	संस्थान द्वारा सतर्कता जागरुकता सप्ताह के अवसर पर आयोजित भ्रष्टाचार उन्मूलन – एक नये भारत का निर्माण करें विषयक व्याख्यान ।	1 नव., 2019
25.	संस्थान में हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा प्रायोजित हेमोरॉइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	19 नव., 2018
26.	संस्थान द्वारा आयोजित एवं सोलूमिक्स फार्मास्यूटिकल्स द्वारा प्रायोजित अर्श एवं इट्स मैनेजमेन्ट विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	20नव., 2018
27.	अहमदाबाद में आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस 2018 के एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की गई ।	14-17दिस., 18
28.	संस्थान द्वारा आयोजित स्वाइन फ्लू विषयक व्याख्यान ।	1जनवरी, 2019

29.	संस्स्थान द्वारा आयोजित रिसर्च मेथोडोलोजी विषयक कार्यशाला ।	21जनवरी, 2019
30.	संस्थान के पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित एडवान्स इन न्यूरोलोजी साइन्स विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	22जनवरी, 2019
31.	संस्थान द्वारा आयोजित हार्ट फुलनेस रिलेक्सेशन एण्ड मेडिटेशन प्रोग्राम ।	23जनवरी, 2019
32.	संस्थान द्वारा आयोजित प्रोटोकोन विषयक संगोष्ठी ।	2-3फरवरी, 2019
33.	संस्थान के पंचकुला स्थित विस्तार केन्द्र राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान शिला पूजन कार्यक्रम ।	12फरवरी, 2019
34.	संस्थान द्वारा आयोजित कैंसर एवं इसके प्रबन्धन तथा गर्भाशय कैंसर विषयक व्याख्यान ।	4फरवरी, 2019
35.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7फरवरी, 2019
36.	संस्थान में आयोजित एनएबीएच हेतु नोटिफाइबल डिज़िज रिर्पोटिंग ।	14फरवरी, 2019
37.	संस्थान में पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित रिसेन्ट एडवान्सेज इन रुमेटोलोजी एण्ड क्लिनीकल इम्यूनोलोजी विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	19फरवरी, 2019
38.	संस्थान द्वारा आयोजित टिप्पणी लेखन विषयक कार्यशाला ।	5मार्च, 2019
39.	संस्थान में पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित फिजियोलोजिकल डिस्आर्डर्स एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	5-6मार्च, 2019
40.	संस्थान द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित डॉ. प्रज्ञा पालीवाल द्वारा दिया गया व्याख्यान ।	8मार्च, 2019
41.	संस्थान द्वारा आयोजित जरा – जरियाट्रिक रसायन एण्ड सीएडी – हार्ट अटेक विषयक व्याख्यान ।	29मार्च, 2019
42.	संस्थान द्वारा आयोजित एवं डॉ. ज्योति द्वारा दिया गया कैंसर स्टेण्डर्ड प्रोसिजर ऑफ इन-विट्रो वाइवो एन्टी-कैंसर रिसर्च विषयक व्याख्यान ।	30मार्च, 2019
डॉ. सर्वेश कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
1.	विभाग द्वारा आयोजित पंचकम में आत्ययिक चिकित्सा प्रबन्धन विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	4 जुलाई 2018
2.	संस्थान द्वारा आयोजित टीचिंग मेथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला।	6-8अगस्त 2018
3.	अहमदाबाद में आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस 2018 ।	14-17दिस., 18
4.	संस्थान द्वारा आयोजित स्वाइन फ्लू विषयक व्याख्यान ।	1जनवरी, 2019
5.	संस्स्थान द्वारा आयोजित रिसर्च मेथोडोलोजी विषयक कार्यशाला ।	21जनवरी, 2019
6.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7फरवरी, 2019
7.	संस्थान में पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित रिसेन्ट एडवान्सेज इन रुमेटोलोजी एण्ड क्लिनीकल इम्यूनोलोजी विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	19फरवरी, 2019
8.	संस्थान में पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित फिजियोलोजिकल डिस्आर्डर्स एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	5-6मार्च, 2019
डॉ. क्षिप्रा राजोरिया, लेक्चरार		
1.	विभाग द्वारा आयोजित पंचकम में आत्ययिक चिकित्सा प्रबन्धन विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	4 जुलाई 2018
2.	संस्थान द्वारा आयोजित टीचिंग मेथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला।	6-8अगस्त 2018

3.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एवं मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23अगस्त 2018
4.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	24–25 अग. 18
5.	संस्थान द्वारा आयोजित संधि, नाड़ी परीक्षा एवं अग्नि कर्म विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	10अक्टू., 2018
6.	संस्थान द्वारा आयोजित आयुर्वेद कौशलम विषयक कार्यशाला ।	23 अक्टू., 2018
7.	अहमदाबाद में आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस 2018 ।	14-17दिस., 18
8.	संस्थान द्वारा आयोजित स्वाइन फ्लू विषयक व्याख्यान ।	1जनवरी, 2019
9.	संस्थान के पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित एडवान्स इन न्यूरोलोजी साइन्स विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	22जनवरी, 2019
10.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7फरवरी, 2019
11.	संस्थान में पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित रिसेन्ट एडवान्सेज इन रुमेटोलोजी एण्ड क्लिनीकल इम्यूनोलोजी विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	19फरवरी, 2019
12.	संस्थान में पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित फिजियोलोजिकल डिस्आर्डर्स एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	5-6मार्च, 2019

आरओटीपी में वार्ताऐं/सीएमई/सम्मेलन/संगोष्ठियों में दिये गये अतिथि व्याख्यान –

क्र.सं.	कार्यक्रम का विवरण	अतिथ व्याख्यान/वार्ता का विषय
डॉ. गोपेश मंगल, एसोसिएट प्रोफेसर		
1.	संस्थान द्वारा विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों हेतु 30 अगस्त से 1 सितम्बर 2018 तक आयोजित पुन:प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	पंचकर्म विभाग में दायित्व एवं कर्त्तव्य।
2.	अहमदाबाद में 14 दिसम्बर 2018 करे आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस ।	आयुर्वेद के माध्यम से गृध्रसी रोग का प्रबन्धन – एक केस रिपोर्ट ।
3.	जे.एस. पाटिल आयुर्वेद कॉलेज, नादियाड़, गुजरात द्वारा 28 नवम्बर 2018 को आयोजित पंचकर्म विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	विरेचन कर्म ।
4.	आयुर्वेद नर्स एवं कम्पाउण्डर्स हेतु 21 दिसम्बर 2018 को आयोजित पंचकर्म विषयक पुन:प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	पंचकर्म का परिचय, स्नेहन एवं स्वेदन प्रायोगिक ।
5.	आयुर्वेद नर्स एवं कम्पाउण्डर्स हेतु 21 दिसम्बर 2018 को आयोजित पंचकर्म विषयक पुन:प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	बाह्य बस्ति एवं पिच्छिल ।
6.	पूर्वोत्तर आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान, शिलांग द्वारा 27–28 फरवरी 2019 को आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित पंचकर्म विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	i) शाष्ठिकशाली पिण्ड स्वेद, माष पिण्ड स्वेदन एवं अन्न लेप – व्यवहारिक प्रदर्शन एवं बाह्य बस्ति । ii) विरेचन कर्म : लक्षण, मतभेद, जटिलता एवं प्रबन्धन ।
7.	पूर्वोत्तर आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान, शिलांग द्वारा	i) शाष्ठिकशाली पिण्ड स्वेद, माष पिण्ड

	27-28 फरवरी 2019 को आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित पंचकर्म विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	स्वेदन एवं अन्न लेप - व्यवहारिक प्रदर्शन एवं बाह्य बस्ति । ii) विरेचन कर्म : लक्षण, मतभेद, जटिलता एवं प्रबन्धन ।
8.	राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा द्वारा 2 मार्च 2019 को सहायक चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित पुन:प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	पंचकर्म थैरेपी - क्रोनिक एण्ड एक्यूट मैनेंजमेन्ट थ्रू पंचकर्म ।
9.	चौधरी ब्रह्मप्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, दिल्ली में आयुष विभाग, हरियाणा द्वारा सहायक चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	''केरलीय पंचकर्म''
डॉ. सर्वेश कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
1.	आयुर्वेद माहविद्यालय, फरूखाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा 7 अप्रैल 2018 को आयोजित स्कोप ऑफ पंचकर्म इन प्रजेन्ट ऐरा विषयक राष्ट्रीय सेमीनार एवं पंचकर्म इन पेन मैनेजमेन्ट विषयक कार्यशाला ।	स्कोप ऑफ पंचकर्म इन प्रजेन्ट ऐरा ।
2.	भगवती आयुर्वेद एवं शोध केन्द्र, जगतपुरा, जयपुर द्वारा 23-25 नवम्बर 2018 को आयोजित तृतीय नैदानिक प्रशिक्षण एवं हैण्ड ऑन एक्सपीरियन्स ऑफ पंचकर्म थैरेपी विषयक इन्टरएक्टिव कार्यशाला ।	प्रक्टिकल एप्रोच टू वमन एण्ड विरेचन थैरेपी ।
3.	गोवा में 29-30 अगस्त 2018 को आयोजित जरा - ए फोकस ऑन जरियाट्रिक डिस्आर्डर्स विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार ।	रोल ऑफ आयुर्वेद इन एन्ड्रोपॉज - ए मेल क्लाइमेक्टेरिक सिंड्रोम ।
4.	संस्थान द्वारा सितम्बर 2018 को आयोजित HIC विषयक कार्यशाला ।	अपशिष्ट प्रबन्धन एवं हाथ स्वच्छता ।
5.	विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा 15 नवम्बर 2018 को आयोजित अध्ययन चक्र ।	जर्नल्स में केस रिपोर्टिंग ।
6.	अहमादाबाद में 15 दिसम्बर 2018 को आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस ।	कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ बस्ति एण्ड कटिबस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कटिग्रह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लम्बर स्पोंडिलोसिस ।
7.	संस्थान द्वारा 20 दिसम्बर 2018 को आयुर्वेद नर्स एवं कम्पाउण्डर्स हेतु आयोजित पंचकर्म विषयक पुन: प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	वमन एवं विचरेचन का परिचय ।
8.	संस्थान द्वारा आयुर्वेद नर्स एवं कम्पाउण्डर्स हेतु आयोजित पंचकर्म विषयक पुन: प्रशिक्षण कार्यक्रम में 23 दिसम्बर 2018 को अध्यक्षता की गई ।	बस्ति का प्रदर्शन ।
9.	राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा द्वारा 2 मार्च 2019	पंचकर्म थैरेपी-2 (व्यवहारिक) ।

	को सहायक चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित पुन:प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	
डॉ. क्षिप्रा राजोरिया, लेक्चरार		
1.	विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा अप्रैल 2018 में आयोजित अध्ययन चक्र ।	एप्लाईड एस्पेक्ट ऑफ संसर्जन कर्म ।
2.	गोवा में 29-30 अगस्त 2018 को आयोजित जरा - ए फोकस ऑन जरियाट्रिक डिस्आर्डर्स विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार ।	स्वस्थ जीवन में वयस्थापना की संकल्पना ।
3.	विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा 12 अक्टुबर 2018 को आयोजित 5वां अध्ययन चक्र ।	आयुर्वेद चिकित्सक के लिए नैदानिक भौतिक चिकित्सा की मूल बातें ।
4.	विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा 12 अक्टुबर 2018 को आयोजित 5वां अध्ययन चक्र ।	प्रिस्क्रिपशन लेखन एवं व्यावसायिक चिकित्सा के सिद्धान्त ।
5.	अहमादाबाद में 15 दिसम्बर 2018 को आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस ।	पंचकर्म इन्टरवेंशन एण्ड आयुर्वेद मेडिकेशन इन ए रेअर डिस्आर्डर तकायासु आर्टेराटिस - ए केस रिपोर्ट।
6.	संस्थान द्वारा 20 दिसम्बर 2018 को आयुर्वेद नर्स एवं कम्पाउण्डर्स हेतु आयोजित पंचकर्म विषयक पुन: प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	बस्ति कर्म ।

अध्येताओं द्वारा संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/सीएमई आदि में सहभागीता -

विभाग के स्नातक एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित निम्नलिखित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सक्रियतापूर्वक भाग लिया गया -

क्र.सं.	कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई कार्यक्रम	दिनांक
1.	विभाग द्वारा पंचकर्म में आत्ययिक प्रबन्ध विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	4 जुलाई 2018
	पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	
2.	पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित तनाव परियोजना विषयक कार्यक्रम ।	4 जुलाई 2018
	पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	
3.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा रिसाइटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता	24-25अगस्त2018

	विषयक आयोजित कार्यशाला । पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	
4.	पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित बस्ति शिविर । पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	अगस्त 2018
5.	पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय बीएमडी शिविर । पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	25 सितम्बर 2018
6.	पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित 1 दिवसीय विरेचन शिविर । पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	1-30 अक्टु. 2018
7.	पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित रक्तमोक्षण शिविर । पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	11-30 अक्टू. 18
8.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा आयोजित HIC विषयक कार्यशाला । पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ.	7सित., 2018

	सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	
9.	विभाग द्वारा आयोजित संधि परिक्षा, अग्नि परिक्षा एवं नाड़ी परिक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	4-6अक्टू.2018
	पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	
10.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित डायग्नोस्टिक एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23अगस्त2018
	पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	
11.	विभाग द्वारा आयोजित 2 दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर ।	29 अक्टू., 2018
	पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	
12.	संस्थान द्वारा आयोजित 'आयुर्वेद हेतु दौड़' ।	31 अक्टू., 2018
	पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	
13.	गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में आयोजित 8वाँ वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस ।	14-17 दिस. 2018
	पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	
14.	पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित एडवान्सेज इन न्यूरो साइंस विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	22 जनवरी 2019
	पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ.	

	करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	
15.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7फरवरी 2019
	पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	
16.	पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित एडवान्सेज इन रुमेटोलॉजी और क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	19 फरवरी 2019
	पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	
17.	पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित फिजियालोजिकल डिस्आर्डर्स एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विषयक सीएमई-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	5-6 मार्च 2019
	पीएच.डी अध्येता:डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज चौधरी, डॉ. करिश्मा सिंह । पी.जी. अध्येता: डॉ. अनिल सोनी, डॉ. अनुराग, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. कृष्ण गुप्ता, डॉ. नीरज सोनी, डॉ. सुमन, डॉ. रामप्रबोध, डॉ. अचलाराम, डॉ. अशोक, डॉ. अवधेश, डॉ. जतिन्द्र, डॉ. निधि, डॉ. प्रवेश, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक कुमार रेगर, डॉ. अविनीश नारायन, डॉ. दिनेशशर्मा, डॉ. मीनू यादव, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. राजकुमार जांगिड।	

विभाग द्वारा आयोजित किये गये नि:शुल्क चिकित्सा शिविर -

क्र.सं.	शिविर	दिनांक	पंजीकृत रोगी
1.	नि:शुल्क वासन्तिक वमन शिविर	25-3-2018 to 15-5-2018	47
2.	नि:शुल्क बीएमडी शिविर	15-5-2018	148
3.	नि:शुल्क वर्षा ऋतु बस्ति शिविर	1-7-2018 to 25-9-2018	140
4.	नि:शुल्क बीएमडी शिविर	25-9-2018	135
5.	नि:शुल्क शारदीय विरेचन शिविर	1-10-2018 to 30-10-2018	40
6.	नि:शुल्क रक्तमोक्षिण शिविर	11-10-2018 to 30-10-2018	30

पुरस्कार :

डॉ. गोपेश मंगल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर को आयुर्वेद क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु जनहित मंच तथा वैद्य कन्हैया लाल स्मृति आयुर्वेद संस्थान, जयपुर जयपुर द्वारा दिनांक 31-3-2019 को आयोजित पुरस्कार कार्यक्रम में वैद्य कन्हैया लाल मिश्रा अवार्ड से सम्मानीत किया गया ।

टी.वी. इन्टरव्यूज

- डॉ. गोपेश मंगल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा निम्नलिखित विषयों पर टी.वी. इन्टरव्यूज प्रसारित किये गये- (i) डीडी राजस्थान पर इन्टरव्यू(ii) पत्रिका टीवी पर इन्टरव्यू (iii) विरेचन कर्म पर रिकार्डिंग, NIOS (iv) LIV टीवी शो, NIOS (v) डेंगू पर चर्चा (vi) बालों की रखरखाव पर चर्चा (vii) सवाल-जवाब (viii) आयुर्वेद वार्ता
- डॉ. गोपेश मंगल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा स्वास्थ्य जागरुकता विषय पर चौपाल कार्यक्रम में वार्ता प्रसारित की गई ।

विविध गतिविधियाँ -

(i) डॉ. गोपेश मंगल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा विभाग द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविरों में तथा Most People Receiving Nasya Panchakarma Treatment Simultaneously के लिए गिनेज वर्ल्ड रेकार्ड में समन्वयक के रूप में कार्य किया गया ।

(ii) डॉ. सर्वेश कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा साइंस एवं इंजिनियरिंग रिसर्च बोर्ड हेतु दो रिसर्च प्रस्तावों का मूल्यांकन कार्य किया गया ।

(iii) डॉ. सर्वेश कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा नेशनल इनोवेशन फाउण्डेशन, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा वेलीडेशन ऑफ आऊटस्टेडिंग हर्बल प्रॅक्टिसेज थ्रू आयुर्वेदिक रुट पर गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया ।

(iv) अतिमहत्वपूर्ण व्यक्तियों जिनमें माननीय सांसद एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारीगण सम्मिलित है को पंचकर्म चिकित्सा उपलब्ध कराई गयी ।

****

प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग

परिचय : विभाग द्वारा पीएच.डी.(आयुर्वेद), स्नातकोत्तर (आयुर्वेद धन्वन्तरि), स्नातक (आयुर्वेदाचार्य) तथा आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का अध्यापन कराया एवं प्रशिक्षण दिया जाता है । आयुर्वेद धन्वन्तरि तथा आयुर्वेद विद्या वारिधी अध्येताओं के माध्यम से विभिन्न शोध-गतिविधियाँ सम्पन्न की जाती है । प्रसूति तंत्र में शरीर, गर्भ, गर्भिणी, प्रसव तथा सूतिका से सम्बन्धित प्राकृत एवं वैकृत कार्य तथा स्त्री रोग विज्ञान में रजोदर्शन और स्त्री जननांग सम्बन्धित रोग आदि के उपचार कार्य किये जाते हैं। विभाग की प्रसूति-इकाई द्वारा गर्भिणी महिलाओं की विभिन्न स्थितियों यथा गर्भिणी परीक्षण, गर्भिणी परिचर्या, प्रसव कर्म, सूतिका परिचर्या तथा महिला कल्याण के कार्य आयुर्वेद चिकित्सा एवं परिचर्या प्रदान कर सम्पन्न किये जाते हैं । विभाग द्वारा विभिन्न आयुर्वेदिक कर्म यथा - उत्तर बस्ति (योनिगत, गर्भाशयगत एवं मूत्राशयगत), क्षारकर्म, योनि-प्रक्षालन, पिचु, अनुवासन बस्ति, पोट्टली आदि महिला रोगियों पर उपचार के रूप में किये जाते हैं । विभिन्न शल्य कर्म यथा ई.बी., पॉलीपेक्टोमी, ट्यूबल लीगेशन, हिस्टेरेक्टॉमी (एब्डोमिनल एण्ड वैजीनल) तथा ऑपरेशन द्वारा प्रसव आदि किये जाते हैं तथा महिला रोगियों को परिवार नियोजन के उद्श्य से गर्भनिरोधक यथा कॉपर-टी उपयोग में लेने की सलाह प्रदान की गई ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर्स, 1 एसोसिएट प्रोफेसर, 1 असिस्टेन्ट प्रोफेसर, 1 लेक्चरार, 1 क्लिनीकल रजिस्ट्रार अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें । विभाग में 1 परामर्शक कार्यरत रहे ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक कार्य -

वर्ष के दौरान, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. के छात्रों एवं अध्येताओं को प्रसूति-स्त्री रोग विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

शोध कार्य -आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद धन्वन्तरि अध्येताओं ने शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. हिना मेवाद	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लीनीकल स्ट्डी ऑफ शतपुष्पा चूर्ण एण्ड पिपल्यादि चूर्ण विद अश्वगन्धा क्षीरपाक इन बन्ध्यत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फिमेल इन्फर्टिलिटी।
2.	डॉ. सुरेश कुमार	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑफ हिंग्वादि चूर्ण एण्ड रज:प्रवर्तनी वटी ऑन कष्टार्तव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रायमरी डिस्मेनोरिया ।
3.	डॉ. इन्द्रेश भास्कर	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्ट्डी ऑफ बिल्व मज्जा चूर्ण एण्ड कुस्तुम्बरी कल्क इन गर्भिणी छर्दि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इमेसिस ग्रेविडेरम ।
4.	डॉ. स्वाति आल्हा	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ कण्डूघ्न महाकषाय चूर्ण एण्ड कुटज घन वटी एलॉंग विथ 'हयमारादि तैल' आन अचरणा योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रुराइटिस वल्वी ।
5.	डॉ. रचना पोडेल	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑफ वासा घन एण्ड कुटकी घन इन द मैनेजमेंट ऑफ

		डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	असृग्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डी.यू.बी. ।
6.	डॉ. उत्पल देवबर्मा	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ शतावरी चूर्ण एण्ड गुडुच्यादि चूर्ण आन रजोनिवृत्तिअवस्था विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पोस्ट मिनोपोसल सिन्ड्रोम ।
7.	डॉ. सीमा पाण्डे	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्टडी टू एवेल्युएट द इफिकेसी ऑफ ज्योतिष्मत्यादि योग एण्ड माधुतैलिक बस्ति ऑन नष्टार्तव ।
8.	डॉ. अर्चना कुशवाह (पंचकर्म विभाग)	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ विरेचन एण्ड उत्तर बस्ति अलांग विथ योगबस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वन्धत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फीमेल इन्फर्टिलिटी ।
9.	डॉ. सुचिता (मौलिक सिद्धान्त विभाग)	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी ऑफ डायबेटिक पेशेन्ट्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिफरेन्ट टाईप्स ऑफ प्रमेह अकोर्डिंग टू दैयर प्रोग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद धन्वन्तरि के निम्नलिखित अध्येताओं के शोध कार्य जारी रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. मीमांसा	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विथ द्राक्षादि योग एण्ड कुटजाष्टक घन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्फंक्शनल यूटेराइन ब्लीडिंग : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ।
2.	डॉ. ज्योति जैन	डॉ. हेतल दवे एसोसिएट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ Nashtartava विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पोलीसिस्ट ओवेरियन सिन्ड्रोम (पीसीओएस) : ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रॉयल ।
3.	डॉ. सुभद्रा कर्की	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ श्वेत प्रदर विथ लोकल एप्लीकेशन ऑफ Shatahvadi योग एण्ड पलाशादियोग : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एबनार्मल वेजीनल डिस्चार्ज ।
4.	डॉ. नीतू सिंह	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ बन्ध्यत्व विथ काश्मर्यादि घृत एण्ड बलादि चूर्ण विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फीमेल इनफर्टिलिटी – ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ।
5.	डॉ. लक्ष्मी गुप्ता	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ आर्तव कषाय विथ Tilashelukarvi क्वाथ एण्ड Venuparvadi क्वाथ : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ।
6.	डॉ. विश्वनाथ सिंह टेकम	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ गर्भिणी पाण्डू विथ द्राक्षा घृत एण्ड लक्ष्मण लौह : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी।
7.	डॉ. रेनू चौधरी	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ हिंग्वादि चूर्ण एण्ड त्रिवृतादि तैल अनुवासन बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ क्षार्तवक्षय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्राईमरी

			डिस्मेनोरिया ।
8.	डॉ. मौशमी कुलहर	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एसेस एफिकेसी ऑफ पुनर्नवा मण्डूर विथ एण्ड विथआऊट शतावरी अवलेह इन गर्भिणी पाण्डू ।
9.	डॉ. प्रियंका हजारे	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ केबूका तैल एण्ड बला तैल योनि पिचु अलांग विथ बला तैल मात्रा बस्ति इन सुखप्रसव ।
10.	डॉ. रिचा तिवाड़ी	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अग्निकर्म एण्ड विरेचन कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कर्णिनी योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सरवाईकल इरोजन ।
11.	डॉ. संजू राव	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. सोनू वर्मा लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ भूमियाम्लकी चूर्ण एण्ड मधुक धृत मात्रा बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विस-ए-विस टू एब्नार्मल यूटेराईन ब्लिडिंग ।
12.	डॉ. सुमन कुमारी	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सोनू वर्मा लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ धातकी पुष्पादि योग एण्ड बलादि चूर्ण अलांग विथ अश्वगंधा घृत इन फीमेल इन्फर्टीलिटी ।
13.	डॉ. टेगू	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	टू एवेल्यूएट द् रोल ऑफ विरेचन कर्म अलांग विथ कंचनार वारुण घन वटी इन गर्भाशय अर्बुद विथ स्पेशियल रेफरेन्ट टू यूटराईन फाइब्रोईड ।
14.	डॉ. उषा कुमारी	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. सोनू वर्मा लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ लोध्र चूर्ण विथ कृष्ण तैल क्वाथ एण्ड शटपुष्प तैल मात्रा बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्तवकषाय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पोलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम ।
15.	डॉ. स्वाति मलसारिया	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड सिंगल ब्लाईण्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ बलातेल एण्ड तिलतेल योनि पिचु एण्ड मात्रा बस्ति इन सुखप्रसव ।
16.	डॉ. शाल्वी शर्मा	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. पूनम लेक्चरर	रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रॉयल ऑन द् एफिकेसी ऑफ षठपुष्प चूर्ण एण्ड मधुतेलीका वस्ति इन नष्टार्तव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पोलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम ।

17.	डॉ. कोमल गुज्जर	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ चरकोक्त रेजीमेन इन सूतिकापरिचर्या - प्रूफ ऑफ कन्सेप्ट स्ट्डी ।
18.	डॉ. पूनम कुमारी	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सोनू वर्मा लेक्चरर डॉ. पूनम लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड ऑपन लेबल कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ शटपुष्पकल्प विथ शटपुष्पपाटिलमात्राबस्ति एण्ड तिकशेलूकार्विक्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्तवक्षय ।
19.	डॉ. खुशबू झा	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. सोनू वर्मा लेक्चरर	रोल ऑफ कुटजाष्ठकलेह इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डी.यू.बी. - ए प्रूफ ऑफ कन्सेप्ट स्ट्डी।
20.	डॉ. प्रतिमा	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. पूनम लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अग्निकर्म एण्ड विरेचन कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कर्णिनी योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सरवाईकल इरोजन ।
21.	डॉ. सुमन साहु	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल ट्रॉयल ऑन द् रोल ऑफ अश्वगंधाघृत ओरेली एण्ड शुद्ध बलातेलोत्तरबस्ति इन बन्ध्यत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एनोवूलेशन ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण हुये -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. खुशबू जैन	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लीनीकल स्ट्डी ऑफ शोणितस्थापन महाकषाय एण्ड बोलबद्ध रस इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिफंक्शनल यूटेराईन ब्लीडिंग ।
2.	डॉ. प्रियंका शर्मा	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लीनीकल स्ट्डी ऑफ विजयादि वटी एण्ड कुबेररक्षादि वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्तवक्षय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्राईमरी डिस्मेनोरिया ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. हेतल दवे	प्रो. के. भारती	रोल ऑफ रजस्वला चर्या ऑन डिफरेन्ट पेटर्नस् ऑफ मेंस्ट्रल साइकिल ।
2.	डॉ. सोनू	प्रो. के. भारती प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ नागकेसर चूर्ण एण्ड कुटकी चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिफंक्शनल यूटेराईन ब्लीडिंग ।

3.	डॉ. संध्या	प्रो. के. भारती प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल क्लिनीकल ट्रायल ऑफ धात्रीलौह विथ द्राक्षाघृत एण्ड आईरन फोलीक एसिड टेबलेट्स इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गर्भणीपाण्डू ।
4.	डॉ. पिंकी चौहान	प्रो. के. भारती प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ शोथहर महाकषाय योग एण्ड पंचवल्लकादि योग विथ द् कोरेस्पोडिंग तेल पिचु इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पारीलुप्ता योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पेल्विक इन्फलेमेटरी डिज़िज ।
5.	डॉ. सुशीला चौधरी	प्रो. के. भारती प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ शतपुष्पचूर्ण एण्ड चतुरबीज चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ नाशार्त्तव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पॉलिसिस्टक ओवेरियन सिंड्रोम ।
6.	डॉ. सोनिका पाल	प्रो. के. भारती प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ कन्यालौहादि वटि इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ क्षार्त्तव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्राईमरी डिस्मेनोरिया ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, अध्यापकों द्वारा निम्नलिखित शोध किये गये –

क्र.सं.	प्रधान अनुसंधानकर्ता	सह-अनुसंधानकर्ता	शिर्षक
1.	प्रो. के. भारती प्रोफेसर	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. विरेन्द्र कुमार डॉ. सुमन जैन परामर्शक	पापूलेशन बेस्ड सर्वाइकल कैसन स्क्रिनिंग प्रोग्राम ।
2.	प्रो. के. भारती प्रोफेसर	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	ए टेन आर्म रेण्डोमाइज्ड डबल ब्लाईंड क्लिनीकल ट्रायल ऑन वूण्ड हिलिंग प्रोपर्टी ऑफ हर्बल ड्रग्स इन एपिसिओटोमी वूण्ड ।

चिकित्सकीय कार्य –

विभाग के द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई। विभाग के अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित/अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित किये गये चल चिकित्सा शिविरों में अपनी सेवायें दी गई ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, स्त्री रोग, प्रसूति तंत्र आदि से सम्बन्धित विभिन्न रोगियों का निम्नलिखित आयुर्वेदिक कर्मो यथा उत्तर बस्ति, क्षार कर्म, योनिप्रक्षालन, पिचु, अनुवासन बस्ति, पोटली आदि द्वारा सगर्भा, गर्भाशय मुखगत व्रण, फलीनी, बन्ध्यत्व, गर्भाशय भ्रंश, श्वेतप्रदर, कर्णिनी योनिव्यापद, आचरण, मूत्रकृछ, श्रोणीशोथ के रोगियों का विभाग द्वारा उपचार किया गया । आलोच्य वर्ष के दौरान विभिन्न व्याधियों यथा अनार्तव, आर्तवक्षय, आर्तवदुष्टी, श्वेतप्रदर, रक्तप्रदर, बन्ध्यत्व, गर्भाशय भ्रंश, गर्भाशय अर्बुद, गर्भाशय शोथ, बीजग्रन्थिजन्य सिस्ट (ओवेरियन सिस्ट), श्रोणिशोथ (श्रोणि-प्रदेश से सम्बन्धि विकारों) तथा रज:कृच्छ से पिड़ित रोगियों की चिकित्सा की गई । महिलाओं हेतु विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियाँ आयोजित की गई । 9168 आयुर्वेदिक कर्म निष्पादित किये गये :-

क्र.सं.	कर्म	योग
1.	अनुवासन बस्ति/मात्रा बस्ति	1623
2.	निरुह बस्ति	450
3.	उत्तर बस्ति	293
4.	मधुतैलिक बस्ति	130
5.	योनि प्रक्षालन	1692
6.	क्षार कर्म	84
7.	अवचरणन	114
8.	भ्रंश में स्नेहन-स्वेदन	131
9.	पिचु	2568
10.	पोटली	166
11.	योनि लेपन	649
12.	योनि पूरण/कल्क धारण	112
13.	योनि प्लोटा	263
14.	घृत पान	56
15.	स्तन-अभ्यंग	27
16.	स्तन-लेपन	67
17.	स्तन-प्रक्षालन	2
18.	योनि वर्ति	143
19.	योनि धूपन	460
20.	उदर-लेपन/अभ्यंग	61
21.	उदरवस्तन	21
22.	स्थानिक अभ्यंग	48
	योग :	**9168**

आलोच्य वर्ष के दौरान, विभाग द्वारा कराये गये सामान्य प्रसव एवं शल्य कर्मो की संख्या निम्न प्रकार से है:-

क्र.सं.	कर्म	कर्मो की संख्या
1.	सामान्य प्रसव	88
2.	एलएससीएस	41
3.	कॉपर-टी इनसर्शन/रिमूवल	36
4.	हीस्ट्रेकटॉमी	9
5.	अन्य	39

प्रकाशन -

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. के. भारती	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्ट्डी	आयुषधारा

	प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसिएट प्रोफेसर	ऑफ बिल्व मज्जा चूर्ण एण्ड कुस्तुम्बरी कल्क इन गर्भिणी छर्दि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इमेसिस ग्रेविडेरम ।	सितम्बर–अक्टूबर 2018 वॉल. 5, इश्यू 5
2.	प्रो. के. भारती प्रोफेसर	पोलीसिस्ट ओवेरियन डिज़िज –एन आयुर्वेदिक परस्पेक्टिव ।	जर्नल ऑफ बायोलोजिकल एण्ड साइन्टिफिक ऑपीनियन वाल्यूम 6(5), 2018
3.	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसिएट प्रोफेसर	फार्मास्युटिकल स्ट्डी ऑफ अपामार्ग क्षार टू एन्हान्स द् येल्ड बाई मोडिफाइड मॅथड ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जन.–मार्च 2018 ISSN 2321-0435.
4.	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एवीडेन्स बेस्ड कन्सेप्चुअल रिव्यू टू एलीसिट द् प्रोग्नोसिस ऑफ प्रमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डी.एम. ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अप्रैल–जून 2018 ISSN 2321-0435
5.	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इफक्ट ऑफ कण्डूघ्न महाकषाय चूर्ण विथ हयमारादि तैल पिचु इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अचरणा योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रुराइटिस वल्वी – ए केस स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जुलाई–सितम्बर 2018 ISSN 2321-0435
6.	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑन क्षार्त्तव (प्राईमरी डिस्मेनोरिया) थ्रू दशमूल क्वाथ – ए रिव्यू आर्टिकल ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड आयुर्वेद रिसर्च ISSN; 2347-6362
7.	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ काशमर्यादि घृत उत्तर बस्ति इन फिमेल इन्फर्टिलिटी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च आयुर्वेद फार्मा 2018; 10(1)
8.	डॉ. पूनम चौधरी लेक्चरार	पीसीओएस – एन एप्रोच टू इट्स इटिओपॅथोजेनिसिस इन आयुर्वेदिक पार्लेन्स पब्लिशड् इन जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड होलीस्टिक मेडिसिन।	जेएएचएम वाल. 7, नं. 1 (2019) ISSN:2321-1563.

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता एवं पत्र प्रस्तुतिकरण –

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
1.	प्रो. के. भारती डॉ. बी. पुष्पलता डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू डॉ. पूनम चौधरी डॉ. विजेन्द्र कुमार	विभाग द्वारा 22 जून 2018 को आयोजित कोलपोस्कोपी विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
2.	प्रो. के. भारती डॉ. बी. पुष्पलता डॉ. हेतल एच दवे	संस्थान द्वारा 6–8 अगस्त 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला में भाग लिया गया ।

	डॉ. सोनू डॉ. पूनम चौधरी डॉ. विजेन्द्र कुमार	
3.	प्रो. के. भारती डॉ. बी. पुष्पलता	संस्थान में 25 अक्टूबर 2018 को गल्फ हैल्थकेयर द्वारा आयोजित सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।
4.	प्रो. के. भारती	आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एवं राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, पपरोला, हिमाचल प्रदेश के स्त्री रोग एवं प्रसूतितंत्र विभाग द्वारा स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विषयगत 29 अक्टूबर से 3 नवम्बर 2018 तक आयोजित सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।
5.	प्रो. के. भारती डॉ. बी. पुष्पलता डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू डॉ. पूनम चौधरी डॉ. विजेन्द्र कुमार	संस्थान द्वारा 24-25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया।
6.	प्रो. के. भारती डॉ. बी. पुष्पलता डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू डॉ. पूनम चौधरी	संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डायग्नोसिस एवं मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला में भाग लिया गया ।
7.	प्रो. के. भारती डॉ. बी. पुष्पलता डॉ. पूनम चौधरी	संस्थान द्वारा 6-8 अगस्त 2018 को आयोजित टीचिंग मेथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला में भाग लिया गया ।
8.	प्रो. के. भारती डॉ. बी. पुष्पलता डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू डॉ. पूनम चौधरी	संस्थान द्वारा 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित नाड़ी परीक्षा एवं पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन समारोह में भाग लिया गया ।
9.	प्रो. के. भारती	डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 1-3 फरवरी 2019 को आयोजित मदर एण्ड चाइल्ड हैल्थ केयर थ्रू आयुर्वेद - कौमारकोन 2019 - विषयक इन्टरनेशनल संगोष्ठी ।
10.	प्रो. के. भारती डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू	संस्थान के पंचकर्म विभाग द्वारा 5-6 मार्च 2019 को आयोजत सीएमई-कम-ट्रेनिंग प्रोग्राम ।
11.	प्रो. के. भारती डॉ. बी. पुष्पलता डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू डॉ. पूनम चौधरी	संस्थान के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा 6 मार्च 2019 को आयोजित पीसीओएस विषयगत सीएमई कार्यक्रम ।
12.	डॉ. बी. पुष्पलता डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू डॉ. पूनम चौधरी	संस्थान द्वारा 23 अक्टूबर 2018 को आयुर्वेद की महिला चिकित्सकों हेतु आयोजित आयुर्वेद कौशलम विषयक कार्यक्रम ।
13.	डॉ. बी. पुष्पलता	महात्मा गांधी आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय, चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र, वर्धा द्वारा 3-4 जनवरी 2019 को आयोजित मदर एण्ड चाइल्ड

		हैल्थ केयर थ्रू आयुर्वेद – वातसल्यम 2019 – विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।
14.	डॉ. बी. पुष्पलता	डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 1–3 फरवरी 2019 को आयोजित मदर एण्ड चाइल्ड हैल्थ केयर थ्रू आयुर्वेद – कौमारकोन 2019 – विषयक इन्टरनेशनल संगोष्ठी ।
15.	डॉ. बी. पुष्पलता	आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा 14–16 मार्च 2019 को आयोजित WACBHU-2019 विषयक संगोष्ठी ।
16.	डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू	संस्थान के पंचकर्म विभाग द्वारा एटर्नल होस्पीटल के सहयोग से 22 जनवरी 2019 को आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।
17.	डॉ. हेतल एच दवे	विश्व आयुर्वेद परिषद, रोहतक शाखा, रोहतक, हरियाणा द्वारा 3 मार्च 2019 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ लाईफ स्टाईल डिस्आर्डर एण्ड इन्सटान्ट पैन मैनेजमेन्ट थ्रू मर्म चिकित्सा विषयक राज्य स्तरीय सम्मेलन ।
18.	डॉ. हेतल एच दवे	अहमदाबाद में 14–17 दिसम्बर 2018 को आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस 2018 ।
19.	डॉ. हेतल एच दवे	बाबा मस्त नाथ विश्विद्यालय, रोहतक द्वारा 29–31 अक्टूबर 2018 को आयोजित आयुर्वेद विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
20.	डॉ. हेतल एच दवे	संस्थान द्वारा 3–5–2018 को आयोजित कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
21.	डॉ. हेतल एच दवे	बाबा खेतनाथ राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, पाटिकरा, नारनौल द्वारा 20–27 मार्च 2018 को आयोजित कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
22.	डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू	संस्थान द्वारा एटर्नल होस्पीटल के सहयोग से 19 फरवरी 2019 को आयोजित रिसेन्ट एडवान्सेज रुमाटोलोजी एण्ड क्लिनीकल इम्यूनोलोजी विषयक सीएमई कार्यक्रम ।
23.	डॉ. सोनू	उज्जैन स्थित भारत माता मन्दिर द्वारा 16–17 जून 2018 को आयोजित आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।
24.	डॉ. सोनू	विभाग द्वारा 22 जून 2018 को आयोजित कोलपोस्कोपी विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
25.	डॉ. सोनू	संस्थान द्वारा 15–16 फरवरी 2019 को आयोजित फार्मेकोविजीलेंस विषयक सीएमई कार्यक्रम ।
26.	डॉ. सोनू	संस्थान के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा 6 मार्च 2019 को आयोजित पीसीओएस विषयगत सीएमई कार्यक्रम ।
27.	डॉ. पूनम चौधरी	आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एवं राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, पपरोला, हिमाचल प्रदेश के स्त्री रोग एवं प्रसूतितंत्र विभाग द्वारा स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विषयगत 29 अक्टूबर से 3 नवम्बर 2018 तक आयोजित सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।

अध्यापकों द्वारा संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों में दिये गये अतिथि व्याख्यान –

क्र.सं.	संकाय सदस्य	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
प्रो. के. भारती, प्रोफेसर		
1.		राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, पपरोला, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित सीएमई कार्यक्रम में दिये गये व्याख्यान –1. नार्मल एवं एब्नार्मल सूतिका, 2. कॉन्ट्रासेप्टिव्स, 3.

	रिप्रोडक्टिव एण्ड चाइल्ड हैल्थ प्रोग्राम ।
2.	डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 1-3 फरवरी 2019 को आयोजित मदर एण्ड चाइल्ड हैल्थ केयर थ्रू आयुर्वेद - कौमारकोन 2019 - विषयक इन्टरनेशनल संगोष्ठी में स्टेण्डर्डाजेशन ऑफ स्थानिक चिकित्सा विषयक व्याख्यान दिया गया ।
प्रो. सुशीला शर्मा, प्रोफेसर	
3.	डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 1-3 फरवरी 2019 को आयोजित मदर एण्ड चाइल्ड हैल्थ केयर थ्रू आयुर्वेद - कौमारकोन 2019 - विषयक इन्टरनेशनल संगोष्ठी में वूमन हैल्थकेयर थ्रू आयुर्वेद विषयक व्याख्यान दिया गया ।
4.	संस्थान के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा 6 मार्च 2019 को आयोजित पीसीओएस विषयगत सीएमई कार्यक्रम में एक्सपीरियन्स ऑफ ट्रीटमेन्ट ऑफ पीसीओएस विषयक रिसोर्स पर्सन के रूप में व्याख्यान दिया गया ।
डॉ. हेतल एच. दवे, असिस्टेन्ट प्रोफेसर	
5.	राजस्थान पत्रिका द्वारा जयपुर में 17-3-2019 को आयोजित कार्यक्रम में इफेक्ट ऑफ थायरोइड एण्ड डायबिटिक विषयक व्याख्यान दिया गया ।
6.	संस्थान द्वारा 30-8-2018 से 1-9-2018 तक विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों हेतु आयोजित पुर्नप्रशिक्षण कार्य में व्याख्यान दिया गया ।
7.	गुजरात आयुर्वेद कन्वेंशनल हॉल में 15-12-2018 को आयोजित कार्यक्रम में स्त्री स्वास्थ्य संरक्षण थ्रू आयुर्वेद विषयक व्याख्यान दिया गया ।
8.	गुजरात आयुर्वेद कन्वेंशनल हॉल में आयोजित कार्यक्रम में एक्सपीरियन्स्स ऑन ट्रीटमेन्ट ऑफ पीसीओएस विषयक व्याख्यान दिया गया ।
9.	विश्व आयुर्वेद परिषद, एनआईए ब्रांच, जयपुर द्वारा 22-3-2019 को आयोजित व्याख्यान माला के अन्तर्गत हेतु विपरित चिकित्सा एण्ड गायनेकोलोजिकल डिस्आर्डर्स विषयक व्याख्यान दिया गया ।
10.	जयपुर के जयसिंहपुरा स्थित रोहित पब्लिक स्कूल में मैनोपाज एण्ड ब्रेस्ट - सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस विषयक व्याख्यान दिया गया ।
11.	संस्थान द्वारा 23-10-2018 को आयोजित आयुर्वेद कौशलम 2018 विषयक कार्यक्रम में प्रीवेंशन एण्ड थेरेप्युटिक मैनेजमेन्ट ऑफ गायनेकोलोजिकल डिस्आर्डर्स विषयक व्याख्यान दिया गया ।
12.	राजकीय विद्यालय, जाजोलाई की तलाई, आमेर, जयपुर में 9-3-2019 को पारंम्परिक भोजन एवं जल ग्रहण सम्बन्धि नियम विषयक व्याख्यान दिया गया ।
13.	राजकीय विद्यालय, जाजोलाई की तलाई, आमेर, जयपुर में 9-3-2019 को रजस्वलाचर्या का महत्त्व विषयक व्याख्यान दिया गया ।
14.	आयुर्वेद दिवस के अवसर पर राजकीय स्कूलों में 4 व्याख्यान दिये गये ।
15.	विश्व आयुर्वेद परिषद, एनआईए ब्रांच द्वारा आयोजित व्याख्यान माला में एकातेन गर्भम अभिनिर्यति (6-4-2018) एवं ओवेरियन सिस्ट - ए केस स्ट्डी (31-8-2018) विषयक व्याख्यान दिये गये ।
16.	विश्व आयुर्वेद परिषद, रोहतक शाखा, रोहतक, हरियाणा द्वारा 3-9-2018 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ लाईफ स्टाईल डिस्आर्ड एण्ड इन्सटान्ट पैन मैनेजमेन्ट थ्रू मर्म चिकित्सा विषयक राज्य स्तरीय सम्मेलन में ओवेरियन सिस्ट एण्ड आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट विषयक व्याख्यान दिया गया ।
डॉ. सोनू, लेक्चरर	
17.	स्वास्थ्य कल्याण ग्रुप ऑफ इन्सटीट्यूशन नर्सिंग यूनिट, सीतापुरा, जयपुर द्वारा 15-3-2019 को आयोजित कार्यक्रम में पोषण ऑफ मैनोपाजल वूमन विषयक व्याख्यान दिया गया ।
डॉ. पूनम चौधरी, लेक्चरर	

18.	रोहित पब्लिक स्कूल, जयसिंहपुरा खोर, जयपुर में 23-3-2019 को रजस्वलाचर्या विषयक व्याख्यान दिया गया ।
19.	संस्थान के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा 6 मार्च 2019 को आयोजित पीसीओएस विषयगत सीएमई कार्यक्रम में पीसीओएस - एक परिचय विषयक व्याख्यान रिसोर्स पर्सन के रूप में दिया गया।
20.	विश्व आयुर्वेद परिषद, जयपुर द्वारा 1-2-2019 को आयोजित कार्यक्रम में पॅथोजेनेसिस ऑफ पीसीओएस : मल्टीफेक्टोरियल असेस्मेन्ट फ्राम फेटल स्टेज टू मैनोपॉज विषयक व्याख्यान दिया गया।
21.	इन्सटीट्यूट ऑफ मेडिकल टेक्नोलॉजी एण्ड नर्सिंग एज्यूकेशन, जयपुर द्वारा 15-3-2019 को आयोजित कार्यक्रम में न्युट्रिशन इन एडोलसेन्ट गर्ल्स थ्रू आयुर्वेद विषयक व्याख्यान दिया गया ।
22.	कनोड़ीया स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, जयपुर द्वारा जवाहर नगर, जयपुर स्थित कच्ची बस्ती में आयोजित एनएसएस शिविर में 21-12-2018 को मेनुस्ट्रूअल हाइजिन एण्ड ब्रेस्ट एग्जामिनेशन विषयक व्याख्यान दिया गया ।

संगोष्ठियों में छात्रों द्वारा पत्र प्रस्तुतिकरण -

संगोष्ठियों में छात्रों द्वारा पत्र प्रस्तुतिकरण	
संगोष्ठी:	डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 1-3 फरवरी 2019 को आयोजित मदर एण्ड चाइल्ड हैल्थ केयर थ्रू आयुर्वेद - कौमारकोन 2019 - विषयक इन्टरनेशनल संगोष्ठी ।
प्रस्तुतीकरण:	
1. डॉ. सुशीला चौधरी, पथ्य-अपथ्य इन पोलीसिस्ट ओवेरियन सिंड्रोम ।	
2. डॉ. पिंकी चौधरी, क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ पलाशादि वर्ति इन द् मैनेजमेन्ट आ्र पिच्छिल योनि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एब्नोर्मल वेजिनल डिस्चार्ज ।	
3. डॉ. मीमांसा, कन्सेप्ट ऑफ प्रीकन्सेप्शनल केयर एण्ड गर्भिणी परिचर्या इन आयुर्वेद ।	
4. डॉ. लक्ष्मी, गर्भिणी परिचर्या (एन्टीनेटल केयर) - एन आयुर्वेदिक रिव्यू ।	
5. डॉ. ज्योति, आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ इपीसिओटोमी वूण्ड - ए सिंगल केस स्ट्डी ।	
6. डॉ. रिचा तिवाड़ी, ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अपामार्ग क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ सर्वाइकल इरोजन - ए केस सीरिज ।	
7. डॉ. मौशमी कुलहारे, रिव्यू ऑन रिसर्च वर्क ऑन गर्भिणी पाण्डू ।	
8. डॉ. खुशबू, प्रमोशन ऑफ आयुर्वेद इन सेफ मदरहुड ।	
संगोष्ठी :	आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा 14-16 मार्च 2019 को आयोजित WACBHU-2019 विषयक संगोष्ठी ।
प्रस्तुतिकरण :	
9. डॉ. संध्या रव, रोल ऑफ फिजियोलोजिकल फेक्टर इन प्री-कन्सप्शनल केयर थ्रू आयुर्वेद फॉर हैल्दी प्रेग्नेंसी ।	
10 डॉ. मीमांसा, पथ्यापथ्य इन मैनेजमेन्ट ऑफ गायनेकोलोजिकल डिस्आर्डर्स - ए रिव्यू ।	
संगोष्ठी:	अहमदाबाद में 14-17 दिसम्बर 2018 के दौरान आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस ।
प्रस्तुतिकरण :	
11. डॉ. मीमांसा, क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ कैयांक घृत इन वन्ध्यत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओवेरियन फेक्टर ।	
12. डॉ. ज्योति जैन, पोस्टर मैनेजमेन्ट आूफ हाइपोथायरोइड रिलेटेड सैकण्डरी अमेनोरिया - ए सिंगल केस स्ट्डी ।	

संगोष्ठी : पं. डॉ. शिवशक्ति लाल शर्मा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, रतलाम द्वारा आयोजित अन्वेषण 2018 विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । प्रस्तुतिकरण : 13. डॉ. लक्ष्मी गुप्ता, पथ्य-अपथ्य इन उदररोग ।
अध्येताओं द्वारा लेख प्रकाशन
डॉ. सुशीला चौधरी, पोलीसिस्टिक ओवेरियन डिज़िज : एन आयुर्वेदिक परस्पेक्टिव, जर्नल ऑफ बायोलोजिकल एण्ड साइन्टिफिक ऑपिनीयन, वाल्यूम 6 (5), 2018.

चल चिकित्सा शिविर -विभाग के अध्यापकों द्वारा विभाग द्वारा जयपुर शहर एवं इसके आस-पास के क्षेत्र में रोगियों के स्वास्थ्य लाभ हेतु आयोजित निम्नलिखित चल चिकित्सा शिविरों में भाग लिया गया ।

क्र.सं.	चिकित्सक का नाम	स्थान	तिथी
1.	डॉ. बी. पुष्पलता	ग्राम जयसिंह पुरा खोर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	21.04.2018
2.	डॉ. हेतल एच दवे	ग्राम आमेर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	28.04.2018
3.	डॉ. विजेन्द्र कुमार	ग्राम जयसिंह पुरा खोर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	14.05.2018
4.	प्रो. के. भारती डॉ. हेतल एच दवे डॉ. बी. पुष्पलता	ग्राम गुरुकृपा भवन, माधोपुर, सीकर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	15.4.2018
5.	डॉ. विजेन्द्र कुमार	ग्राम आमेर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	26.05.2018
6.	डॉ. बी. पुष्पलता	ग्राम जयसिंह पुरा खोर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	30.06.2018
7.	डॉ. पूनम चौधरी	ग्राम आमेर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	14.07.2018
8.	डॉ. पूनम चौधरी	ग्राम जयसिंह पुरा खोर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	28.07.2018
9.	डॉ. सोनू वर्मा	ग्राम आमेर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	11.08.2018
10.	डॉ. विजेन्द्र कुमार	ग्राम जयसिंह पुरा खोर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	25.08.2018
11.	डॉ. बी. पुष्पलता	नाई की थड़ी, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	08.09.2018
12.	प्रो. के. भारती	ग्राम आमेर, जयपुर ।	22.09.2018
13.	डॉ. हेतल एच दवे	ग्राम जमवारामगढ़, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	24.09.2018
14.	डॉ. हेतल एच दवे	अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	06.10.2018
15.	डॉ. बी. पुष्पलता	नाई की थड़ी, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	13.10.2018

16.	डॉ. पूनम चौधरी	ग्राम जयसिंह पुरा खोर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	25.10.2018
17.	डॉ. बी. पुष्पलता	नाई की थड़ी, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	10.11.2018
18.	डॉ. विजेन्द्र कुमार	ग्राम जयसिंह पुरा खोर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	25.01.2019
19.	डॉ. बी. पुष्पलता	लालवास बांध, रामगढ़ रोड़, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	09.02.2019
20.	प्रो. के. भारती डॉ. विजेन्द्र कुमार	ग्राम जयसिंह पुरा खोर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	23.02.2019
21.	डॉ. पूनम चौधरी	ग्राम जयसिंह पुरा खोर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	25.03.2019

विभागीय संगोष्ठियाँ –विभाग के छात्रों द्वारा निम्नलिखित संगोष्ठियों में सक्रियता से भाग लेकर अपने शोध कार्य को कर्मचारियों एवं छात्रों के समक्ष प्रस्तुत किया गया । इन अवसरों पर अतिमहत्वपूर्ण व्याख्यान भी आयोजित किये गये –

क्र.सं.	शिर्षक	तिथि
1.	Thesis presentation on Asrigdra	27-4-18
2.	Thesis presentation on Infertility	27-4-18
3.	Thesis presentation on Acharna	27-4-18
4.	Thesis presentation on Nashtartva	28-4-18
5.	Thesis presentation on Rajonivrti Avastha	01-5-18
6.	Thesis presentation on Kashtartava	02-5-18
7.	Thesis presentation on Garbhini Chhardi	04-5-18
8.	Presentation on PIH	08-5-18
9.	presentation on Preeclampsia	15-5-18
10.	presentation on Garbhakar bhava	22-5-18
11.	Critical Obstetric Care-1	05-6-18
12.	A case presentationon PCOS	08-6-18
13.	Critical Obstetric Care-2	12-6-18
14.	Critical Obstetric Care-3	19-6-18
15.	Critical Obstetric Care-4	26-6-18
16.	Thesis presentation on Kashtartava	28-6-18
17.	Decision macking Techniques Diagnosis and Management of Surgical Procedures Part-1	3-7-18
18.	Decision Making Techniques -Diagnosis and Management of Surgical Procedures Part-2	11-7-18
19.	Provisions of Safe Abortion Services	17-7-18
20.	A Case Presentation on Primary Infertility	20-7-18
21.	Infertility- Modern	24-7-18
22.	Infertility- Ayurveda	3-8-18
23.	Applied Anatomy of Internal Genitalia	7-8-18
24.	Applied Anatomy of External Genitalia	28-8-18
25.	Applied Physiology of Menstrual Cycle	21-8-18

26.	A case presentation on Garbhini pandu	31-8-18
27.	Diagnosis Techniques used in Gynecology	8-9-2018
28.	Diagnosis Techniques used in Obstetrics	11-9-2018
29.	Pathological and Biochemical investigations used in obstetrics	18-9-2018
30.	Infection in Pregnancy (Part1)	22-9-2018
31.	Recurrent Abortion	09-10-2018
32.	Diagnostic Techniques in obstetrics	13-10-18
33.	Pathological and Biochemical investigations used in Obstetrics	20-10-18
34.	Basics of Monitoring of Partograph	23-10-2018
35.	Diagnosis and Management of Artavavyapad	6-11-2018
36.	Rh-Incompatibility with Applied Aspect	1-12-18
37.	Previous Research Work Done on Artavakshaya	4-12-18
38.	Recurrent Abortion	8-12-18
39.	Yonivyapad Chikitsa	18-12-18
40.	Case Presentation on Thalessemia	2-2-19
41.	Yonivyapad	5-1-19
42.	Case Study on Cystocele with Second Uterine Prolapse	8-1-19
43.	HIV, HBsAg and Syphilis in pregnancy	12-1-19
44.	Charaka Sharira -8 Jatisutriya Adhyaya	15-1-19
45.	Aneamia in pregnancy	19-1-19
46.	Sushruta Samhita Adhyay-3 (Garbhavakranti sharira)	22-1-19
47.	Genitourinary Problems in gynecology -Part-1	13-2-19
48.	Intra Uterine Fetal Retardation	16-2-19
49.	Astang hridaya sharira-1 (Garbhavakranti)	19-2-19
50.	A case presentation on Mastitis	23-2-19
51.	A case presentation (Pregnancy with Previous LSCS)	2-3-19
52.	Preterm Labor	9-3-19
53.	Role of Kutajashtakleha in the Management of Asrigdara w.s.r. to Abnormal Uterine Bleeding: A Proof of Concept Study.	14-3-19
54.	A Randomized Single Blind Comparative Clinical Study of Balataila and Tila Taila Uonipichu and Matra Basti in Sukhprasav.	15-3-19
55.	A Randomized Control Trial on the Efficacy of Shatapushpa Churna and Madhutailika Vasti in Nashtartava w.s.r. to Polycystic Ovarian Syndrome.	18-3-19
56.	A Randomized Controlled Clinical Trial on the Role of Ashwagandha Ghrita Orally and Shuddha Bala Taila Uttaravasti in Vandhyatwa with special reference to Anovulation.	19-3-19
57.	A Clinical Study on the Role of Charkokta Regimen in Sutika Paricharya; Proof of Concept Study.	25-3-19

अन्य गतिविधियाँ –

ए) निकटस्थ स्वास्थ्य सेवा सुविधाऐं –

- विभाग द्वारा स्वास्थ्य सेवा सुविधाऐं उपलब्ध कराने हेतु दो अर्द्ध शहरी क्षेत्रों यथा जयसिंहपुरा खोर एवं आमेर ग्रामों को गोद लिया है । इन दोनों ग्रामों में प्रत्येक माह नियमित रूप से स्वास्थ्य देखभाल सम्बन्धित सेवाऐं एवं नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किये जा रहे है ।
- इन दोनों ग्रामों अक्टूबर 2018 से गर्भाशय कैंसर की स्क्रिनिंग हेतु सर्वे किया जा रहा है तथा इसके लिए आईईसी से अनुमोदन प्राप्त हो गया है ।

बी) सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता अभियान –

- विभाग द्वारा बहिरंग रोगी विभाग में महिला रोगियों में जागरूकता फैलाने हेतु 18 अक्टुबर 2018 को स्तन कैंसर जागरुकता माह मनाया गया ।
- आयुर्वेद दिवस समारोह के क्रम में जयपुर जयसिंहपुरा खोर ग्राम में स्कूल विद्यार्थियों के साथ स्तन कैंसर के प्रति जागरुकता लाने हेतु एक रैली का आयोजन किया गया ।
- भारत सरकार के पोषण अभियान के तहत 8 से 22 मार्च 2019 तक पोषण पखवाड़ा मनाया गया । इस कार्यक्रम में अतिथि व्याख्यान एवं नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गय ।
- संस्थान के बहिरंग रोगी विभाग में सोल्यूमिक्स हर्बेस्यूटिकल्स लिमिटेड़ के सहयोग से 7-3-2019 को रक्ताल्पता हेतु महिलाओं की स्क्रिनिंग की गई ।
- आईईसी मेटेरियल – गर्भिणी परिचर्या एवं स्तन कैंसर सम्बन्धित आईईसी मेटेरियल विकसित किया गया।

सी) विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गयी सेवाऐं –

विभाग द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ चलाई जा रही है –

1. गर्भ संस्कार क्लिनीक – प्रत्येक बुधवार को पूर्व-गर्भधारण और पूर्व-प्रसव के मामलों की विशेष देखभाल हेतु विशिष्ठ क्लिनीक का आयोजन किया जाता है ।
2. नैदानिक प्रक्रियाऐं – कोलोस्कोपी एवं एचएसजी ।
3. उपचारात्मक प्रक्रियाएं – इलेक्ट्रिक कॉटरराइजेशन, योनिधुपन और अग्निकर्म ।

विविध गतिविधियाँ– विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई –

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	विभिन्न गतिविधियाँ
1.	प्रो. के. भारती प्रोफेसर	• आयोजन सचिव, स्तन कैंसर जागरूकता रैली । • आयोजन सचिव, कोलोस्कोपी कार्यशाला । • आयोजन सचिव, पोलीसिस्ट ओवेरियन डिज़िज विषयक सीएमई कार्यक्रम। • एनआईई, आईसीएमआर से हैल्थ रिसर्च फण्डामेन्टल्स विषयक ई-सर्टिफिकेट कोर्स पूर्ण किया । • सदस्य, इंडियन साइन्स काँग्रेस एसोसिएशन । • दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा बाह्य परीक्षक नियुक्त किये गये ।
2.	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसिएट प्रोफेसर	• एनआईई, आईसीएमआर से हैल्थ रिसर्च फण्डामेन्टल्स विषयक ई-सर्टिफिकेट कोर्स पूर्ण किया । • पीएच.डी. जारी रही । • वर्धा में आयोजित वात्सल्यम-2019 संगोष्ठी के अध्यक्ष । • प्रभारी, प्रसवगार । • प्रभारी, शैक्षणिक(प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग)
3.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	• राजस्थान पत्रिका में 24-3-2019 को इफेक्ट ऑफ थायरोइड एण्ड डायबिटिक ऑन प्रॅग्नेन्ट लेडी विषयक लेख प्रकाशन । • दैनिक भास्कर में 24-5-2018 को रोल ऑफ बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ इन्फर्टिलिटी विषय लेख प्रकाशन ।

		• आयु एवं सीसीआरएस जर्नल्स के रेफरी के रूप में कार्य किया । • प्रभारी, गर्ल्स होस्टल । • संस्थान की एंटी-रैगिंग कमेटी, स्पोर्ट्स कमेटी, विदेशी छात्र सेल कमेटी, छात्रावास निरीक्षण समिति और प्रॉस्पेक्टस कमेटी में सदस्य के रूप में कार्य किया गया ।
4.	डॉ. सोनू	1. राष्ट्रीय सेवा योजना की सदस्य के रूप में कार्य किया । 2. एनएएएसी (NAAC) के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया ।

सम्मान –

1. **डॉ. हेतल एच. दवे,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर को आयुर्वेद शिक्षा में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु नालन्दा पुरस्करा 2019 प्रदान किया गया ।

****

रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग

परिचयः रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग आयुर्वेद की अति-महत्त्वपूर्ण शाखा है। इस विभाग के द्वारा नर्सिग डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं आयुर्वेद वारिधि अध्येताओं को शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध कार्य रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना (भारतीय रसायन विज्ञान) विषयान्तर्गत पारम्परिक एवं वैज्ञानिक तरीके से अध्यापन कराया जाता है।

विभाग में एक जीएमपी सर्टिफाईड रसायन शाला है जिसमें शास्त्रीय तथा पारम्परिक विधियों से, अन्तरंग एवं बहिरंग रोगियो, शोध कार्यों हेतु आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण कार्य भी सम्पन्न कराया जाता है । स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं को उनके द्वारा शोध विषय हेतु चयनित औषधियों को तैयार करने की विधि सिखाई जाती है जिससे उन्हें सैद्वान्तिक एवं अनुसंधानात्मक प्रशिक्षण प्राप्त हो सके ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 1 प्रोफेसर(एसएजी), 1 प्रोफेसर, 2 एसोसिएट प्रोफेसर, 1 असिस्टेन्ट प्रोफेसर तथा 1 व्याख्याता अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक -

अ) स्नातक - वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण की विभिन्न कार्य पद्धतियों जैसे वटी, चूर्ण, कल्क, स्वरस, कषाय, आसव, अरिष्ट, अवलेह, अर्क, लौह, मण्डूर, भस्म, पिष्टी, कूपीपक्व, मसी कल्पना, गुग्गुलु, लवण क्षार, स्नेह कल्पनायें, काँजी, शोधन एवं मारण आदि के प्रायोगिक कर्माभ्यास विभागीय प्रयोगशाला में किये गये । विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों को रसायनशाला एवं इसकी कार्यप्रणालियों का गहन अध्ययन कराया गया । विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा डिप्लोमा इन आयुर्वेद कम्पाउण्डर/नर्स ट्रेनिंग कोर्स की कक्षायें सम्पन्न कराई गयी।

ब) स्नातकोत्तर - वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं को उनके शोध विषय को दृष्टिगत रखते हुये विशिष्ट योगों तथा उनकी विभिन्न व्याधियों में उपयोगिता के विशेष संदर्भ में सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण की विभिन्न कार्य पद्धतियों जैसे शोधन, मारण, वटी, चूर्ण, कल्क, स्वरस, हेम, कषाय, आसव, अरिष्ट, अवलेह, अर्क, लौह, मण्डूर, भस्म, कूपीपक्व, कल्पना, गुग्गुलु, लवण क्षार, स्नेह कल्पनायें, काँजी आदि के प्रायोगिक कर्माभ्यास विभागीय प्रयोगशाला में किये गये।

स) पीएच.डी. -पीएच.डी. अध्येताओं को समय-समय पर उनके शोध विषयक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध का ध्येय प्राचीन औषध तकनीकों तथा विधियों का मानकीकरण करना तथा औषधीय तथा चिकित्सा-विज्ञान तथा विषाक्तता-अध्ययन स्थापित करना रहा । अध्येताओं को मानकीकरण के साथ ही नैदानिक सुरक्षा तथा प्रभावकारिता से सम्बन्धित विषय दिये गये ।

शोध -शोध के उद्देश्य है -(i) मौजूदा आधुनिक तकनीक के प्रकाश में पुरातन औषध तकनीकों एवं तरिकों को प्रमाणिकता एवं मान्यता प्रदान करना (ii) औषध-निर्माण में औषधीय और चिकित्सा विज्ञान एवं विषाक्तता अध्ययन में सम्बन्ध स्थापित करना ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा शोध कार्य पूर्ण किये गये तथा उपाधि प्रदान की गई जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. अंकक्षा दिक्षित	डॉ. के. शंकर राव	स्ट्डीज ऑन पंचगव्य विथ स्पेशियल

		प्रोफेसर(एसएजी)	रेफरेन्स टू पंचगव्य घृत ।
2.	डॉ. मोनिका स्वामी	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी)	स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ आयुष सुवर्णबिन्दु ।
3.	डॉ. प्रसाद पेडेकर	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर	फार्मेस्युटिको – एनॉलेटिकल एण्ड एन्टिमाइक्रोबियल स्ट्डी ऑफ सर्वांगसुन्दर रस ।
4.	डॉ. अमित मीना	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर	फार्मास्युटिको – एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ दहीमांडी घृत विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स इफेक्ट इन डायबिटिज मिलिटिस ।
5.	डॉ. सुपर्णा साह	डॉ. पी. सुरेश प्रोफेसर	फार्मास्युटिकल एनॉलेटिकल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डीज ऑफ मधुमेहविनाशिनी वटिका एण्ड त्रिवंग भस्म ऑन स्ट्रेप्टोजोटोसिन इन्ड्यूज्ड डायबिटिज मिलीटस इन एल्बिनो रेट्स ।
6.	डॉ. धर्मेन्द्र शर्मा	डॉ. पी. सुरेश प्रोफेसर	फार्मेस्युटिको एनॉलेटिकल स्ट्डीज ऑफ आमवातरी रस एण्ड इट्स क्लिनीकल एवेल्युएशन रस एण्ड इट्स क्लिनीकल एवेल्युएशन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू आमवाल ।
7.	डॉ. ओम प्रकाश पंवार	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	फार्मास्युटिकल एनॉलेटिकल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डीज ऑफ इन्द्रवटि स्ट्रेप्टोजोटोसिन इन्ड्यूज्ड डायबिटिज मिलीटस इन एल्बिनो रेट्स ।
8.	डॉ. करुणानिधी शर्मा	डॉ. संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	कम्परेटिव फार्मास्युटिकल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डीज ऑफ त्रिवंगभस्म एण्ड मधुमेहारी एक्सट्रक्ट ऑन स्टेरेप्टोजोटोसिन इण्ड्यूज्ड डायबिटीज मिलीट्स इन एल्बिनो रेट्स ।
9.	डॉ. धनराज बैरवा	डॉ. मोहरपाल मीना असिसटेन्ट प्रोफेसर	फार्मास्युटिको-एनॉलेटिकल एण्ड एन्टी-माईक्रोबाइल स्ट्डी ऑफ पंचवक्त्र एण्ड त्रिभूवनकिर्ति रस ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं के शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	**अध्येता**	**निर्देशक/सह-निर्देशक**	**विषय**
1.	डॉ. रुचिका	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी)	एवेल्यूएशन ऑफ आयुर्वेदिक कोस्मेटिक क्रिम एण्ड फेस वाश फार्मूलेशन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ब्यूटिफिकेशन – ए क्लिनीकल स्ट्डी ।
2.	डॉ. वत्सला जैन	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी)	फार्मूलेशन एण्ड एवेल्यूएशन ऑफ आयुर्वेदिक शैम्पू एण्ड कंडीशनर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एन्टी-डेण्ड्रफ एक्टिविटी ।
3.	डॉ. प्रियंका वर्मा	डॉ. वी. नागेश्वर राव	फार्मास्युटिको-एनॉलेटिकल एण्ड

		प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ पित्तान्तक योग एण्ड अम्लपित्तान्तक चूर्ण इन अम्लपित्त ।
4.	डॉ. कुलभूषण शर्मा	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर	फार्मास्युटिको-एनॉलेटिकल एण्ड एन्टीमाईक्रोबीयल स्ट्डी ऑफ भगोत्तर गुटिका ।
5.	डॉ. मनीष कुमार सैनी	डॉ. पी. सुरेश प्रोफेसर	फार्मास्युटिको-एनॉलेटिकल एण्ड क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ वंग प्रीपरेशन इन डायबेटिक मिलीटस ।
6.	डॉ. गजेन्द्र	डॉ. पी. सुरेश प्रोफेसर	फार्मास्युटिको-एनॉलेटिकल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी ऑफ शिलाधात्री योग (कल्पित) इन एसटीजेड एन्डूज्ड डायबेटिक रेट्स ।
7.	डॉ. भूपेन्द्र आर्य	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	फार्मास्युटिको-एनॉलेटिकल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी ऑफ स्वर्णमाक्षिका योग (कल्पित) इन एसटीजेड एन्डूज्ड डायबेटिक मिलीटस ।
8.	डॉ. कंचन स्वामी	डॉ. संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव फार्मास्युटिको-एनॉलेटिकल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ इन्द्रवटी एण्ड वंगेश्वर रस इन मधुमेह ।
9.	डॉ. जगदीश गहलोत	डॉ. मोहरपाल मीना असिसटेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव फार्मास्युटिको-एनॉलेटिकल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ वानरिगुटिका इन डिफरेन्ट डोज़ फोर्म विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू वाजीकरण इफेक्ट ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं ने शोधमहानिबन्ध प्रारूपप्रस्तुत कर अपने शोध कार्य जारी रखे जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	**अध्येता**	**निर्देशक/सह-निर्देशक**	**विषय**
1.	डॉ. डिम्पल शर्मा	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी) डॉ. सखिता के. एस. लेक्चरर	करेक्टेराइजेशन ऑफ रस माणिक्य रस (कुपि मॅथड) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू माणिक्यवर्ण पारद भस्म ।
2.	डॉ. राजेन्द्र बरफा	डॉ. संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर श्री नरेन्द्र कुमार कुमावत असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी ऑफ चौसठ प्रहारी पिप्पली इन पीटीयू इन्ड्यूस्ड हाइपोथाईरोडिज्म ऑन रेट्स ।
3.	डॉ. रामहेत मीना	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर डॉ. शोभनाथ यादव फार्मेसी मैनेजर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑन ज्वरहर कषाय चूर्ण एण्ड घन वटि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स एन्टीपायरेटिक इफेक्ट्स ।
4.	डॉ. प्रियंका बोहरा	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा	ए कम्परेटिव फार्मेस्युटिको एनालोटिकल

		एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सखिता के. एस. लेक्चरर	एण्ड एन्टीमाइक्रोबियल स्ट्डी ऑफ मधुरान्तक वटि ।
5.	डॉ. अमित मिश्रा	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी) डॉ. मनीष देशमुख दत्ता मेघे कॉलेज, वर्धा	करेक्टेराइजेशन एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डीज ऑन हरगौरी रस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू 'मृतानी लोहनी रसी भवन्ती'।
6.	डॉ. विजय श्री भारती	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी) डॉ. सखिता के. एस. लेक्चरर	फार्मास्युटिकल एण्ड फिजियो-केमिल एवेल्युएशन ऑफ रस पोट्टली विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्टेण्डर्डाइजेशन ।
7.	डॉ. गेरिक जीनी	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर श्री सुभाष सी. यादव फायटोकेमिस्ट	स्ट्डीज ऑन स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ कोट्टमचूक्कादि तैल एण्ड इट्स मोडिफाईड मॅथड ।
8.	डॉ. पूजा शर्मा	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर डॉ. शोभनाथ यादव फार्मेसी मैनेजर	फार्मास्युटिको-एनालेटिकल एण्ड एन्टीमाईक्रोबाइल स्ट्डी ऑफ भगोत्तर गुटिका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू बाबूल त्वज क्वाथ भावना ।
9.	डॉ. देवराज क्षेत्री	डॉ. मोहरपाल मीना असिसटेन्ट प्रोफेसर श्री सुभाष सी. यादव फायटोकेमिस्ट	फार्मास्युटिको-एनालेटिकल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ गंधक द्रुटि एण्ड इट्स क्रिम इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका ।
	डॉ. निकिता राजपुरोहित	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी) डॉ. सखिता के. एस. लेक्चरर	फार्मास्युटिको-एनालेटिकल एण्ड स्टेबीलिटी स्ट्डीज ऑन लशुन क्षीरपाक एण्ड इट्स मॉडिफाइड डोज फोर्म ।
	डॉ.सी.आर. अमृता	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी) डॉ. सखिता के. एस. लेक्चरर	फार्मास्यूटिको एनालाईटिकल स्टडीज नरसिंह रसायन एण्ड इवेल्युऐशन ऑफ इट्स इन्विट्रो एन्टीऑक्सीडेन्ट एक्टिविटी ।
	डॉ.भूपेन्द्र कुमार	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर श्री सुभाष सी. यादव फायटोकेमिस्ट	फार्मास्यूकिटिको-ऐनेलेटिकल एण्डक्लिनीकल इवेल्युऐशन ऑफ अर्कतैल एण्ड इट्स क्रीम इन दी मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका ।
	डॉ. श्वेता मीणा	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सखिता के. एस. लेक्चरर	फार्मास्यूकिटिको-ऐनेलेटिकल एण्ड एण्टीमाइक्रोबियल इवेल्युऐशन ऑफ पंच वल्कल एण्ड त्रिफला माउथवाश ।
	डॉ. दीपक कुमार ७र्मा	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शोभनाथ यादव फार्मेसी मैनेजर	फार्मास्यूकिटिको-ऐनेलेटिकल एण्डक्लिनीकल इवेल्युऐशन ऑफ गोजिव्हादि क्वाथ एण्ड इट्स मोडिफाईड डोसेज फॉर्मस इन दी मैनेजमेन्ट आफ

			कफज कास।
	डॉ. विजय शंकर वर्मा	डॉ. संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	ए स्टडी ऑन स्टेण्ड्राईजेशन ऑफ षट्पल घृत विद स्पेशल रेफरेन्स टू फार्मास्युटिको ऐनालाईटिकल एण्ड ऐन्टिऑक्सिडेन्अ एक्टिविटी ।
	डॉ.सुमित्रा	डॉ. संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरार	फार्मास्युटिको ऐनेलेटिकल एण्ड क्लिनिकल स्टेडी ऑफ वृहतसिन्दुराद्य तैल ऑन कुष्ठ विद स्पेशल रेफरेन्स टू क्रॉनिक प्लेक सोरियासिस ।
	डॉ. वरद चरखा	डॉ. मोहरपाल मीना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एकम्प्रेटिवफार्मास्युटिकोऐनालाईटिकल एण्ड क्लिीनिकल स्टेडी ऑफ मृतसंजीवन रस इट्स मोडिफाईड फॉरमुलेशन ऑन आमवात ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित अध्येता को पीएच.डी.डिग्री प्रदान की गई जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. रमाकान्त शर्मा	डॉ. पी. सुरेश प्रोफेसर	ए क्रिटिकल स्ट्डी ऑन रसेन्द्र चिन्तामणी।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं ने अपने शोध कार्य पूर्ण किया एवं शोध महानिबन्ध प्रस्तुत किये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. जागृति शर्मा	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ हरगौरी रस एण्ड रससिन्दूर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स फार्मास्युटिको-एनॉलेटिकल एण्ड टोक्सिकोलोजिकल एवेल्युएशन ।
2.	डॉ. बसन्त कुमार शर्मा	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर	फार्मास्युटिकल स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ कुकुटंडा त्वक भस्म ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं ने अपने शोध कार्य जारी रखे जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र. सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी)	रसरत्न समुच्चय की सरलार्थ प्रकाशिनी एवं दीपिका टीका का तुलनात्मक अध्ययन ।
2.	डॉ. मोहरपाल मीना	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी)	ए कम्परेटिव फार्मास्युटिको एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑ पिण्ड तिल विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स न्यू डोज़ेज फोम्स क्रीम एण्ड जैल ।
3.	डॉ. सखिता के. एस.	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी)	फार्मेस्यूटिको एनॉलेटिकल एण्ड टोक्सिकोलोजिकल एवेल्यूएशन ऑफ डिरेन्ट सैपल्स ऑफ हरिताल भस्म ।
4.	डॉ. रितेश रमानी	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी)	एवेल्यूएशन ऑफ रसपुष्पादि मल्हार एण्ड इट्स मॉडिफाईड डोजेज फोम्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स डर्मल टोक्सिसिटी एण्ड एफिकेसी ऑन व्रण इन विस्टर एल्बिनो रेट्स ।

5.	डॉ. चौधरी मुकेश अनन्त	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी)	ए कम्परेटिव एक्सिपीरिमेन्टल एण्ड एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ वेरियस एक्सट्रक्ट्स ऑफ मधुमेहारी चूर्ण विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एस.टी.जेड. इन्ड्यूज्ड डायबेटिक इन विस्टर एल्बिनो रेट्स ।
6.	डॉ. प्रवीण बानो	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर(एसएजी)	ए कम्परेटिव फार्मास्यूटिको एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑन वंग भस्म प्रीपेयर्ड विथ पारद एण्ड मौलिक द्रव्य विथ द् कन्सेप्ट ऑफ लौहानां मारणं श्रेष्ठ सर्वेशां रसभस्मनां ।
7.	डॉ. अमित कुमार शर्मा	डॉ. संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	फार्मास्यूकिटिको-ऐनेलेटिकल एण्ड क्लिनिकल स्टडी ऑफ लौह रसायन इन स्थौल्य विद स्पेशियल रेफरेन्स टू ओबेसिटी।

चिकित्सकीय कार्य –विभाग के अध्यापकों द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में अपने सेवायें दी गयी ।

प्रकाशन –विभाग के अध्यापकों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल्स में निम्नलिखित लेख प्रकाशित किये गये –

1. प्रो. के. शंकर राव, "सबएक्यूट टॉक्सिसिटी स्टडी ऑफ मरक्युरियल कम्पाउंड रसकर्पूर", इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिसिन जर्नल. वॉल. 6, इश्यू-5, 2018.
2. प्रो. के. शंकर राव, "फार्मास्यूटिकल स्टडी ऑफ गंधक द्रुति एण्ड गंधक तैल बाई डिफरेन्ट क्लासिकल टेकनिक्स", इन्टरनेशनल लर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फॉर्मास्यूटिकल केमिस्ट्री- 2017 V0l. 7, Issue-3, e-ISSN No. 2350-0204.
3. प्रो. के. शंकर राव, "फंक्शन ऑफ इन्द्र वटी इन दी मनेजमेन्ट ऑफ डायबिटीज एन अनालाईटिकल क्लासिकल रिव्यु" इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिसिन जर्नल- 2018 Vol. 6, Issue-5.
4. प्रो. के. शंकर राव,"ए कन्सेप्चुअल स्टडी ऑफ शिलाजतु - एन इम्पोरटेन्ट ड्रग इन आयुर्वेदा" इन्टरनेशनल आयुर्वेद पब्लिकेशन, जन-फरवरी 2018, वॉल-3, इश्यू 1.
5. प्रो. के. शंकर राव,"इवेल्युऐशन एंड डेवलपमेन्ट ऑफ रसशास्त्र", जर्नल ऑफ आयुर्वेद, वाल. IX-4, ISSN 2321-0435.
6. प्रो. के. शंकर राव,"एन्टीमाइक्रोबियल एक्टिविटी ऑफ चित्रक हरितकी प्रीपेयरड बाई डिफरेन्ट मेथड्स", जर्नल ऑफ आयुर्वेद, वॉल.XII-3.
7. प्रो. के. शंकर राव,"रोल ऑफ सर्पगंधा इन द मैनेजमेन्ट ऑफ हाइपरटेंशन", जर्नल ऑफ आयुर्वेद, वॉल. XII-3, इश्यू-जुलाई-सितम्बर 2018.
8. प्रो. के. शंकर राव, "फार्मास्युटिकल प्रीपेरेशन ऑफ क्लासिकल एण्ड मॉडिफाईड फॉरमुलेशन आफ रसोनादि वटी" वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्यूटिकल साइन्स, ISSN 2278-4357, वॉल. 8, इश्यू-4.
9. डॉ. संजय कुमार, "कम्पेरेटिव फार्मास्युटिकोएनालाईटिकल स्टडी आफ शंख मुक्ति कपर्दिका भस्म प्रीपेयरड बाई क्लासिकल एण्ड कन्टेपरेरी मेथड्स"
10. डॉ. मोहरपाल मीना, "इवेल्युऐशन आफ एन्टीमाइक्रोबियल एक्टिविटी ऑफ वेताल रस" जर्नल ऑफ आयुर्वेद,वॉल. XIII-I.
11. डॉ. सखिता के.एस., "ए कन्सेप्चुअल रिन्यु ऑफ पंचविध कषाय कल्पना" आर्युपब, सितम्बर-अक्टुबर, 2018, वॉल.III, इश्यू-5.

विभाग के अध्येताओं द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल्स में निम्नलिखित लेख प्रकाशित किये गये –

1. डॉ. प्रवीन बानो, "सबक्यूट टोक्सिसिटी ऑफ मेरकूरियल कम्पूंट रसकर्पूर", आईएएमजे, वॉल. 6, इश्यू. 5, मई 2018.
2. डॉ. रितेश रमानी, "ए कम्परेटिव फार्मास्यूटिको एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ शंखशुक्ति कपर्दिका भस्म प्रीपेयर्ड बाई क्लासिकल एण्ड कन्टेम्परेरी मॅथड्" जर्नल ऑफ आयुर्वेद, जुलाई-सितम्बर 2018.
3. डॉ. मनीष सैनी, "मोड ऑफ एक्शन हरिद्राखण्ड इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ शीतपित्त उदरकोठ", इन्टरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड योग ।
4. डॉ. जगदीश गहलोत, "ए क्रिटिकल रिव्यू ऑन नवयास चूर्ण"
5. डॉ. वत्सला, "ए क्रिटिकल रिव्यू ऑन पुष्यांग चूर्ण : एन आयुर्वेदिक पॉलिहर्बल फार्मूलेशन, आईएएमजे, वॉल.7, इश्यू 4 ।
6. डॉ. वत्सला, "फार्मेशन ऑफ आयुर्वेदिक शेम्पू विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हर्बल केटेराइजेशन", डब्ल्यूजेपीआर, वॉल. 8, इश्यू 4.

कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/सीएमई आदि में सहभागिता –विभाग के अध्यापकों द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रमों में सक्रियता से भाग लिया गया –

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई कार्यक्रम का विवरण
1.	प्रो. के. शंकर राव प्रोफेसर	1. चैलेंजेज एण्ड रिसेन्ट इनोवेशन्स इन आयुर्वेदिक/हर्बल मेडिसिन्स – 2018 विषयक कार्यशाला । 2. सीएसआईआर, आईआईआईएम, जम्मू में आयोजित अपोर्चुनीटिज एण्ड चैलेंजेज इन फर्मेन्टेशन बेस्ड इण्डस्ट्रीयल प्रोसेस – 2018 विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन । 3. संस्थान द्वारा 2918 में आयोजित कोलोस्कोपी विषयक कार्यशाला । 4. संस्थान द्वारा 2018 में आयोजित टीचिंग मॅथोडोलॉजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला । 5. भोपाल में 2018 में आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ न्युट्रिशनल डिस्आर्डर्स – चैलेंजेज एण्ड स्कोप विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन । 6. हैदराबादर में 2018 में आयोजित रिप्रोडक्टिव हैल्थ विथ एम्फासिस ऑन फेमिली प्लानिंग एण्ड असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी विषयक वर्ल्ड कॉंग्रेस ।
2.	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	1. संस्थान द्वारा जयपुर में 23 अगस्त 2018 को आयोजित डाइग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला । 2. संस्थान द्वारा जयपुर में 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला । 3. संस्थान द्वारा जयपुर में 2018 में आयोजित टीचिंग मॅथोडोलॉजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला । 4. संस्थान द्वारा जयपुर में 2018 में आयोजित संधि परीक्षा एण्ड अग्नि परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।
3.	डॉ. संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	1. अहमदाबाद में 14-17 दिसम्बर 2018 को 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद कॉंग्रेस के अन्तर्गत आयोजित 'एडिटर्स मीट रिव्यूवर्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया । 2. अहमदाबाद में 14-17 दिसम्बर 2018 को 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद कॉंग्रेस

		के के एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की गई । 3. पोद्धार इन्टरनेशनल कॉलेज, जयपुर द्वारा 5-7 फरवरी 2019 को आयोजित ग्लोबल ट्रेंड्स एण्ड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स इन मल्टीडिसिप्लीनरी रिसर्च विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर कन्सेप्ट ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी इन आयुर्वेद विषयक अतिथि व्याख्यान दिया गया । 4. संस्थान परिसर में 7-9-2018 को विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सिग्नीफिकेन्स एण्ड प्रीकोशन्स इन यूज ऑफ रसौषधि विषयक व्याख्यान दिया गया ।
4.	डॉ. मोहरपाल मीना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. संस्थान द्वारा जयपुर में 23 अगस्त 2018 को आयोजित डाइग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला । 2. संस्थान द्वारा जयपुर में 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।
5.	डॉ. सखिता के.एस. लेक्चरार	1. जेएसएस आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, मैसूर द्वारा 6-11 अगस्त 2018 को रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना के अध्यापकों हेतु आयोजित सीएमई कार्यक्रम । 2. संस्थान द्वारा 15-16 फरवरी 2019 को जयपुर में आयोजित फार्मेकोविजिलेंस विषयक सीएमई कार्यक्रम । 3. सीएसएमआरएडीडीआई, चैन्नई द्वारा 25-26 मार्च 2019 को आयोजित मॉडर्न साइन्टिफिक एप्रोच फॉर स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ मेडिसिनल प्लाण्ट्स यूज्ड इन एएसयू एण्ड एच ड्रग्स विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । 4. संस्थान द्वारा जयपुर में 23 अगस्त 2018 को आयोजित डाइग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला । 5. संस्थान द्वारा जयपुर में 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।

देश के विभिन्न प्रान्तों में आयोजित निम्नलिखित संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में विभाग के स्नातकोत्तर एवं स्नातक अध्येताओं द्वारा सक्रियता से भाग लेकर पत्र प्रस्तुत किये गये -

क्र.सं.	अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई कार्यक्रम का विवरण
1.	1. डॉ. रुची 2. डॉ. वत्सला जैन 3. डॉ. मनीष कुमार सैनी 4. डॉ. प्रिंयका वर्मा 5. डॉ. कंचन स्वामी 6. डॉ. राजेन्द्र बर्फा	मेरठ में अप्रैल 2018 में आयोजित प्रबोधनी विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी।
2.	1. डॉ. सुपर्णा साह 2. डॉ. ओम प्रकाश 3. डॉ. धर्मेन्द्र 4. डॉ. भूपेन्द्र आर्य 5. डॉ. राजेन्द्र बर्फा 6. डॉ. देवराज क्षेत्री	सीएसआईआर (आईआईआईएम), जम्मू में 13-14 सितम्बर 2018 को आयोजित अपोर्चुनीटिज एण्ड चैलेंजेज इन फर्मेन्टेशन बेस्ड इण्डस्ट्रीयल प्रोसेस - 2018 विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन ।

3.	1. डॉ. रुचिका 2. डॉ. मनीष कुमार सैनी 3. डॉ. प्रियंका वर्मा 4. डॉ. कंचन स्वामी 5. डॉ. राजेन्द्र बर्फा 6. डॉ. देवराज क्षेत्री	अहमदाबाद में 14–17 दिसम्बर 2018 को आयोजितन 8वाँ वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस ।
4.	1. डॉ. जागृति शर्मा 2. डॉ. मुकेश चौधरी 3. डॉ. प्रवीन बानो 4. डॉ. वत्सला जैन 5. डॉ. मनीष कुमार सैनी 6. डॉ. प्रियंका वर्मा 7. डॉ. कुलभूषण शर्मा 8. डॉ. डिम्पल शर्मा 9. डॉ. प्रियंका बोहरा 10. डॉ. अमित मिश्रा 11. डॉ. विजय श्री भारती 12. डॉ. पूजा शर्मा 13. डॉ. रामहेत मीना 14. डॉ. सी.आर. अमृथा 15. डॉ. स्वेता मीना 16. डॉ. दीपक कुमार 17. डॉ. वरद चरख	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 14–15 मार्च 2019 को आयोजित डवलप एविडेन्स बेस्ड आयुर्वेदिक मेडिसिन्स एण्ड प्रोसिजर्स –WCABHU-2019 – विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।

वर्ष के दौरान निम्नलिखित अधिकारियों द्वारा विभाग का दौरा किया –

क्र.सं.	नाम	दौरे का उद्देश्य
1.	वैद्य बलेन्दू प्रकाश, चिकित्सक, कैंसर विशेषज्ञ	कैंसर विषयक व्याख्यान देने हेतु ।
2.	डॉ. अमिशा वेले, चैयरपर्सन ऑफ आयुर्वेद चैयर, यूनिवर्सिटी ऑफ डेब्रेसन, हंगरी	निरीक्षण
3.	प्रो. वाई.बी. त्रिपाठी, प्रोफेसर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	अतिथि व्याख्यान देने हेतु ।
4.	वैद्य बलदेव कुमार कुलपति, श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र	निरीक्षण

विभाग द्वारा चलाई जा रही परियोजनाऐं –

चल चिकित्सा शिविर इकाई –संस्थान की चल चिकित्सा शिविर इकाई के प्रभारी विभाग के डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, असिस्टेन्ट प्रोफेसर है । संस्थान द्वारा चल-चिकित्सा इकाई के माध्यम से राजस्थान के विभिन्न जिलों के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर लगाकर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कर रहा है । आलौच्य वर्ष के दौरान, 79 चिकित्सा शिविर (जिनमें 1 दिवसीय, 2 दिवसीय, 3 दिवसीय, 5 दिवसीय एवं 6 दिवसीय शिविर सम्मिलित है) राजस्थान के विभिन्न जिलों यथा – उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, सिरोही, जालौर, बाड़मेर, जैसलमेर तथा जयपुर के विभिन्न गांवों तथा कस्बो के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित किये गये । इन शिविरों में 42,194 रोगियों को चिकित्सा प्रदान की गई एवं रू. 1,05,16,270/- की औषधियाँ नि:शुल्क वितरित की गई ।

भारत-सरकार द्वारा जन-चेतना हेतु चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों यथा – भारत निर्माण अभियान, जन सूचना अभियान, आरोग्य मेला तथा डीएसटी, स्वास्थ्य अभियान में लोक चेतना हेतु भी चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये।

एपीसी ड्रग स्टेण्डर्डाइजेशन प्रोजेक्ट – विभाग में एपीसी प्रोजेक्ट के अन्तर्गत आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन के लिए औषध मानकीकरण का कार्य प्रगति पर है । इस प्रोजेक्ट के प्रभारी डॉ. पी. सुरेश है । इनके निर्देशन में एक प्रोजेक्ट यथा – रसमाणिक्य रस पूर्ण किया गया है एवं दूसरा प्रगति पर है ।

निर्माण एवं मानकीकरण : आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं द्वारा अपने शोधमहानिबन्ध के अतिरिक्त औषधियों की निर्माण प्रक्रिया एवं नवीन औषधियों के विकास पर अनुसंधान किया जा रहा है । अनुसंधान कार्य प्रगति पर है ।

रसायनशाला – स्नातकोत्तर/पीएच.डी. शोध द्रव्यों एवं बहिरंग/अन्तरंग रोगियों की औषधियों की आवश्यकता की पूर्ति करने हेतु विभाग से एक जीएमपी सर्टिफाईड् रसायनशाला (फार्मेसी) सम्बद्ध है । डॉ. राजेन्द्र प्रदसा शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर इस रसायनशाला के प्रभारी है । आलौच्य वर्ष के दौरान, रसायनशाला में रू. 2,50,21,958/- की लागत से 328 प्रकार की औषधियों (कुल भार 55,813 कि.ग्रा.) का निर्माण किया गया ।

विविध गतिविधियाँ- विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई –

क्र.सं.	अध्यापकों का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	प्रो. के. शंकर राव प्रोफेसर	1. संस्थान का सीसीआईएम निरीक्षण करवाया गया । 2. संस्थान की रसायन के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया गया। 3. संस्थान के लोक शिकायत निवारण अधिकारी के रूप में कार्य किया गया । 4. संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्य किया गया । 5. विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य किया गया । 6. संस्थान के राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला परियोजना के नोडल आफिसर के रूप में कार्य किया गया । 7. संस्थान के निदेशक द्वारा समय-समय आवंटित किये गये कार्यो का निष्पादन ।
2.	डॉ. पी. सुरेश प्रोफेसर	1. विभागीय औषधी परीक्षण प्रयोगशाला के प्रभारी के रूप में कार्य किया ।

3.	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	1. चल-चिकित्सा शिविर इकाई के प्रभारी के रूप में कार्य किया। 2. विभागीय प्रयोगशाला के रूप में कार्य किया । 3. स्नातक छात्रों हेतु विभागीय शैक्षणिक यात्रा के प्रभारी के रूप में कार्य किया । 4. 4-दिवसीय एवं 6-दिवसीय चिकित्सा शिविर में भाग लिया गया । 5. संस्थान द्वारा आयोजित आरोग्य मेला में भाग लिया गया । 6. विश्वविद्यालय के निरीक्षण में भाग लिया गया ।
4.	डॉ. संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	1. सीसीआईएम दल के सदस्य के रूप में सीसीआईएम के निरीक्षण सम्पादित किये गये । 2. विभागीय संग्रहालय के प्रभारी के रूप में कार्य किया । 3. स्नातकोत्तर छात्रों हेतु विभागीय शैक्षणिक यात्रा के प्रभारी के रूप में कार्य किया । 4. पीजी एवं पीएच.डी. हेतु शोध प्रयोजन के लिए औषधियों के तैयार कराने के सहायक प्रभारी के रूप में कार्य किया । 5. 6-दिवसीय चिकित्सा शिविरों में भाग लिया गया । 6. राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी के रूप में विभिन्न गतिविधियाँ यथा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, स्वच्छ भारत अभियान, पल्स पोलियो अभियान आदि सम्पन्न कराई गयी ।
5.	डॉ. मोहरपाल मीना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. चल चिकित्सा शिविर इकाई के प्रभारी के रूप में कार्य किया गया । 2. स्नातक छात्रों हेतु विभागीय शैक्षणिक यात्रा के प्रभारी के रूप में कार्य किया । 3. विभागीय पुस्तकालय के प्रभारी के रूप में कार्य किया गया। 4. छः दिवसीय चिकित्सा शिविरों में भाग लिया गया ।

- पद्मश्री वैद्य बलेन्दू प्रकाश द्वारा विभाग, संग्रहालय एवं रसायनशाला का दौरा किया गया ।
- प्रत्येक बुधवार को विभाग में विभागीय संगोष्ठियों का आयोजन किया गया तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई ।
- प्रत्येक मंलवार को महत्त्वपूर्ण विभिन्न कोटेशन्स पर विमर्श हेतु प्रश्नकाल का आयोजन किया जाता है।
- प्रत्येक शनिवार को विभाग में विभागीय जर्नल क्लब की बैठकें आयोजित कर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई ।
- विदेश से आये शिष्टमण्ड़लों द्वारा विभाग एवं रसायनशाला का अवलोकन किया ।
- विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं हेतु दो शैक्षणिक यात्राओं का आयोजन किया गया ।
- शैक्षणिक यात्रा के दौरान देश के विभिन्न भागों से आये 10 आयुर्वेदिक महाविद्यालयों के छात्रों एवं अध्यापकों ने विभागीय प्रयोगशाला, प्रदर्शनालय तथा रसायनशाला का अवलोकन किया ।

******

रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग

परिचयः यह भी एक स्नातकोत्तर विभाग है । इस विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्रों को अध्ययन, अनुसंधान-प्रशिक्षण, अनुसंधान आदि के अतिरिक्त यह विभाग रोगी परिचर्या हेतु विभिन्न प्रयोगशालीय नैदानिक जाचें, रोग परीक्षण, ईसीजी, यूएसजी, एक्स-रे आदि के संचालन में रत रहता है । परीक्षण रोगी परिचर्या के साथ ही सभी विभागों के अनुसंधान प्रयोजनों हेतु भी किये जाते हैं । इस उद्देश्य हेतु पूर्ण सुविधाओं से सुसज्जित, प्रयोगशाला इस विभागान्तर्गत कार्यरत है । विभाग द्वारा पीएच.डी. अध्येताओं को नियमित मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर्स, 2 एसोसिएट प्रोफेसर, 1 असिस्टेन्ट प्रोफेसर तथा 1 लेक्चरार तथा अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहे ।

उद्देश्य -

1. विश्व को श्रेष्ठ शोधार्थियों से युक्त करना जिससे वे समाज को अपने ज्ञान-सागर से प्रकाशित कर सके ।
2. आयुर्वेद विश्व में कुशल तथा समयपूर्व नैदानिक तकनीकें एवं पद्धतियाँ प्रस्तुत करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक -वर्ष के दौरान, विभाग स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा सीसीआईएम के पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन गहनरूप से उपलब्ध कराने में रत रहा है । विभाग द्वारा छात्रों को सरलता से समझने हेतु कई शिक्षण विधियों का विकास किया गया है ।

अ) स्नातक - वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा सीसीआईएम के पाठ्यक्रम के अनुसार रोग एवं विकृति विज्ञान विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर - वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार रोग एवं विकृति विज्ञान विषय का का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये।

स) पीएच.डी. - पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । संकाय सदस्यों की उपस्थिति में पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा अपने शिक्षण के ढंग में सुधार हेतु विभागीय संगोष्ठि एवं कक्षायें आयोजित की गई । शोध कार्य सम्पन्न किये गये ।

शोध -शोध का उद्देश्य आज के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न व्याधियों रोगविज्ञानपरक अवधारणा को संस्थापित करना है । आधुनिक प्रयोगशाला तकनीकों की मद्द से व्याधि की पुष्टि करना, रोगात्मक कारकों की सहभागिता की रीति का पता लगाना जैसे उपशय की सहायक से दूष्य एवं स्रोतस (थेरेप्युटिक टेस्ट) ।

विभाग के अध्येताओं द्वारा अपने प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में निम्नलिखित कार्य किये -

- मल एवं मूत्र के दैनिक एवं सूक्ष्मदर्शी यंत्र द्वारा किये जाने वाले परीक्षण
- रुधिर सम्बन्धित परीक्षण
- नैदानिक रोग-निदान
- सीरोलॉजी
- जीव रसायन
- ईसीजी एवं टीएमटी

उपर्युक्त कार्यो के साथ स्नातकोत्तर अध्येता आत्मनिर्भर रूप से प्रयोगशाला में रत है तथा वे पदार्थ विज्ञान विषय के परामर्शदाता द्वारा आयोजित की गई सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक कक्षाओं में उपस्थित रहे ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. सुभाष चन्द्र	डॉ. एस. के. मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ मूलादि लेप एण्ड गंधक मल्हार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ सिद्धमा एण्ड दद्रु विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फंगल डर्माटोफाईटेस ।
2.	डॉ. चेतन सिंह	प्रो. एस. के. शर्मा प्रोफेसर	इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ दारुणक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सेबोर्हिक डर्माटाईटिस एण्ड कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रॉयल ऑफ त्रिफलादि तैल एण्ड गुंजा तैल।
3.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार	प्रो. पवन कुमार गोदतवार प्रोफेसर	एन इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ मेद संचय इन लीवर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू नॉन-एल्कोहोलिक फेटी लीवर डिज़िज (एनएएफएलडी) एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ त्रिफला गुग्गुलू एण्ड पुनर्वाषटक क्वाथ ।
4.	डॉ. जूली माथुर	डॉ. बालकुष्ण सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	एन इपिडेमिओलोजिकल स्ट्डी टू असर्टेन द् साइकोलोजिकल फेक्टर्स इन अग्निदुष्टी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ग्रहणी दोष एण्ड क्लिनीकल ट्रॉयल ऑफ चित्रकादि वटी एण्ड मैध्य वटी ।
5.	डॉ. मनराज मीना	प्रो. एस. के. शर्मा प्रोफेसर	इपिडेमिओलोजिकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एटियोलोजिकल फेक्टर्स इन आमवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रुमोटाईड अर्थेराइटिस एण्ड उपश्यात्मक ट्रायल विथ वातरी गुग्गुलू एण्ड अमृतादि चूर्ण ।
6.	डॉ. रितिषा वर्मा	प्रो. पवन कुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक, प्रायोगिक एण्ड उपश्यात्मक स्ट्डीज टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ बिल्व पत्र एण्ड लघु पंचमूल ।
7.	डॉ. श्यामवीर	प्रो. पवन कुमार गोदतवार प्रोफेसर	ए निदानात्मक (इपिडेमियोलॉजिकल) स्ट्डी ऑन व्यानबल वैष्मय (हाईपरटेंशन) एण्ड उपश्यात्मक (आरसीटी) स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ जटामांसी चूर्ण एण्ड पुनर्वा चूर्ण ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर एवं जारी रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. देवेन्द्र	डॉ. एस. के. मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ विपडिका कुष्ठ एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रक्तशुद्धि ।
2.	डॉ. प्रदीप	प्रो. एस. के. शर्मा प्रोफेसर	सर्वे स्ट्डी टू एसेस द् रोल ऑफ सत्त्व इन द् पॅथोजेनेसिस ऑफ गर्भणी दोष एण्ड थैरेप्युटिक ट्रॉयल विथ ब्रह्मी वटी एण्ड तक्ररिस्ता (Takrarista) ।
3.	डॉ. बलेन्द्र	प्रो. पवन कुमार गोदतवार प्रोफेसर	प्रकृति - ए रिस्क फेक्टर फॉर मेदो रोग (एडिपोसोपेथी) : डब्ल्यूएचओ स्टेप्स बेस्ड निदानात्मक स्ट्डी एण्ड रेण्डोमाइज्ड उपश्यात्मक (क्लिनीकल) ट्रायल ऑफ त्र्योदशांग गुग्गुलू एण्ड

			नवाका गुग्गुलू ।
4.	डॉ. प्रीति	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए प्री-क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट एन्टी-माइक्रोबियल एक्टिविटी ऑफ धूपन कर्म ऑफ सर्टेन आयुर्वेदिक ड्रग ।
5.	डॉ. धर्मेन्द्र	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी टू फाइंड आऊट द् रिलेशन बिटवीन स्लीप एण्ड अम्लपित्ता (हाईपरएसिडिटी) एण्ड थैरेप्युटिक ट्रायल ऑफ जटामांसी फन्त, धान्यक हिम एण्ड कामदूग्धा रस ।
6.	डॉ. रश्मि	प्रो. एस. के. शर्मा प्रोफेसर	ए क्रोस सेक्शनल सर्वे स्ट्डी टू एसेस द प्रीवेलेन्सऑफ पालित्य इन यूथ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रकृति एण्ड उपश्यात्मक कम्परेटिव ट्रायल ऑफ हरितक्यादि योग रसायन एण्ड पालिसनाशक योग ।
7.	डॉ. पूजा	प्रो. पवन कुमार गोदतवार प्रोफेसर	डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेसमेन्ट क्राइटेरिया फॉर अग्नि एण्ड आम विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पाण्डू - ए निदानात्मक एण्ड उपश्यात्मक स्ट्डी ।
8.	डॉ. परशुराम	प्रो. पवन कुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक एण्ड उपश्यात्मक स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ आयुबेस केम्पसूल अर्ज एड-ऑन थैरेपी टू ओरल हाइपोग्लेसिमिकएजेन्ट इन मधुमेह ।
9.	डॉ. अवस्थे पी	प्रो. पवन कुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक (इपिडेमियोलॉजिकल) स्ट्डी ऑफ स्थौल्य (औबेसिटी) एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विथ खदिर आसनसार भविधा त्रिफला चूर्ण एण्ड मेदोरोग गुग्गुलू ।
10.	डॉ. जोगेन्द्र राव	प्रो. पवन कुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक (इपिडेमियोलॉजिकल) एण्ड उपश्यात्मक(क्लिनीकल) स्ट्डी ऑफ मण्डल कुष्ठ विथ दोष प्रत्यानिक एण्ड व्याधि प्रत्यानिक चिकित्सा ।
11.	डॉ. कौशल कुमार	प्रो. पवन कुमार गोदतवार प्रोफेसर	उपश्यात्मक (क्लिनीकल) स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ अस्थिपोषक वटी इन पेशेन्ट्स सफरिंग फ्रॉम अस्थिकषाय - एन ऑपन लेबल्ड, सिंगल ग्रुप, प्रूँफ-ऑफ-कन्सेप्ट स्ट्डी ।
12.	डॉ. मनोज कुमार गोत्तम	डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	टू एवेल्यूएट द् रोल ऑफ विरुद्ध आहार इन द् एटिओपॅथोजेनेसिस ऑफ कुष्ठ (स्किन डिज़िज़) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू विचर्चिका एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट बाई मन:शिलादि लेप एण्ड दूर्वाद्य तेल।
13.	डॉ. प्रयशा रोहिल्ला	डॉ. बालकृष्ण सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	रोल ऑफ पित्त दुष्टी इन द् पॅथोजेनेसिस ऑफ युवानपिडिका एण्ड कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रायल ऑफ सिद्धथाकादि लेप एण्ड खदिरादि क्वाथ ।
14.	डॉ. रवि प्रकाश वर्मा	डॉ. बालकृष्ण सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	निदानात्मक स्ट्डी ऑफ दद्रु कुष्ठ एण्ड उपश्यात्मक रेण्डोमाइज्ड ट्रायल टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ मलकादि लेप एण्ड गुडूच्यादि क्वाथ इन द्

			मैनेजमेन्ट ऑफ दद्रु कुष्ठ ।
15.	डॉ. संजय धाकड़	डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ सत्व बला इन चित्तोवेग (जनरलाइज्ड एनेक्सिटी डिस्आर्डर) एण्ड थेरेप्युटिक ट्रायल विथ जटामांसी फन्त एण्ड सत्वजन्य थेरेपी।
16.	डॉ. शिवानी शर्मा	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन इपिडेमिओलोजिकल सर्वे ऑफ अम्लपित्त एण्ड कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रायल ऑफ कामदुग्धा रस एण्ड दशांग क्वाथ ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति अध्येताओं ने शोध हेतु निम्नलिखित शोध-प्रारूप प्रस्तुत किये -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. अंशु शर्मा	प्रो. एस. के. शर्मा प्रोफेसर	एन इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ इम्पेयरमेन्ट ऑफ धी, दृष्टि, स्मृति विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मिल्ड कोग्निटिव इम्पेयरमेन्ट एण्ड थेरेप्युटिक एवेल्युएशन ऑफ कुषमण्ड बीज चूर्ण एण्ड स्थाववजया चिकित्सा।
2.	डॉ. गुरू आर.	डॉ. एस. के. मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ शीतपित्त उदरता कोठ एण्ड एवेल्यूएशन ऑफ दोष विकल्प विथ द् हैल्प ऑफ उपश्यात्मक ट्रायल ।
3.	डॉ. हरी शंकर मीना	प्रो. पवन कुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक (इपिडेमिओलोजिकल) एण्ड उपश्यात्मक (क्लिनीकल) स्ट्डी टू कोष्ठ (क्रोनिक प्लाकू सोराईसिस) एवेल्यूएट एफिकेसी एण्ड सेफ्टि ऑफ WEL/PSO-01 इन पेशेन्ट्स सफरिंग फ्राम कुष्ठ(क्रोनिक प्लाकू सोराईसिस)
4.	डॉ. पल्लवी दत्ता	प्रो. पवन कुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक (इपिडेमिओलोजिकल) एण्ड उपश्यात्मक(क्लिनीकल) स्ट्डी ऑफ पाण्डू रोग(एनीमिया) । इफेक्ट ऑफ केप्सूल बेस्ड सप्लीमेन्टेशन ऑफ (पार्सलिनम क्रिसपम मिल) एण्ड चलोमाईल (मैट्रिकारिया चैमामिलीया एल.) लीव्ज ऑन हेमोटोलोजिकल पेरामेट्रा ऑफ गर्लस ।
5.	डॉ. रवी कुमार	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् इफेक्टिवनेस ऑफ स्ट्रक्चर टीचिंग प्रोग्राम इन पेशेन्ट्स ऑफ जानू संधिघात वात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ऑस्टियोआर्थराइटिस अलांग विथ थैरेप्युटिक ट्रॉयल ऑफ अश्वगंधा, नागर चूर्ण एवं पंचगुण तेल ।
6.	डॉ. विजय सिंह यादव	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ व्यांग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मेलास्मा एण्ड थैरेप्यूटिक ट्रायल

			ऑफ किनशुकादि तैल एण्ड वातपात्रादि लेप ।
7.	डॉ. यादराम	प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी ऑफ ज्वाइंट पेन टू डवलप द् असेसमेन्ट क्राइटेरिया ऑफ अग्निदुष्ठी इन आमवात।
8.	डॉ. योगेश	प्रो. पवन कुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक (इपिडेमिओलोजिकल) एण्ड उपश्यात्मक (क्लिनीकल) एवेल्यूएशन ऑफ तमक श्वास(ब्रोन्कियल अस्थमा) । एवेल्यूएशन ऑफ एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ आयुष्मो केप्सूल इन पेशेन्ट्स सफरिंग फ्राम तमक श्वास(ब्रोन्कियल अस्थमा) ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित एक पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह–निर्देशक	विषय
1.	डॉ. प्रशान्त देशमुख	प्रो. पवन कुमार गोदतवार प्रोफेसर	रोल ऑफ सेल्फ एफिकेसी इन रिलेशन बीटविन ऑवरवेट एण्ड डिप्रेशन इन एडोलसेन्स – ए निदानात्मक स्ट्डी एण्ड ए रेण्डोमोइज्ड उपशयात्मक ट्रॉयल ऑफ आयुर्वेदिक ड्रग्स एण्ड रेशनल इमोटिव बिहेवियोरल थैरेपी ।
2.	डॉ. रूपाश्री नाथ	डॉ. एस. के. मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वेलेडिशन ऑफ मॉर्डन लेबोरेट्री टेक्नीक्स इन डाइग्नोसिस ऑफ डिज़िज विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रक्तप्रदोषज विकार ।
3.	डॉ. आरिफ	डॉ. एस. के. शर्मा प्रोफेसर	निदानात्मक स्ट्डी ऑफ तमकश्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलर्जिक अस्थमा एण्ड उपश्यात्मक ट्रॉयल ऑफ शिघ्रु बीज चूर्ण एण्ड सिरसादि योग ।
4.	डॉ.अश्वस्थेकुट्टी वी.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक स्ट्डी ऑफ कैंसर विथ एन आयुर्वेदिक परस्पेक्टिव एण्ड इन-विट्रो स्ट्डी ऑफ सर्टेन आयुर्वेदिक ड्रग्स फोर एन्टी कैंसरअस एक्टिविटी ऑन ह्यूमन मालीग्नेंट सेल लाइन्स ।
5.	डॉ. मनीषा	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	एन इपिडेमेलोजिकल स्ट्डी टू आइडेन्टफाई संतर्पण हेतू एण्ड टू एसेस द् क्वालिटी ऑफ लाईफ इन पेशेन्ट्स ऑफ मधुमेह (डायबिटीज मेलीट्स) एण्ड थैरेप्युटिक ट्रॉयल टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ Nyagrodhādi Vaṭī and Mehamudgara Vaṭī.

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित एक पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं के शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह–निर्देशक	विषय
1.	डॉ. भाग्य रंजन	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक स्ट्डी ऑफ मेदोरोग एण्ड उपश्यात्मक रेण्डोमाइज्ड ट्रॉयल ऑफ Nyagrodhadi घनवटी एण्ड नवाका गुग्गुलू ।
2.	डॉ. मनीता अहलावत	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	वेलीडेशन ऑफ मॉडर्न लेबोरेटरी पेरामीटर्स इन रक्तप्रदोषज विकार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू त्वक मेनीफेस्टेशन ऑ विद्रधी एण्ड कम्परेटिव

			एनालेसिस ऑफ क्लिनीको-एक्सपीरिमेन्टल एन्टीबैक्टेरियल एफिकेसी ऑफ ट्रॉयल ड्रग्स ।
3.	डॉ. श्रीराम सैनी	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी ऑफ फाइण्ड आऊट द् प्रीवेलेन्स ऑफ श्वित्र विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू विटिलीगो इन जयपुर एण्ड इट्स पेरिफेरी एण्ड थेरेप्युटिक ट्रॉयल्स एण्ड अविगुञ्जा लेप विथ धात्र्यादि क्वाथ ।

एस्ट्रा मूरल रिसर्च प्रोजेक्ट:

विभाग द्वारा एक एस्ट्रा मूरल रिसर्च प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है । जिसका विवरण निम्न प्रकार से दिया जा रहा है ।

क्र. सं.	परियोजना का शिर्षक	सहयोगी संगठन का नाम	प्रधान अनुसंधानकर्ता	परियोजना लागत (राशि रू. में)
1.	एन ओपन लबल, सिंगल आर्म, मल्टी-सेन्टर, प्रोस्पेक्टिव, क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ WEL/PSO-01 इन पेशेन्ट्स सफरिंग फ्राम क्रोनिंग प्लाकू सोराइसिस ।	टीआईएमईआर	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	1.04 लाख
	ए क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ एफिकेसी एण्ड सेफ्टि ऑफ आयुआस्मो केप्सूल इन पेशेन्ट्स सफरिंग फ्राम ब्रोन्चिअल अस्थमा।	टीआईएमईआर	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	1.20 लाख
	इफेक्ट ऑफ फूड बेस्ड सप्लीमेन्टेशन ऑफ पालर्सली (पेट्रोसेलिंम क्रिप्सम) एण्ड केमोमाईल लीव्ज ऑन हेमेटोलोजिकल पेरामीटर्स ऑफ गर्ल्स ।	वनस्थली विद्यापीठ	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	1.50 लाख

क्लिनीकल -

विभाग के अध्यापकों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत रोग परीक्षण एवं चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । 1 सलाहकार रोगविज्ञानी तथा 1 सलाहकार रेडियोलोजिस्ट की सेवायें अंशकालिक आधार पर उपलब्ध करायी गई । विभाग द्वारा रोगियों के बॉयो केमीकल एवं सीरोलॉजिकल परीक्षणों के साथ-साथ पैथोलॉजिकल एवं अन्य आवश्यक परीक्षणों यथा - एक्स-रे, यूएसजी, डोप्लर स्ट्डी, टीवीएस की सुविधा भी प्रदान की जाती है ।
वर्ष के दौरान, निम्नलिखित 3,32,577 नैदानिक परीक्षण किये गये :

1. हीमोटोलोजी	133398
2. बायो-केमिस्ट्री	74911
3. यूरिन कल्चर	69552
4. सीरोलॉजी	18587
5. एक्स-रे	5177
6. ईसीजी	280
7. कल्चर सेंसिटिविटी	381
8. स्पूटम	124
9. स्पिरोमीट्री	92
10. मल	153
11. वीर्य	85
12. पीएपी/एफएनएसी	63

साप्ताहिक संगोष्ठियाँ –

प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार तथा शनिवार को जर्नल, शोध-महानिबन्ध एवं प्रस्तुत किये गये चिकित्सा मामलों से सम्बन्धित विषयों पर साप्ताहिक संगोष्ठियाँ आयोजित की गई । साप्ताहिक संगोष्ठियों में विभाग के अध्येताओं ने सक्रियता से भाग ले कर अध्यापकों एवं छात्रों के समक्ष अपने शोध-कार्य का प्रस्तुतिकरण किया । विभागीय अध्यापकों एवं बाहर से आमंत्रित प्रबुद्धजनों द्वारा विशिष्ट व्याख्यान भी दिये गये ।

प्रकाशन –

(ए) पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

क्र.सं.	लेखक का नाम	शिर्षक	पुस्तक
1.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	रोग निदान एण्ड विकृति विज्ञान, वाल्यूम-2	आयुर्वेद संस्कृत पुस्तक भंडार जयपुर 2018
2.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार डॉ. बी.के. सेवतकर डॉ. सिसिर कुमार मण्डल डॉ. रितु शर्मा	आयुर्वेदाचार्य छात्रों हेतु विकृति विज्ञान का प्रयोगशाला मैनुअल ।	आयुर्वेदाचार्य संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, किशनपोल बाजार, जयपुर, राजस्थान ISBN :978-81-98279-65-1
3.	डॉ. बी.के. सेवतकर	प्रज्ञापराध-ई-कोर्स के लिए लेवल-1	राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ नई दिल्ली ।
4.	डॉ. बी.के. सेवतकर	वेगावरोध	चौखम्भा विश्वभारती वाराणासी-221001 ISBN :978-93-81301
	डॉ. बी.के. सेवतकर डॉ. रितु शर्मा	निदान के दसगुणा तत्व ।	आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, किशनपोल बाजार, जयपुर, राजस्थान, ISBN :978-93-84276-15-7

(बी) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	पीसीओएस : एन एप्रोच टू इट्स इटिओपॅथोजेनेसिस इन आयुर्वेदि पॅरेलेन्स ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड होलेस्टिक मेडिसिन वाल्यूम-8, इश्यू-1 जनवरी-फरवरी 2019 ISSN : 2321-1563
2.	प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ द् त्रिफलादि तेल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ दारुनक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डेन्ड्रफ एण्ड सेबोरह्इक डर्मेटाइटिस ।	इन्टरनेशन आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल वॉल.-6, इश्यू-9 सितम्बर 2018 ISSN : 2320 5091 Impact Factor: 4.018
3.	प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रायल टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ त्रिफलादि तेल एण्ड गुञ्जातैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ दारुणक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डेन्ड्रफ एण्ड सेबोरह्इक डर्मेटाइटिस ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज वॉल.-4, इश्यू-9 अगस्त 2018 ISSN : 2454-2229 Impact Factor: 5.088
4.	प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	ए कन्सेप्ट ऑफ स्वर्ण प्राशन थ्रू आयुर्वेद।	आईजेआरएआर वाल्यूम-5, इश्यू-3 सितम्बर 2018
5.	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	ए निदानात्मक स्ट्डी ऑन संधिगतवात अमांग लोकल कम्यूनिटी ऑफ जयपुर ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल.-12, नं. 1 जनवरी-मार्च 2018 ISSN 2321-0435
6.	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	पीसीओएस : एन एप्रोच टू इट्स इटियोपेथोजेनेसिस इन आयुर्वेदिक पॅरेलेन्स।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड होलेस्टिक मेडिसिन(जेएएचएम) ISSN : 2321-1563Vol 7, No 1 (2019)
7.	डॉ. एस. के. मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रॉयल टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ त्रिफलादि तैल एण्ड गुञ्जा तेल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ दारुणक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डेन्ड्रफ एण्ड सेबोरह्इक डर्मेटाइटिस ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज वॉल.-4, इश्यू-9 अगस्त 2018 ISSN : 2454-2229 Impact Factor: 5.088
8.	डॉ. एस. के. मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ द् त्रिफलादि तेल इन द् मैनेजमेन्ट दारुणक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डेन्ड्रफ एण्ड सेबोरह्इक डर्मेटाइटिस ।	इन्टरनेशन आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल वॉल.-6, इश्यू-9 सितम्बर 2018 ISSN : 2320 5091 Impact Factor: 4.018
9.	डॉ. एस. के. मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन इम्पोटेन्स ऑफ प्रकृति थ्रू आयुर्वेद ।	इन्टरनेशन आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल

			वॉल.-6, इश्यू-9 सितम्बर 2018 ISSN : 2320 5091 Impact Factor: 4.018
10.	डॉ. एस. के. मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ पुनर्नवा चूर्ण ऑन व्यानबल वैष्यम (हाईपरटेंशन) ।	इन्टरनेशन जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च वॉल. 6, इश्यू-8, अगस्त 2018 ISSN: 2322 - 0910 (O)
11.	डॉ. एस. के. मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ गंधक मल्हार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ (चरकोक्त एण्ड सुश्रुत) टाईप 1 दद्रु एण्ड टाईप 2 दद्रु कुष्ठ ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज वाल्यूम-4, इश्यू-8 अगस्त 2018 ISSN 2454-2229 SJIF Impact Factor: 5.088
12.	डॉ. एस. के. मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ त्रिवृत पाउडर एण्ड अरग्वधा पत्र लेप इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका (एग्जिमा) ।	आयु एन इन्टरनेशनल क्वार्टरली जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद वाल्यूम-39, इश्यू-1 जनवरी-मार्च 2018 ISSN-0974-8520
13.	डॉ. एस. के. मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रेशनल डाइग्नोस्टिक एडवान्स ऑफ कुष्ठ बाई ए प्रीलीमिनरी आर्बिट्रेरी ग्रेडिंग सिस्टम बेस्ड ऑन आयुर्वेद फण्डामेन्टल प्रिन्सिपल्स ।	जर्नल ऑफ साइंटिफिक एण्ड इनोवेटिव रिसर्च (अण्डर रिव्यू प्रोसस) अप्रैल 2019 ISSN 2320-4818
14.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ त्रिवृत पाउडर एण्ड अरग्वधा पत्र लेप इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका ।	आयु एन इन्टरनेशनल क्वार्टरली जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद वाल्यूम-39, इश्यू-1 जनवरी-मार्च 2018 ISSN-0974-8520

(बी)कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी
1.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	सीसीआरएएस, नई दिल्ली द्वारा 27-28 अप्रैल 2018 को आयोजित इन्ट्रा आयुष सहयोग विषयक राष्ट्रीय परामर्शी बैठक में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया गया ।
2.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	सीसीआरएस, नई दिल्ली द्वारा 28-29 मई 2018 को आयोजित प्रकृति विषयक राष्ट्रीय परामर्शी बैठक में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया गया ।
3.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	आईपीजीटीआरए, जामनगर द्वारा 18-21 जुलाई 2018 को आयोजित रिसर्च मेथोडोलोजी विषय कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया गया ।

4.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	सावित्रीबाई फूले पूर्ण विश्वविद्यालय (एसपीपीयू) स्थित आयुष सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा 17-18 अगस्त 2018 को आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय सिम्पोजिय में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।
5.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	मुंम्बई में 25-27 अक्टूबर 2018 को आयोजित एएपीसीओएन में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।
6.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	अहमदाबाद में 14-17 दिसम्बर 2018 को आयोजित 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में महासचिव के रूप में भाग लिया गया ।
7.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	मुंम्बई में 10-11 जनवरी 2019 को आयोजित Bonding-C to Shining-C विषयक सम्मेलन में भाग लिया गया ।
8.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	नवी मुंम्बई में 9 फरवरी 2019 को आयोजित "Teaching Updates" विषयक कार्यक्रम में भाग लिया गया ।
9.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	डीवाई पाटिल महाविद्यालय, नवी मुंबई में 8 मार्च 2019 को आयोजित ज्योतिष्मति प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में भाग लिया गया ।
10.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	सीसीआरएस मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा 25-26 मार्च 2019 को आयोजित वेलीडेशन एण्ड रिलाइबिलिटी टेस्टिंग ऑफ आयुर्वेदि डायग्नोस्टिक मेथॅड्स विषयक कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया गया ।
11.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 4 से 6 अगस्त 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक 3 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।
12.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक 1 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया।
13.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 25 अगस्त से 26 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाइटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता ऑफ रोग निदान विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया गया।
14.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित प्रथम एलुमनाई मिलन-सह-नाड़ी परीक्षा विषयक 1 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया गया ।
15.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	संस्थान द्वारा जयपुर में 19 जनवरी 2019 को आयोजित रिसर्च मॅथोडोलॉजी फॉर फैकल्टी विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
16.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	संस्थान द्वारा जयपुर में 6-8 अगस्त 2018 को आयोजित टीचिंग मेथोडोलॉजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला में भाग लिया गया ।
17.	प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	अहमदाबाद में 14-17 दिसम्बर 2018 को आयोजित 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में महासचिव के रूप में संस्थान के दल के समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।
18.	प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 4 से 6 अगस्त 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक 3 दिवसीय

		कौशल विकास कार्यशाला में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।
19.	प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक 1 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया।
20.	प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 25 अगस्त से 26 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाइटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता ऑफ रोग निदान विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया गया।
21.	प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित प्रथम एलुमनाई मिलन-सह-नाड़ी परीक्षा विषयक 1 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया गया ।
22.	प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	संस्थान द्वारा जयपुर में 19 जनवरी 2019 को आयोजित रिसर्च मॅथोडोलॉजी फॉर फैकल्टी विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
23.	प्रो. बाल कृष्ण सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	बेला विस्टा, हैदराबाद के एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया द्वारा 27-29 जून 2018 को आयुष अस्पतालों हेतु हेल्थ केयर क्वालिटी (CHCQ) में सर्टिफिकेट कोर्स में भाग लिया गया ।
24.	प्रो. बाल कृष्ण सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 4 से 6 अगस्त 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक 3 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।
25.	प्रो. बाल कृष्ण सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक 1 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया।
26.	प्रो. बाल कृष्ण सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 25 अगस्त से 26 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाइटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता ऑफ रोग निदान विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया गया।
27.	प्रो. बाल कृष्ण सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित प्रथम एलुमनाई मिलन-सह-नाड़ी परीक्षा विषयक 1 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया गया ।
28.	प्रो. बाल कृष्ण सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा जयपुर में 19 जनवरी 2019 को आयोजित रिसर्च मॅथोडोलॉजी फॉर फैकल्टी विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
29.	डॉ. सिसिर कुमार मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 4 से 6 अगस्त 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक 3 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।
30.	डॉ. सिसिर कुमार मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक 1 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया।
31.	डॉ. सिसिर कुमार मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 25 अगस्त से 26 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाइटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता ऑफ रोग

		निदान विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया गया।
32.	डॉ. सिसिर कुमार मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित प्रथम एलुमनाई मिलन-सह-नाड़ी परीक्षा विषयक 1 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया गया ।
33.	डॉ. सिसिर कुमार मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा जयपुर में 19 जनवरी 2019 को आयोजित रिसर्च मॅथोडोलॉजी फॉर फैकल्टी विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
34.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 4 से 6 अगस्त 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक 3 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।
35.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक 1 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया।
36.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 25 अगस्त से 26 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाइटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता ऑफ रोग निदान विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया गया।
37.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित प्रथम एलुमनाई मिलन-सह-नाड़ी परीक्षा विषयक 1 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया गया ।
38.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा जयपुर में 19 जनवरी 2019 को आयोजित रिसर्च मॅथोडोलॉजी फॉर फैकल्टी विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
39.	डॉ. प्रीति गवली लेक्चरार	संस्थान द्वारा 4 से 6 अगस्त 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक 3 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।
40.	डॉ. प्रीति गवली लेक्चरार	संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक 1 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया।
41.	डॉ. प्रीति गवली लेक्चरार	संस्थान द्वारा 25 अगस्त से 26 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाइटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता ऑफ रोग निदान विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया गया।
42.	डॉ. प्रीति गवली लेक्चरार	संस्थान द्वारा 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित प्रथम एलुमनाई मिलन-सह-नाड़ी परीक्षा विषयक 1 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया गया ।
43.	डॉ. प्रीति गवली लेक्चरार	संस्थान द्वारा जयपुर में 19 जनवरी 2019 को आयोजित रिसर्च मॅथोडोलॉजी फॉर फैकल्टी विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
44.	डॉ. प्रीति गवली लेक्चरार	संस्थान द्वारा जयपुर में 6-8 अगस्त 2018 को आयोजित टीचिंग मेथोडोलॉजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला में भाग लिया गया ।

अतिथि व्याख्यान – विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं तथा कार्यक्रमों छात्रों एवं अध्येताओं के लाभार्थ निम्नलिखित अतिथि व्याख्यान दिये गये –

क्र.सं.	विवरण
1.	प्रो. पवन कुमार गोदतवार, प्रोफेसर ने आईपीजीटीआरए द्वारा जामनगर में 18–21 जुलाई 2018 को आयोजित रिसर्च मेथोडोलोजी विषयक कार्यशाला में अतिथि व्याख्यान दिये गये ।
2.	प्रो. पवन कुमार गोदतवार, प्रोफेसर ने ताज होटेल, मुंम्बई में आयोजित एएपीसीओएन विषयक संगोष्ठी में 26 अक्टूबर 2018 को अतिथि व्याख्यान दिया गया ।
3.	प्रो. पवन कुमार गोदतवार, प्रोफेसर ने नवी मुंम्बई में 9 फरवरी 2019 को आयोजित कार्यक्रम में सूत्रव्बोद्ध विषयक अतिथि व्याख्यान दिया गया ।

विभाग द्वारा आयोजित साप्ताहिक संगोष्ठियाँ –

क्र.सं.	**दिवस**	**संगोष्ठी**
1.	गुरुवार	रिसेन्ट एडवान्सेस इन पॅथोलॉजी
2.	शुक्रवार	शोधमहानिबन्ध/शोधमहानिबन्ध सम्बन्धित विषय
3.	शनिवार	क्लिनिकल केस प्रस्तुति ।

विविध गतिविधियाँ – विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ सम्पन्न की गई :–

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	प्रो.पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	1. संस्थान के पीर रिव्यूड जर्नल – जर्नल ऑफ आयुर्वेद – के सम्पादक । 2. एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड इन्टीग्रेटिव मेडिसिन। 3. अहमदाबाद में 14–17 दिसम्बर 2018 को आयोजित 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस के महासचिव के रूप में कार्य किया गया । 4. संस्थान में 19 जनवरी 2019 को आयोजित रिसर्च मॅथोडोलोजी फॉर फेकल्टी विषयक कार्यशाला के संयोजक के रूप में कार्य किया गया ।
2.	प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	1. आयुर्वेद के माध्यम से उच्च रक्तचाप, मौसमी बीमारियों और इसके प्रबंधन जैसे विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों पर दी गई रेडियो वार्ताऐं । 2. संस्थान के अधीक्षक(परीक्षा) के रूप में कार्य किया गया । 3. हिन्दी भाषा प्रचार प्रसार के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया ।
3.	डॉ. बाल कृष्ण सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसृ	1. समन्वयक (NAAC) के रूप में कार्य किया गया । 2. समन्वयक (IQAC) के रूप में कार्य किया गया । 3. समन्वयक (NABH) के रूप में कार्य किया गया । 4. अनुसूचित जनजाति छात्रों हेतु राष्ट्रीय छात्रवृत्ति एवं उच्च शिक्षा के

		लिए छात्रवृत्ति के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया ।

****

शालाक्य तंत्रविभाग

परिचयः शालाक्य तंत्र आयुर्वेद की एक महत्त्वपूर्ण शाखा है तथा नेत्र, नासा, कर्ण एवं गले की व्याधियों से सम्बन्धित है । शालाक्य तंत्र कर्ण, नासा, गला एवं शिर रोग से सम्बन्धित है । विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर तथा आयुर्वेद वारिधी की शिक्षा आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रक्रियाऐं यथा क्रिया कल्प, नस्य, मूर्द्धा तैल, नेत्र व्यायाम, बस्ति आदि सम्बन्धित क्षेत्र में विभिन्नि शल्य प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से दी जाती है । इस विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर शालाक्य तंत्र विषय में स्पर्श से फैलने वाले रोगों से रक्षा, स्वास्थ्य के संरक्षण एवं संवर्द्धन आदि का भी भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् तथा राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार शिक्षण एवं प्रशिक्षण दिया जाता है ।

वर्ष 2018-2019 के दौरान, विभाग में 1 प्रोफेसर, 3 असिस्टेन्ट प्रोफेसर्स एवं 1 लेक्चरर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहे ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक -

अ) स्नातक - वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को शालाक्य तंत्र विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर - वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को शालाक्य तंत्र विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । वर्तमान में 2 अध्येता नेत्र विषय एवं 4 अध्येता शिर, कर्ण, नासा एवं मुख विषय तथा 11 अध्येता सामान्य शालाक्य विषय में अध्ययनरत है ।

स) पीएच.डी. -आलोच्य वर्ष के दौरान, विभाग में 4 पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येता अध्ययनरत रहे ।

शोध कार्य -

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. परमेन्द्र अहिरवाल	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ प्रच्छन्न कर्म विथ मधुकादि लेप एण्ड ऑनली मधुकादि लेप अलांग विथ भृंगराजादि रसायन इन इन्द्रलुप्ता विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलोपेसिया ।
2.	डॉ. संगीता बाला	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ नस्य एण्ड कर्णबस्ति विथ पंचभौतिक तैल अलांग विभ कपिकच्छू वटी इन वातज बधिर्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सेन्सरी न्युरल हियरिंग लोस (SNHL)
3.	डॉ. इशा जैन	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ अपामार्ग क्षार एण्ड द्रव्यादि क्वाथ विथ यवगराजादि वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ टूण्डीकेरी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टोन्सिलाइटिस ।
4.	डॉ. प्रेमलाल	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड, ऑपर लेबल्ड, कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन धतुरादि तैल एण्ड नीलोटप्लादि लेप इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ दारुणक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डेन्ड्रफ्ट ।

5.	डॉ. प्रहलाद सिरौजिया	डॉ. प्रभाकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव प्लेसबो कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू ऐवेल्यूट द् एफिकेसी ऑफ सर्पिक्षोद्र अंजन इन सिरोतपद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इपीस्कलेरिटिस ।
6.	डॉ. अंकिता शर्मा	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ सैध्वादि लेप एण्ड शुण्ठयादि प्रतिसारण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ क्लिन्नवर्तम विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्क्वैमस ब्लेफेराइटिस ।
7.	डॉ. माधवी शर्मा	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	एन ओपन लेबल्ड रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल टू एवेल्युएट आसन बिल्वादि तैल शिरोबस्ति, नस्य एण्ड कर्णपूरण इन कर्णस्वेद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टीनिटस ।
8.	डॉ. सरोज आहूजा	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ अग्निकर्म एण्ड प्रतिसारणीय इन लघंन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू कालेजीयन ।
9.	डॉ. फिरदोस	डॉ. अर्पणा शर्मा प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट नागरादि कश्चोतन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कफज अभिष्यान्द विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू वर्नल केरेटो कन्जूक्टिविटिज ।
10.	डॉ. मीना नागर	डॉ. गुलाब चंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ऑफ कर्णपिचु विथ गंधक तैल, कर्णधूपन एण्ड रास्नादि गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कर्णस्राव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक सपर्टिव ओटिदिस मेडिया Media(C.S.O.M.).
11.	डॉ. कपिल मेहर	डॉ. प्रभाकर वर्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड डबल ब्लाईण्ड प्लेसिबो कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑन सप्तामृत लौह इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तिमिर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मायोपिया ।
12.	डॉ. राज कुमार शर्मा	डॉ. राजेन्द्र कुमार सोनी	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट महाऔषध अञ्जन एण्ड शमन स्नेहपान इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ शुष्कअक्षिपाक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ड्राई आई सिंड्रोम ।
13.	डॉ. अजय नायक	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड ऑपन लेबल्ड क्लिनीकल ट्रायल ऑन द् एफिकेसी ऑफ सिरावेध एण्ड कुमकुमादि घृत नस्य अलांग विथ चन्द्रकान्ता रस ओरेली इन अर्ध्वभेदक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू माईग्रेन ।
14.	डॉ. के. एस. शिवन्थी पी. एफ.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड ऑपन लेबल्ड क्लिनीकल ट्रॉयल ऑन तिक्त घृत तर्पण, प्रसादन पुटपाक एण्ड कटक खदिरादि घनवटी इन मधुमेहजन्य तिमिर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबेटिक रेटिनोपेथी।

15.	डॉ. पिंकी मीना	डॉ. अर्पणा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. प्रभाकर वर्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. दीपक गोयल	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू कम्पेयर द् एफिकेसी ऑफ व्योशादि वटी विथ एण्ड विथआऊट शुण्ठ्यादि तेल नस्य इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातज प्रतिश्याय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलर्जिक राइनीटिस ।
16.	डॉ. राजू कुमार	डॉ. प्रभाकर वर्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. गुलाब चंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू कम्पेअर द् एफिकेसी ऑफ कौलीटिका वर्ति एण्ड शीघ्र पल्लव – मधु आश्चोतन इन कफज अभिष्यान्द विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू Vernal Keratoconjuctivitis.
17.	डॉ. शिखा शर्मा	डॉ. राजेन्द्र कुमार सोनी लेक्चरार	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेज्यूएट इफेक्ट ऑफ क्षीर सर्पि नस्य एण्ड रसायन घन वटी इन मैनेजमेन्ट ऑफ पित्त विडाग्ध दृष्टि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू नॉन-एक्सूडेटिव एज रिलेटेड माकूलर डिजनरेशन।
18.	डॉ. शिव शंकर सैनी	डॉ. गुलाब चंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र कुमार सोनी लेक्चरार डॉ. शरद भटनागर	ए रेण्डोमाइज्ड ऑपन लेबल कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रायल टू एवेल्यूएट द् थैरेप्युटिक इफेक्ट ऑफ त्रिफलादि क्वाथ ओरेली एण्ड कल्व एण्ड जात्यादि तेल कल्व ऑन मुखपाक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू recurrent aphthous stomatitis (ras.)

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार से है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. विश्वनाथ	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ विरेचन कर्म एण्ड बस्ति कर्म इन तिमिर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबेटिक माकूलर एडिमा ।
2.	डॉ. निर्मला बंसल	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ऑन कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ विरेचन कर्म एण्ड वसामृत गुग्गूलू ओरेली इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबेटिक माकूलर एडिमा विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रमेहजन्य तिमिर।
3.	डॉ. मांसी	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ऑन कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ नरीपवल्लभ घृत नस्य एण्ड जलौकावचरण अलांग विथ पथ्यादि घनवटी ओरली इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अर्ध्वभेदक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू माईग्रेन ।
4.	डॉ. शीनम	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ऑन कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ प्रियांग्वादि तेल कर्णपिचु एण्ड लोकशादि अवचूर्णन अलांग विश्व भैरव रस ओरली इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कर्णस्राव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक सपूरेटिव ओटिटिस मीडिया ।

5.	डॉ. राकेश बिश्नाई	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रॉयल ऑन कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ माष तेल मात्रा बस्ति एण्ड कर्णपूरण अलांग विथ नृसिंघ चूर्ण ओरली इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातज बाधिर्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सेनसोरिनुरल हिअरिंग लोस ।
6.	डॉ. अर्पणा शर्मा	प्रो. संजीव शर्मा निदेशक डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ द्रव्यादि क्वाथ गण्डूष एण्ड दारवी रसक्रिया प्रतिसारण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ त्रिदोषज सार्वसार मुखरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू Oral Submucous Fibrosis.
7.	डॉ. गुलाब चंद पमनानी	प्रो. संजीव शर्मा निदेशक डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी क्षीरबला तेल नस्य एण्ड कर्णपूरण तथा अश्वगंधायादि घृत इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातज बाधिर्य विथ्ज्ञ स्पेशियल रेफरेन्स टू Sensorineural Hearing Loss.
8.	डॉ. प्रभाकर वर्धन	प्रो. संजीव शर्मा निदेशक डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ बिभितकादि घृत तर्पण एण्ड Ayastha त्रिफला विथ्ज्ञ घृत एज़ ओरल इनटेक इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तिमिर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू Presbyopia ।
9.	डॉ. राजेन्द्र सोनी	प्रो. संजीव शर्मा निदेशक डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ आयुर्वेदिक कम्पाउण्ड इन कमप्युटर एण्ड विजूअल डिसप्ले टर्मिनल विजन सिंड्राम विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू शुष्कअक्षिपाक ।
10.	डॉ. अंकुर त्रिपाटी	प्रो. संजीव शर्मा निदेशक डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑन मेहमूद्गार रस वटी विथ एण्ड विथआऊट विरेचन कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तिमिर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबेटिक माकूलर ओडेमा ।

प्रकाशन –

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ पिप्पल्यादि गण्डूष एण्ड फलत्रिकादिक्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ टूण्डीकरी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टोन्सिल्स ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अप्रैल-जून 2018 ISSN 2321-0438
2.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	लाईफस्टाईल डिज़िज इन रिलेशन टू शालाक्य तंत्र एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट - ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ आयुष
3.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	एलोपेसिया अरेटा (इन्द्रलुप्ता) : ए सक्सेसफुल ट्रिटेड् केस विथ आयुर्वेदिक	आईआरजेएवाई जन-फर. 2019

		मैनेजमेन्ट ।	ISSN 2581-785X
4.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ साइनोनसल पोलीपोसिस थ्रू आयुर्वेद – ए केस स्ट्डी ।	आईजेएपीसी वॉल.10, इश्यू–2, 2019 E-ISSN-2350-0204
5.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ बाधिर्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हीअरिंग लोस ।	आईजेएपीसी वॉल.10, इश्यू–2, 2019 E-ISSN-2350-0204
6.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ मल्टीपल छालेशिया थ्रू आयुर्वेद – ए केस स्ट्डी ।	आईजेएपीसी वॉल. 10, इश्यू–2 E-ISSN-2350-0204
7.	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिव्यू ऑफ केटरेक्ट विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू कच्छ ।	जेएआईएमएस वॉल.3, इश्यू–3, मई–जून 2018
8.	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रक्तमोक्षण इन शालाक्य रोग – ए लीटरेरी रिव्यू ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 12–2, अप्रैल–जून 2018
9.	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ सप्तामृत लौह एण्ड Kachayapana अंजन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ Kacha with special reference to Cataract.	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल.13–3, जुलाई–सित. 2018
10.	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ अरण्डादि तेल नस्य एण्ड कर्णपूरण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कर्णनाद – ए क्लिनीकल स्ट्डी ।	आईजेएएआर वॉल. 3, इश्यू – 7 मार्च–अप्रैल, 2019
11.	डॉ. प्रभाकर वर्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रिव्यू आर्टिकल ऑन शुष्कअक्षिपाक (डीईएस) ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 12–1 जनवरी–मार्च 2018
12.	डॉ. प्रभाकर वर्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ व्योशादि वर्ति एण्ड चन्द्रोदय वर्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्म ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 13–3,जुलाई–सित. 2018
13.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Management of Temporo Mandibular Joint Syndrome Through Ayurveda.	डब्ल्यूजेपीआर वॉल. 7, इश्यू 17 ISSN : 2277-7105
14.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ पंचकर्म अगेंस्ट एसएलई इन्डयूज्ड लंग फाइब्रोसिस ।	आईजेएसआर वॉल. 8, इश्यू 1, 2019 ISSN 2277-8179

(बी) कार्यशालाओ/संगोष्ठियों में सहभागीता –

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का नाम
1.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	श्रीधरियम नेत्र चिकित्सालय, केरल द्वारा 19 जुलाई 2018 को आयोजित चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन – सुनैत्र 2018 – में रिसार्स पर्सन के रूप में भाग लेकर रोल ऑफ बस्ति इन डायबेटिक रेटिनोपेथी विषयक व्याख्यान दिया गया ।
2.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	श्री कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइन्स एण्ड रिसर्च होस्पीटल, बेंगलूरु में

		11–13 जनवरी 2019 को उध्वांग सिद्धी –To establish and standardize treatment protocols of Shalakya Tantra Disorders विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप भाग लिया गया ।
3.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	संस्थान द्वारा विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों हेतु आयोजित पुर्नप्रशिक्षण कार्य में भाग लेकर प्रॅक्टिकल यूटिलिटी एण्ड स्कोप ऑफ नेत्र रोग विषयक व्याख्यान दिया गया ।
4.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	संस्थान के सभागार में 11–10–2018 को विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दृष्टि इज़ सृष्टि एण्ड इट्स इम्पोर्टेंस इन आयुर्वेद विषयक व्याख्यान दिया गया ।
5.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23–10–2018 को आयोजित आयुर्वेद कौशलम 2018 में भाग लेकर शालाक्य तंत्र विभाग विषयक प्रजेन्टेशन प्रस्तुत किया गया ।
6.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 26–4–2018 को आयोजित रिसेन्ट एडवान्सेज इन रेटिनल डिज़िज एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।
7.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 30–31 अक्टूबर 2018 को आयोजित राईजिंग स्टार्स विषयक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।
8.	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23–10–2018 को आयोजित आयुर्वेद कौशलम 2018 में भाग लिया गया ।
9.	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 24–25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया।
10.	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 4–6 अक्टूबर 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाडी परीक्षा विषय कार्यशाला में भाग लिया गया ।
11.	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 6–7 फरवरी 2019 को आयोजित प्रथम एलूमनाई मीट–कम–वर्कशाप ऑन नाड़ी परीक्षा में भाग लिया गया ।
12.	डॉ. प्रभाकर वर्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सीसीआरएएस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इनोवेटिव टीचिंग मॅथड इन शालाक्य विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।
13.	डॉ. प्रभाकर वर्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 23–10–2018 को आयोजित आयुर्वेद कौशलम 2018 में भाग लिया गया ।
14.	डॉ. प्रभाकर वर्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 24–25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया।
15.	डॉ. प्रभाकर वर्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 4–6 अक्टूबर 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाडी परीक्षा विषय कार्यशाला में भाग लिया गया ।
16.	डॉ. प्रभाकर वर्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 6–7 फरवरी 2019 को आयोजित प्रथम एलूमनाई मीट–कम–वर्कशाप ऑन नाड़ी परीक्षा में भाग लिया गया ।
17.	डॉ. प्रभाकर वर्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयुष प्रोफेशनल्स हेतु आयोजित मुख स्वास्थ्य हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में अध्येताओं द्वारा प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	अध्येता	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. मांसी	मैनेजमेन्ट ऑफ साइनोनसल पोलीपोसिस थ्रू आयुर्वेद – ए केस स्ट्डी ।	आईजेएपीसी वॉल.10, इश्यू-2, 2019 E-ISSN-2350-0204
2.	डॉ. राकेश	क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ बाधिर्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हीअरिंग लोस ।	आईजेएपीसी वॉल.10, इश्यू-2, 2019 E-ISSN-2350-0204
3.	डॉ. निरमा	मैनेजमेन्ट ऑफ मल्टीपल छालेशिया थ्रू आयुर्वेद – ए केस स्ट्डी ।	आईजेएपीसी वॉल. 10, इश्यू-2 E-ISSN-2350-0204
4.	डॉ. इशा	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ इन्ट्राटोंसिलर एब्सेस – ए केस स्ट्डी ।	आईजेएपीसअ (प्रकाशनाधीन)
5.	डॉ. प्रमेन्द्र	एलोपेसिया अरेटा (इन्द्रलुप्ता) : ए सक्सेसफुल ट्रिटेड् केस विथ आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ।	आईआरजेएवाई जन-फर. 2019 ISSN 2581-785X

स्नातकोत्तर अध्येताओं को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लेकर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करने हेतु प्रेरित एवं प्रशिक्षित किया गया ।

विभाग द्वारा निम्नलिखित इकाइयाँ एवं क्लिनीक्स चलाई जा रही है –

चिकित्सकीय कार्य – विभाग द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत रोग परीक्षण एवं चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति बाहुल्य वाले क्षेत्रों में आयोजित किये गये चल-चिकित्सा शिविरों में भी विभाग के संकाय-सदस्यों द्वारा भाग लिया गया ।

नेत्र इकाई – इस इकाई में नेत्र रोगों यथा – रिफ्रक्टिव इरर्स, केटरेक्ट, कम्प्युटर विजन सिंड्राम, कन्जंक्टिविटिज, रेटिनल की चिकित्सा की जाती है । यह इकाई ऑटोरेफ्रेक्टोमीटर, पेरीमीटर, लेन्सोमीटर, स्लीट लैम्प, 90 डी लैन्स, केराटोमीटर, ए स्केन आदि से सुसज्जित है । इस इकाई में चिकित्सा पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों जिसमें विशिष्ट चिकित्सा कर्म यथा – अक्षितर्पण, पुटपाक, आश्चोतन, नस्य, शिरोधारा, शिरोपिचु, शिरोभ्यंग, विडालक, अन्नलेपन, नेत्र परीक्षा पिण्डी, विडालक एवं अवगुनादाना, लेखन, चक्षुशय बस्ति, अग्नि कर्म आदि सम्मिलित है के द्वारा डायबेटिक रेटिनोपैथी, ग्लूकोमा, कटरेक्ट, मैकुलर डिजनरेशन, मायोपिया आदि विभिन्न नेत्र-रोगों एवं विकृतियों की चिकित्सा की जाती है । विभाग में 15,127 रोगी विभिन्न नेत्र विकृतियों की चिकित्सा हेतु आये ।

नेत्र-जांच इकाई – इस इकाई में विभिन्न नैदानिक जांचे यथा – रिफ्रेक्शन, टोनोमेट्री, पेरीमेट्री आदि की गई। आलोक्य वर्ष में कुल 11,737 रोगियों के नेत्रों का रिफ्रेक्शन किया गया ।

ई.एन.टी. इकाई – इस इकाई में कान, नाक, गला तथा सिर व गर्दन से सम्बन्धित व्याधियों की चिकित्सा की जाती है । यह इकाई ऑडियोमेट्री, नेजल एण्डोस्कोप्स आदि उपकरणों से सुसज्जित है जो कि नैदानिक जाँचादि में अति-महत्वपूर्ण होते हैं । नस्य, कवल, गण्डूष, शिरोभ्यंग, शिरोधारा, कर्णपिचु, कर्ण प्रमार्जन, कर्णपूरण, ऑरल टायलेट, ईयर सिरिंइंग, ऑटोस्कोपी आदि कर्मो आधारित चिकित्सा द्वारा सिरशूल, साइनुसाइटिस, अर्धावभेदक, ट्राइजेमाईनल न्युरलजिया, हेयर फॉल, डैण्ड्रफ, राइनाइटिस, डिवियेटेड नेजल सेप्टम, नसल अलर्जिज, बधिरता, सीएसओएम, टीनीट्स, ओटल्जिया, ईआर वेक्स, ऑटोमिकोसिस, टॉन्सिलाइटिस,

फैरिजांइटिस, माउथ अल्सर, एसएमएफ आदि रोगों के रोगियों की चिकित्सा की जाती है । इस इकाई में 6,411 रोगी कर्ण, नासा एवं गला सम्बन्धित विकृतियों की चिकित्सा हेतु आये ।

दन्त इकाई – इस इकाई द्वारा दंतजन्य रोगों यथा डेन्टल केरिज, पायरिया, जींजीविटिज़ आदि की जांच एवं चिकित्सा की जाती है । खराब हुये दांतों को निकालने, दांतों का शल्कन एवं साफ-सफाई आदि कर्म नियमित किये जाते हैं। इस इकाई द्वारा 7,374 रोगियों को दन्त चिकित्सा उपलब्ध कराई गयी ।

क्रियाकल्प इकाई – विभाग में यह इकाई सुचारु रूप से कार्य कर रही है जिसमें विभिन्न क्रियायें यथा तर्पन, पुटपाक, नस्य, नेत्रपरिषेक, शिरोधारा, कवल, गण्डूष, सिरो अभ्यंग, कर्ण पिचु, कर्ण प्रमार्जन, कर्णपूर्ण, ऑरल टॉयलेट, इयर सिरिंजिंग, धूमपान आदि रोगियों के लाभार्थ किये जाते हैं । इस इकाई में 3,925 रोगियों की विभिन्न क्रियाकल्प विधियों द्वारा चिकित्सा की गई ।

नेत्र-व्यायाम इकाई – इस इकाई में विभिन्न नेत्र रोगों यथा – रिफ्रेक्टिव एरर्स, ग्लूकोमा, आरपी, एआरएमडी आदि सें नेत्र-दृष्टि को संरक्षित कराने हेतु विभिन्न नेत्र-व्यायाम कराये जाते हैं । रोगियों के लाभार्थ एवं स्पष्ठ नेत्र दृष्टि हेतु विभिन्न नेत्र-व्यायाम बताये जाते हैं जिनमें नेत्र-धावन, सनिंग, पामिंग, बॉल एक्सरसाईज, केंडल एक्सरसाईज, बॉर स्वीमिंग, वैपॉर तथा कोल्ड पेड् सम्मिलित है । नेत्र-व्यायाम इकाई में इस वर्ष चिकित्सा प्राप्त करने वाले रोगियों की कुल संख्या 324 रही है ।

The Patients of OPD at various Units in the reported year is as follows:

माह	नेत्र	ईएनटी	दन्त	रिफ्रक्शन	क्रिया-कल्प	नेत्र-व्यायाम
अप्रैल	1255	458	536	940	361	14
मई	1254	537	629	1078	225	33
जून	1217	514	544	903	251	60
जुलाई	1358	623	664	1030	296	41
अगस्त	1301	576	627	1027	339	46
सितम्बर	1286	525	605	985	217	21
अक्टूबर	1333	574	647	1145	329	11
नवम्बर	1163	466	633	903	353	33
दिसम्बर	1230	505	617	882	417	25
जनवरी	1174	557	625	950	316	15
फरवरी	1255	544	605	979	390	13
मार्च	1301	532	642	915	431	12
योग	15127	6411	7374	11737	3925	324
महायोग	**44898**					

वर्ष के दौरान सम्पन्न की गई विभिन्न प्रक्रियाओं की संख्या निम्न प्रकार है :-

प्रक्रिया	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च
नस्य	143	80	101	168	152	89	162	184	246	172	210	178
अक्षितर्पण	95	75	90	74	58	35	78	102	80	70	42	99
परिषेक	80	50	77	69	57	46	75	55	86	50	106	82
कर्णपूर्ण	17	8	11	27	22	12	7	27	19	21	46	85
धूमपान	-	-	-	-	2	-	-	1	-	-	1	3
शिरोपिचु	14	6	15	21	39	28	36	16	13	15	17	19
शिरोलेप	-	-	-	-	-	-	-	7	15	18	52	21
पिण्डी	28	9	-	6	1	4	10	-	7	4	2	-
विडालक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	4	14	9
गण्डूष	-	-	-	3	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रतिसरण	-	-	-	12	13	-	-	2	-	6	7	6
सिरोधारा	-	-	-	-	12	-	6	8	11	-	-	-
कर्ण पिचु	2	1	13	8	13	-	4	3	-	2	2	-
प्रच्छन	8	4	4	11	2	2	1	-	-	18	52	18
नासा पिचु	-	-	-	-	27	8	24	2	11	-	3	4
कर्ण बस्ति	-	-	-	1	1	-	-	7	-	25	6	-
अश्चोतन	-	-	-	4	8	-	-	-	2	-	-	-
अवगुंदन	-	-	-	10	-	28	-	-	-	6	8	13
नेत्र मसाज	-	-	-	-	3	-	4	4	17	-	4	4
पुटपाक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जलौका	-	-	-	-	5	-	-	-	4	-	-	-
शिरो अभ्यंग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1
होट फोरमेंटेशन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1
अंजन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	4
सेक सिरिंजिंग	-	-	-	-	-	-	-	-	2	-	-	1
आई.ओ.पी.	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-
योग	**384**	**233**	**311**	**414**	**415**	**252**	**407**	**418**	**514**	**412**	**572**	**548**
महायोग	**4883**											

विभाग के अध्यापकों एवं अध्येताओं ने संस्थान द्वारा राजस्थान राज्य के विभिन्न जिलों के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति बाहुल क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में भाग लिया गया ।

विविध गतिविधियाँ – विभाग में निम्नलिखित विभिन्न गतिविधियाँ सम्पन्न की गई –

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	• आयुर्वेद के माध्यम से मुख स्वास्थ्य विषयक टी.वी. वार्ता (6-3-2019) • उपाध्यक्ष, द् एसोसिएशन ऑफ शलाकी, इंडिया नियुक्त किये गये । • सदस्य • राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के अध्ययन मण्ड़ल की अध्यक्ष नियुक्त की गई । • द् एसोसिएशन ऑफ शलाकी, राजस्थान शाखा की उपाध्यक्षा नियुक्त की गई । • सदस्य, सलाहकार मण्ड़ल, जर्नल ऑफ आयुर्वेद ।

		• अध्यक्ष, इन्टर डिपार्टमेन्टल रिव्यू बोर्ड़, एनआईए, जयपुर । • सदस्य, रिव्यू बोर्ड ऑफ इन्टरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड योग । • गुजरात लोक सेवा आयोग द्वारा सलाहकार के रूप में आमंत्रित की गई। (13-14 नवम्बर 2018) • एमएनआईटी, जयपुर द्वारा चयन समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित की गई । (21-23 जनवरी 2019)
2.	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	• अध्यक्ष, स्पोर्ट्स कमेटी, एनआईए । • अध्यक्ष, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान कर्मचारी बचत एवं साख समिति लि.। • सदस्य, इन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड रिसोर्स मैनेजमेन्ट कमेटी(एनएएसी), सुविधा एवं सुरक्षा प्रबन्धन समिति(एनएबीएच), आपदा प्रबन्धन समिति एवं डीम्ड यूनिवर्सिटी समिति ।
3.	डॉ. प्रभाकर वर्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	• सदस्य-सचिव, सुरक्षा समिति(एनएबीएच) । • सदस्य-सचिव, विभागीय अनुसंधान समिति/शालाक्य तंत्र हेतु विभागीय अनुसंधान मण्ड़ल । • सदस्य, चिकित्सालय संक्रमण नियंत्रण दल (एनएबीएच), एनआईए न्युजलेटर के सम्पादक मण्ड़ल, भौतिक सत्यापन समिति । • उपाध्यक्ष, द् एसोसिएशन ऑफ शलाकी, राजस्थान शाखा । • अध्यक्ष, क्रय समिति ।
4.	डॉ. राजेन्द्र कुमार सोनी लेक्चरार	• सदस्य, शालाक्य तंत्र विभाग के सीएमई कार्यक्रम, क्राईटेरिया-6 (एनएएसी), कोर कमेटी(एनएएसी), ई-लाईब्रेरी समिति, एन्टी-रेगींग समिति, विभागीय अनुसंधान समिति, स्पोर्ट्स समिति, मीडिया समिति । • रिव्यूवर, जर्नल ऑफ आयुर्वेद ।

****

शल्य तंत्र विभाग

परिचय: शल्य तंत्र विभाग संस्थान का एक महत्त्वपूर्ण विभाग है । विभाग के अध्यापक विभिन्न शल्य एवं पराशल्य प्रक्रियाओं विशेषज्ञ है । आयुर्वेद के क्षेत्र में शल्य तंत्र विभाग लोक कल्याण के हित में नवीन कार्यो का संचालन करके एक नई अनुसंधान आधारित परंपरा विकसित कर रहा है । विभाग का बाह्य रोगी विभाग (जनरल शल्य, अनोरेक्टल एवं ऑर्थोपेडिक), अन्तरग रोगी विभाग, लघु ऑपरेशन थियेटर (शस्त्र कर्म, क्षार कर्म, क्षार सूत्र, अग्निकर्म एवं रक्तमोक्षण इकाईयाँ) है तथा प्रमुख ऑपरेशन थियेटर है । शल्य तंत्र विभाग के अन्तर्गत स्नातक, डिप्लोमा पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. हेतु हाथ से हाथ को शल्यचिकित्सा का प्रशिक्षण के साथ अध्ययन-अध्यापन कराया जाता है । प्रमुख शस्त्र कर्मागार में सीसीटीवी कैमरा सुविधा उपलब्ध है जो कि कक्षाओं से जुड़े हुये है जिसके माध्यम से छात्रों के ज्ञानार्जन हेतु शल्य चिकित्सा का सीधा प्रसारण किया जाता है ।

शल्य तंत्र विभाग आयुर्वेद पद्धति के शल्य चिकित्सा पहलुओं को गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल, शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शल्य चिकित्सा सम्बन्धित विभिन्न गतिविधियों संचालित कर रहा है । अग्निकर्म, रक्तमोक्षण, मर्म चिकित्साल एवं शल्य कर्म पद्धतियों द्वारा अर्श एवं भगन्दर की चिकित्सा क्षार कर्म एवं क्षार सूत्र पद्धति द्वारा, गृध्रसी, संधिवात, कदर, वातकंटीका, चर्मकील, अव्बाहुक, टेनिस एल्बो आदि के लिए विशेष उपचार प्रदान किया जाता है । पुराने गैर-चिकित्सा अल्सर के लिए उपचार, पेरीरियल वैस्कुलर विकार का विभाग द्वारा जलौकावचरण विधि द्वारा भी उपचार प्रदान किया जाता है । विभाग में भग्न, मूत्र अश्मरी (यूरेनरी कैलीलि), अनडुकेपुच्छा शोथ(अप्पेंडिसिटिस), पित्ताशय शोथ(कोलेसीसिटाइटिस) अश्मरी पित्ताशय अश्मरी(कोलेलिथियासिस), वृद्धि रोग(हाइड्रोसेले हर्निया इत्यादि) एवं सामान्य शल्य विकारों की चिकित्सा की जाती है । विभाग में 4 पीएच.डी. अध्येता एवं 20 स्नातकोत्तर अध्येता है ।

शल्य विभाग का अपना अच्छी प्रकार से सुसज्जित ऑपरेशन थियेटर है जहाँ सभी प्रकार की शल्य प्रक्रियाऐं यथा - एपेनडेक्टोमी, कोलेकायस्टोमी, अपेन्डेक्टोमी, चॉलेसिस्टेक्टोमी, हर्नियल रिपेयर्स, मास्टेक्टोमी, थायरोइडेक्टटोमी इत्यादि उचित संज्ञाहरण के अन्तर्गत सम्पन्न की जाती है ।

बहिरंग रोगी एवं अन्तरंग रोगी विभाग के सभी रोगियों को उचित उपचार प्रदार किया जाता है । विभाग में शल्य चिकित्सा, एनोरेक्टल एवं ओर्थोपेडिक रोगियों हेतु पृथक इकाईयाँ है । विभाग द्वारा संस्थान के प्रांगण में स्थिति चिकित्सालय एवं सिटी होस्पीटल के दोनों में ओपीडी शल्य चिकित्सा शिविर आयोजित किये जाते हैं ।

बहुत से रूग्ण व्यक्तियों हेतु चिकित्सा की विशेष प्रक्रियाऐं यथा क्षार कर्म, क्षार सूत्र, अग्निकर्म, रक्तमोक्षण, जलौकावचरण, सिरावेध्यं इत्यादि अपनाई जाती है । शल्य विभाग में विभिन्न शोध परियोजनाऐं चल रही है। जनरल-सर्जन एवं अनेस्थेटिस्ट द्वारा स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं के ज्ञानार्जन हेतु अतिथि व्याख्यान दिये जाते हैं ।

विभाग शल्य चिकित्सा नमूनों, मॉडल्स, शिक्षण सामग्री, सीडी, शल्य चिकित्सा सम्बन्धित तस्वीरों और चार्ट्स से सुसज्जित है । विभाग में अपना पुस्तकालय है जिसमें लगभग 1,000 पुस्तकें उपलब्ध है । विभाग में कमप्युटर, प्रिन्टर, डिजिटल कैमरा, एलसीडी प्रोजेक्टर आदि है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर, 3 असिस्टेन्ट प्रोफेसर तथा 1 लेक्चरार एवं अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहें ।

वर्तमान में, शल्य तंत्र विभाग में 20 स्नातकोत्तर छात्र एवं 4 पीएच.डी. अध्येता नियमितरूप से अध्ययनरत है।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक

अ) आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा – उपरोक्त शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त विभाग द्वारा आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा के छात्रों को सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक ज्ञान दिया जाता है । डॉ. एस. आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार इन छात्रों को बहिरंग विभाग, अन्तरंग विभाग एवं शल्य कर्मागार में शल्य प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

ब) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को शल्य तंत्र विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । छात्रों को ऑपरेशन थियेटर के अन्दर शल्य प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

स) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को शल्य तंत्र विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । अध्येताओं को ऑपरेशन थियेटर के अन्दर शल्य प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया । शोध कार्य सम्पन्न किये गये।

द) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को शोध विषयक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उपलब्ध कराया गया । अध्येताओं को ऑपरेशन थियेटर के अन्दर शल्य प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया । शोध कार्य सम्पन्न किये गये ।

शोध –आलोच्य वर्ष के दौरान, एम.एस. (आयुर्वेद) के अध्येताओं द्वारा शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र. सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. विनोद कुमार	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लो एनल फिस्टूला ।
2.	डॉ. रामप्रसाद सिन्हा	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन निम्ब प्रतिसारणीय क्षार एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श (इन्टरनल होमेरोहोइड्स)।
3.	डॉ. विनोद कुमार गर्ग	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ शुंठ्यादि क्वाथ विथ एण्ड विथआऊट त्रिविक्रम रस इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मूत्राश्मरी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू यूरोलीथाइसिस ।
4.	डॉ. अतुल अग्रवाल	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर मि. गौरव बीलवाल	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू एक्सेस द् एफिकेसी ऑफ लाक्षा गुग्गुलू ऑन फ्रक्चर हीलिंग इन रेबिट मॉडल ।
5.	डॉ. राकेश प्रसाद	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ द् एफिकेसी ऑफ द् अर्कादि घन ओइन्टमेन्ट एण्ड लोशन इन व्रण (एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी) ।
6.	डॉ. सोमदत्त सैनी	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ बहतसिंहनाद गुग्गुलू, गोदन्ति, रसमाणिक्य विथ महारास्नादि कषाय इन नॉन-स्पेसिफिक नी एफूज़न

			विज़-ए-विज़ जानू संधि श्लेष्मधारा कला शोथ ।
7.	डॉ. नरेश धाकड़	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ मात्रा बस्ति एण्ड लेटरल इन्टरनल स्फीनकेटरटोमी इन परिकर्तिका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक फिशर इन एनो ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, एम.एस. (आयुर्वेद) के अध्येताओं के शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र. सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नीरज जैन	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ मर्म चिकित्सा एण्ड अग्नि कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अव्बाहुक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फ्रोजन शोल्डर्स ।
2.	डॉ. नेत्र बहादुर	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन स्नुही प्रतिसारणीय क्षार एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अभ्यान्त्र अर्श (इन्टरनल पाईल्स) ।
3.	डॉ. सुरेश कुमार	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अग्नि कर्म एण्ड आभा गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्नायु-विकार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डेक्ववेन स्टेनोसिवैक्टिस ।
4.	डॉ. दिनेश कुमार अहेरवार	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन व्रण विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू व्रणोपकर्म एण्ड दैयर एप्लीकेशन इन प्रजेन्ट कान्टेक्सट ।
5.	डॉ. लोकेश यादव	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ वेदनाहरण महाकषाय (डिकोक्शन), कटी बस्ति एण्ड योग मोडलिटीज इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एक्यूट लम्बोस्क्रल स्प्रेन/स्ट्रेन ।
6.	डॉ. जयवर्द्धन सिंह	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ गुग्गुलू विथ हरिद्रा एण्ड रास्नादशमूलादि कषाय एण्ड सिरावेध इन Krostukasirsa विथ स्पेशियल रेफरेन्स ऑन स्पेसिफिक नी इफ्यूजन ।
7.	डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	धन्वन्तर तैल उत्तर बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातस्थिला विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू बेनीयन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लेसिया (बीपीएच) – ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रॉयल ।
8.	डॉ. हिमाद्री मुदगल	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ वसा प्रतिसारणीय तीक्ष्ण क्षार एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय तीक्ष्ण क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अभ्यंग अर्श (इन्टरनल पाईल्स) ।
9.	डॉ. डब्ल्यू.ए.ए.पी.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ वासा क्षार

	विक्रमानायक		सूत्र इन मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला इन एनो)
10.	डॉ. शैलेन्द्र सिंह	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल असेस्मेन्ट ऑफ दोष प्रीडोमिनेन्स इन ग्रघ्रसी यूजिंग एन इलेक्ट्रोनिक डिवाईस नाड़ी तरंगिनी ।
11.	डॉ. मनमहेन्द्र सिंह	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर श्री गौरव बीलवाल	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू वेलीडेट द् एफिकेसी ऑफ 'समानगड़ी तैल' ऑन वूण्ड हिलींग इन द् रेट मोडल ।
12.	डॉ. श्रद्धा साहू	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरार	ए कम्परेटिव स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ शिघ्रु-निर्गुण्डी घन वटी इन पोस्ट-ओपरेटिव पेन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अनल फिस्टूला ।
13.	डॉ. शेखर पटेल	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरार	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ शल्लाकी एण्ड संजीवनी वटी इन मोनो आर्टिकूलर नॉन-स्पीकिंग नी इफ्यूजन।
14.	डॉ. यशोदा माली	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आईडेन्टिफिकेशन ऑफ रिस्क फेक्टर्स ऑफ गुड़ विकार (एनोरेक्टल डिज़िज) : ए होस्पीटल बेस्ड केस कन्ट्रोल स्ट्डी ।
15.	डॉ. सुमित बेरवाल	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ मिनीमल इन्वासीव क्षार सूत्र टेक्नीक इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हाई एनल फिस्टूला ।
16.	डॉ. रोहिताश गुर्जर	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ स्नूही क्षार सूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला-इन'एनो) ।
17.	डॉ. सेसन कोजू	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरार	एन ऑपन रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अग्निकर्म एण्ड रक्तमोक्षण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ग्रघ्रसी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू साइटिका ।
18.	डॉ. जितेन्द्र मेवाड़ा	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर श्री गौरव बीलवाल	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ लाक्षादि घन सिद्ध तेल इन दुष्ट व्रण ऑन रेट मॉडल ।
19.	डॉ. मिलिन्द चौधरी	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरार	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ प्लाण्टर आईओनटोफोरोसिस विथ एक्वअस वोल्यूशन ऑफ गुग्गुले रेसिन एण्ड निर्गुण्डी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पादकण्टक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्लाण्टर सासिसाईटिस ।
20.	डॉ. प्रियादीप राज	डॉ. बी. स्वप्ना	असेस्मेन्ट ऑफ क्वालिटी ऑफ लाईफ इन

		असिस्टेन्ट प्रोफेसर	पेशेन्ट्स विथ बिनाईन एनोरेक्टल डिस्आर्डर्स : ए होस्पीटल बेस्ड क्रोस सेक्शनल स्ट्डी ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण हुये –

क्र. सं.	अध्येता	निर्देशक/सह–निर्देशक	विषय
1.	डॉ. आदित्य कुमार शैल	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ तमसुलोसिन वर्तवाड़ी घन कषाय एण्ड धान्वतर तैल मात्र बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातस्थिला विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टू बेनाइन प्रोस्टैटिक हाइपरप्लासिया (बीएचपी) ।
2.	डॉ. हारीत कुमारी	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल ट्रायल टू असेस द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ प्लाण्टर आयोन इन्टोफोरोसिस विथ निर्गुण्डी एण्ड अग्निकर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पादकान्तक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्लाण्टर फासिसाइटिस ।
	डॉ. सबल प्रताप सिंह जादौन	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	रिव्यू ऑफ प्रोस्टेटिक कार्सिनोमा इन आयुर्वेदिक प्रोस्पेक्टिव एण्ड एन एक्सिपेरिमेन्टल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् प्रीवेन्टिव इफेक्ट ऑफ शिलाजीत (एस्फाल्टम पंजाबिनम) इन टैस्टोस्टेरोन इन्ड्यूज्ड प्रोस्टेटिक मालिगेंसी इन अल्बिनो रेट्स ।
	डॉ. प्रशान्त सैनी	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ प्रोटोकोल फॉर क्लिनीकल असेस्मेन्ट एण्ड एवेल्युएशन ऑफ छेदन कर्म फोलोव्ड बाई प्रतिसारणीय क्षार एज पर दोषिक प्रीडोमिनेन्स इन भगन्दर ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित जारी व प्रगति पर रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नरिन्द्र सिंह	प्रो. संजीव शर्मा निदेशक	ए स्टडी टू डवलप प्रोटोकोल फोर फ्रैक्चर मैनेजमेन्ट इन आयुर्वेद एण्ड टू एवेजयूएट ्‌ एफिकेसी ऑफ लाक्षा गुग्गुलू ऑन फ्रैक्चर हीलिंग इन एन एक्सपीरिमेन्टल मॉडल ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित जारी व प्रगति पर रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्रो. संजीव शर्मा निदेशक	ए स्टडी टू डवलप प्रोटोकोल फोर फ्रैक्चर मैनेजमेन्ट इन आयुर्वेद एण्ड टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ लाक्षा गुग्गुलू ऑन फ्रैक्चर हीलिंग एण्ड एक्सपीरिमेन्टल मॉडल ।
2.	डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरार	प्रो. संजीव शर्मा निदेशक	लो बैक पेन – रिट्रोस्पेक्टिव क्रोस सैक्शनल एनॉलेसिस ऑफ वेरियस इन्टरवेंशन्स एण्ड क्लिनीकल स्टडी टू असेस द् एफिकेसी ऑफ अग्निकर्म एण्ड वातारी गुग्गुलू ।
3.	डॉ. रिचा शर्मा	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्टडी ऑफ चित्रक, करञ्ज, वचा एण्ड दन्ती प्रतिवापित्त तीक्ष्ण अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अभ्यान्तर अर्श (इन्टरनल हेमोरॉइड्स) ।
4.	डॉ. कटारमल दुर्गा	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्टडी ऑफ अग्निकर्म, मर्म चिकित्सा एवं थैरेप्युटिक अल्ट्रासाउण्ड इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अवबाहुक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पेरीअर्थराइटिस शोल्डर ।
5.	डॉ. राहुल शर्मा	प्रो. संजीव शर्मा निदेशक	ए क्रिटिकल रिव्यू ऑफ वूण्ड मैनेजमेन्ट प्रिन्सिपल्स इन आयुर्वेद एण्ड एवेल्यूएशन ऑफ दूरवादि तेल ऑन वेरियस साईटोकिइन्स एण्ड ग्रोथ फेक्टर इन वूण्ड हीलिंग ऑन ए रेट माडल ।
6.	डॉ. राजेन्द्र कुमार	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	एन एक्सपीरिमेन्टल एण्ड क्लिनीकल स्टडी टू एवेल्यूएट द् प्रीवेंन्टिव एण्ड थैरेप्युटिक इफेक्ट ऑफ शिलाजतु इन यूरोलोथाइएसिस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अश्मरी ।

चिकित्सकीय कार्य –

विभाग के द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । विभाग में 3 ओपीडी है यथा शल्य, गुदा, अस्ति एवं मर्म चिकित्सा इकाई । आलोच्य वर्ष के दौरान, चिकित्सा की विभिन्न विधियों यथा-शल्य कर्म, अग्नि कर्म, जलोकावचरण तथा क्षारकर्म द्वारा रोगियों की

चिकित्सा की गई । विभिन्न व्याधियों से ग्रसित रोगियों पर निम्नलिखित 1,001 ऑपरेटिव प्रोसिजर्स तथा 8,900 पैरा-सर्जिकल प्रोसिजर्स किये गये -

ऑपरेटिव प्रोसिजर्स

क्र.सं.	ऑपरेटिव प्रोसिजर्स का नाम	प्रोसिजर्स की संख्या
1.	Cholecystectomy	11
2.	Appendecectomy	02
3.	Inguinal Herniotomy	03
4.	Inguinal Hernioplasty	40
5.	Inguinal Herniotomy and Hernioplasty	02
6.	Umbilical Hernioplasty	04
7.	Epigastric Hernioplasty	01
8.	Abdominal Hysterectomy	02
9.	Orchidectomy	01
10.	Hydrocele – Eversion of sac	12
11.	Breast fibroadenoma excision	07
12.	Excision	69
13.	Wart Excision	10
14.	Cyst Excision	02
15.	Surgical debridement	07
16.	Excision of forein body	02
17.	Lipoma excision	09
18.	Lobuloplasty	15
19.	Incision and Drainage(I&D)	69
20.	Aspiration of Ganglion	01
21.	Tongue tie release	01
22.	Plantar fasciitis – Agnikarma	01
23.	Circumcision	06
24.	Partial Fistulotomy with Ksharasutra	312
25.	Fistulotomy	71
26.	Fistulectomy/Exploration of tract	28
27.	Fistulectomy with Laser technique	01
28.	Fistula-in-ano – IFTAK technique	06
29.	Lords Anal Dilatation	20
30.	MAD with sentinel tag excision/Agnikarma	10
31.	Sphincterotomy with sentinel tag excision/Agnikarma	76
32.	Arsha Bandana (Plication)	30
33.	Arshas – MIPH	01
34.	Arshas – Vasosealer	02
35.	Arshas - Kshara karma	30
36.	Haemorrhoidectomy/Shastra karma	51
37.	Perianal haematoma excision	09
38.	Sclerotherapy	01
39.	Rectal polypectomy	08
40.	Gudhabhramsa – Kshara karma	03
41.	Gudhabhramsa – Rectophexy	01
42.	Nadivrana Chedana and Kshara karma (PNS)	28
43.	Condyloma excision	01
44.	Anal Papillae excision	04
45.	Colonoscopy	01
46.	Frenulotomy	02

47.	Knee effusion – Diagnostic aspiration	09
48.	Bhagna – Closed reduction	13
49.	Bhagna – (K wire/ORIF)	01
50.	Bhagna - Closed reduction with POP	02
51.	Amputation	02
52.	Torticolis release	01
	योग :	1001

पैरा–सर्जिकल प्रोसिजर्स

क्र.सं.	पैरा–सर्जिकल प्रोसिजर	प्रोसिजर्स की संख्या
1.	Kshara Karma	223
2.	Ksharasutra	745
3.	Agnikarma	380
4.	Jalaukavacharana	190
5.	Bandana karma – Dressings	7113
6.	Marma Chikitsa	260
	योग :	**8,900**

विभाग के अध्यापकों द्वारा संस्थान द्वारा राजस्थान के विभिन्न जिलों के एससी/एसटी बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित किये गए चल–चिकित्सा शिविरों में भाग लिया गया जिसका विवरण निम्न प्रकार से है:–

क्र.सं.	चिकित्सक का नाम	शिविर का स्थान	दिनांक
1.	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	श्रीमाधोपुर में आयोजित एक दिवसीय शिविर ।	16-4-2018
2.	प्रो. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरार	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में आयोजित चिकित्सा शिविर ।	29-30 अक्टु. 2018
3.	प्रो. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरार	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2018
4.	प्रो. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरार	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलोजी एवं बीपीएच की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	18-23 मार्च 2019
5.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा जाँच हेतु धोलपुर जिला के राजाखेड़ा में आयोजित चिकित्सा शिविर ।	6-8 सितम्बर2018

पीएच.डी./पीजी स्कॉलर्स

क्र.सं.	प्रतिभागी	शिविर	दिनांक
1.	डॉ. रिचा शर्मा डॉ. कटारमल दुर्गा डॉ. राहुल शर्मा डॉ. राजेन्द्र कुमार डॉ. विनोद गर्ग डॉ. नीरज जैन	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में आयोजित चिकित्सा शिविर ।	29-30 अक्टु. 2018

	डॉ. नेत्र बहादुर डॉ. सुरेश कुमार डॉ. जयवर्द्धन सिंह डॉ. हिमाद्री मुदगल डॉ. शैलेन्द्र सिंह डॉ. श्रद्धा साहु डॉ. यशोदा माली	डॉ. लोकेश यादव डॉ. दिनेश कुमार अहिरवाल डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा डॉ. डब्ल्यूएएपी विक्रमानायक डॉ. मानमहेन्द्र सिंह डॉ. शेखर पटेल	
2.	डॉ. रिचा शर्मा डॉ. राहुल शर्मा डॉ. नीरज जैन डॉ. लोकेश यादव डॉ. दिनेश कु. अहिरवाल डॉ. हिमाद्री मुदगल डॉ. शैलेन्द्र सिंह डॉ. श्रद्धा साहु डॉ. यशोदा माली डॉ. सेसन कोजू	डॉ. कटारमल दुर्गा डॉ. राजेन्द्र कुमार डॉ. नेत्र बहादुर बंसल डॉ. सुरेश कुमार डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा डॉ. डब्ल्यूएएपी विक्रमानायक डॉ. मानमहेन्द्र सिंह डॉ. शेखर पटेल डॉ. राहिताष गुर्जर डॉ. प्रियादीप राज	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2018
3.	डॉ. रिचा शर्मा डॉ. राहुल शर्मा डॉ. नीरज जैन डॉ. लोकेश यादव डॉ. दिनेश कु. अहिरवाल डॉ. हिमाद्री मुदगल डॉ. शैलेन्द्र सिंह डॉ. श्रद्धा साहु डॉ. यशोदा माली डॉ. रोहिताष गुर्जर डॉ. जितेन्द्र मेवाड़ा डॉ. प्रियादीप राज	डॉ. कटारमल दुर्गा डॉ. राजेन्द्र कुमार डॉ. नेत्र बहादुर बंसल डॉ. सुरेश कुमार डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा डॉ. डब्ल्यूएएपी विक्रमानायक डॉ. मानमहेन्द्र सिंह डॉ. शेखर पटेल डॉ. सुमीत बेरवाल डॉ. सेसन कोजू डॉ. मिलीन्द चौधरी	विभाग द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलोजी एवं बीपीएच की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	18-23 मार्च ,2019
4.	डॉ. विनोद गर्ग डॉ. यशोदा माली	डॉ. हिमाद्री मूदगल	धोलपुर, राजस्थान में चिकित्सा शिविर	3-6 सित.2018
5.	डॉ. लोकश यादव		श्रीमाधोपुर स्थित गुरुकृपा भवन में आयोजित चिकित्सा शिविर	15-4- 2018
6.	डॉ. लोकश यादव	डॉ. सुरेश कुमार	राजाखेड़ा में आयोजित गुदरोग जन्य विकृतियों के निराकरण हेतु चिकित्सा शिवर	6-8 सित. 2018
7.	डॉ. लोकश यादव		जयपुर स्थित मानसरोवर में आयोजित चिकित्सा शिविर	6-10-2018
8.	डॉ. लोकश यादव	डॉ. सुरेश कुमार	कोटा के लाडपुरा में	26-11-2018

		आयोजित चिकित्सा शिविर	
9.	डॉ. मानमहेन्द्र सिंह	सीकर के लक्ष्मणगढ़ में आयोजित चिकित्सा शिवर ।	6-11 मई2018
10.	डॉ. मानमहेन्द्र सिंह डॉ. शेखर पटेल	जयपुर स्थित महारों का मोहल्ला में आयोजित चिकित्सा शिविर ।	12-8-2018

प्रकाशन कार्य –

जर्नल्स एवं पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –विभाग के अध्यापकों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल्स में निम्नलिखित लेख प्रकाशित किये गये –

क्र.सं.	शिर्षक	प्रकाशन विवरण
प्रो. हेमन्त कुमार, प्रोफेसर द्वारा लिखित –		
1.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन नीम्ब प्रतिसारणीय क्षार एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श (इन्टरनल हेमोरॉहाइड्स) ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करण्ट एडवांस्ड रिसर्च, वॉल. 7, इश्यू 4(F), अप्रैल 2018, ISSN: 2319-6505
2.	रोल ऑफ जलौका (लीच) एण्ड क्षार कर्म इन मेटाबोलिक डिस्आर्डर्स ।	प्रोसिडिंग ऑन नेशनल सेमिनार ऑन रोल ऑफ बेसिक साइन्सेज टू डवलप डाइग्नोस्टिक टूल्स फॉर स्रोतोदुष्टि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पूर्वाअप ऑफ मेटाबोलिक डिस्आर्डर्स । अप्रैल, 2018, ISSN:978-81-7637-039-4
3.	मेटाबोलिक सिंड्राम एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद एण्ड योग ।	प्रोसिडिंग ऑन नेशनल सेमिनार ऑन रोल ऑफ बेसिक साइन्सेज टू डवलप डाइग्नोस्टिक टूल्स फॉर स्रोतोदुष्टि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पूर्वाअप ऑफ मेटाबोलिक डिस्आर्डर्स । अप्रैल, 2018, ISSN:978-81-7637-039-4
4.	मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला-इन-एनो) विथ छेदन कर्म फोलोव्ड बाई प्रतिसारणीय क्षार कर्म – ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल, वॉल-6, इश्यू-4, अप्रैल 2018, ISSN: 2320 5091
5.	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लो एनल फिस्टूला ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ डवलपमेन्ट एण्ड रिसर्च, वॉल.-8, इश्यू-5, मई, 2018 ISSN: 2230-9926
6.	मैनेजमेन्ट ऑफ मूत्राश्मरी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू यूरोलोइथाईसिस – ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ वारुणादि क्वाथ एण्ड त्रिविक्रम रस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. XII-2, अप्रैल-जून 2018 ISSN NO-2321-0435.
7.	इफेक्ट ऑफ अपामार्ग तीक्ष्ण प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गुदाभ्रंश विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पार्शिअल रेक्टल	आईजेआरएपी, 9 (4), मई, 2018, ISSN 2229-3566.

	प्रोलेप्स ।	
8.	वातास्थिल मूत्राघात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू बीनाइंन प्रोस्टेटिक हाईपरप्लासिया – ए रिव्यू आर्टिकल ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च, 4 (7), 2018, XXX-XXX, 2455-3301, ISSN SJIF Impact factor:4.639.
9.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन आरग्वधादि प्रतिसारणीय क्षार एण्ड आईआरसी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अभ्यान्त्र अर्श ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद, वॉल. XII नं. 3, जुलाई–सित. 2018, 23-30 ISSN NO-2321-0435.
10.	ए केस स्ट्डी ऑन मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला–इन–एनो) विथ एन इनोवेटिव टेक्नीक – आईएफटेक ।	आईजेआरएआर, वॉल. 5, इश्यू–3 सितम्बर, 2018 P-ISSN 2349-5138
11.	असेस्मेन्ट ऑफ इ व्रण शोधन एण्ड रोपण प्रोपर्टीज ऑफ अर्कादि घन आईन्टमेन्ट एण्ड लोशन ऑन एक्साइज्ड वूण्ड ऑफ अल्बिनो विस्टर रेट्स ।	आईजेआरएआर, वाल्यूम–5 इश्यू–4, अक्टूबर, 2018, (E-ISSN 2348-1269,P-ISSN 2349-5138)
12.	ए केस स्ट्डी ऑन मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (हाई लेवल फिस्टूला–इन–एनो) विथ एन इनोवेटिव टेक्नीक – आईएफटेक ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करण्ट रिसर्च, वॉल. 10, इश्यू–10 अक्टुबर 2018, ISSN– 0975-833X
13.	एफिकेसी ऑफ अपामार्ग तीष्ण प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श (हेमोरॉहाइड्स) – ए केस स्ट्डी ।	आईएएमजे, वाल्यूम–6, इश्यू–11 नवम्बर, 2018, ISSN: 2320 5091.
14.	मैसिव आवेरियन सिस्ट – ए केस रिपोर्ट ।	इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाईड रिसर्च, वाल्यूम–9, इश्यू–2, फरवरी. 2019, ISSN-2249 555X.
15.	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन निम्ब नीम्ब तीष्ण प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ इन्टरनल हेमोरॉहाइड्स ।	आईजेएपीसी (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
16.	इफेक्ट ऑफ अपामार्ग तीष्ण प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गुदा भ्रंश विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पार्शियल रेक्टल प्रोलेप्स ।	आईजेआरएपी ISSN 2229-3566 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
17.	रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ऑन वूण्ड पेकिंग टू एवेल्यूएट द् वूण्ड हीलिंग प्रोपर्टी ऑफ जात्यादि तेल फोलोव्ड बाई इनसिसन एण्ड ड्रेनेज ऑफ विद्रधि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सुपरफिशियल स्कीन एब्सेस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
18.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन पटाला प्रतिसारणीय क्षार एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अभ्यान्त्र अर्श ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
19.	इपिडिमियो–क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ कंचनार गुग्गुलू ऑन मेदोज–अर्बुद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लिपोमा ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
20.	एवेल्यूएशन ऑफ प्राणदा गुटिका एण्ड प्रादादि मल्हार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ फिशर–इन–एनो ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
21.	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ प्लाण्टर आईओनटोफोरोसिस (एन इनोवेटिव इनक्लूशन अण्डर अग्निकर्म) विथ अक्वस सोल्यूशन ऑफ गुग्गुलू रेसिन एण्ड 0.4% डेक्सामेथसोन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पडकंटक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्लाण्टर फाइसाइसिस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
22.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ कंचनार गुग्गुलू एण्ड योग	जर्नल ऑफ आयुर्वेद

	बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातस्थिल विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू बी.पी.एच. ।	ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
23.	शोधन इफेक्ट ऑफ करावृयादि रसक्रिया इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ दुष्टव्रण अलांग विथ एन्टीमाइक्रोबाइल एक्टिविटी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
24.	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ कदली, आरग्वध एण्ड पलाश क्षारसूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातज, पित्तज एण्ड कफज भगन्दर।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
25.	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ मृदु, मध्यम एण्ड तीक्ष्ण अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श (इन्टरनल होमेरोहोइड्स) ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
26.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन स्कलरोथेरेपी एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय तीक्ष्ण क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फर्स्ट एण्ड सेकण्ड डिग्री इन्टरनल होमेरोहोइड्स ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
27.	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ विभितकी क्षारसूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला-इन-एनो) ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
28.	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ गुग्गुलू एण्ड सालकी आलंग विथ हरिद्रा एण्ड गुडूची कषाय इन क्रोष्टूकासिरा विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू नॉन-स्पेसिफिक नी इफ्यूजन ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
29.	ए कम्परेटिव क्निीकल स्ट्डी ऑफ अपामार्ग प्रतिसारणीय तीक्ष्ण क्षार कर्म एण्ड थारिइच प्रोसिज इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गुदाभ्रंश विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पार्शियल रेक्टल प्रोलेप्स ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
30.	एन्टी-इन्फलेमेटरी एण्ड एनालजेसिक एक्टिविटी ऑफ निर्गुण्डी (विटेक्स नेगुण्डो) होल प्लाण्ट एक्सट्रेक्ट ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
31.	क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ मुष्ठादि-उपनाह एण्ड थैरेप्युटिक एसेन्ट्रीक एक्सरसाईज (टीईई) इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ संयुविकार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टेनीस एल्बो : ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
32.	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ तमसुलोसिन वर्तवाड़ी घन कषाय एण्ड धान्वतर तैल मात्र बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातस्थिला विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टू बेनाइन प्रोस्टैटिक हाइपरप्लासिया (बीएचपी) ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
33.	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल ट्रायल टू असेस द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ प्लाण्टर आयोन्टोफोरोसिस विथ निर्गुण्डी एण्ड अग्निकर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पादकान्तक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्लाण्टर फासिसाइटिस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
34.	रिव्यू ऑफ प्रोस्टेटिक कार्सिनोमा इन आयुर्वेदिक प्रोस्पेक्टिव एण्ड एन एक्सपेरिमेन्टल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् प्रीवेन्टिव इफेक्ट ऑफ शिलाजीत (एस्फाल्टम पंजाबिनम) इन टैस्टोस्टेरोन इन्ड्यूज्ड प्रोस्टेटिक मालिगेंसी इन अल्बिनो रेट्स ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
35.	डवलपमेन्ट ऑफ प्रोटोकोल फॉर क्लिनीकल असेस्मेन्ट एण्ड	जर्नल ऑफ आयुर्वेद

	एवेल्युएशन ऑफ छेदन कर्म फोलोव्ड बाई प्रतिसारणीय क्षार एज पर दोषिक प्रीडोमिनेन्स इन भगन्दर ।	ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
36.	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लो एनल फिस्टूला ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
37.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन निम्ब प्रतिसारणीय क्षार एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श (इन्टरनल होमेरोहोइड्स)।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
38.	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ शुंठ्यादि क्वाथ विथ एण्ड विथआऊट त्रिविक्रम रस इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मूत्राश्मरी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू यूरोलीथाइसिस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
39.	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ बहत्तसिंहनाद गुग्गुलू, गोदन्ति, रसमाणिक्य विथ महारास्नादि कषाय इन नॉन-स्पेसिफिक नी एफूज़न ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
40.	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू असेस द् एफिकेसी ऑफ लाक्षा गुग्गुलू ऑन फ्रक्चर हीलिंग इन रेबिट मॉडल ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
डॉ. अशोक कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा लिखित -		
41.	मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला-इन-एनो) विथ छेदन कर्म फोलोव्ड बाई प्रतिसारणीय क्षार कर्म - ए केस स्ट्डी ।	आईएएमजे, वॉल. 6, इश्यू-4 April, 2018, ISSN:2320 5091
42.	मैनेजमेन्ट ऑफ मूत्राश्मरी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू यूरोलीथाइसिस - ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ वरुनादि क्वाथ एण्ड त्रिविक्रम रस।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. XII-2, अप्रैल-जून 2018, ISSN : 2321-0435.
43.	ए केस स्ट्डी ऑन मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (किस्टूला-इन-एनो) विथ एन इनोवेटिव टेक्नीक ।	आईजेआरएआर, वॉल. 5, इश्यू 3, सित., 2018,E-ISSN 2348-1269, P-ISSN 2349-5138
44.	असेस्मेन्ट ऑफ द् व्रण शोधन एण्ड रोपण प्रोपर्टीज ऑफ अर्कादि घन आइन्टमेन्ट एण्ड लोशन ऑन एक्साइस्ड वूण्ड ऑफ एल्बिनो विस्टर रेट्स ।	आईजेआरएआर वाल. 5, इश्यू 4, अक्टू. 2018 ISSN 2349-5138
डॉ. नरिन्द्र सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा लिखित -		
45.	असेस्मेन्ट ऑफ द् व्रण शोधन एण्ड रोपण प्रोपर्टीज ऑफ अर्कादि घन आइन्टमेन्ट एण्ड लोशन ऑन एक्साइस्ड वूण्ड ऑफ एल्बिनो विस्टर रेट्स ।	आईजेआरएआर वाल. 5, इश्यू 4, अक्टू. 2018 ISSN 2349-5138
46.	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ बहत्तसिंहनाद गुग्गुलू, गोदन्ति, रसमाणिक्य विथ महारास्नादि कषाय इन नॉन-स्पेसिफिक नी एफूज़न विज़-ए-विज़ जानू संधि श्लेष्मधारा कला शोथ ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
47.	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू असेस द् इफेक्ट ऑफ लाक्षा गुग्गुलू ऑन भग्न फ्रक्चर हीलिंग इन रेबिट मॉडल ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
डॉ. बी. स्वप्ना, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा लिखित -		
48.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन आरग्वधादि प्रतिसारणीय क्षार एण्ड आईआरसी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अभ्यान्त्र अर्श ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल.XII नं.3, जुलाई-सितम्बर 2018 ISSN : 2321-0435.
डॉ. मनोरमा सिंह, लेक्चरार द्वारा लिखित -		

49.	ए रिव्यू ऑन फ्रक्चर्स : आयुर्वेदिक क्लासिफिकेशन इन मॉडर्न प्रस्पेक्टिव ।	आईजेआरएपी (प्रकाशन हेतु स्वीकृत) स्कोपस इन्डेकस्ड ISSN Print: 2277-4343
50.	आर्टिकल ऑन बोन एण्ड जोइन्ट्स हैल्थ ।	हैल्थ सप्लीमेन्ट राजस्थान पत्रिका समाचारपत्र 10-8-2018.
पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा लिखित – डॉ. आदित्य कुमार शेल		
1.	इफेक्ट ऑफ अपामार्ग तीक्ष्ण प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गुदाभ्रंश विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पार्शिअल रेक्टल प्रोलेप्स ।	आईजेआरएपी, 9 (4), मई, 2018, ISSN 2229-3566.
2.	वातास्थिल मूत्राघात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू बीनाइंन प्रोस्टेटिक हाईपरप्लासिया – ए रिव्यू आर्टिकल ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च, 4 (7), 2018, XXX-XXX, 2455-3301, ISSN SJIF Impact factor:4.639.
3.	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ तमसुलोसिन वर्तवाड़ी घन कषाय एण्ड धान्वतर तैल मात्र बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातस्थिला विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टू बेनाइन प्रोस्टैटिक हाइपरप्लासिया (बीएचपी) ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
डॉ. प्रशान्त सैनी		
4	मैनेजमेन्ट ऑफ मूत्राश्मरी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू यूरोलोइथाईसिस – ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ वारुणादि क्वाथ एण्ड त्रिविक्रम रस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. XII-2, अप्रैल–जून 2018 ISSN NO-2321-0435.
5	मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला–इन–एनो) विथ छेदन कर्म फोलोव्ड बाई प्रतिसारणीय क्षार कर्म – ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल, वॉल–6, इश्यू–4, अप्रैल 2018, ISSN: 2320 5091
6	मैसिव ओवरियन सिस्ट – ए केस रिपोर्ट ।	इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, वाल्यूम–9, इश्यू–2 फरवरी 2019, ISSN : 2249
7	डवलपमेन्ट ऑफ प्रोटोकोल फॉर क्लिनीकल असेस्मेन्ट एण्ड एवेल्युएशन ऑफ छेदन कर्म फोलोव्ड बाई प्रतिसारणीय क्षार एज पर दोषिक प्रीडोमिनेन्स इन भगन्दर ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
डॉ. सवल प्रताप सिंह जादौन		
8	रिव्यू ऑफ प्रोस्टेटिक कार्सिनोमा इन आयुर्वेदिक प्रोस्पेक्टिव एण्ड एन एक्सिपेरिमेन्टल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् प्रीवेन्टिव इफेक्ट ऑफ शिलाजीत (एस्फाल्टम पंजाबिनम) इन टैस्टोस्टेरोन इन्ड्यूज्ड प्रोस्टेटिक मालिगेंसी इन अल्बिनो रेट्स ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
डॉ. हारित कुमारी		
9	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल ट्रायल टू असेस द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ प्लाण्टर आयोन्टोफोरोसिस विथ निर्गुण्डी एण्ड अग्निकर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पादकान्तक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्लाण्टर फासिसाइटिस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
डॉ. कटारमल दुर्गा		

10	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ गुग्गुलू एण्ड सालकी आलंग विथ हरिद्रा एण्ड गुडूची कषाय इन क्रोष्टूकासिरा विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू नॉन-स्पेसिफिक नी इफ्यूजन ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा प्रकाशित डॉ. विनोद मौर्य		
11	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लो एनल फिस्टूला ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ डवलपमेन्ट एण्ड रिसर्च, वॉल.-8, इश्यू-5, मई, 2018 ISSN: 2230-9926
12	ए केस स्ट्डी ऑन मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला-इन-एनो) विथ एन इनोवेटिव टेक्नीक - आईएफटेक ।	आईजेआरएआर, वॉल. 5, इश्यू-3 सितम्बर, 2018 P-ISSN 2349-5138
13	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लो एनल फिस्टूला ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ डवलपमेन्ट एण्ड रिसर्च, वॉल.-8, इश्यू-5, मई, 2018 ISSN: 2230-9926
डॉ. विनोद गर्ग		
14	एफिकेसी ऑफ अपामार्ग तीष्ण प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श (हेमोरॉहाइड्स) - ए केस स्ट्डी ।	आईएएमजे, वाल्यूम-6, इश्यू-11 नवम्बर, 2018, ISSN: 2320 5091.
15	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ शुंठ्यादि क्वाथ विथ एण्ड विथआऊट त्रिविक्रम रस इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मूत्राश्मरी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू यूरोलीथाइसिस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
डॉ. राम सिन्हा		
16	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन नीम्ब प्रतिसारणीय क्षार एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श (इन्टरनल हेमोरॉहाइड्स) ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करण्ट एडवांस्ड रिसर्च, वॉल. 7, इश्यू 4(F), अप्रैल 2018, ISSN: 2319-6505
17	ए केस स्ट्डी ऑन मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला-इन-एनो) विथ एन इनोवेटिव टेक्नीक - आईएफटेक ।	आईजेआरएआर, वॉल. 5, इश्यू-3 सितम्बर, 2018 P-ISSN 2349-5138
18	एफिकेसी ऑफ अपामार्ग तीष्ण प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श (हेमोरॉहाइड्स) - ए केस स्ट्डी ।	आईएएमजे, वाल्यूम-6, इश्यू-11 नवम्बर, 2018, ISSN: 2320 5091.
19	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन निम्ब नीम्ब तीष्ण प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ इन्टरनल हेमोरॉहाइड्स ।	आईजेएपीसी (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
20	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन नीम्ब प्रतिसारणीय क्षार एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श (इन्टरनल हेमोरॉहाइड्स) ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
डॉ. अतुल अग्रवाल		
21	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू असेस द् एफिकेसी ऑफ लाक्षा गुग्गुलू ऑन फ्रक्चर हीलिंग इन रेबिट मॉडल ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
डॉ. राकेश प्रसाद		
22	एवेल्युएशन ऑफ द् एफिकेसी ऑफ द् अर्कादि घन ओइन्टमेन्ट एण्ड लोशन ऑन व्रण (एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी) ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
Dr. Neraja Jain		
23	रोल ऑफ जलौका (लीच) एण्ड क्षार कर्म इन मेटाबोलिक	प्रोसिडिंग ऑन नेशनल सेमिनार

	डिस्आर्डर्स ।	ऑन रोल ऑफ बेसिक साइन्सेज टू डवलप डाइग्नोस्टिक टूल्स फॉर स्रोतोदुष्टि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पूर्वाअप ऑफ मेटाबोलिक डिस्आर्डर्स । अप्रैल, 2018, ISSN:978-81-7637-039-4
24	मेटाबोलिक सिंड्राम एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद एण्ड योग ।	प्रोसिडिंग ऑन नेशनल सेमिनार ऑन रोल ऑफ बेसिक साइन्सेज टू डवलप डाइग्नोस्टिक टूल्स फॉर स्रोतोदुष्टि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पूर्वाअप ऑफ मेटाबोलिक डिस्आर्डर्स । अप्रैल, 2018, ISSN:978-81-7637-039-4
25	इफेक्ट ऑफ बस्ति थैरेपी एण्ड आयुर्वेदिक कम्पाउण्ड इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातस्थिला विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू बेनीयन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लेसिया (बीपीएच) ।	IJCAR, Vol 7, Issue 8(C) Aug, 2018,ISSN : 2319-6505
26	एवेल्यूएशन ऑफ द् चैन्जेज इन लेवल ऑफ 5-अल्फा रिडक्ट्स, टेस्टोस्टेरोन एण्ड डिहाइड्रोटेस्टोस्टेरोन इन पेशेन्ट् ऑफ वातस्थिला विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू बीनाइंन प्रोस्टेटिक हाईपरप्लासिया अण्डरगोइंग आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ।	आईजेसीएआर वॉल.-7, इश्यू 9(E) सितम्बर., 2018,ISSN : 2319-6505
27	स्टील द् कनसेप्ट ऑफ सुश्रुत इन अलाइव - ए केस रिपोर्ट ऑफ सर्वाइवल ऑफ द् पेशेन्ट अज पर सुश्रुत प्रिन्सिपल इवन थ्रू इंटेसटाइनल परफोरमेशन फोलोव्ड बाई फेसिअल फिस्टूला फोर्मेशन ।	आईजेसीएआर वॉल.-7, इश्यू 9(E) सितम्बर., 2018,ISSN : 2319-6505

(7) विभाग द्वारा आयोजित सीएमई कार्यक्रम/कार्यशालाऐं

(क) क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम : विभाग द्वारा 45 दिवसीय क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रति बैच 10 की प्रवेश क्षमता के साथ आयुर्वेद के स्नातकों, अभ्यासियों, चिकित्सा अधिकारियों, शिक्षकों एवं शोधार्थियों हेतु प्रारम्भ किया गया है। पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षार कर्म, क्षार कर्म एवं उनका गुदारोग जन्य विकारों विशेषतया फिस्टुला, अर्श एवं साइनस रोगों में उपचार में प्रबन्धन करना है । अब तक 4 बैचों का पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया है एवं 47 अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गए हैं ।

(ख) मैनेजमेन्ट ऑफहेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम : विश्व बवासीर दिवस के अवसर पर 19-11-2018 को मैनेजमेन्ट ऑफ हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया । अध्येताओं के लाभार्थ विभाग के संकाय सदस्यां द्वारा अति-महत्त्वपूर्ण व्याख्यान दिये गये ।

(ग) मैनेजमेन्ट ऑफअर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम : विश्व बवासीर दिवस के अवसर पर 20-11-2018 को मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया । अध्येताओं के लाभार्थ विभाग के संकाय सदस्यां द्वारा अति-महत्त्वपूर्ण व्याख्यान दिये गये ।

(घ) कार्यशाला – प्रोटोकोन 2019 – विभाग एवं सुश्रुत प्रोटोकोलॉजी एसोसिएशन द्वारा 2–3 फरवरी 2019 को संस्थान के सभागार में 6ठवाँ वार्षिक सम्मेलन और लाइव प्रदर्शन कार्यशाला – प्रोटोकोन 2019 आयोजित की गई । इस कार्यक्रम में 600 प्रतिभागियों ने भाग लिया । इस सम्मेलन में विभिन्न आयुर्वेदिक महाविद्यालयों से आमंत्रित प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा मुख्य व्याख्यान दिये गये ।

कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/सीएमई में सहभागिता एवं शोध पत्र प्रस्तुतिकरण–

क्र.सं.	कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई कार्यक्रम का विवरण	तिथि
डॉ. पी. हेमन्थ कुमार, प्रोफेसर		
1.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु आयोजन सचिव एवं रिसोर्स पर्सन ।	9-23 मई 2018
2.	विभाग एवं द् एसोसिएशन ऑफ शलाकी (राजस्थान शाखा) द्वारा संयुक्तरूप से आयोजित रिसेन्ट एडवान्सेज इन रेटिनल डिजिज एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विषयक राज्य स्तरीय प्रथम सीएमई कार्यक्रम ।	26 अप्रैल 2018
3.	आयुर्वेदिक एनोरेक्टल इंस्टीट्यूट, हैदराबाद द्वारा आयोजित प्रोक्टोहिता 2018 – क्षार कर्म एण्ड क्षार सूत्र इन एनोरेक्टल डिजिज विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन एवं लाइव सर्जिकल कार्यशाला ।	12-13मई 2018
4.	संस्थान के प्रसूति तंत्र एवं स्त्रीरोग स्नातकोत्तर विभाग द्वारा आयोजित कोलपोस्कोपी विषयक कार्यशाला ।	22जून 2018
5.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु आयोजन सचिव एवं रिसोर्स पर्सन ।	1जून -15 जुलाई 2018
6.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु आयोजन सचिव एवं रिसोर्स पर्सन ।	18जुलाई-31अग. 18
7.	संस्थान आयोजित टीचिंग मॅथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	6-8अगस्त 2018
8.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइनल डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23अगस्त2018
9.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	24-25अगस्त 2018
10.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु आयोजन सचिव एवं रिसोर्स पर्सन ।	5सितम्बर - 19अक्टूबर2018
11.	संस्थान द्वारा आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	4-6अक्टूबर,2018
12.	गल्फ हैल्थ केयर, जयपुर द्वारा आयोजित वूण्ड हीलिंग विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	25अक्टूबर, 2018
13.	विभाग एवं सालुमिक हर्ब फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा आयोजित रक्तस्राव विषयक सीएमई कार्यक्रम में आयोजन सचिव एवं रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	19नवम्बर2018
14.	विभाग एवं हिमालया ड्रग कम्पनी, बेंगलुरु द्वारा आयोजित अर्श/बवासीर के प्रबन्ध विषयक सीएमई कार्यक्रम में आयोजन सचिव एवं रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	20 नवम्बर2018
15.	आयुष मंत्रालय एवं वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा अहमदाबाद स्थित के गुजरात विश्वविद्यालय के सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केन्द्र में आयोजित 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस में समीक्षक के रूप में भाग लिया ।	14-17 दिसम्बर 2018

16.	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन के साथ एकीकरण – आपदा प्रभाव मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	18-20 दिसम्बर2018
17.	डाबर इंडिया लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित आयुर्वेद संवाद विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	30नवम्बर2018
18.	जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर आयुर्वेद में स्वास्थ्य रक्षा प्रबन्धन एवं पंचकर्म तकनिकों विषय पर आयोजित कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	18-19जनवरी 2019
19.	विभाग एवं सुश्रुत प्रोटोकोलॉजी एसोसिएशन द्वारा संस्थान के सभागार में आयोजित 6ठवाँ वार्षिक सम्मेलन और लाइव प्रदर्शन कार्यशाला – प्रोटोकोन 2019 आयोजित की गई ।	2-3फरवरी 2019
20.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7फरवरी 2019
21.	राजस्थान सरकार के आयुर्वेद विभाग द्वारा राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान, जयपुर में सहायक चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित पुनः प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	1मार्च 2019
22.	संस्थान के स्नातकोत्तर प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग एवं सोलुमिक्स हर्बास्यूटिकल्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा आयोजित पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	8मार्च 2019
प्रो. अशोक कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर		
1.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	9-23 मई 2018
2.	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला ।	2मई 2018
3.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	1-15 जुलाई 2018
4.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	18जुलाई-31अग. 18
5.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइनल डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23अगस्त2018
6.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	24-25अगस्त 2018
7.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	5सितम्बर - 19अक्टूबर2018
8.	श्री–कर्माभ्यास, प्रॉक्टोलॉजी सर्जरी विषयक कार्यशाला ।	5-6अक्टूबर2018
9.	गल्फ हैल्थ केयर, जयपुर द्वारा आयोजित वूण्ड हीलिंग विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	25अक्टूबर, 2018
10.	विभाग एवं सालुमिक हर्ब फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा आयोजित रक्तस्राव विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	19नवम्बर2018
11.	विभाग एवं हिमालया ड्रग कम्पनी, बेंगलुरु द्वारा आयोजित अर्श/बवासीर के प्रबन्ध विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	20 नवम्बर2018
12.	विभाग एवं सुश्रुत प्रोटोकोलॉजी एसोसिएशन द्वारा संस्थान के सभागार में आयोजित 6ठवाँ वार्षिक सम्मेलन और लाइव प्रदर्शन कार्यशाला – प्रोटोकोन 2019 आयोजित की गई में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	2-3फरवरी 2019

13.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7फरवरी 2019
डॉ. नरीन्द्र सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
1.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	9-23 मई 2018
2.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	1जून -15 जुलाई 2018
3.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	18जुलाई-31अग. 18
4.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइनल डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23अगस्त2018
5.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	24-25अगस्त 2018
6.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	5सितम्बर - 19अक्टूबर2018
7.	गल्फ हैल्थ केयर, जयपुर द्वारा आयोजित वूण्ड हीलिंग विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	25अक्टूबर, 2018
8.	विभाग एवं सालुमिक हर्बास्युटिकल्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा आयोजित रक्तस्राव विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	19नवम्बर2018
9.	विभाग एवं हिमालया ड्रग कम्पनी, बेंगलुरु द्वारा आयोजित अर्श/बवासीर के प्रबन्ध विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	20 नवम्बर2018
10.	विभाग एवं सुश्रुत प्रोटोकोलॉजी एसोसिएशन द्वारा संस्थान के सभागार में आयोजित 6ठवाँ वार्षिक सम्मेलन और लाइव प्रदर्शन कार्यशाला – प्रोटोकोन 2019 आयोजित की गई में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	2-3फरवरी 2019
11.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7फरवरी 2019
डॉ. बी. स्वप्ना, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
1.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	9-23 मई 2018
2.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	1जून -15 जुलाई 2018
3.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	18जुलाई-31अग. 18
4.	संस्थान आयोजित टीचिंग मॅथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	6-8अगस्त 2018
5.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइनल डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23अगस्त2018
6.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	24-25अगस्त 2018
7.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	5सितम्बर - 19अक्टूबर2018
8.	गल्फ हैल्थ केयर, जयपुर द्वारा आयोजित वूण्ड हीलिंग विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	25अक्टूबर, 2018

9.	विभाग एवं सालुमिक हर्बास्युटिकल्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा आयोजित रक्तस्राव विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	19नवम्बर2018
10.	विभाग एवं हिमालया ड्रग कम्पनी, बेंगलुरु द्वारा आयोजित अर्श/बवासीर के प्रबन्ध विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	20 नवम्बर2018
11.	विभाग एवं सुश्रुत प्रोटोकोलॉजी एसोसिएशन द्वारा संस्थान के सभागार में आयोजित 6ठवाँ वार्षिक सम्मेलन और लाइव प्रदर्शन कार्यशाला – प्रोटोकोन 2019 आयोजित की गई में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	2-3फरवरी 2019
12.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7फरवरी 2019
डॉ. मनोरमा सिंह, लेक्चरार		
1.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	9-23 मई 2018
2.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	1जून -15 जुलाई 2018
3.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	18जुलाई-31अग. 18
4.	संस्थान में आयोजित जयपुर कैंसर रिलीफ सोसायटी द्वारा कैंसर जागरुकता कार्यक्रम में एंकर एवं स्टेज कमेटी के कॉर्डिनेटर के रूप में तथा रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	31जुलाई, 2018
5.	राजस्थान पत्रिका टी.वी. के हैलो डॉक्टर कार्यक्रम में राष्ट्रीय अस्थि एवं सन्धि दिवस के अवसर अतिथि व्याख्यान दिया गया ।	4अगस्त, 2018
6.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइनल डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23अगस्त2018
7.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	24-25अगस्त 2018
8.	विभाग द्वारा चिकित्साधिकारियों एवं अभ्यासियों हेतु आयोजित क्षारसूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन ।	5सितम्बर - 19अक्टूबर2018
9.	जयपुर स्थित होटल मेरियट में आयोजित डब्ल्यूएचओ – कार्य समूह के उपवेशन में एंकर एवं स्टेज कमेटी के कॉर्डिनेटर के रूप में तथा रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	17-19सित., 2018
10.	विभाग एवं सालुमिक हर्बास्युटिकल्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा आयोजित रक्तस्राव विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	19नवम्बर2018
11.	विभाग एवं हिमालया ड्रग कम्पनी, बेंगलुरु द्वारा आयोजित अर्श/बवासीर के प्रबन्ध विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	20 नवम्बर2018
12.	अहमदाबाद में आयोजित 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस में 'रिमूवल ऑफ ब्राकन आईएलएन – ए केस प्रजेन्टेशन' विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।	16दिस. 2018
13.	संस्थान में आयुर्वेद कौशलम विषयक महिला आयुर्वेद अभ्यासियों हेतु आयोजित कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन, एंकर एवं मंच समन्वय समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया गया ।	23अक्टूबर2018
14.	अहमदाबाद में आयोजित 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	14-17दिसम्बर2018
15.	विभाग एवं सुश्रुत प्रोटोकोलॉजी एसोसिएशन द्वारा संस्थान के सभागार में	2-3फरवरी 2019

	आयोजित 6ठवाँ वार्षिक सम्मेलन और लाइव प्रदर्शन कार्यशाला – प्रोटोकोन 2019 आयोजित की गई में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	
16.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	6-7फरवरी 2019
17.	राजस्थान सरकार के आयुर्वेद विभाग द्वारा राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान, जयपुर में सहायक चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित पुनः प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	1मार्च 2019

अध्येतओं द्वारा कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/सीएमई में सहभागिता एवं शोध पत्र प्रस्तुतिकरण–

विभाग के स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं ने देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित निम्नलिखित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सक्रियता से भाग लिया –

	8मार्च 2019

क्र.सं.	कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई कार्यक्रम का विवरण	तिथि
1.	सोलुमिक्स हर्बास्यूटिकल्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा आयोजित रक्तस्राव विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	19 नव. 2018
	पीएच.डी.स्कॉलर्स डॉ. एसपीएस जादौन, डॉ. कटारमल दुर्गा, डॉ. रिचा शर्मा, डॉ. राजेन्द्र कुमार, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. रामप्रसाद सिंन्हा । पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. विनोद मौर्य, डॉ. विनोद कुमार गर्ग, डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. राकेश प्रसाद, डॉ. सोमदत्त सैनी, डॉ.नरेश धाकड़, डॉ. नीरज जैन, डॉ. नेत्र बहादुर बासनै, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. दिनेश कुमार अहिरवाल, डॉ. लोकश यादव, डङ्गॅऋ जयवर्द्धन सिंह, डॉ. डब्ल्यूएएपी विक्रमनायके,डॉ. हिमाद्री मुदगल, डॉ. मानमहेन्द्र सिंह, डॉ. श्रद्धा साहु, डॉ. शेखर पटेल, डॉ. **यशोदा माली,** डॉ. शैलेन्द्र सिंह ।	
2.	विभाग एवं हिमालया ड्रग कम्पनी, बेंगलुरु द्वारा आयोजित अर्श/बवासीर के प्रबन्ध विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	20 नवम्बर2018
	पीएच.डी.स्कॉलर्स डॉ. एसपीएस जादौन, डॉ. कटारमल दुर्गा, डॉ. रिचा शर्मा, डॉ. राजेन्द्र कुमार, डॉ. राहुल शर्मा । पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. राम प्रसाद सिन्हा, डॉ. विनोद मौर्य, डॉ. विनोद कुमार गर्ग, डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. राकेश प्रसाद, डॉ. सोमदत्त सैनी, डॉ.नरेश धाकड़, डॉ. नीरज जैन, डॉ. नेत्र बहादुर बासनै, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. लोकश यादव, डॉ. जयवर्द्धन सिंह, डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा, डॉ. डब्ल्यूएएपी विक्रमनायके,डॉ. हिमाद्री मुदगल, डॉ. मानमहेन्द्र सिंह, डॉ. श्रद्धा साहु, डॉ. शेखर पटेल, डॉ. **यशोदा माली,** डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. प्रियादीप राज ।	
3.	विभाग एवं सुश्रुत प्रोटोकोलॉजी एसोसिएशन द्वारा संस्थान के सभागार में आयोजित 6ठवाँ वार्षिक सम्मेलन और लाइव प्रदर्शन कार्यशाला – प्रोटोकोन 2019 आयोजित की गई ।	2-3फरवरी 2019
	पीएच.डी.स्कॉलर्स डॉ. कटारमल दुर्गा, डॉ. रिचा शर्मा, डॉ. राजेन्द्र कुमार, डॉ. राहुल शर्मा। पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. राम प्रसाद सिन्हा, डॉ. विनोद मौर्य, डॉ. विनोद कुमार गर्ग, डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. राकेश प्रसाद, डॉ. सोमदत्त सैनी, डॉ.नरेश धाकड़, डॉ. नीरज जैन, डॉ. नेत्र बहादुर बासनै, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. लोकश यादव, डॉ. जयवर्द्धन सिंह, डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा, डॉ. डब्ल्यूएएपी विक्रमनायके,डॉ. हिमाद्री मुदगल, डॉ. मानमहेन्द्र सिंह, डॉ. श्रद्धा साहु, डॉ. शेखर पटेल, डॉ. **यशोदा माली,** डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. सुमित बेरवाल, डॉ. सेसन काजू, डॉ.	

	जितेन्द्र मेवाड़ा, डॉ. मिलिन्द चौधरी, डॉ. प्रियादीप राज ।	
4.	संस्थान में आयोजित नाड़ी परीक्षा विषय कार्यक्रशाला एवं संस्थान के पूर्व छात्रों हेतु आयोजित मिलन कार्यक्रम ।	6-7फरवरी 2019
	पीएच.डी.स्कॉलर्स डॉ. कटारमल दुर्गा, डॉ. रिचा शर्मा, डॉ. राजेन्द्र कुमार, डॉ. राहुल शर्मा। पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. नीरज जैन, डॉ. नेत्र बहादुर बासनै, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. दिनेश कुमार अहिरवाल, डॉ. लोकश यादव, डॉ. जयवर्द्धन सिंह, डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा, डॉ. डब्ल्यूएएपी विक्रमनायके,डॉ. हिमाद्री मुदगल, डॉ. मानमहेन्द्र सिंह, डॉ. श्रद्धा साहु, डॉ. शेखर पटेल, डॉ. **यशोदा माली,** डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. सुमित बेरवाल, डॉ. सेसन काजू, डॉ. जितेन्द्र मेवाड़ा, डॉ. मिलिन्द चौधरी, डॉ. प्रियादीप राज ।	
5.	वाराणासी में आयोजित वर्ल्ड काँग्रेस ऑफ आयुर्वेद में भाग लेकर रोल ऑफ स्नुही क्षार जल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ फिस्टूलस वूण्ड विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू भगन्दर – ए केस स्ट्डी विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।	मार्च 2019
	पीएच.डी.स्कॉलर डॉ. कटारमल दुर्गा ।	
6.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाइनल डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	23अगस्त2018
	पीएच.डी.स्कॉलर्स डॉ. रिचा शर्मा, डॉ. राजेन्द्र कुमार, डॉ. राहुल शर्मा। पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. राम प्रसाद सिन्हा, डॉ. नीरज जैन, डॉ. नेत्र बहादुर बासनै, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. दिनेश कुमार अहिरवाल, डॉ. लोकश यादव, डॉ. जयवर्द्धन सिंह, डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा, डॉ. डब्ल्यूएएपी विक्रमनायके,डॉ. हिमाद्री मुदगल, डॉ. मानमहेन्द्र सिंह, डॉ. श्रद्धा साहु, डॉ. शेखर पटेल, डॉ. **यशोदा माली,** डॉ. शैलेन्द्र सिंह ।	
7.	संस्थान द्वारा आयर्वुेद दिवस 2018 के अवसर पर आयोजित आयुर्वेद कौशलम विषयक कार्यशाला ।	23अक्टूबर 2018
	पीएच.डी.स्कॉलर डॉ. रिचा शर्मा । पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. हिमाद्री मुदगल, डॉ. श्रद्धा साहु, डॉ. **यशोदा माली ।**	
8.	**संस्थान द्वारा आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू योग विषयक कार्यशाला ।**	**जून** 2018
	पीएच.डी.स्कॉलर्स डॉ. राजेन्द्र कुमार, डॉ. राहुल शर्मा ।	
9.	संस्थान द्वारा आयोजित – क्या खायें, कैसे खायें – विषयक कार्यक्रम ।	जुलाई 2018
	पीएच.डी.स्कॉलर्स डॉ. राजेन्द्र कुमार, डॉ. राहुल शर्मा ।	
10.	संस्थान द्वारा आयोजित – मैनेजमेन्ट ऑफ कैंसर – विषयक कार्यक्रम ।	31जुलाई 2018
	पीएच.डी.स्कॉलर्स डॉ. राजेन्द्र कुमार, डॉ. राहुल शर्मा ।	
11.	संस्थान द्वारा आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	4-6अक्टूबर,2018
	पीएच.डी.स्कॉलर्स डॉ. राजेन्द्र कुमार, डॉ. राहुल शर्मा । पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. राम प्रसाद सिन्हा, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. दिनेश कुमार अहिरवाल, डॉ. लोकश यादव, डॉ. जयवर्द्धन सिंह, डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा, डॉ. डब्ल्यूएएपी विक्रमनायके,डॉ. श्रद्धा साहु, डॉ. शैलेन्द्र सिंह ।	
12.	संस्थान द्वारा आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेण्डिग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	24-25अगस्त 2018
	पीएच.डी.स्कॉलर्स डॉ. राजेन्द्र कुमार, डॉ. राहुल शर्मा । पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. राम प्रसाद सिन्हा, डॉ. डब्ल्यूएएपी विक्रमनायके,डॉ. मानमहेन्द्र सिंह, डॉ. शैलेन्द्र सिंह ।	
13.	अहमदाबाद में आयोजित 8वाँ वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस ।	14-17 दिस. 2018
	पीएच.डी.स्कॉलर्स डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. राकेश प्रसाद ।	

	पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. राम प्रसाद सिन्हा, डॉ. नीरज जैन, डॉ. दिनेश कुमार अहिरवाल ।	
14.	आयुर्वेदिक एनोरेक्टल इंस्टीट्यूट, हैदराबाद द्वारा आयोजित प्रोक्टोहिता 2018 – क्षार कर्म एण्ड क्षार सूत्र इन एनोरेक्टल डिजिज विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन एवं लाइव सर्जिकल कार्यशाला ।	12-13मई 2018
	पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. राम प्रसाद सिन्हा, डॉ. विनोद मौर्य, डॉ. लोकेश यादव, डॉ. शेखर पटेल ।	
15.	संस्थान परिसर में हिमालय ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मंथन प्रजेन्टेशन कॉन्टेस्ट विषयक प्रतियोगिता ।	10अप्रैल, 2018
	पी.जी.स्कॉलर डॉ. नीरज जैन ।	
16.	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन, इंडिया द्वारा आयोजित रोल ऑफ बेसिक साइन्सेज टू डवलप डायग्नोस्टिक टूल्स फॉर श्रोतोदुष्टि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पूर्वरुप (प्रोड्रोमल सिमटम्स) ऑफ मेटोबोलिक डिस्आर्डर्स विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर मेटाबोलिक सिंड्रोम एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद एण्ड योग विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।	16-17अप्रैल, 18
	पी.जी.स्कॉलर डॉ. नीरज जैन ।	
17.	वैदिक दर्शन, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान के संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा योग एवं स्वास्थ्य विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।	7-21जून 18
	पी.जी.स्कॉलर डॉ. नीरज जैन ।	
18.	डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित रिसेन्ट एडवान्सेज इन ट्रेडिशनल हीलिंग सिस्टम – आयुर कौशलम – विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।	17-18 सित., 18
	पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. नीरज जैन, डॉ. शेखर पटेल ।	
19.	संस्थान द्वारा आयोजित एडवान्सेज इन न्युरोलोजी विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	5मार्च 2019
	पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. नीरज जैन, डॉ. नेत्र बहादुर बासैन, डॉ. दिनेश कुमार अहिरवाल, डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा ।	
20.	आयुर्वेदिक एनोरेक्टल इंस्टीट्यूट, हैदराबाद द्वारा आयोजित प्रोक्टोहिता 2018 – क्षार कर्म एण्ड क्षार सूत्र इन एनोरेक्टल डिजिज विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन एवं लाइव सर्जिकल कार्यशाला ।	12-13मई 18
	पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. जयवर्द्धन सिंह, डॉ. मान महेन्द्र सिंह ।	
21.	आईपीजीटीआरए, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर द्वारा आयोजित रिसर्च मॅथडोलोजी एण्ड साइन्टिफिक राइटिंग विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।	20-21 जुलाई,18
	पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. लोकश यादव ।	
22.	गल्फ हैल्थ केयर, जयपुर द्वारा आयोजित वूण्ड हीलिंग विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	25 अक्टू. 2018
	पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. लोकश यादव ।	
23.	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी के कायचिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित पंचगव्य चिकित्सा इन आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ए थैरेप्युटिक रिव्यू ऑफ पंचगव्य विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।	22-23 सित,18
	पी.जी.स्कॉलर डॉ. लोकश यादव ।	
24.	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी के कायचिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित इन्टीग्रेटेड एप्रोच टू मैनेजमेन्ट ऑफ लाईफस्टाईल डिस्आर्डर्स विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर नॉन कम्यूनीकेबल डिस्आर्डर्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटिज मेलीटस रिलेटेड् काम्पलीकेशन्स रिक्वायरिंग सर्जिकल कर्न्सनविषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।	27-28 अक्टू. 2018.
	पी.जी.स्कॉलर डॉ. लोकश यादव ।	
25.	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा आयोजित वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ आयुर्वेद (WCABHU-2019) ।	14-16 मार्च 19
	पी.जी.स्कॉलर्स डॉ. डब्ल्यूएएपी विक्रमनायके, डॉ. हिमाद्री मुदगल,डॉ. मानमहेन्द्र सिंह, डॉ.	

	श्रद्धा साहु, डॉ. शेखर पटेल, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. सुमित बेरवाल, डॉ. सैसन काजू, डॉ. प्रियादीप राज ।	
26.	गोवा में आयोजित जरा – ए फोकस ऑन जरियाट्रिक डिस्आर्डर्स विषयक अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर रोल ऑफ आहार विहार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ओल्ड एज रिलेटेड कान्सटिपेशन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हेमोरॉइड्स विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।	29-30अगस्त, 18
	पी.जी.स्कॉलर डॉ. हिमाद्री मुदगल ।	

विभाग द्वारा चलायी जा रही इकाईयां –

अध्येताओं के शिक्षण एवं रोगियों को विशिष्ट चिकित्सा प्रदान करने हेतु विभाग के अन्तर्गत निम्नलिखित 6 ईकाइयाँ संचालित है:–

क्र.सं.	इकाई का नाम	इकाई द्वारा किये जा रहे कार्य
1.	सामान्य शल्य कर्म ईकाई	इस ईकाई में सामान्य शल्य कर्म एवं गैर–शल्य कर्म द्वारा रोगियों को चिकित्सा प्रदान की जाती है ।
2.	एनोरेक्टल ईकाई	यह ईकाई गुदा एवं मलाशय सम्बन्धित रोग यथा भगन्दर (फिस्टूला–इन–एनो), अर्श (पाईल्स), परिकर्तिका (फिशर) आदि के रोगियों को विशिष्ट क्षारसूत्र चिकित्सा द्वारा श्रेष्ठ एवं प्रभावकारी चिकित्सा प्रदान की जाती है ।
3.	अस्थि भग्न ईकाई	इस ईकाई का कार्य अध्येताओं को अस्थियों में उत्पन्न दोषों एवं उनकी चिकित्सा करने के विषय में ज्ञान प्रदान करना है । यह ईकाई अस्थि सम्बन्धित उपकरणों से सुसज्जित है तथा इसके द्वारा आयुर्वेद संहिताओं में वर्णित सूत्रों के आधार पर रोगी परिचर्या प्रदान की जाती है ।
4..	जलौवकाचरण ईकाई	इस ईकाई के माध्यम से जलौवकाचरण चिकित्सा द्वारा श्रेष्ठ एवं प्रभावकारी चिकित्सा रोगियों को प्रदान की जाती है तथा अध्येताओं को इसका प्रशिक्षण दिया जाता है ।
5.	अग्नि कर्म ईकाई	यह ईकाई कटिशूल, दद्रु–विचर्चिका, गृध्रसी, संधिवात, कदर, चर्मकील, अपबाहुक, वातकंटक, टेनीस एल्बो आदि के रोगियों को अग्निकर्म चिकित्सा द्वारा श्रेष्ठ एवं प्रभावकारी चिकित्सा प्रदान करती है ।
6.	मर्म चिकित्सा ईकाई	यह ईकाईअब्बाहुम, सर्वाइकल स्पोण्ज़ेलेसिस, लो बेकएच, टेनिस एल्बो, ओस्टेओथ्रेराइटिस, माइग्रेन, न्युरोमस्कूलर एवं स्केलेटल आदि आदि के रोगियों को मर्म चिकित्सा द्वारा श्रेष्ठ एवं प्रभावकारी चिकित्सा प्रदान करती है ।

अन्य गतिविधियाँ –

क्र.सं.	संकाय का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	• विभागाध्यक्ष • सदस्य – संस्थानिक आचार समिति, विभागीय शोध समिति, रेगिंग निरोधक समिति, आपदा प्रबन्धन योजना समिति, एनएबीएच सम्बन्धित समिति, ई–लर्निंग कोर्स कमेटी । • सदस्य –IQAC, क्षारसूत्र प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, सीएमई कार्यक्रम, अर्श के प्रबन्धन पर कार्यक्रम, 6ठवाँ वार्षिक सम्मेलन एवं लाईव डेमोस्ट्रेशन कार्यशाला – प्रोटोकोन 2019
2.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	• अध्यक्ष – एनएबीएच हेतु एचआईसी कार्यक्रम, • एनएबीएच हेतु एचआईसी मेनूअल तैयार किया गया । • प्रभारी – नर्सिंग, चिकित्सालय सेवाऐं ।

		• समन्वयक – क्षारसूत्र प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, प्रोटोकोन 2019 । • सदरू – विभागीय शोध समिति ।
3.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	• आवासीय चिकित्साधिकारी, चिकित्सालय । • सहायक प्रभारी, आत्ययिक चिकित्सा इकाई । • प्रभारी, स्नातक शैक्षणिक गतिविधियाँ, शल्य तंत्र । • समन्वयक, क्षार सूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम । • सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति ।
4.	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	• समन्वयक, क्षार सूत्र प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम । • प्रभारी, रोगी बहिरंग विभाग सेवाऐं, शल्य तंत्र । • सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति । • सचिव, एनएबीएस-सीक्यूआई ।
5.	डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरार	• समन्वयक(NAAC), शल्य तंत्र विभाग । • प्रभारी, स्नातक शैक्षणिक गतिविधियाँ, शल्य तंत्र । • सदस्य, Committee for 7th Criteria of NAAC achieving work of NIA, Jaipur. • सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति । • समन्वयक, तंरग – वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम – 2019 • सदस्य, कैंसर केयर यूनिट

****

शरीर क्रिया विभाग

परिचयः यह एक स्नातकोत्तर विभाग है। इस विभागान्तर्गत आयुर्वेद के सिद्धान्तों के अनुसार मानव शरीर के क्रियात्मक निर्माण तथा कार्यो पर अध्यापन, प्रदर्शन तथा अनुसंधान किया जाता है। इस विषयान्तर्गत शरीर, इन्द्रिय, मन एवं आत्मा के स्वरूप उनकी क्रियाओं का अध्ययन होता है। अध्येताओं को दोष, धातु एवं मल के प्राकृत स्थान स्वरूप एवं क्रियाओं का ज्ञान कराया जाता है। रक्त, शुक्र/आर्त्तव, मूत्र, कफ आदि के सैद्धान्तिक, प्रायोगिक अध्ययन, भौतिक, रसायनिक, नैदानिक एवं चिकित्सकीय परीक्षण क्रियाओं का अध्ययन कराया जाता है। श्वसन, रक्त संचरण, उत्सर्जन नाड़ी तन्त्र आदि विषयों का ज्ञान कराया जाता है। विभाग द्वारा नियमित पीएच.डी. करायी जाती है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर, 1 एसोसियेट प्रोफेसर, 1 असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं 1 लेक्चरार अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य (बी.ए.एम.एस) के छात्रों को शरीर क्रिया विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

प्रायोगिक कक्षाओं में दोष, धातु, मल आदि का छात्रों को अध्ययन कराया गया तथा रक्त, शुक्र, मल, मूत्र, कफ आदि की प्राकृत-अवस्था तथा विकृत-अवस्थाओं का प्रायोगिक परीक्षण करवाये गये । श्वसन-तंत्र, रक्त-संचरण तंत्र आदि की तकनीकी परीक्षण सम्पन्न करवाये गये ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर (एम.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । दोष, धातु, मल, रक्त, पुरीष, कफ आदि का प्रायोगिक अध्ययन छात्रों को उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये । नवीन अनुसंधानों हेतु कार्य योजना तैयार की गई तथा उनकी उपयोगिता एवं परिणामों का की समीक्षा की गई ।

शोधः आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. मोथालिया ख्याति	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ गुरु एण्ड स्निग्ध गुण ऑफ कफ एण्ड दैयर एप्लाईड स्ट्डी विथ व्योशादि गुग्गुलू एण्ड बिल्वादि क्वाथ इन स्थौल्य ।
2.	डॉ. दिनेशचंद चौहान	प्रो. हेमराज मीणा प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ प्राणवह स्रोतस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इफेक्ट ऑफ कुल्थगुड़ लेह इन तमक श्वास ।
3.	डॉ. प्रियंका दरिया	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ गुरु एण्ड स्निग्ध गुण ऑफ कफ एण्ड दैयर एप्लाईड स्ट्डी विथ व्योशादि गुग्गुलू एण्ड बिल्वादि क्वाथ इन स्थौल्य ।
4.	डॉ. नीति अग्रवाल	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ गुरु एण्ड स्निग्ध गुण ऑफ कफ एण्ड दैयर एस्पेक्ट

			विथ क्लिनीकल असेसमेन्ट ऑफ हिंगवादि चूर्ण एण्ड शुण्ठयादि क्वाथ इन आमवात ।
5.	डॉ. पूजा पारीक	प्रो. हेमराज मीणा प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ शीत गुण ऑफ वात दोष इन गृध्रसी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू शेफालीपत्र क्वाथ एण्ड रास्नागुग्गुलू ।
6.	डॉ. राकेश छिपा	प्रो. हेमराज मीणा प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ द्रव्य एण्ड उष्ण गुण ऑफ पित्त एण्ड दैयर एप्लाईड एस्पेक्ट विथ क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ खण्डकुशमण्ड अवलेह एण्ड पटोलादि क्वाथ इन अम्लपित्त ।
7.	डॉ. चौ. हार्दिक योगेश कुमार	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ गुरु एण्ड शीत गुण ऑफ कफ दोष एण्ड इट्स एप्लाईड एस्पेक्ट इन विचर्चिका विथ क्लिनीकल एप्लीकेशन ऑफ अर्क तैल एण्ड विडंगादि चूर्ण ।
8.	डॉ. हितेष कुमार	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	टू डवलप द् असेसमेन्ट क्राइटेरिया ऑफ गुरु एण्ड स्निग्ध गुण ऑफ शुक्र विथ रेस्पेक्ट टू मुसल्यादि चूर्ण ऑन शुक्र धातु कषाय (ओलीगोस्पर्मिया) ।
9.	डॉ. कविता चम्बयाल	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ त्वक सारता ।
10.	डॉ. पुष्पा कुमारी	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ ममसा सारता ।
11.	डॉ. मनीष कुमार शर्मा	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	ए फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ इन्टररिलेशनशिप बिटविन दोषज प्रकृति एण्ड धातु सार ।
12.	डॉ. अर्पिता साहू	प्रो. हेमराज मीणा प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ मेद सारता।
13.	डॉ. प्रीति कुमारी शर्मा	प्रो. हेमराज मीणा प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ अस्थि सारता ।
14.	डॉ. रमाकान्त शर्मा	प्रो. हेमराज मीणा प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ शुक्र सारता ।
15.	डॉ. परविन्द्र कौर	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ रक्त सारता ।
16.	डॉ. रिता धाकड़	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ मज्जा सारता ।
17.	डॉ. अनुष्का गोयल	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर डॉ. सारिका यादव लेक्चरार	डवलपमेन्ट ऑफ द् असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ रसधात्वाग्नि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रस धातु ।
18.	डॉ. राकेश कुमार वर्मा	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ द् असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ रक्त धात्वाग्नि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रक्त धातु ।
19.	डॉ. सोनू सदानन्द	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ द् असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ मेदो धात्वाग्नि विथ स्पेशियल रेफरेन्स

		डॉ. सारिका यादव लेक्चरार	टू मेद धातु ।
20.	डॉ. ज्योति मेवाल	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सारिका यादव लेक्चरार	डवलपमेन्ट ऑफ द् असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ ममसा धात्वाग्नि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ममसा धातु ।
21.	डॉ. पुनीत शर्मा	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सारिका यादव लेक्चरार	डवलपमेन्ट ऑफ द् असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ अस्थि धात्वाग्नि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अस्थि धातु ।
22.	डॉ. गुरुप्रीत कौर	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सारिका यादव लेक्चरार	डवलपमेन्ट ऑफ द् असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ मज्जा धात्वाग्नि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मज्जा धातु ।
23.	डॉ. श्रुति जोशी	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ द् असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ शुक्र धात्वाग्नि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू शुक्र धातु ।
24.	डॉ. बबीता गोस्वामी	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ द् असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ जठराग्नि ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित 2 पीएच. डी. अध्येताओं के शोध कार्य पूर्ण हुये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नरिन्दर खजूरिया	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ मेध्य कर्म ऑफ पित्त दोष एण्ड इफेक्ट ऑफ गुडूच्यादि चूर्ण ऑन मेधा विथ स्पेशियल रेफरेन्स अॅ स्मृतिदौर्बल्य ।
2.	डॉ. श्याम बाबू सिंह	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ प्राणवह स्रोतस एण्ड इफेक्ट प्रणायाम एण्ड अगस्त्य हरितकी ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित 4 पीएच. डी. अध्येता का शोध कार्य जारी रहा –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नीतेश व्यास	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ आहार एण्ड आहार विधि विधान विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्थौल्य ।
2.	डॉ. दुर्गेश नन्दिनी शर्मा	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ रिलेशन बिटवीन सार एण्ड व्याधिक्षमत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इम्यूनिटी ।
3.	डॉ. भानुप्रताप सिंह	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल असेस्मेन्ट ऑफ उष्ण गुण एण्ड इट्स कर्म विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू देह प्रकृति।
4.	डॉ. अनुपमा शुक्ला	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल असेस्मेन्ट ऑफ स्निग्ध गुण एण्ड इट्स कर्म विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू देह प्रकृति।

प्रकाशन –

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	फार्माकोडायनामिक्स ऑफ षट्यादि चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास ।	द् फार्मा इनोवेशन जर्नल अप्रैल 2018;7(6) (E) 22777695
2.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	क्लिनिकल एवेल्यूएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ षट्यादि चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास ।	जर्नल ऑफ फार्माकोग्नोसी एण्ड फॉयटोकेमिस्ट्री अप्रैल, 2018; 7(3) E-22784136
3.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ जलौदर एण्ड यकृतप्लीहोदर - ए केस रिपोर्ट ।	आईएएमजे 16 जून 2018 वाल्यूम-6, इश्यू-6 जून 2018
4.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ आवरणजन्य मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टाईप-2 डायबिटिज मेलीटस - ए केस रिपोर्ट ।	जर्नल आफ नेचुरल एण्ड आयुर्वेदिक मेडिसिन 2018, 2(9)
5.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	वासन्तिक रोगों का उपचार ।	दैनिक भास्कर राजस्थान आंचल जून, 2018
6.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	मोटापा एण्ड चिकित्सा ।	राजस्थान पत्रिका राजस्थान आंचल जून, 2018
7.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	समर रेजिमन, सम्बन्धित रोग एवं चिकित्सा ।	राजस्थान पत्रिका भोपाल जून, 2018
8.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ द् आब्जेक्टिव क्राइटेरिया ऑफ त्रिदोष इन रेस्पेक्ट ऑफ दैयर गुण ।	स्मारिका वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ आयुर्वेद 14-16 मार्च 2019 बीएयू, वाराणसी
9.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	फिजिकल प्रोपर्टीज ऑफ वात, पित्त एण्ड कफ एण्ड दैयर क्लिनीकल एप्लीकेशन - ए रिव्यू ।	स्मारिका इन्टरनेशनल कांफ्रेस ऑन एप्लीकेशन ऑफ आयुर्वेदिक फण्डामेन्टल्स इन प्रजेन्ट सेनेरियो ।
10.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	इम्पोर्टेन्स ऑफ आहार विधि विधान इन प्रजेन्ट एरा ।	डब्ल्यूजेएआर वाल्यूम 8, इश्यू 4 मार्च 2019
11.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ लघु गुण ऑफ वात दोष एण्ड इट्स एप्लाईड एस्पेक्ट ऑफ स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू विडंगादि चूर्ण ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 12, इश्यू-3 जुलाई-सितम्बर 2018
12.	डॉ. छाजूराम यादव	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ मूत्राश्मरी विथ	आईजेएएआर

	एसोसिएट प्रोफेसर	स्पेशियल रेफरेन्स टू यूरोलाईथाईसिस - ए केस स्ट्डी ।	वॉल. 8, इश्यू 12 दिसम्बर 2018
13.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ शवदंशत्रादि क्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मूत्र-अश्मरी।	आईएएमजे वॉल. 7, इश्यू 3 मार्च 2019
14.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	एन आयुर्वेदिक परव्यू ऑन रेस्पाईरेटरी फिजियोलॉजी ।	इन्टरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड योग वॉल. 1, मार्च-अप्रैल 2019

बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता एवं शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
1.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 24-25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला । संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डाइग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक स्किल डवलपमेन्ट कार्यशाला । संस्थान द्वारा आयोजित संस्थान के चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित नाड़ी परीक्षा विषयक 'आमोद' एल्युमिनी मीट-कम-कार्यशाला । सस्थान द्वारा 27-9-2018 को आयोजित सीएमई कार्यक्रम में वात व्याधि विषयक अतिथि व्याख्यान दिया गया । स्टेट इन्सटिट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल मैनेजमेन्ट, दुर्गापुरा, जयपुर द्वारा 12-10-2018 को सहायक चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न रोगों एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा विषयक व्याख्यान दिया गया । स्टेट इन्सटिट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल मैनेजमेन्ट, दुर्गापुरा, जयपुर द्वारा 3-3-2019 को सहायक चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया गया । संस्थान में 21-12-2018 को आयोजित नर्सिंग कर्मियों हेतु आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान दिया गया । टी.वी. पर दी गई वार्ताऐं - 25-6-2018 को डी.डी. राजस्थान द्वारा प्रसारित कार्यक्रम धरती धोरां री में स्वास्थ्य वार्ता । 27-6-2018 को डी.डी. राजस्थान द्वारा प्रसारित कार्यक्रम ऑटोबायोग्राफी एण्ड हैल्थ इश्यू सम्बन्धित स्वास्थ्य वार्ता ।

		डी.डी. राजस्थान द्वारा चौपाल कार्यक्रम में अन्तर्गत अप्रैल 2018 में प्रसारित स्वास्थ्य वार्ता । राजस्थान पत्रिका टीवी में अप्रैल 2018 को प्रसारित Health Related Issues and Its Management through Ayurvedic Prospectiveविषयक स्वास्थ्य वार्ता । राजस्थान पत्रिका टीवी में जून 2018 को प्रसारित Dietary Procedure, Rules and Regulations विषयक स्वास्थ्य वार्ता । डी.डी. राजस्थान द्वारा चौपाल कार्यक्रम में अन्तर्गत 8-3-2019 को प्रसारित स्वास्थ्य वार्ता ।
2.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 24-25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला । संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डाइग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक स्किल डवलपमेन्ट कार्यशाला । संस्थान द्वारा आयोजित संस्थान के चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित नाड़ी परीक्षा विषयक 'आमोद' एल्युमिनी मीट-कम-कार्यशाला ।
3.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, वाराणसी, यूपी द्वारा 8-10 मार्च 2019 को आयोजित एप्लीकेशन ऑफ आयुर्वेदिक फण्डामेन्टल्स इन प्रेजेन्ट सिनेरियो विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन आफ द् असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक व्याख्यान दिया गया ।
		आईएमएस, बीएचयू, वाराणसी द्वारा 6-7 अप्रैल 2018 को आयोजित मल्टी-डिसिप्लेनरी एप्रोचेज टू नॉन-कम्यूनीकेबल डिजिज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की गई ।
		ललित हरी स्टेट स्नातकोत्तर आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, पीलीभीत द्वारा 31 अगस्त 2018 को आयोजित दोष धातु मल मूलम ही शारीरम विषयक राष्ट्रीय सेमीनार के वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की गई।
		राजस्थान सरकार द्वारा अजमेर में 20-23 फरवरी 2019 को आयोजित आरोग्य मेला में भाग लिया गया ।
		संस्थान द्वारा 6-8 अगस्त 2018 को आयोजित स्किल डवलपमेन्ट इन टीचिंग मेथोडोलोजी विषयक कार्यशाला । संस्थान द्वारा 24-25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला । संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डाइग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक स्किल डवलपमेन्ट कार्यशाला । संस्थान द्वारा आयोजित संस्थान के चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर

		आयोजित नाड़ी परीक्षा विषयक 'आमोद' एल्युमिनी मीट-कम-कार्यशाला ।
4.	डॉ. सारिका यादव लेक्चरार	संस्थान द्वारा 6-8 अगस्त 2018 को आयोजित स्किल डवलपमेन्ट इन टीचिंग मेथोडोलोजी विषयक कार्यशाला । संस्थान द्वारा 24-25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला । संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित डाइग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक स्किल डवलपमेन्ट कार्यशाला । संस्थान द्वारा आयोजित संस्थान के चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित नाड़ी परीक्षा विषयक 'आमोद' एल्युमिनी मीट-कम-कार्यशाला ।

चिकित्सकीय कार्य - विभाग के अध्यापकों द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में अपने सेवायें दी गयी ।

अध्येताओं द्वारा कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/सीएमई में सहभागिता एवं शोध पत्र प्रस्तुतिकरण -

विभाग के स्नातकोत्तर अध्येताओं ने देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित निम्नलिखित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सक्रियता से भाग लिया -

क्र.सं.	कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई कार्यक्रम	दिनांक
1.	आयुर्वेद संकाय, आईएमएस, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित मल्टी-डिसीप्लीनरी एप्रोचेज टू नॉन-कम्यूनीकेबल डिजिज विषयक संगोष्ठी ।	6-7 अप्रैल 2018
	Dr. Hitesh Kumar, Paper presented: Role of Agni in Grahani. Dr. Chudasama Hardik Y., Paper presented: Ayurvedic Management of Avaranajanya Madhumeha w.s.r. Type-2 Diabites Mellitus - A Case Report. Dr. Neeti Agrawal, Paper presented: Role of Agni in Autoimmune Diasese - A Conceptual Study. Dr. Khyati Mothaliya, Paper Presented: Ayurvedic Management of Sthoulya through Change in Lifestyle and Diet. Dr. Shyam Babu Singh, Paper Presented: Management of Cardiovascular Disease (Hridroga) through Ayurveda. Dr. Narind Khajuria, Paper Presented: Mental Hygiene the Way to Achieve Healthy Manas. Dr. Dinesh C. Chouhan, Paper Presented: Role of Ahara and Vihara in the Management of Tamaka Shwasa. Dr. Rita Dhakad, Paper Presented: Effect of Panchatikta Ghrita Guggulu in Asthimjja Kshaya. Dr. Kavita Chambyal, Paper Presented: Ayurvedic Management of Sthaulya w.s.r. to Obesity. Dr. Manish Kumar Sharma, Paper Presented: Role of Aahara and Vihara in Chronic Kidney Disease.	

साप्ताहिक संगोष्ठियाँ एवं जर्नल क्लब मिटिंग्स -

मिटिंग्स ऑफ जर्नल क्लब, शोध-महानिबन्ध एवं प्रस्तुत किये गये चिकित्सा मामलों से सम्बन्धित विषयों पर साप्ताहिक संगोष्ठियाँ नियमित रूप से आयोजित की गई जिसमें छात्रों एवं अध्येताओं ने सक्रियता से भाग लिया । विभागीय अध्यापकों एवं बाहर से आमंत्रित प्रबुद्धजनों द्वारा विशिष्ट व्याख्यान भी दिये गये । स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. महानिबन्धों से सम्बन्धित बिन्दुओं पर परस्पर विचार-विमर्श किया गया । छात्रों एवं अध्येताओं ने विभागीय संगोष्ठियों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये तथा उन्हें संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की गई जिससे आयुर्वेद के क्षेत्र में उनके ज्ञान में अभिवृद्धि हो सके । इन गतिवधियों के लिए निम्नलिखित दिवस निर्धारित किये हुये है :-

गतिविधि का नाम	दिवस
1. जर्नल क्लब की बैठक	सोमवार
2. संगोष्ठी	मंगलवार
3. विमर्श	बुधवार
4. विमर्श	गुरुवार
5. अन्तरविभागीय संगोष्ठी	शुक्रवार
6. शोधमहानिबन्ध सम्बन्धित प्रक्रिया	शनिवार

विविध गतिविधियाँ : विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ सम्पन्न की गई :-

क्र.सं.	अध्यापकों का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	1. निम्नलिखित के रूप में कार्य किया : अधिष्ठाता(स्नातकोत्तर अध्ययन) कार्यकारी सम्पादक, जर्नल ऑफ आयुर्वेद अध्यक्ष, संस्थान कर्मचारी कल्याण समिति सदस्य, एंटी-रैगिंग कमेटी
2.	डॉ.हेमराज मीना	1. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान चिकित्सालय के बहिरंग रोगी विभाग के प्रभारी के रूप कार्य किया गया ।
3.	डॉ.छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	1. डी.डी.राजस्थान पर आयुष्मान भारत(6-6-2018) वार्ता प्रसारित की गई । 2. निम्नलिखित के रूप में कार्य किया : सम्पादक, जर्नल ऑफ आयुर्वेद एवं एनआईए न्युजलेटर । समन्वयक - अन्तर विभागीय संगोष्ठी, विभागीय विस्तार व्याख्यान, एवं वार्षिक खेल स्पर्धा । सदस्य-सचिव, मीडिया कवरेज एवं सकारात्मक समाचार समिति । सदस्य - शिक्षण मॉड्यूल विकास समिति, आयुर्वेद में ऑनलाईन ई-लर्निंग कोर्स, अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों हेतु समन्वयक प्रकोष्ठ । प्रभारी, आरोग्य मेला इकाई ।
4.	डॉ.महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. निम्नलिखित के रूप में कार्य किया : सदस्य, एंटी-रैगिंग कमेटी, प्रभारी, खेल सामग्री एवं सदस्य-सचिव, एनएएसी कमेटी ।

****

शरीर रचना विभाग

परिचयः यह विभाग भी स्नातकोत्तर विभाग है और विभागान्तर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों को शरीर रचना, आयुर्वेद संहिताओं, आधुनिक विचार तथा मानव शरीर का प्रायोगिक शवच्छेदन एवं मॉडल, चार्ट्स, आदि के प्रदर्शन द्वारा कार्याभ्यास कराते हुए अध्यापन कराया जाता है।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर, 3 असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहें ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार शरीर रचना विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

स) पीएच.डी. –पीएच.डी. अध्येताओं को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

शोध –

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. नीलम सागवान	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर डॉ. संदीप लहांगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन अतुल्यगोत्रिय शारीर इन रिलेशन टू कन्सेप्ट ऑफ लेनेटिक्स इन आयुर्वेद ।
2.	डॉ. सोनाली भीष्ट	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन अप्लाईड एस्पेक्ट ऑफ अस्थिवह स्रोतस इन द् प्रव्यू ऑफ बस्तवहः क्षीरासर्पिशि तिक्तकोपाहितानी चः ।
3.	डॉ. अविनाश	डॉ. जे. मनोहर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्प्रेहैन्सिव स्ट्डी ऑन अनॉटोमिकल कन्सीडरेशन एण्ड मूल स्थान ऑफ स्रोत्स इन कॉन्टेक्स्ट टू शुक्रवह स्रोतस ।
4.	डॉ. शिवरंजनी	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संदीप लहांगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी ऑन सुश्रुतोक्त प्रमाण शारीर ऑफ लालता, कर्ण एण्ड नयान्तर एण्ड इट्स कम्पेरिज़न विथ मॉडर्न सोमाटोमेट्रिक मेज़रमेन्ट्स।
5.	डॉ. सोना रानी	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए केडेवेरिक एण्ड एप्लाईड स्ट्डी ऑफ उर्धवशखागत स्नायु मर्म ।
6.	डॉ. ज्योति	डॉ. संदीप लहांगे	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन चतुर्विमष्ठी धात्वात्मक

		असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	पुरुष इन कॉन्टेक्स्ट टू इट्स एप्लाईड एस्पेक्ट।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है–

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. अनामिकाकुमारी	डॉ. सुनील कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	क्रिटिकल एण्ड एनॉनेटिकल स्ट्डी ऑन रसावह स्रोतस ।
2.	डॉ. दीप्ति	डॉ. सुनील कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन क्लिनीकल एस्पेक्ट ऑफ आयुर्वेदिय शारीर रचना ।
3.	डॉ. धर्मेन्द्र चौधरी	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनॉटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ आसन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हठयोग प्रपिड़िका ।
4.	डॉ. नुपुर सिंह सौलकी	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ शारीर स्थान इन द् परव्यू ऑफ बृहत्त्रयी ।
5.	डॉ. संध्या यादव	डॉ. जे. मनोहर प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एण्ड एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑन प्राणवह स्रोतस एज़ पर चरक संहिता ।
6.	डॉ. सुमन यादव	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ मेदोवह स्रोतस इन द् परव्यू ऑफ ओबेसिटी ।
7.	डॉ. विनीता वालडिया	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	काइनेसिओलोजिकल स्ट्डी ऑफ बेलेंसिंग पोज़ेज ऑफ आर्म (आसन) ।
8.	डॉ. दीपक स्वेदा	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	ए क्रिटिकल स्ट्डी ऑफ अष्टांग संग्रह एण्ड अष्टांग ह्रदय इन द् परव्यू ऑफ शरीर रचना ।
9.	डॉ. लवप्रीत	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	टू एक्सप्लोर द् कन्सेप्ट ऑफ फिजियोथेरेपी इन आयुर्वेद ।
10.	डॉ. बसन्ती गरनायक	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	अनाटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ वेरियस पास्चर ऑफ सूर्यनमस्कार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मस्कूलोस्केटल सिस्टम ।
11.	डॉ. ज्योति गंगवाल	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रेलेवेन्स ऑफ द् टीचिंग मेथोडोलोजी ऑफ हूमन अनाटामि एज डेस्क्राईब्ड इन सुश्रुत संहिता ।
12.	डॉ. सोमलता जादौन	प्रो. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनाटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ स्टेडिंग, प्रोन, सपाईन एण्ड आर्म बेलेसिंग आसन एज़ डेस्क्राईब्ड इन घेरण्ड संहिता ।
13.	डॉ. बिश्वरंजन महंत	प्रो. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए केडेवरिक एण्ड एप्लाईड स्ट्डी ऑफ वैकल्यकर मर्म ।
14.	डॉ. सुनीता डूडी	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्प्रेहैन्सिव स्ट्डी ऑफ पेशी शारीर इन कॉन्टेक्सट ऑफ वेरियस टाईप्स ऑफ पेशी डेस्क्राइब्ड इन सुश्रत संहिता ।

15.	डॉ. भूमिका बोध Dr. Bhumica Bodh	प्रो. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए डेस्क्रेप्टिव एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ प्रेक्षार पेन थ्रेक्षाहोल्ड वेल्यू ऑफ रजकर्म मर्म इन हैल्दी इंडिविजूअल्स ।
16.	डॉ. दीपक शर्मा	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इफेक्ट ऑफ आसन ऑन ब्रोन्चो पुल्मनरी सेगमेन्ट्स ड्रेनेज – ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ।
17.	डॉ. गौरव शर्मा	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ चरकोक्त इन्द्रियस्थान इन कोन्टेक्स्ट ऑफ शारीर रचना ।
18.	डॉ. प्रियंका वर्मा	प्रो. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल रिव्यू एण्ड डिटर्मिनेक्षान ऑफ टर्म कोष्ठ अज डेस्क्राईब्ड इन आयुर्वेद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स क्लिनीकल इम्पोर्टेन्स।
19.	डॉ. प्रियंका देवतवाल	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर प्रो. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर प्रो. के. एल्वरसन	A Comparative study of Urdhwajatrugata Marma as per Ayurvedic and Siddha Science and Effect of Varman Therapy in Vishaada(Generalized Anxiety Disorder)
20.	डॉ. रश्मि शर्मा	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एनॉलेसिस एण्ड डिटर्मिनेशन ऑफ नाभि इन आयुर्वेद ।
21.	डॉ. सोनिया मींड	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर डॉ. नेहा उदिनीया लेक्चरार	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ मज्जा कषाय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओस्टेओपारोसिस ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण हुये जिनका विवरण निम्न प्रकार है–

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. निशि जैन	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ मर्म एण्ड एक्युप्रेशन पॉइन्ट्स ऑन द् बेसिस ऑफ दैयर एनॉटोमी ।
2.	डॉ. अनिल कुमार जोशी	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर	ए कम्प्रेहेन्सिव स्ट्डी ऑफ स्नायु शारीर एण्ड इफेक्ट ऑफ अग्निकर्म इन स्नायुगत वात ।
3.	डॉ. जैनंजिथ सी	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल असेसमेन्ट ऑफ आसन एज पर घरेण्ड संहिता विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू आसन इन्वोल्विंग इन सिटिंग पोस्चर ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. विकास भटनागर	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ मन विथ स्पेद्दियल रेफरेन्स टू सबकोंशस माइन्ड ।
2.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ त्रिनाद शारीर इन कोन्टेक्सट ऑफ इट्स क्लिनीकल रिलेवेन्स इन प्रजेन्ट ऐरा ।
3.	डॉ. नेहा उदिनीया	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	एक्सप्लोरेशन ऑफ पिडियाट्रिक एनॉटॉमी इन इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन ।
4.	डॉ. ईशा हर्षवानी	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. टी. राजेन्द्रन	एन एनालेटिकल स्ट्डी ऑफ मर्म पाइन्ट्स इन परव्यू ऑफ नाडी अज पर आयुर्वेद एण्ड सिद्धा साइन्सेज विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मैनेजमेन्ट ऑफ स्तब्दबाहुता थ्रू वमन एप्लीकेशन ।
5.	डॉ. सौरभ जैन	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	कम्प्रेहैन्सिव स्ट्डी ऑन सिरा शारीर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू Medasnehampaday Sira... Siranamtu Mridupaka
6.	डॉ. अनुराग सिंह चंदेल	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	क्रिटिकल स्ट्डी ऑफ शुक्र विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू शुक्रधारा कला ।

चिकित्सकीय कार्य –विभाग के अध्यापकों द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में अपने सेवायें दी गयी ।

प्रकाशन –

(ए) **जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख** –

क्र. सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	A Conceptual Study of Snayu Sharira.	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटीव रिसर्च थोट्स ISSN 2320-2882, वॉल. 6, इश्यू 2
2.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	A Critical Evaluation of Stress and its Management Through Yoga.	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च ISSN:2277-7105 वॉल. 7, इश्यू 6
3.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	Role of Epigenetics in Metabolic Disorders.	नेशनल सेमीनार ऑन रोल ऑफ बेसिक साइन्स टू डवलप डायग्नोस्टिक टूल्स फॉर श्रोतोदुष्टि टूल्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पूर्वरूप ऑफ मेटोबॉलीक डिस्आर्डर्स । ISBN:978-81-7637-039-4

4.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	Hypothyroidism in an Ayurvedic Concept.	नेशनल सेमीनार ऑन रोल ऑफ बेसिक साइन्स टू डवलप डायग्नोस्टिक टूल्स फॉर श्रोतोदुष्टि टूल्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पूर्वरूप ऑफ मेटोबॉलीक डिस्आर्डर्स । ISBN:978-81-7637-039-4
5.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	Concepts of Srotas.	नेशनल सेमीनार ऑन रोल ऑफ बेसिक साइन्स टू डवलप डायग्नोस्टिक टूल्स फॉर श्रोतोदुष्टि टूल्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पूर्वरूप ऑफ मेटोबॉलीक डिस्आर्डर्स । ISBN:978-81-7637-039-4
6.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	General Anatomy of Fatty Tissues w.s.r. to changes and distribution in Obesity.	नेशनल सेमीनार ऑन रोल ऑफ बेसिक साइन्स टू डवलप डायग्नोस्टिक टूल्स फॉर श्रोतोदुष्टि टूल्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पूर्वरूप ऑफ मेटोबॉलीक डिस्आर्डर्स । ISBN:978-81-7637-039-4
7.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	*Yoga*: As An Antidote to Metabolic Syndrome.	नेशनल सेमीनार ऑन रोल ऑफ बेसिक साइन्स टू डवलप डायग्नोस्टिक टूल्स फॉर श्रोतोदुष्टि टूल्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पूर्वरूप ऑफ मेटोबॉलीक डिस्आर्डर्स । ISBN:978-81-7637-039-4
8.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	A Variation with An Extra Musculotendinous Slip of Insertion.	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल, वॉल. 2, इश्यू 4 ISSN:23205091
9.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	Interpretation of Atulyagotra as per Modern Perspective.	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN:2321-0435
10.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	Effect of Agnikarma with Panchkarma Shalaka and Thermal Cautery in Snayugata Vata a Comparative Clinical Trial.	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN:2321-0435
11.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	Conceptual Analysis of Sexual Dimorphism as per Ayurveda Classical Reference.	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइन्स एण्ड इन्जिनीयरिंग डवलपमेन्ट रिसर्च ।वॉल. 3, इश्यू 7 ISSN:2455-2631
12.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	Anatomical Interpretation of Siddhasana as per Gheranda Samhita.	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री । वॉल. 9, इश्यू 3, eISSN : 2350-0204
13.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	A Comparative Study of Trividha Nadis; Ida, Pingla & Sushumna Nadi.	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मास्युटिकल

			केमिस्ट्री । वॉल. 10, इश्यू 1, eISSN : 2350-0204
14.	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	Ayurvedic Intervention in Rajyakshama/Tuberculosis - A Case Report.	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री । वॉल. 10, इश्यू 1, eISSN : 2350-0204
15.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Concept of Digestive System in Ayurveda Concise Interpretation of Annavaha Srotas (Digestive System) Archana Bhangare, Sandeep Lahange, Vikash Bhatnagar.	स्कॉलर्स प्रेस इन्टरनेशनल बुक मार्केट सर्विस लि. ISBN: 978-620-2-31821-1
16.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Herbal Nebulizer - New Approach of Drug Administration in Tamak Shwasa.	LAP Lambert Academic Publishing ISBN: 978-3-330-04007-6
17.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Applied Aspects of Pramana - Sharir.	चौखम्भा ओरियंटालिया वाराणसी ISBN: 978-81-7637-039-4
18.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Importance of Circardian Rhythm on Metabolism.	चौखम्भा ओरियंटालिया वाराणसी ISBN: 978-81-7637-039-4
19.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Review of Ancillary Diagnostic Measures w.s.r. to Hyperthyroidism.	चौखम्भा ओरियंटालिया ISBN: 978-81-7637-039-4
20.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Moola Sthana Of Purishvaha Srotas w.s.r. to Gastrointestinal Diseases	चौखम्भा ओरियंटालिया वाराणसी ISBN: 978-81-7637-039-4
21.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	A Review Study of Significance of Yogyasutriya Adhyaya .	आईजेएपीसी वॉल. 10, इश्यू 2 2019 ISSN: 2350-0204
22.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	A Critical Review Study on Importance of Anatomical Knowledge while Practicing Yoga Asana.	आईजेएएमवाई वॉल. 11, नं. 4, 2018
23.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Variant Branching Pattern of Brachial Artery in Context to its Higher Bifurcation : A Case Report.	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ अनॉटामी एण्ड रिसर्च 5 नवम्बर 2018 वॉल. 6(4.2)
24.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Anthropometric Dimensions of Marma (vital area) Present in Human Body w.s.r. to its Clinico-surgical Importance.	जर्नल ऑफ नेचुरल एण्ड आयुर्वेदिक मेडिसिन, 2018 वॉल. 2, इश्यू 7 ISSN: 2578- 4986
25.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	A Critical Analysis of Vaklykar Marma w.s.r. to Vitap Marma and its Viddha Lakshan.	आईजेएपीसी वाल्यूम 10, इश्यू 1, 2019 e-ISSN: 2350-0204
26.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	A Conceptual Study on Sira Sharir.	डब्लूजेपीआर वॉल. 7, इश्यू 13, 2018 ISSN - 2277-7105
27.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Role of Basic Sciences to Develop Diagnostic Tools for Srotodusthi w.s.r. to Metabolic Disorders.	चौखम्भा ओरियंटालिया वाराणसी ISBN: 978-81-7637-039-4

28.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Sports Medicine in Ayurveda : Nutrition & Fitness through Ayurveda.	लम्बर्ट एकेडमिक पब्लिशर 2018-04-06 ISBN-13: 978-620-2-07808-5
29.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Embryology in Ayurveda.	स्कॉलर्स प्रेस, मारिशस 2018-08-14 ISBN-13: 978-620-2-31517-3
30.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Arthrology in Ayurveda.	स्कॉलर्स प्रेस, मारिशस 018-09-28 ISBN-13: 978-620-2-31615-6
31.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Ayurveda Sports Medicine : An Emerging Field for Ayurveda in the Management of Sports Medicine.	रिसर्च ट्रेंड्स इन मेडिकल साइन्सेज, वॉल. 2 ISBN: 978-93-5335-052-9
32.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Significance of Anatomical Knowledge in Yoga Education.	रिसर्च ट्रेंड्स इन फिजिकल एज्यूकेशन एण्ड योग ISBN: 978-93-5335-009-3
33.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	An Imperative Review Study On Concept Of Ophthalmology In Ayurveda in the Purview Of Rachana Sharir (Human Anatomy).	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 7, इश्यू 8 ISSN 2277–7105
34.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	A Critical Review Study on Anatomy of Eye Reveal in Ancient Indian Science.	एशियन जर्नल ऑफ साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी, वॉल. 9, इश्यू 4, ISSN: 0976-3376
35.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Variant Branching Pattern of Brachial Artery in Context to Its Higher Bifurcation: A Case Report.	आईजेएआर वाल. 6(4.2) 5926-28, ISSN 2321-4287
36.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Anthropometric Dimensions of Marma (vital area) Present in Human Body with special reference to its Clinico-Surgical Importance.	जेएनएएम वॉल. 2, इश्यू 7 ISSN: 2578- 4986
37.	डॉ. नेहा उदिनीया लेक्चरार	Variant Branching Pattern of Brachial Artery in Context to Its Higher Bifurcation: A Case Report.	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ अनॉटामी एण्ड रिसर्च वॉल. 6(4.2):5926-28. ISSN 2321- 4287

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता एवं शोध–पत्र प्रस्तुतिकरण

क्र.सं.	कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई का विवरण	तिथि
प्रो. सुनील कुमार, प्रोफेसर		
1.	संस्थान द्वारा आयोजित टीचिंग मेथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	6-8 अगस्त 2018
2.	संस्थान द्वारा आयोजित अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	24-25 अगस्त 2018
3.	अहमदाबाद स्थित गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय के सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केन्द्र में आयुष मंत्रालय एवं वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयोजित 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में भाग लेकर मैनेजमेन्ट ऑफ सोरायसिस ऑन द् बेसिस ऑफ आयुर्वेद प्रिन्सिपल्स – ए केस स्ट्डी विषय पत्र प्रस्तुत किया गया ।	14-17 दिस. 2018
डॉ. सुनील कुमार यादव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		

1.	संस्थान द्वारा आयोजित टीचिंग मेथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	6-8 अगस्त 2018
2.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला में भाग लिया गया ।	23 अगस्त 2018
3.	संस्थान द्वारा आयोजित अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	24-25 अगस्त 2018
4.	संस्थान द्वारा आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एण्ड नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	4-6 अक्टूबर 2018
5.	संस्थान द्वारा आयोजित नाड़ी परीक्षा विषयक कार्यशाला एवं अलुमनाई मीट में भाग लेकर नाड़ी परीक्षा विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।	6-7 फरवरी 2019
6.	लाईफस्टाईल डिस्आर्डर्स एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद एण्ड पंचकर्म विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ता के रूप में भाग लिया गया । इसके एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता भी की गई ।	6 मई 2018
7.	गोवा में आयोजित जरा – ए फोकस ऑन जरियाट्रिक डिस्आर्डर विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ओरल प्रजेन्टर के रूप में भाग लिया गया ।	29-30 अगस्त 18
डॉ. विकास भटनागर, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
1.	संस्थान द्वारा आयोजित टीचिंग मेथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	6-8 अगस्त 2018
2.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला में भाग लिया गया ।	23 अगस्त 2018
3.	संस्थान द्वारा आयोजित अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	24-25 अगस्त 2018
4.	संस्थान द्वारा आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एण्ड नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	4-6 अक्टूबर 2018
5.	संस्थान द्वारा आयोजित नाड़ी परीक्षा विषयक कार्यशाला एवं अलुमनाई मीट में भाग लेकर नाड़ी परीक्षा विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।	6-7 फरवरी 2019
डॉ. संदीप लाहंगें, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
1.	संस्थान द्वारा आयोजित टीचिंग मेथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	6-8 अगस्त 2018
2.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला में भाग लिया गया ।	23 अगस्त 2018
3.	संस्थान द्वारा आयोजित अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	24-25 अगस्त 2018
4.	संस्थान द्वारा आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एण्ड नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	4-6 अक्टूबर 2018
5.	संस्थान द्वारा आयोजित नाड़ी परीक्षा विषयक कार्यशाला एवं अलुमनाई मीट में भाग लेकर नाड़ी परीक्षा विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।	6-7 फरवरी 2019
डॉ. नेहा उदिनिया, लेक्चरार		
1.	संस्थान द्वारा आयोजित टीचिंग मेथोडोलोजी विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	6-8 अगस्त 2018
2.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला में भाग लिया गया ।	23 अगस्त 2018
3.	संस्थान द्वारा आयोजित अण्डरस्टेडिंग ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला।	24-25 अगस्त 2018
4.	संस्थान द्वारा आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एण्ड नाड़ी परीक्षा विषयक कौशल विकास कार्यशाला ।	4-6 अक्टूबर 2018

5.	संस्थान द्वारा आयोजित डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक कौशल विकास कार्यशाला में भाग लिया गया ।	23 अगस्त 2018
6.	संस्थान द्वारा आयोजित नाड़ी परीक्षा विषयक कार्यशाला एवं अलुमनाई मीट में भाग लेकर नाड़ी परीक्षा विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।	6-7 फरवरी 2019

विविध गतिविधियाँ –

क्र.सं.	संकाय का नाम	गतिविधियाँ
1.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	• सदस्य, डीम्ड-यूनिवर्सिटी-स्टेटस हेतु समिति • प्रभारी, विभागीय शवच्छेदन कक्ष । • सदस्य, छात्रों हेतु प्रशासनिक समिति । • सदस्य, छात्रावास निरीक्षण समिति । • सदस्य, लेड बोर्ड़ डिजाईनिंग समिति । • स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा परीक्षाओं हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया गया ।
2.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	• सदस्य, आयुर्वेद दिवस समारोह हेतु समिति । • सदस्य, छात्रावास निरीक्षण समिति । • स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा परीक्षाओं हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया गया ।
3.	डॉ. नेहा उदिनीया लेक्चरार	• सदस्य, लींग सशक्तिकरण, महिला जागरुकता एवं सशक्तिकरण । • सदस्य, डब्ल्यूएचओ वर्किंग ग्रुप मीटिंग । • सदस्य, तरंग 2019 हेतु समिति – सांस्कृतिक गतिविधि । • सदस्य, चिकित्सालय निरीक्षण समिति । • सदस्य, एलुमनाई मीट हेतु आवास समिति । • स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा परीक्षाओं हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया गया । • विश्व आयुर्वेद परिषद में क्लिनीकल अनॉटामी ऑफ यूटरस एवं फंक्शनल एझ बायोमेकेनिक्स ऑफ पेल्विस विषयक 2 अतिथि व्याख्यान क्रमशः 14-9-2018 एवं 5-4-2019 को दिये गये ।

****

स्वस्थ वृत्त विभाग

परिचयः स्वस्थ वृत्त आयुर्वेद की एक महत्त्वपूर्ण शाखा है । यह शाखा आयुर्वेदिक जीवनशैली तथा स्वास्थ्य संरक्षण से सम्बन्धित है । स्वस्थ वृत्त सद्वृत सहित दैनिकचर्या, ऋतुचर्या, प्रातः चर्या, स्वच्छता, सायं चर्या, रात्रि चर्या, आदि को विशिष्ट रूप से जीवन में अपनाने पर बल देता है । विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के अध्येताओं को स्वास्थ्य विज्ञान, संक्रामक रोगों, रोग-निराधक एवं स्वास्थ्य प्रोत्साहक पहलुओं सम्बन्धित अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कार्य कराये जाते हैं । इसके अतिरिक्त छात्रों को योग का प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक तथा प्राकृतिक चिकित्सा का भी अध्ययन कराया जाता है । इस विभाग में एक योग इकाई भी है जिसमें प्रतिदिन प्रातःकाल में योगासन आदि कराये जाते हैं ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, 1 प्रोफेसर, 1 एसोसियेट प्रोफेसर एवं 3 असिस्टेन्ट प्रोफेसर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहें ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को स्वस्थ वृत्त विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं को विशिष्ट व्याधियों के संदर्भ में उनके शोध विषयक सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

स) पीएच.डी. –पीएच.डी. अध्येताओं को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों अनुसार उनके विषय का शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

शोध –आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. हरजीत कौर	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव ट्रॉयल टू एसेस द् वर्ण्य इफेक्ट ऑफ रक्तचन्दनादि लैप एण्ड यवादि लैप ।
2.	डॉ. शम्भू दयाल	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनालेटिकल स्ट्डी टू एसेस द् इफेक्ट ऑफ कलुष्य प्रसादन द्रव्य इन प्योरिफिकेशन ऑफ वॉटर ।
3.	डॉ. पूनम	डॉ. दुर्गावती दूवी एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ योग प्रॅक्टिस इन नॉन-ब्लीडिंग प्रोलेप्सिंग हेमोरोइड्स ।
4.	डॉ. ममता सैनी	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रॉयल टू एसेस द् इफेक्ट ऑफ पथ्या आहार इन ग्रहणी ।
5.	डॉ. जितेन्द्र कुमार सुहाग	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रॉयल टू एसेस द् अम्लपित्तहार इफेक्ट ऑफ धानयाक हिम एण्ड कुञ्जल क्रिया ।
6.	डॉ. पुनीत चतुर्वेदी	डॉ. दुर्गावती दूवी एसोसिएट प्रोफेसर	ए केस कन्ट्रोल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् क्वालिटी ऑफ लाईफ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ब्रह्ममूहर्त जागरण ।
7.	डॉ. पूनम तेतरवाल	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	असेसमेन्ट ऑफ मुखदुषीकहर प्रभाव प्रतिमर्ष नस्य : ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव स्ट्डी ।

		डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नमृता यादव	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ सतवरयादि चूर्ण इन पोस्ट मेनोपाजल सिंड्रोम ।
2.	डॉ. पूजा सैनी	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल ट्रायल टू एवेल्युएट द लेक्टिव इफेक्ट ऑफ डाईट विथ त्रिफला चूर्ण इन विबन्ध विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू कोन्सटिपेशन ।
3.	डॉ. सुरेन्द्र पाल	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी टू एसेस द् स्टेटस ऑफ बल एण्ड मोर्बिडिटी अमंग द् इण्डिविजूअल ऑफ जयपुर सिटी इन यमदांष्ट्र कला ।
4.	डॉ. किरन शर्मा	डॉ. दुर्गावती दूवी एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ कुलथा यूष अज़ पथ्य इन आर्तव कषाय ।
5.	डॉ. सुरेश कुमार	डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार साहु असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्ज़ेमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू कम्पेअर इफेक्ट ऑफ योग थेरेपी एण्ड ब्रिस्क वाकिंग ऑन सेरम टीएसएस इन सबक्लिनीकल हाइपोथायरोडिज्म ।
6.	डॉ. नमिता पटेल	डॉ. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. दुर्गावती देवी एसोसिएट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ दशमूल क्वाथ नाड़ी स्वेद एण्ड लोकल स्टीम बाथ इन संधिगत वात ।
7.	डॉ. मनोज कुमार पटेल	डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ अणु तेल प्रतिमार्श नस्य एवं जलनेति क्रिया इन दुष्ट प्रतिश्याय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक साइनसिटिस।
8.	डॉ. नेहा जोली	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Determination of Balardha Shakti Vyayama of Vataja, Pittaja, and Kaphaja Prakriti Individuals Belonging to Jangala Desha W.S.R. to Hemanta Ritu
9.	डॉ. पंकज कुमार	डॉ. दुर्गावती देवी एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल एण्ड इन-विट्रो स्ट्डी टू असेस द् एन्टी-प्लाकू इफेक्ट ऑफ Dantakastha
10.	डॉ. शशी बाला	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ऐ रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल टू एवेल्यूएट द् प्रीवेंशन इफेक्ट ऑफ नूतेल प्रतिमर्श नस्य विथ एण्ड विथआऊट बादामपाक इन अर्ध्वभेदक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक माईग्रेन ।
11.	डॉ. सोनाली	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी टू एसेस द् स्टेटस ऑफ अग्नि एण्ड बल अमंग द् इण्डिविजूअल ऑफ जयपुर सिटी इन हेमन्त ऋतु ।
12.	डॉ. शुभश्री	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा	क्रिटिकल एनोलेसिसि ऑफ कन्सेप्ट ऑफ

		प्रोफेसर	अनुपान विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू आहार द्रव्य - ए लिटरेरी रिव्यू ।
13.	डॉ. सुख राम	डॉ. दुर्गावती देवी एसोसिएट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड स्ट्डी टू एसेस द् बाजीकरण इफेक्ट ऑफ वृष्यपुप्लीका एण्ड मोदक अगेंस्ट प्लेसबो ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. एकता	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव ट्रॉयल टू एसेस द् व्रण्य इफेक्ट ऑफ रक्तचन्दनादि लैप एण्ड यवादि लैप ।
2.	डॉ. अनामिका राय	डॉ. दुर्गावती देवी एसोसिएट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी टू एसेस द् स्टेटस ऑफ बल अकोर्डिंग टू वेरियस ऋतु इन हैल्दी इंडिविजूअल ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण जारी रखे गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. गजेन्द्र दुबे	डॉ. दुर्गावती देवी एसोसिएट प्रोफेसर	न्युट्रिशनल एण्ड क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ श्रमहर महाकषाय इन पोस्ट-एक्सरसाईज फेटिगू।

चिकित्सकीय कार्य -

विभाग के अध्यापकों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई ।

प्रकाशन -

जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख -

लेखक : डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
क्र.सं.	लेख का शिर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	करेले का जूस मधुमेह एवं मोटापा घटाने में कारगर ।	राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 30-6-2018.
2.	अलसी महिलाओं के लिये कई रोगों में फायदेमंद ।	राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 31-8-2018.
3.	बालों का प्राकृतिक रंग बनाये रखता है मैथी दाना ।	राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 7-9-2018.
4.	पावर योग मोटापा, तनाव कम करने में है कारगर ।	राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 16-12-2018.
5.	आयुर्वेद व होम्योपैथी, स्वाईन फ्लू के बचाव व रिकवरी दोनों में मददगार ।	राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 13-1-2019.
6.	स्वास्थ्यवृत्तसूत्रसंग्रह ।	चौखम्भा ओरियन्टेला, वाराणसी(उ.प्र.) प्रथम संस्करण, फरवरी 2019 ISBN:978-93-86660-86-2
डॉ. रवि कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
7.	सेहत का योगसूत्र	राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 16-6-2018.
डॉ. काशीनाथ एस., असिस्टेन्ट प्रोफेसर		

8.	हैल्थ टिप्स ऑन योग एट वर्क प्लेस ऑन वर्ल्ड डे फॉर सेफ्टी एण्ड हैल्थ एट वर्कप्लेस ।	राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 28-4-2018.
9.	एसेंशिअल सेट ऑफ आसन टू प्रीवेंट एण्ड कन्ट्रोल मधुमेह ।	राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 11-11-2018.
10.	सूप एण्ड डीकोक्शन टू कम्बेट द् डिजिज ।	राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 2-12-2018.
11.	रिलेवेन्स ऑफ पेंडूलम ब्रेथिंग इन मेडिटेशन ।	राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 18-12-2018.
12.	योग टू कन्ट्रोल एण्ड प्रीवेंट गुस्ट्रोइनटेस्टाईनल डिस्आर्डर्स।	राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 6-1-2019.
13.	योग से अपनी लम्बाई बढ़ाईये ।	राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 10-2-2019.
14.	बार्क ऑफ अर्जुन/रिड्यूज द् कोलेस्ट्रोल एकूमेलेशन/कोलेस्ट्रोल - घटाये अर्जुन की छाल ।	राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 24-3-2019.

कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/सीएमई/आरओटीपी कार्यक्रमों में अतिथि व्याख्यान -

क्र.सं.	कार्यक्रम का विवरण	अतिथ व्याख्यान/वार्ता का शिर्षक
प्रो. कमलेश कुमार शर्मा, प्रोफेसर		
1.	संस्थान द्वारा 23-10-2018 को आयोजित आयुर्वेद महिला चिकित्सकों हेतु आयोजित कार्यशाला ।	आहार संस्कार ।
2.	एमजेआरपी विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा 28-10-2018 को आयोजित योग कार्यक्रम ।	योग एवं भागवत गीता ।
3.	राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय धन्वन्तरि जयन्ति समारोह ।	लोक स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद ।
4.	सुश्रुत आयुर्वेद महाविद्यालय, बैंगलोर द्वारा 28-11-2018 को आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	स्वस्थवृत्त ।
5.	महावीर आयुर्वेद महाविद्यालय, मेरठ द्वारा आयोजित शिष्योपांनयन विषयक कार्यक्रम ।	आयुर्वेद ।
डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल, प्रोफेसर		
6.	महावीर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड होस्पीटल एवं विश्व आयुर्वेद परिषद, मेरठ द्वारा 7-4-2018 को आयोजित इन्टीग्रेटेड एप्रोच इन मैनेजमेन्ट ऑफ सायकोसोमेटिक डिस्आर्डर्स विषयक राष्ट्रीय सेमीनार ।	रोल ऑफ डाईट एण्ड योग इन सायेकोसोमेटिक डिस्आर्डर्स ।
7.	सीसीआरवाईएन व इंडियन मैनोपाज़ सोसायटी, जयपुर द्वारा प्रायोजित एवं संस्थान द्वारा आयोजित 3-5-2018 को आयोजित 40+ महिलाओं हेतु आयोजित एक दिवसीय योग विषयक कार्यशाला ।	लाईफ स्टाइल इन 40+ वूमन फॉर हैली रिलेटेड प्रोब्लम्स ।
8.	संस्थान द्वारा 18-6-2018 को छात्रों हेतु आयोजित एक कार्यक्रम ।	विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी।
9.	संस्थान द्वारा तृतीय आयुर्वेद दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित जन जागरण कार्यक्रम ।	खान पान के भ्रम एवं तथ्य ।
10.	आंचलिक केन्द्र इग्नू, जयपुर द्वारा 28-11-2018 को	फूड एण्ड न्युट्रिशन फॉर हूमन

	आयोजित स्टाफ डवलपमेन्ट प्रोग्राम ।	डवलपमेन्ट – आयुर्वेदि कन्सेप्ट ।
डॉ. रवि कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
11.	सीसीआरवाईएन व इंडियन मैनोपाज़ सोसायटी, जयपुर द्वारा प्रायोजित एवं संस्थान द्वारा आयोजित 3-5-2018 को आयोजित 40+ महिलाओं हेतु आयोजित एक दिवसीय योग विषयक कार्यशाला ।	रोल ऑफ प्राणायाम इन 40+ वूमन फॉर हैल्थ रिलेटेड प्रोब्लम ।
डॉ. काशीनाथ एस., असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
12.	महावीर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड होस्पीटल एवं विश्व आयुर्वेद परिषद, मेरठ द्वारा 7-4-2018 को आयोजित इन्टीग्रेटेड एप्रोच इन मैनेजमेन्ट ऑफ सायकोसोमेटिक डिस्आर्डर्स विषयक राष्ट्रीय सेमीनार ।	रोल ऑफ स्वस्थवृत्त – दिनचर्या इन प्रीवेंशन ऑफ द् सायकोसोमेटिक डिस्आर्डर्स ।
13.	फरीदाबाद स्थित जीवा होस्पीटल, जीवा आयुर्वेद हैल्थ केयर सेन्टर, दिल्ली एनसीआर द्वारा 23-4-2018 को आयोजित कार्यक्रम ।	आयुर्वेद किचन इन्फ्रास्ट्रक्चर ।
14.	फरीदाबाद स्थित जीवा होस्पीटल, जीवा आयुर्वेद हैल्थ केयर सेन्टर, दिल्ली एनसीआर द्वारा 23-4-2018 को आयोजित कार्यक्रम ।	रोगानुसार आहार ।
15.	सीसीआरवाईएन व इंडियन मैनोपाज़ सोसायटी, जयपुर द्वारा प्रायोजित एवं संस्थान द्वारा आयोजित 3-5-2018 को आयोजित 40+ महिलाओं हेतु आयोजित एक दिवसीय योग विषयक कार्यशाला ।	योग आसन टू प्रीजर्व एण्ड प्रोमोट द् हैल्थ ऑफ 40+एज वूमन ।
16.	डब्ल्यूएचओ के जनेवा स्थित यूएन ऑफिस द्वारा 25-5-2019 को आयोजित योग डेमोस्ट्रेशन कार्यक्रम ।	वाक द् टाक ।
17.	डब्ल्यूएचओ के जनेवा स्थित यूएन ऑफिस द्वारा 21 से 24 मई 2019 को आयोजित योग रिलेक्सेशन टेक्नीक डेमोस्ट्रेशन कार्यक्रम ।	योग रिलेक्सेशन टेक्नीक डेमोन्सट्रेशन।
18.	डब्ल्यूएचओ के जनेवा स्थित यूएन ऑफिस द्वारा 22 मई 2019 को आयोजित फ्लश योग डेमोस्ट्रेशन कार्यक्रम ।	फ्लश योग डेमोंस्सट्रेशन ।
19.	डब्ल्यूएचओ के जनेवा स्थित यूएन ऑफिस द्वारा 23 मई 2019 को आयोजित फ्लश योग डेमोस्ट्रेशन कार्यक्रम ।	योग फार पेन मैनेजमेन्ट ।
20.	डब्ल्यूएचओ के जनेवा स्थित यूएन ऑफिस द्वारा 23 मई 2019 को आयोजित फ्लश योग डेमोस्ट्रेशन कार्यक्रम ।	योग फार फिजिकल हैल्थ मैन्टीनेंस ।
21.	डब्ल्यूएचओ के जनेवा स्थित यूएन ऑफिस द्वारा 23 मई 2019 को आयोजित फ्लश योग डेमोस्ट्रेशन कार्यक्रम ।	योग फार स्ट्रेस एण्ड पेन मैनेजमेन्ट ।
22.	बीजिंग, चीन के एससीओ मुख्यालय पर 16-6-2018 को आयोजित कार्यक्रम ।	योग प्रदर्शन ।
23.	बीजिंग, चीन में भारत के दूतावास में 17-6-2018 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला ।	योग प्रदर्शन ।

24.	बीजिंग, चीन में भारत के दूतावास में 17-6-2018 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला ।	मधुमेह में योग ।
25.	आयुर्वेद दिवस के पूर्व 100 दिवस के अन्तर्गत 28-7-2018 को आयोजित कार्यक्रम ।	मातृवत एवं कलावत भोजन ।
26.	आयुर्वेद दिवस के पूर्व 100 दिवस के अन्तर्गत 4-11-2018 को श्री गिर्राज स्वास्थ्य सेवा समिति, भरतपुर में आयोजित कार्यक्रम ।	कमर दर्द एवं मधुमेह हेतु योग ।
24.	रोयल आर्चिड में 22-11-2018 को जर्मनी के नागरिकों एवं होम्योपैथी डाक्टर्स हेतु व्याख्यान ।	करण्ट रिसर्च अपडेट्स एण्ड डवलपमेन्ट ऑफ नेचुरोपैथी ।
25.	होस्पेट कर्नाटका में आयुर्वेद फाउण्डेशन ऑफ इंडिया द्वारा 24-11-2018 को आयोजित बौधव्य 20018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला एवं सेमीनार ।	एप्लीकेशन ऑफ योग इन प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटिज मिलीट्स फोलोव्ड बाई प्रोप योग फॉर डायबिटिज पेशेन्ट्स ।
26.	होस्पेट कर्नाटका में आयुर्वेद फाउण्डेशन ऑफ इंडिया द्वारा 24-11-2018 को आयोजित बौधव्य 20018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला एवं सेमीनार ।	रोल ऑफ आहार इन कन्ट्रोल एण्ड प्रीवेंशन ऑफ प्रमेह : मधुमेह ।
27.	होस्पेट कर्नाटका में आयुर्वेद फाउण्डेशन ऑफ इंडिया द्वारा 24-11-2018 को आयोजित बौधव्य 20018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला एवं सेमीनार ।	रोल ऑफ आहार इन कन्ट्रोल एण्ड प्रीवेंशन ऑफ प्रमेह : मधुमेह ।
28.	राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं सुश्रुत आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर द्वारा 27-11-2018 को आयोजित स्वस्थवृत्त विषय में सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में व्याख्यान दिया गया।	आयुर्वेद डाइट अकोर्डिंग टू एज, ओकूपेशन एण्ड डिजिज ।
29.	राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं सुश्रुत आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर द्वारा 27-11-2018 को आयोजित स्वस्थवृत्त विषय में सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में व्याख्यान दिया गया।	आयुर्वेद इन मालन्युट्रिशन ।
30.	कूंमिंग यूनिवर्सिटी, चीन स्थित कूमिंग के एससीओ मेगा मैराथन के दो दिवस पूर्व 30-11-2018 को आयोजित ग्रूप योग एण्ड कल्चरल मीट ।	योग प्रदर्शन ।
31.	चीन में बींजिंग के दूतावास में इंडिया चाईन कॉलेज ऑफ योग, यून्नान मिंजा यूनिवर्सिटी, कूंमिंग में 1-12-2018 को आयोजित कार्यक्रम ।	थेरेप्युटिक योग ।
32.	शंघाई कोऑपरेशन आर्गेनाईजेशन, कूंमिंग द्वारा 1-12-2918 को आयोजित कार्यक्रम ।	एडवान्स योग डेमोन्सट्रेशन ।

33.	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 11-12-2018 को आयोजित आयुषचर्या विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन ।	मॉडिफिकेशन इन दिनचर्या टू सूट द प्रजेन्ट सेनेरियो ' ए क्लासिकल बेस्ड प्रॅक्टिकल एप्रोच ।
34.	अहमदाबाद(गुजरात) में 16-12-2018 को आयोजित 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस की कार्यशाला ।	मात्रवह एण्ड कलावत आहार : इन न्युट्रिशन एण्ड डायटेटिक्स ।
35.	अहमदाबाद(गुजरात) में 17-12-2018 को आयोजित 8वें वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस के आऊटरिच कार्यक्रम ।	लाईफस्टाईल एडवाईज फॉर ओबेसिटी एण्ड हाइपरटेंशन ।

(सी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/सीएमई कार्यक्रमों में सहभागिता -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
1.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	1. संस्थान द्वारा तृतीय आयुर्वेद दिवस के कार्यक्रमों की श्रृंखला में 28-7-2018 को आयोजित खान-पान एवं आयुर्वेद विषयक कार्यशाला । 2. अजमेर में 4-5 अगस्त 2018 को आयोजित शिक्षा विषयक संगोष्ठी । 3. भारतीय ज्ञान परम्परा द्वारा 9 अगस्त 2018 को आयोजित प्रज्ञा-प्रवाह विषयक संगोष्ठी । 4. मनसा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, जयपुर एवं जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर कां मन्तव्य केशव हेतु 22 अगस्त 2018 को दौरा किया गया । 5. 28 अगस्त 2018 को आयोजित पंचकर्म प्रारम्भ विषयक कार्यक्रम में भाग लिया गया ।
2.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 2 मई 2018 को आयोजित फ्रेमवर्क ऑफ एमसीक्यू विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया । 2. संस्थान द्वारा 6-8 अगस्त 2018 को आयोजित टीचिंग मेथोडोलॉजी विषयक स्किल डवलपमेन्ट विषयक कार्यशाला । 3. संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित स्किल डवलपमेन्ट ऑफ डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑन स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया । 4. संस्थान द्वारा 24-25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेडिंग ऑन चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया । 5. संस्थान में 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित Alumni Meet-cum-Workshop on Nadi Pariksha में भाग लिया गया ।
3.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. संस्थान द्वारा 6-8 अगस्त 2018 को आयोजित टीचिंग मेथोडोलॉजी विषयक स्किल डवलपमेन्ट विषयक कार्यशाला । 2. संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित स्किल डवलपमेन्ट ऑफ डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑन स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया । 3. संस्थान द्वारा 24-25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेडिंग ऑन चरक संहिता विषयक कार्यशाला में

		भाग लिया गया । 4. संस्थान द्वारा 19 जनवरी 2019 को आयोजित रिसर्च मेथोडोलोजी फॉर फेकल्टी विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया । 5. संस्थान में 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित Alumni Meet-cum-Workshop on Nadi Pariksha में भाग लिया गया । 6. संस्थान द्वारा 15-16 फरवरी 2018 को आयोजित फार्मेकोविजीलेंस विषयक सीएमई कार्यशाला ।
4.	डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. संस्थान द्वारा 15-16 फरवरी 2018 को आयोजित फार्मेकोविजीलेंस विषयक सीएमई कार्यशाला । 2. संस्थान द्वारा 6-8 अगस्त 2018 को आयोजित संधि परीक्षा, अग्नि परीक्षा एवं नाड़ी परीक्षा विषयक स्किल डवलपमेन्ट विषयक कार्यशाला । 3. संस्थान द्वारा 23 अगस्त 2018 को आयोजित स्किल डवलपमेन्ट ऑफ डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑन स्पाईन डिस्आर्डर्स विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया । 4. संस्थान द्वारा 24-25 अगस्त 2018 को आयोजित रिसाईटेशन एण्ड अण्डरस्टेडिंग ऑन चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया । 5. संस्थान में 6-7 फरवरी 2019 को आयोजित Alumni Meet-cum-Workshop on Nadi Pariksha में भाग लिया गया ।

विदेश दौरे -

आयुष मंत्रालय द्वारा विभाग के डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर को संयुक्त अरब अमीरात स्थित आबू धाबी में आयोजित आयुष संगोष्ठी में भाग लेने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया । अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में इनके द्वारा आयुष की प्रासंगिता एवं क्षमता विषयक पत्र प्रस्तुत किया । इन्होंने दूबई स्थित कैगिनेट मामलों के मंत्रालय एवं प्रधानमंत्री कार्यालय में 25-10-2018 को आयोजित बैठक में आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया ।

आयुष मंत्रालय द्वारा डॉ. काशीनाथ एस., असिस्टेन्ट प्रोफेसर को योग विशेषज्ञ के रूप में स्विट्जरलैंड के जिनेवा में 20-25 मई 2018 को आयोजित विश्व स्वास्थ्य संगठन की 71वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में भाग लेने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया ।

आयुष मंत्रालय द्वारा डॉ. काशीनाथ एस., असिस्टेन्ट प्रोफेसर को योग विशेषज्ञ एवं दल के समन्वयक के रूप में बीजिंग, चीन स्थित भारतीय दूतावात में 15-18 जून 2018 को आयोजित चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2018 समारोह में भाग लेने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया ।

आयुष मंत्रालय द्वारा डॉ. काशीनाथ एस., असिस्टेन्ट प्रोफेसर को योग विशेषज्ञ एवं दल के समन्वयक के रूप में कूंमिंग स्थित शंघाई कोऑपरेशन आर्गेनाईजेशन द्वारा 1 दिसम्बर 2018 को आयोजित कूंमिंग मैराथन-2018 में भाग लेने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया ।

विविध गतिविधियाँ -

विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई -

क्र.सं.	अध्यापकों का नाम	विविध गतिविधियाँ

1.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. दूरदर्शन पर निम्नलिखित साक्षात्कार आयोजित किये गये : • पत्रिका टी.वी. 'फादर्स डे' (16-6-2018) • पत्रिका टी.वी. 'आयुर्वेद व होम्योपैथी - स्वाइन फ्लू के बचाव व रिकवरी दनों में मददगार' (5-1-2019) 2. निम्नलिखित रेडियो वार्ताऐं प्रसारित की गई - • आल इंडिया रेडिया, आकाशवाणी, जयपुर, पेनल डिस्कशन ऑन वाइरसजनित रोग और बचाव (7-7-2018) । 3. आयुष मंत्रालय द्वारा गायत्री परिवार ट्रस्ट एवं जयपुर के जवाहर कला केन्द्र स्थित दिया फाउण्डेशन में 21-23 जुलाई 2018 को आयोजित योग महोत्सव में भाग लिया गया । 4. खण्डेलवाल वैश्य पीजी कॉलेज, शास्त्री नगर, जयपुर द्वारा 17-1-2019 को आयोजित स्वच्छ भारत पब्लिक अवेयरनेस प्रोग्राम में भाग लिया गया ।
2.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. कार्यस्थल पर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य विश्व दिवस के अवसर पर 5-5-2018 को टीवी साक्षात्कार दिया गया ।
3.	डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. राजस्थान पत्रिका टीवी शो हैला डॉक्टर में पत्रकार श्री राशि बिश्नाई के साथ प्रीवेंशन एण्ड ट्रीटमेन्ट ऑफ मॉसक्यूटो बोर्न डिज़िज़ थ्रू आयुर्वेद विषयक 22-8-2018 को वार्ता प्रसारित की गई। 2. डी.डी. राजस्थान के चौपाल कार्यक्रम में दिनचर्या एवं रितुचर्या का महत्त्व विषयक वार्ता विशेषज्ञ के रूप में प्रसारित की गई।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा इकाई

संस्थान के स्वस्थवृत्त विभाग में पृथक से एक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा इकाई है जहाँ प्रत्येक दिन जनसामान्य एवं रोगियों के स्वास्थ्य संवर्द्धन हेतु योग एवं प्राणायाम कराये जाते हैं । विभाग द्वारा रोगियों को विशेष मिट्टी चिकित्सा एवं जल चिकित्सा उपलब्ध कराई जा रही है । छात्रों उनके प्रशिक्षण के भाग के रूप में स्वास्थ्य परिचर्या गतिविधियों यथा - आसन, प्राणायाम, कुञ्जल, सूत्र नेति, वस्त्र धौति, कटि स्नान, पाद स्नान, मिट्टी चिकित्सा (सर्वांग) तथा मिट्टी चिकित्सा (स्थानिक) आदि में व्यस्त रखा जाता है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, गृध्रसी (साइटिका), कटिशूल(लो- बेकएच), स्थौल्य(ओबेसिटी), उच्चरक्तचाप(हाई ब्लडप्रेशर), तमक श्वास(ब्रोन्कियल अस्थमा), अनिंद्रा(इन्सोमनिया), अवसाद(डिप्रेशन), विबंध(कांस्टीपेशन), ग्रहणी(क्रोनिक कोलाइटिस), अम्लपित्त (एसिडिटी), मधुमेह(डायबिटीज), अवबाहुक(फ्रोजन शोल्डर) तथा प्रतिश्याय(कोल्ड) के रोगियों की चिकित्सा की गई ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, कुल 12,982 रोगी विभिन्न आसानों एवं क्रियाओं से लाभान्वित हुये ।

संस्थान के अध्येताओं, अध्यापकों एवं कर्मचारियों द्वारा 21-6-2018 को तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया । इस अवसर पर योग एवं इसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु एक रैली का आयोजन किया गया । प्रात:काल में 6 बजे से 9 बजे तक योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया जिसमें 1427 योग साधकों ने भाग लिया । संस्थान के सभी कर्मचारियों एवं आम जनता के समक्ष योग प्रदर्शित किये गये ।

21-6-2018 को योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें योग साधकों ने भाग लिया ।

योग इकाई में जलनेति पात्र, सुत्र नेति, सनबाथ टब, हिपबाथ टब, बाथ टब, गर्म पानी हेतु गीज़र, योग मेट, एक्युप्रेशर किट आदि उपयोग में लिये जा रहे हैं ।

****